Website Link: mib.gov.in

सत्यमेव जयते

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

वार्षिक रिपोर्ट

1999-2000

विषय - सूची

1.	एक नज़र	1
2.	आकाशवाणी	3
3.	दूरदर्शन	20
4.	फिल्म	39
5.	प्रेस प्रचार	49
6.	समाचारपत्रों का पंजीयन	54
7.	प्रकाशन	55
8.	क्षेत्रीय प्रचार	59
9.	विज्ञापन और दृश्य प्रचार	65
10.	फोटो प्रचार	71
11.	गीत और नाटक	74
12.	गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण	76
13.	योजना और गैर-योजना कार्यक्रम	80
14.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	91
15.	प्रशासन	92

परिशिष्ट

1.	मंत्रालय का सांगठनिक ढांचा	98
2.	वर्ष 1999-2000 और 2000-2001 के लिए योजना तथा गैर-योजना बजट का विवरण	100

1

एक नज़र

सूचना और प्रसारण मंत्रालय सूचना, प्रसारण और फिल्म क्षेत्रों का केंद्रीय मंत्रालय है। इन सभी क्षेत्रों के कार्य एक दूसरे के पूरक हैं और उन्हें अलग-अलग खानों में नहीं बांटा जा सकता। ये आपस में अंतर्ग्रथित हैं क्योंकि इन सभी गतिविधियों का मुख्य मकसद लोगों को सूचना देना, शिक्षित करना और उनका मनोरंजन करना है। इनमें प्रत्येक क्षेत्र अपने-अपने घोषित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मंत्रालय की विशिष्ट मीडिया इकाइयों तथा अन्य संगठनों के माध्यम से काम करता है, मंत्रालय के अंतर्गत 13 मीडिया इकाइयां तथा 18 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/स्वायत्त संगठन हैं जिन्हें यह प्रशासकीय तथा बजटीय समर्थन देता है।

सभी मीडिया इकाइयां अपनी-अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में काम करती हैं। सूचना क्षेत्र में प्रकाशन विभाग, गीत और नाटक प्रभाग, क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, पत्र सूचना कार्यालय तथा फोटो प्रभाग आते हैं। ये माध्यम एकक पुस्तकों, मुद्रित सामग्री, प्रदर्शनियों, विज्ञापनों तथा लोक नृत्य और नाटकों के जरिये देश के सभी भागों में सूचना का प्रसार करते हैं। प्रसारण के क्षेत्र में प्रसार भारती एक स्वायत्तशासी संगठन है। प्रसार भारती के अंतर्गत आकाशवाणी और दूरदर्शन आते हैं जो सार्वजनिक क्षेत्र के प्रसारणकर्ता की भूमिका अदा करते हैं। फिल्म क्षेत्र में फिल्म समारोह निदेशालय, फिल्म समारोहों का आयोजन कर और उनमें



'ए मोमेंट ऑफ हीरीइज्म इन करगिल' विषय पर फोटो प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार पाने वाली श्री मनीष स्वरूप की प्रविष्टि

भाग लेकर अच्छी फिल्मों को प्रोत्साहन देने का काम करता है। फिल्म प्रभाग सरकार की नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए वृत्तचित्र और समाचार-चित्रों का निर्माण करता है।

भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे; सत्यजित राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, कलकत्ता तथा भारतीय जनसंचार संस्थान, दिल्ली, मंत्रालय से संबद्ध ऐसे उत्कृष्ट संस्थान हैं जो अपने विशिष्ट क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। मंत्रालय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, भारतीय बाल फिल्म समिति, भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय और भारतीय प्रेस परिषद से भी जुड़ा है। ये सभी संस्थान सूचना और प्रसारण मंत्रालय के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कार्य करते हैं।

मंत्रालय और इसकी इकाइयों की विकास संबंधी आवश्यकताएं योजना आबंटन के द्वारा पूरी की जाती है। नौंवी पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत सूचना और प्रसारण मंत्रालय की गतिविधियों के लिए 2970.34 करोड़ रुपये की परिव्यय राशि स्वीकृत की गई हैं। इसमें से वार्षिक योजना 1999-2000 के लिए 569.38 करोड़ रुपये तथा अगले वर्ष के लिए 709.35 करोड़ रुपयें की परिव्यय राशि आबंटित की गई है। चालू योजना के दौरान मीडिया इकाइयों के आधुनिकीकरण और कंप्यूटरीकरण तथा उपकरणों को उन्नत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। योजनागत संसाधनों को विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इकाइयों का बुनियादी ढांचा विकसित करने की ओर निदेशित किया गया है ताकि आकाशवाणी और दूरदर्शन की प्रसारण क्षमता बढ़ाई जा सके। कार्यक्रमों के मामले में इलेक्ट्रॉनिक और गैर-इलेक्ट्रॉनिक दोनों ही मीडिया इकाइयों ने अपना ध्यान राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सद्भाव, परिवार कल्याण, स्वास्थ्य-रक्षा जैसे विषयों के लिए कार्यक्रम/पैकेज तैयार करने के साथ-साथ महिलाओं, बच्चों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गों के कार्यक्रम तैयार करने पर केंद्रित किया।

मंत्रालय और इसकी माध्यम इकाइयों ने विभिन्न मंत्रालयों द्वारा पल्स पोलियो टीकाकरण, शिक्षा, बच्चों के अधिकार तथा एड्स की रोकथाम जैसे उल्लेखनीय विषयों के संदेश के प्रसार में भी अपना योगदान दिया है। इसके लिए पारंपरिक दृश्य और समाचार माध्यमों के साथ-साथ अंतर-वैयक्तिक संवाद-माध्यमों का भी उपयोग किया गया। आम चुनावों को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से व्यापक तथा चौबीसों घंटे कवरेज दी गई। इनमें समाचार बुलेटिन, साक्षात्कार तथा विश्लेषण शामिल हैं।

आगे के अध्यायों में वर्ष 1999-2000 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों की गतिविधियों का विस्तृत विवरण दिया गया है। मंत्रालय से संबंधित आंकड़ों की जानकारी रिपोर्ट के अंत में दिए गए परिशिष्ट में शामिल की गई है।

वर्ष की प्रमुख उपलब्धियां

1. करगिल युद्ध का व्यापक तथा सीधा प्रसारण।
2. प्रसार भारती द्वारा दूरदर्शन पर कशीर चैनल का आरंभ।
3. निजी प्रसारणकर्ताओं को स्थानीय प्रसारण की अनुमति।
4. श्री लेस्टर जेम्स पेरीज को 20.1.2000 को सिनेमा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए **लाइफटाइम एचीवमेंट एवार्ड** प्रदान किया गया।
5. मंत्रालय को इंटरनेट पर लाया गया।
6. फोटो प्रभाग के अभिलेखीय फोटोग्राफों का इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से भंडारण और फाइलिंग।
7. 'इवेंट्स 2000' नामक घटनाओं की वार्षिकी का लोकार्पण।
8. वर्ष 1998 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार 15.2.2000 को दिया गया।
9. संपूर्ण गांधी वाङ्मय की सीडी का लोकार्पण।
10. पहली बार सामाजिक क्षेत्र के मुद्दों पर संपादकों का सम्मेलन आयोजित किया गया।

2

आकाशवाणी

2.1 मुंबई और कलकत्ता में दो निजी स्वामित्व वाले ट्रांसमीटरों के साथ 1927 में भारत में प्रसारण कार्य शुरू हुआ था। सरकार ने 1930 में इन ट्रांसमीटरों को अपने पास ले लिया और भारतीय प्रसारण सेवा के रूप में संचालित करने लगी। इसका नाम 1936 में बदल कर ऑल इंडिया रेडियो रखा गया जो 1957 से आकाशवाणी हो गया। प्रसार भारती नाम से स्वायत्त भारतीय प्रसारण निगम की स्थापना 23 नवंबर, 1997 को आकाशवाणी और दूरदर्शन की गतिविधियों के संचालन के लिए की गई।

नेटवर्क

2.2.1 देश में इस समय आकाशवाणी के 198 केंद्र काम कर रहे हैं जिनमें से 185 पूर्ण सज्जित केंद्र, 10 रिले केंद्र और तीन विविध भारती के विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्र हैं। आकाशवाणी के पास इस समय 310 ट्रांसमीटर हैं। इनसे देश की 97.3 प्रतिशत जनसंख्या के लिए और 90 प्रतिशत इलाके में रेडिया प्रसारण पहुंचता है।

2.2.2 आकाशवाणी ने नेटवर्क को मजबूत बनाने और कवरेज में सुधार के लिए अनेक उपाय किए हैं।

I. पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेडियो कवरेज को मजबूत बनाने के लिए सिलचर के 10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 20 किलोवॉट



नई दिल्ली में 11 अक्तूबर 1999 को आयोजित आकाशवाणी संगीत सम्मेलन

मीडियम वेव में, इम्फाल के 50 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 300 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर में और कोहिमा के 50 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 100 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर में बदलने की योजना पर काम चल रहा है। स्टीरियो प्लेबैक सुविधा के साथ नए एफ. एम. चैनल शिलांग, इम्फाल, अगरतला और आइजोल में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। घुबरी, तेजपुर, चूड़ाचांदपुर, धर्मनगर और लांगथेराई में नए रेडियो केंद्र बनाए जा रहे हैं। 10 स्थानों पर सामुदायिक रेडियो केंद्र बनाने की विशेष योजना पर भी काम चल रहा है, ताकि विभिन्न भाषाओं और बोलियों के लोगों की जरूरतें पूरी हो सकें।

II. जम्मू-कश्मीर में कवरेज में विस्तार के लिए जम्मू में 50 किलोवाट का एक शार्टवेव ट्रांसमीटर लगाया जा रहा है। लेह में 10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 20 किलोवाट ट्रांसमीटर में और श्रीनगर के 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर में बदला जा रहा है। जम्मू में 6 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर वाला विविध भारती चैनल अब बनकर तैयार है। इसके अलावा श्रीनगर के विविध भारती स्टूडियो में स्टीरियो प्लेबैक की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जम्मू-कश्मीर में कवरेज में विस्तार की एक समन्वित योजना हाल ही में मंजूर की गई।

2.2.3 कार्यक्रम की तकनीकी गुणवत्ता में सुधार के उपाय किए जा रहे हैं। आज विश्वभर में डिजीटल आधारित टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है। आकाशवाणी में भी कार्यक्रम-निर्माण और ट्रांसमिशन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए इस तकनीक को लागू किया जा रहा है। कॉम्पेक्ट डिस्क प्लेयर सभी महत्वपूर्ण केंद्रों में उपलब्ध कराए जा चुके हैं।

2.2.4 आकाशवाणी ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की एक योजना के तहत नई दिल्ली में अत्याधुनिक ऑडियो रिफरबिशिंग केंद्र की स्थापना की है। पुरानी और खराब हो रही अभिलेखागार की ऑडियो सामग्री को डिजीटल प्रणाली में नियमित रूप से बदला जा रहा है ताकि इन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सके। नई दिल्ली में टोडापुर में एक स्थायी अभिलेख केंद्र की योजना पर भी अमल किया जा रहा है।

2.2.5 दिल्ली में किंग्सवे कैंप में कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान है जहां आकाशवाणी और दूरदर्शन के कर्मचारियों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताएं पूरी की जाती हैं। कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान को मजबूत बनाने की योजना बनाई जा रही है। एक और कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान उड़ीसा में भुवनेश्वर में स्थापित किया गया है।

2.2.6 देशभर में आकाशवाणी के सभी प्रसारण केंद्रों को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय कार्यक्रम के प्रसारण के लिए उपग्रह से जोड़ा गया है। विभिन्न राज्यों की राजधानियों में कार्यक्रमों की अपलिंकिंग के लिए 18 अपलिंक उपलब्ध हैं, जिनका इस्तेमाल क्षेत्रीय और स्थानीय रेडियो केंद्र करते हैं। चालू योजना के दौरान आइजोल, कोहिमा, इम्फाल और अगरतला में अपलिंकिंग सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जम्मू में भी अपलिंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव किया गया है।

आकाशवाणी : आंकड़े एक नजर में

1.	केंद्र	:	198
2.	ट्रांसमीटर	:	
	(क) मीडियम वेव	:	144
	(ख) शार्ट वेव	:	55
	(ग) एफ.एम.	:	111
	कुल	:	310
3.	कवरेज		
	क्षेत्रफल के हिसाब से	:	90.0%
	जनसंख्या के हिसाब से	:	97.3%

2.2.7 प्रसारण सुविधाएं और मजबूत की गई हैं। मौजूदा ट्रांसमीटरों की शक्ति बढ़ाई गई हैं और अनेक केंद्रों को आधुनिक बनाया गया है तथा स्टूडियो सुविधाओं में विस्तार किया गया है। हरियाणा में हिसार में 6 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर वाला एक नया रेडियो केंद्र शुरू हुआ। यहां स्टूडियो और कर्मचारियों के लिए आवास की भी व्यवस्था है। केरल में अलेप्पी में 100 किलोवाट मीडियम वेव पुराने ट्रांसमीटरों को 200 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर में बदला गया। इस ट्रांसमीटर से केरल में रेडियो कवरेज बेहतर होगी और इससे लक्षद्वीप को भी कवर किया जा सकेगा। पांडिचेरी में 1 किलोवाट मीडियम वेव पुराने ट्रांसमीटर को 20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर में बदला गया। एफ.एम. प्रसारण की तकनीकी गुणवत्ता में सुधार को देखते हुए उत्तरप्रदेश में अलीगढ़ में 6 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर वाले रिले केंद्र की स्थापना की गई। जोधपुर में एक किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर के स्थान पर 6 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाया गया। असम में कोकराझार में 20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर वाले एक नए रेडियो

केंद्र ने काम करना शुरू किया। इसमें स्टूडियो की भी सुविधा है। यह फैसला किया गया है कि एक किलोवाट मीडियम वेव वाले पुराने विविध भारती ट्रांसमीटरों को एफ.एम. ट्रांसमीटरों में बदल दिया जाए। इस योजना के तहत केरल में तिरुअनंतपुरम में एक किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर के स्थान पर 10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाया गया। दिल्ली में युववाणी कार्यक्रमों का प्रसारण अब एफ.एम. चैनल पर होता है। कलकत्ता में भी युववाणी का प्रसारण एफ.एम. चैनल पर होने लगा है। इलाहाबाद में मौजूदा एक किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर में बदला गया है। नेटवर्क में डिजीटल टेक्नोलॉजी लागू करने की योजना के तौर पर मुंबई में बोरीवली में केंद्रीकृत डिजीटल स्टीरियो अपलिंक सुविधा की स्थापना की गई है। यहीं से विविध भारती सेवा का प्रसारण होता है। पटना, हैदराबाद, नागपुर, पुणे, भोपाल, इंदौर और अहमदाबाद में विविध भारती स्टूडियो में स्टीरियो सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जालंधर में एफ.एम. चैनल के लिए भी स्टीरियो स्टूडियो उपलब्ध कराया जा रहा है। गुवाहाटी में 50 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को 100 किलोवाट के ट्रांसमीटर में बदला गया। विशाखापत्तनम में विविध भारती चैनल की शुरुआत की गई। आकाशवाणी की पहल पर विकसित किए गए बहु-उद्देशीय स्टीरियो ऑडियो मिक्सिंग कंसोल 85 केंद्रों को सप्लाई किए गए हैं। 1904 से 1930 के बीच गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर की रिकार्डिंग पर आधारित सीडी तैयार किए गए, जिन्हें कलकत्ता में प्रधानमंत्री ने जारी किया। 'इंडियन इथोस' शीर्षक से अभिलेखागार में उपलब्ध संगीत पर आधारित सीडी भी तैयार की गई है, जिन्हें विदेशों में भारतीय दूतावासों और उच्चायोगों को भेजा जाएगा। 'वन्देमातरम' का सी.डी. बिक्री के लिए तैयार की गई।

2.2.8 आकाशवाणी ने 6.12.1999 तक 20 परियोजनाएं तकनीकी रूप से तैयार कर ली थीं। ये हैं- जम्मू (जम्मू-कश्मीर), विविध भारती चैनल 10 किलोवाट एफ. एम. ट्रांसमीटर; गुवाहाटी (असम), 7 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर; रांची (बिहार), विविध भारती चैनल 6 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर; जमशेदपुर (बिहार), विविध भारती चैनल 6 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर; सिलिगुड़ी (पश्चिम बंगाल), विविध भारती चैनल 10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर; मुंबई (महाराष्ट्र), दूसरा चैनल 5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर; जबलपुर (मध्य प्रदेश), विविध भारती चैनल 10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर; बंगलौर (कर्नाटक), 6 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर; कोडईकनाल (तमिलनाडु), 10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर; तवांग (अरुणाचल प्रदेश), 10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर; विलियमनगर (मेघालय), सी.आर.एस; नोंगस्टोइन (मेघालय), सी. आर.एस; सैहा (मिजोरम) सी आर-II एस; मोन (नगालैंड), सी. आर. एस; त्रेनसांग (मेघालय) सी.आर. एस; जीरो (अरुणाचल प्रदेश) एलआरएस; भुवनेश्वर, आरएसटीआई (टी); पूर्वोत्तर जोनल कार्यालय, और सभी ज़ोनल क्षेत्रीय कार्यशाला।

समाचार सेवा प्रभाग

2.3.1 आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग 39 घंटे और 39 मिनट की कुल अवधि के 315 बुलेटिन रोज प्रसारित करता है। इनमें से 12 घंटे और पांच मिनट के 88 बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं जबकि 42 क्षेत्रीय समाचार एकांश रोज 137 समाचार बुलेटिन प्रसारित करते हैं जिनकी अवधि 18 घंटे और एक मिनट होती है। विदेश सेवा में आकाशवाणी 9 घंटे 9 मिनट के 66 बुलेटिन प्रसारित करता है जो कि 25 भाषाओं (भारतीय और विदेशी) में होते हैं। समाचार सेवा प्रभाग एफ.एम. चैनल के जरिये भी 24 समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है।

2.3.2 आकाशवाणी से अनेक विशेष बुलेटिन भी प्रसारित होते हैं जैसे खेल समाचार और युवाओं के लिए समाचार। हज के दौरान हज यात्रियों के लिए दिल्ली से पांच मिनट का विशेष हज बुलेटिन प्रसारित किया जाता है। समाचारपत्रों की टिप्पणियां रोज प्रसारित की जाती है। इसके अतिरिक्त, प्रभाग अनेक समाचार-आधारित कार्यक्रम और विश्लेषण अंग्रेजी तथा हिंदी में प्रसारित करता है। संसद सत्र के दौरान दोनों सदनों की कार्यवाही का ब्यौरा देने वाली समीक्षाएं अंग्रेजी और हिन्दी में प्रसारित की जाती हैं। इसी प्रकार से क्षेत्रीय समाचार एकांश भी अपनी राज्य विधायिकाओं की कार्यवाही की समीक्षा पेश करते हैं।

2.3.3 आकाशवाणी के लिए अधिकांश समाचार उनके देशभर में फैले संवाददाताओं से प्राप्त होते हैं। इनके देशभर में 90 नियमित संवाददाता हैं और सात संवाददाता विदेशों में कोलंबो (अभी रिक्त), ढाका, दुबई, प्रिटोरिया, काठमांडू, सिंगापुर और इस्लामाबाद (अभी रिक्त) में तैनात हैं। सात ही देश के महत्वपूर्ण जिला मुख्यालयों में आकाशवाणी के 246 अंशकालिक संवाददाता हैं। अपने समाचारों को व्यापक रूप देने के लिए प्रभाग संवाद एजेंसियों की सेवाएं भुगतान आधार पर प्राप्त करता है। समाचारों का एक अन्य स्रोत सामान्य समाचार कक्ष से जुड़ा अनुश्रवण एकांश (अंग्रेजी और हिंदी) तथा केंद्रीय अनुश्रवण सेवा है जो विश्व की मुख्य प्रसारण संस्थाओं के बुलेटिनों को मानीटर करती है।

2.3.4 समाचार बुलेटिनों को श्रोताओं की पसंद के मुताबिक बनाने के लिए सुबह और शाम के हिंदी और अंग्रेजी के समाचार बुलेटिनों के प्रारूप में परिवर्तन किया गया है। बुलेटिनों में संवाददाताओं

की आवाज, विशेषज्ञों की राय और सुर्खियों में रहने वाले लोगों की टिप्पणियां ज्यादा से ज्यादा शामिल की जा रही हैं। आकाशवाणी की 'न्यूज ऑन फोन' सेवा फोन पर दुनिया के किसी भी हिस्से में अंग्रेजी और हिंदी में ताजा समाचार उपलब्ध कराती है। इसके लिए कुछ विशेष टेलीफोन नंबर डायल करने होते हैं। आकाशवाणी के समाचार इंटरनेट पर भी उपलब्ध हैं। आकाशवाणी में 1 नवंबर, 1999 से खाड़ी क्षेत्रों के लिए दैनिक मलयालम सेवा भी शुरू की है।

2.3.5 वर्ष के दौरान जिन घटनाओं को प्रमुखता से कवर किया गया उनमें करगिल और जम्मू-कश्मीर के अन्य क्षेत्रों से पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ बाहर करने के लिए शुरू किया गया 'आपरेशन विजय' का सफल संचालन, 12वीं लोकसभा के भंग होने और 13वीं लोकसभा तथा कुछ राज्य विधानसभाओं के चुनाव शामिल है। पहली बार समाचार सेवा प्रभाग ने 36 घंटे के कार्यक्रम 'वर्डिक्ट-99' का सीधा प्रसारण किया, जिसमें चुनाव परिणामों के ताजा रुझानों के विश्लेषण के साथ ही आकाशवाणी के संवाददाताओं, प्रमुख राजनीतिज्ञों, विशेषज्ञों और आम लोगों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम इंटरनेट पर सीधा प्रसारित किया गया। जिन अन्य घटनाओं को प्रमुखता दी गई उनमें 13वीं लोकसभा का गठन, महाराष्ट्र, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश और सिक्किम में नई सरकार का गठन, संसद के नए सत्र की कार्यवाहियों और दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति के अभिभाषण, लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में राजनीतिक बदलाव शामिल हैं।

2.3.6 केंद्रीय बजट-99 पर कार्यक्रमों की श्रृंखला का प्रसारण किया गया। इसमें 'रेडियो ब्रिज' और 'फोन-इन कार्यक्रम' भी शामिल हैं। उड़ीसा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों में भयंकर समुद्री तूफान आने की आशंका के बारे में मौसम विभाग की चेतावनी का आकाशवाणी से बार-बार प्रसारण किया गया। इस तूफान से उड़ीसा में हुई तबाही और प्रभावित लोगों के लिए केंद्र के राहत और बचाव उपायों को भी पर्याप्त कवरेज दी गई।

2.3.7 अन्य पिछड़े वर्ग की सूची में जाट सहित 54 जातियों को शामिल करने के केंद्र के फैसले, वधवा कमीशन की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने, परमाणु नीति का मसौदा सरकार द्वारा जारी करने, आरक्षण, वाहन प्रदूषण और राजीव गांधी हत्या मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले, बोफोर्स मामले में चार व्यक्तियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किए जाने, लघु सूचना टेक्नोलॉजी इकाइयों की स्थापना के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 1 अरब रुपये के कोष की मंजूरी तथा सूचना टेक्नोलॉजी बिल, केंद्र द्वारा सीधे विदेशी निवेश के 58 प्रस्तावों को मंजूर किए जाने, ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास कोष से सीधे पंचायतों का कर्ज देने की प्रधानमंत्री की घोषणा, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण कोष शुरू किए जाने, पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के पांचवें चरण और भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले को प्रमुखता से कवर किया गया। जम्मू-कश्मीर के घटनाक्रम को भी काफी प्रसारित किया गया। सेना द्वारा चलाए जा रहे उग्रवाद विरोधी अभियान को भी काफी महत्व दिया गया।

2.3.8 जमीन से हवा में मार करने वाले मिसाइल 'आकाश' का सफल परीक्षण, मध्यम दूरी के अंतर-महाद्वीपीय मिसाइल 'अग्नि-2' के परीक्षण, चालक रहित लड़ाकू विमान 'निशांत' की परीक्षण उड़ान, अंतरिक्ष यान पीएसएलवी सी-2 के सफल प्रक्षेपण और नौसेना के 'त्रिशूल' मिसाइल का परीक्षण तथा कैगा में परमाणु बिजली केंद्र की दूसरी इकाई के चालू हो जाने जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं को भी प्रमुखता से प्रसारित किया गया।

2.3.9 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की घटनाओं, जिसमें नवाज शरीफ सरकार की सत्ता पलट कर जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा सत्ता हथियाया जाना, अमरीका, चीन, श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ संबंध घनिष्ट बनाने के सरकार के प्रयासों, संयुक्त अरब अमीरात के साथ प्रत्यर्पण संधि और कतर के साथ द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने संबंधी समझौते, अमरीका द्वारा भारत के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध समाप्त करने, कलकत्ता-ढाका बस सेवा को शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री की ढाका यात्रा, राष्ट्रमंडल देशों के शासनाध्यक्षों की बैठक में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री की डरबन यात्रा, राष्ट्रपति की आस्ट्रिया यात्रा, विदेश मंत्री श्री जसवंत सिंह की चीन, रूस, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान की यात्रा आदि महत्वपूर्ण घटनाओं को कवर किया गया। पोप जॉन पॉल द्वितीय की भारत यात्रा को भी व्यापक कवरज दी गई। विदेशों के गणमान्य व्यक्तियों की भारत यात्रा को भी प्रमुखता से प्रसारित किया गया। रूस, पश्चिम एशिया तथा पूर्वी तिमोर के राजनीतिक घटनाक्रमों और नेपाल, इस्राइल तथा इंडोनेशिया में चुनाव और नई सरकार के गठन जैसी घटनाओं को कवर किया गया।

2.3.10 स्वाधीनता दिवस समारोह को व्यापक कवरेज दिया गया। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति महोदय का राष्ट्र के नाम संबोधन और दिल्ली में लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री के भाषण को समाचार बुलेटिनों में प्रमुखता से लिया गया। पोकरण-2 की वर्षगांठ टेक्नोलॉजी दिवस के रूप में मनाए जाने और खालसा पंथ की त्रिशताब्दी समारोहों को भी कवरेज दिया गया।

2.3.11 समाचार बुलेटिनों और समाचार-आधारित कार्यक्रमों में ऐसी योजनाओं और कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया जो बालिकाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों

और अल्पसंख्यकों के हित में थीं। राष्ट्रीय स्तर पर तथा क्षेत्रीय समाचार एकांशों—दोनों पर ऐसे कार्यक्रम चलाए गए जिनसे सरकार द्वारा लोगों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों और योजनाओं की जानकारी मिल सके।

2.3.12 व्यक्तिगत सेवा और प्रतिभा के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों को अच्छी तरह कवर किया गया। महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं को भी व्यापक कवरेज दी गई।

2.3.13 सहस्त्राब्दि की समाप्ति पर 'सहस्त्राब्दि की प्रमुख घटनाएं' शृंखला के तहत विशेष न्यूजरील कैप्सूल कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। रेडियो ब्रिज जैसे विशेष कार्यक्रम और राजनीतिक विचारधारा, कृषि, स्वास्थ्य, जनसंख्या विस्फोट, शिक्षा, महिलाओं से जुड़े मुद्दों, उपनिवेशवाद तथा स्वाधीनता आंदोलन, अनुसंधान और खोज, अर्थव्यवस्था, व्यापार तथा मुद्रा, जनसंचार, सिनेमा और रंगमंच, कला और संस्कृति, खेल, अंतरिक्ष, सूचना और टेक्नोलॉजी तथा शताब्दी पुरुष जैसे विषयों पर कार्यक्रमों की योजना बनाई गई।

विदेश सेवा प्रभाग

2.4.1 आकाशवाणी का विदेश सेवा प्रभाग विश्व में विदेशी रेडियो नेटवर्क के बीच सर्वोपरि है। 26 भाषाओं में करीब 100 देशों में इसका प्रसारण होता है, इनमें से 16 विदेशी और 10 भारतीय भाषाएं शामिल हैं। रोजाना करीब 71 घंटे के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। आकाशवाणी अपने विदेशी प्रसारण के जरिए विदेशों में रह रहे भारतीयों को भारत की संस्कृति और भावनाओं से जोड़े रखता है।

2.4.2 वर्ष 1999-2000 के दौरान टिप्पणी, रेडियो रिपोर्ट और साक्षात्कार के रूप में सभी सम्मेलनों, सेमीनारों, विचारगोष्ठियों, फिल्म समारोहों, व्यापार मेलों को कवरेज दी गई। विदेश के महत्वपूर्ण व्यक्तियों की भारत यात्रा और भारत के नेताओं की समय-समय पर विदेश यात्रा, मानव अधिकार शिक्षा पर एशिया-प्रशांत सम्मेलन, सिंगापुर में एआरएफ बैठक, माले में सार्क देशों के मंत्रियों की बैठक, बंगलौर में जी-15 देशों के व्यापार मंत्रियों की बैठक और 'वर्डिक्ट 1999' को भी कवरेज दी गई।

2.4.3 सामान्य विदेश सेवा (अंग्रेजी और हिंदी) को नई आर्थिक नीति के व्यापक प्रचार के लिए तैयार किया गया। इसमें भारत में निवेश का माहौल बनाने, खासतौर से अनिवासी भारतीयों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए सरकार की योजनाओं और प्रोत्साहनों को प्रचारित किया गया।

2.4.4 विदेश सेवा प्रभाग द्वारा सार्क देशों, पश्चिम एशिया, खाड़ी और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के लिए प्रसारण में रात 9.00 बजे का अंग्रेजी का राष्ट्रीय बुलेटिन भी शामिल किया जाता है। विदेश सेवा प्रभाग हर शनिवार को संयुक्त राष्ट्र समाचार, विश्व के विभिन्न भागों में प्रसारित करता है। विदेश सेवा प्रभाग, कार्यक्रम आदान-प्रदान योजना के तहत संगीत, भाषणों तथा कार्यक्रमों को लगभग सौ देशों और विदेशी प्रसारण संस्थाओं को देता है।

राष्ट्रीय चैनल

2.5.1 आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनल की शुरुआत 18 मई, 1988 को हुई। इस चैनल को रात्रि सेवा के रूप में शाम 6.50 से सुबह 6.10 के बीच प्रसारित किया जाता है। यह 64 प्रतिशत इलाके और लगभग 76 प्रतिशत जनसंख्या तक पहुंच रखता है। इसमें जानकारी और मनोरंजन का संतुलित समावेश रहता है। इस चैनल के कार्यक्रमों का स्वरूप समूचे देश की सांस्कृतिक विविधता और देश के मूल्यों को समग्रता से व्यक्त करता है। भारतीय साहित्य को लोकप्रिय बनाने के लिए 'एक कहानी' कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें विभिन्न भारतीय भाषाओं की चुनिंदा लघु कहानियों का नाटकीय रूपांतर पेश किया जाता है। 'बस्ती बस्ती नगर नगर' नामक एक अन्य कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को पर्यटक स्थलों के बारे में जानकारी देना है।

2.5.2 रातभर राष्ट्रीय चैनल से हिंदी और अंग्रेजी में बारी-बारी से हर घंटे समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं। जब भी संसद का सत्र चल रहा होता है तो इस चैनल के श्रोताओं के लिए प्रश्नकाल की रिकार्डिंग प्रसारित की जाती है। रमजान के पवित्र महीने में राष्ट्रीय चैनल से तड़के विशेष कार्यक्रम 'सहरगही' प्रसारित किया जाता है।

विज्ञापन

2.6.1 आकाशवाणी ने 1 नवंबर, 1967 को विज्ञापन प्रसारण सेवा शुरू की थी। अब यह सेवा एक सौ दस प्राथमिक चैनल केंद्रों, तीस विविधभारती केंद्रों (विज्ञापन प्रसारण सेवा), 76 स्थानीय रेडियो केंद्रों और 4 एफ.एम. मैट्रो चैनलों तक बढ़ा दी गई है। विज्ञापनों का प्रसारण राष्ट्रीय चैनल, दिल्ली, विदेश सेवा प्रभाग और पूर्वोत्तर सेवा, शिलांग से भी किया जाता है।

2.6.2 विविध भारतीय सेवा से मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और गुवाहाटी के शार्ट वेव ट्रांसमीटरों सहित 30 केंद्रों से मनोरंजन कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। जुलाई-अगस्त 99 के दौरान करगिल में पाकिस्तान के खिलाफ लड़ रहे सैनिकों को उनके परिवार के सदस्यों और देशवासियों से जोड़े रखने के लिए आकाशवाणी की विविध भारती सेवा ने लोकप्रिय कार्यक्रम 'हैलो जयमाला' का प्रसारण किया।

2.6.3 आकाशवाणी के प्राथमिक चैनल व्यापक क्षेत्रों तक कवरेज के कारण लोकप्रिय हो रहे हैं। फिल्म संगीत के अलावा प्राथमिक चैनलों पर हाल ही में प्रायोजित कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं।

2.6.4 स्थानीय रेडियो केंद्रों की स्थापना और उसकी बढ़ती मांगों को देखते हुए अब उचित दर पर कुछ विशेष समय के लिए स्थानीय रेडियो केंद्रों पर विकास से संबंधित मुद्दों पर प्रायोजित कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं।

2.6.5 दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कलकत्ता और पणजी में आकाशवाणी की एफ.एम. मेट्रो सेवा जिसे 'ए. आई. आर.-एफ एम.' के नाम से भी जाना जाता है, ने अब राजस्व कमाना शुरू कर दिया है। इस सेवा को कुछ समय के लिए (1993-98) निजी हाथों में दिया गया था। निजी लाइसेंस धारकों द्वारा इसे खाली किए जाने के बाद से इसकी राजस्व की स्थिति में काफी सुधार हुआ है, क्योंकि आकाशवाणी में ही कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं और चौबीसों घंटे प्रसारण समय की बिक्री भी हो रही है। 1998-99 में लाइसेंस शुल्क से कुल 5,55,46,700 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि आकाशवाणी के एफ. एम. चैनल से 11,51,21,891 रुपये का राजस्व मिला।

2.6.6 बाद में आकाशवाणी पर विभिन्न सरकारी विभागों और निजी पार्टियों के विज्ञापन स्पॉट के उत्पादन की अनुमति भी दी गई। पहली बार 42 दिन तक चले विश्व कप 1999 के सभी सत्रह मैचों को आकाशवाणी से प्रसारित किया गया। इनसे आकाशवाणी को कुल 2.15 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। आम चुनाव 1999 को भी आकाशवाणी से पर्याप्त कवरेज दी गई जिससे राजस्व की महत्वपूर्ण प्राप्ति हुई। कुल मिलाकर 1998-99 में आकाशवाणी को 93,74,07,206 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। वर्ष 1999-2000 के लिए 105 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है।

प्रत्यंकन और कार्यक्रम आदान-प्रदान सेवा

2.7.1 आकाशवाणी का अभिलेखागार, प्रत्यंकन और कार्यक्रम विनिमय सेवा का मुख्य एकांश है। इसके पास विभिन्न फॉर्मेट के लगभग 48,000 टेप हैं जिसमें हिंदुस्तानी और कर्नाटक शैली के गायन, वाद्य संगीत, लोकसंगीत व सुगम संगीत के 12,500 टेप शामिल हैं। संग्रहालय में जानी-मानी हस्तियों जैसे महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ ठाकुर, सुभाष चंद्र बोस, डा. बी. आर. आम्बेडकर, सरदार पटेल तथा सरोजिनी नायडू की आवाजों की महत्वपूर्ण रिकार्डिंग के अलावा सभी राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के भाषणों के अलग संग्रह हैं। अभी अभिलेखागार में प्रधानमंत्री के भाषणों के 13,000 से ज्यादा टेप राष्ट्रपतियों के भाषणों के हैं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की सहायता से चल रही एक परियोजना के तहत अभिलेखागार की सभी रिकार्डिंग कॉम्पेक्ट डिस्क पर अंतरित की जा रही हैं। ये डिस्क अब इस्तेमाल की जा रही टेपों का स्थान लेंगे। अब तक भाषणों और संगीत के 360 सीडी तैयार किए जा चुके हैं।

2.7.2 प्रत्यंकन और कार्यक्रम विनिमय सेवा के पास आकाशवाणी के सभी केंद्रों के लिए इनसेट-2सी एसआई और इनसेट 2बी एस3ई का आर.एन. चैनल पर उपग्रह ट्रांसमिशन है। आकाशवाणी के अभिलेखागार और कार्यक्रम आदान-प्रदान इकाई के कार्यक्रम भविष्य में इस्तेमाल के लिए आकाशवाणी के विभिन्न केंद्रों द्वारा प्रसारित और रिकार्ड किए जा रहे हैं।

2.7.3 इस वर्ष रवींद्रनाथ ठाकुर के बारे में एक पुस्तक सह सीडी कैसेट आकाशवाणी और विश्व भारती, शांति निकेतन द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया गया। इसके तहत रवींद्र नाथ ठाकुर के भाषण और उनके लेखन को एकत्र किया गया है। उनके बहुमूल्य भाषणों को आकाशवाणी के अभिलेखागार में डिजीटल प्रणाली पर बदलकर उसे सीडी/कैसेट के रूप में तैयार करना है, ताकि इसे अधिक समय तक रखा जा सके और श्रोताओं को वास्तव में उनकी सही आवाज सुनने को मिले। दूसरी तरफ पुस्तक में रवींद्रनाथ ठाकुर की पांडुलिपियों को उनके मूल और प्रभावी हस्तलिपि में प्रस्तुत किया गया है। साथ ही इसमें श्री उन्हें को लिखे सी.एफ. एंड्रयूज, विक्टोरिया ओकाम्पो, पर्ल बक, पी.सी. महालनोबिस और अन्य के पत्र भी शामिल किए गए हैं। इसमें रवींद्रनाथ की कुछ उल्लेखनीय चित्रकारी को भी स्थान दिया गया है। अंत में सत्यजीत राय द्वारा गुरुदेव पर बनाए गए एक रेडियो फीचर को भी शामिल किया गया है। इस पुस्तक सह-सी.डी. कैसेट को प्रधानमंत्री ने जारी किया।

2.7.4 रवींद्रनाथ ठाकुर पर परियोजना की सफलता के बाद आकाशवाणी ने एक महत्वपूर्ण परियोजना शुरू की। इसके तहत एक सीडी का निर्माण किया गया, जिसमें राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम को शामिल किया गया है। इस सीडी में जिन अन्य कलाकारों की आवाज शामिल की गई है उनमें रवींद्रनाथ ठाकुर, हीराबाई बारोडकर, ओंकारनाथ ठाकुर, दिलीप कुमार राय और एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी शामिल हैं। भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ के अवसर पर 9 अगस्त, 1999 को इस सीडी में राष्ट्रीय गान, इसके विकास और राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांध रखने में इसके योगदान पर एक रेडियो फीचर भी शामिल किया गया।

कार्यक्रम आदान-प्रदान एकांश

2.8.1 इस एकांश का मुख्य उद्देश्य केंद्रों की जरूरतों के अनुसार एकांश के संग्रहालय से अच्छी किस्म के कार्यक्रमों का आदान-प्रदान करवाना है। संगीत और कथनों की रिकॉर्डिंग के लगभग

8100 टेप हैं। इनमें स रामचरित मानस गान, आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम और बांगला, अंग्रेजी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, संस्कृत तमिल और तेलुगू के भाषा पाठ भी हैं।

प्रत्यकंन एकांश

2.9 राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए भाषणों को आकाशवाणी के विभिन्न केंद्रों और समाचार सेवा प्रभाग से प्राप्त किया जाता है। एकांश ने दिसंबर 1998 से नवंबर 1999 की अवधि में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के 161 भाषणों के टेप प्राप्त किए।

केंद्रीय टेप बैंक

2.10 केंद्रीय टेप बैंक आकाशवाणी के विभिन्न केंद्रों की एक-दूसरे से अच्छे कार्यक्रमों के आदान-प्रदान संबंधी मांगें पूरी करता है। इस समय इस बैंक ने आकाशवाणी के 194 केंद्रों को 76 हजार टेप वितरित किए हैं। आकाशवाणी के अभिलेखीय कार्यक्रमों के लिए प्रत्यंकन और कार्यक्रम आदान-प्रदान सेवा इन टेपों का इस्तेमाल करती है।

केंद्रीय अनुश्रवण सेवा

2.11 केंद्रीय अनुश्रवण सेवा महत्वपूर्ण विदेशी रेडियो और टेलीविजन नेटवर्कों के समाचारों और समाचार-आधारित कार्यक्रमों का अनुश्रवण करती है। वर्ष के दौरान संगठन औसतन प्रतिदिन 13 रेडियो और 6 टेलीविजन नेटवर्कों के क्रमश: 90 प्रसारणों और 57 टेलीकास्टों पर नजर रखता है। अनुश्रवण सेवा मॉनीटर की गई समूची सामग्री की रोजाना रिपोर्ट तैयार करती है। रोजाना रिपोर्ट के अलावा यह दो साप्ताहिक रिपोर्टें भी तैयार करती है-एक रिपोर्ट में उस सप्ताह के महत्वपूर्ण समाचारों का विश्लेषण किया जाता है जबकि दूसरी विशेष साप्ताहिक रिपोर्ट कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के रेडियो और टेलीविजन नेटवर्क से किए गए भारत-विरोधी दुष्प्रचार के बारे में होती है। इन रिपोर्टों को भारत सरकार के अनेक विभागों-मंत्रालयों में चुने हुए वरिष्ठ अधिकारियों के पास भेजा जाता है ताकि ताजा समाचारों की उन्हें पूरी जानकारी हो। सी. एम. एस. के दो क्षेत्रीय एकांश जम्मू और कलकत्ता में हैं।

कर्मचारी प्रशिक्षण केन्द्र

2.12 कर्मचारी प्रशिक्षण केंद्र (कार्यक्रम) की स्थापना 1948 में दिल्ली में आकाशवाणी महानिदेशालय के संबद्ध कार्यालय के रूप में की गई थी और पहली जनवरी, 1990 से यह अधीनस्थ कार्यालय बन गया। यह संस्थान आकाशवाणी के कार्यक्रम कर्मचारियों के विभिन्न कैडरों, जिसमें आकाशवाणी और दूरदर्शन के प्रशासनिक कर्मचारी भी शामिल हैं, को सेवाकालीन प्रशिक्षण देता है। एक ऐसा संस्थान कटक में भी खोला गया तथा हैदराबाद, शिलांग, अहमदाबाद, तिरुअनंतपुरम और लखनऊ में स्थित पांच क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों में इन क्षेत्रों के रेडियो केंद्रों की जरूरतों को पूरा किया जाता है। 1998-99 के दौरान दिल्ली और कटक के कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थानों ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर 79 पाठ्यक्रम आयोजित किए और 1,167 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया। अप्रैल से दिसंबर 1999 के दौरान दिल्ली के प्रशिक्षण संस्थान ने 14 पाठ्यक्रम आयोजित किए और कार्यक्रम तथा प्रशासन के 258 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया। इस वर्ष प्रशिक्षण का मुख्य जोर बेहतर प्रस्तुतिकरण और विपणन तकनीकों का विकास है ताकि बदलते समय के साथ लोगों को ढाला जा सके।

श्रोता अनुसंधान एकांश

2.13 श्रोता अनुसंधान एकांश आकाशवाणी के कार्यक्रमों को बेहतर बनाने के लिए दिशा-निर्देश देता है और लक्षित श्रोताओं पर उनके असर का आकलन करता है। इस वर्ष एकांश ने बड़े और छोटे निम्न अध्ययनों की योजना बनाई और पूरे किए :

(1) 20 स्थानीय और दस अन्य केंद्रों के लिए रेडियो कार्यक्रम, अनुश्रवण अध्ययन, (2) आगरा में आम अनुश्रवण सर्वेक्षण, (3) आकाशवाणी रोहतक की लोकधारा, और खेल जगत पर सर्वेक्षण, (4) आकाशवाणी पांडिचेरी और आकाशवाणी अकोला में प्रात: सूचना कार्यक्रम पर सर्वेक्षण, (5) इलाहाबाद, जोधपुर, कलकत्ता, नागपुर और रोहतक में धीमी गति के समाचार बुलेटिनों पर सर्वेक्षण, (6) जम्मू के सीमावर्ती क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रभाव पर सर्वेक्षण, (7) 12 स्थानों पर विश्व कप क्रिकेट कमेंट्री, (8) पांच स्थानों पर एफ.एम. कार्यक्रम पर सर्वेक्षण, (9) 16 स्थानों पर युववाणी कार्यक्रमों पर सर्वेक्षण, (10) 12 स्थानों पर आकाशवाणी संगीत सम्मेलन, (11) दो स्थानों पर उमंग कार्यक्रम पर सर्वेक्षण और (12) 10 स्थानों पर लघु अध्ययन पर सर्वेक्षण। 'आकाशवाणी-फैक्ट्स एंड फिगर्स-2000' के चौथे संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

2.14.1 पहली बार आकाशवाणी को राष्ट्रमंडल प्रसारण संगठन की तरफ से फिजी प्रसारण निगम की हिंदी सेवा के चलाने के लिए एक प्रशिक्षक नियुक्त करने को कहा गया। यूरोपीय संघ ने डाक्युमेंट्री पर आकाशवाणी को एक अंतरसंस्कृति प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का प्रस्ताव किया। इसमें रेडियो नीदरलैंड प्रशिक्षण केंद्र ने सहयोग दिया। इस प्रयोग के तहत 6 यूरोपीय और आकाशवाणी के 6 निर्माताओं को प्रदूषण पर साथ-साथ काम करने का मौका मिला। 10 दिनों के इस कार्यक्रम की पहली कार्यशाला नई दिल्ली में आयोजित की गई। इसके बाद नीदरलैंड में यही कार्यशाला आयोजित की गई।

2.14.2 भारत ने 18वीं सार्क दृश्य-श्रव्य विनिमय कार्यक्रम समिति की बैठक अक्तूबर, 1999 में आयोजित की, जिसमें आने वाले वर्षों के लिए विभिन्न मुद्दों पर कार्य योजना पर विचार किया गया। आकाशवाणी सार्क देशों के रेडियो संगठनों के निर्माताओं के लिए 'शॉर्ट्स' पर 5 दिन की कार्यशाला आयोजित करेगा। इस कार्यशाला पर होने वाले खर्च को सार्क-जापान विशेष कोष वहन करेगा। 'डच वेल' के सहयोग से आकाशवाणी लखनऊ में आर.टी.सी. में रंगमंच पर तीन सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

केंद्रीय शिक्षण योजना इकाई

2.15 बी.बी.सी. के सहयोग से कोढ़ निवारण पर एक परियोजना शुरू की गई है। आरंभ में इस कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और उड़ीसा के आकाशवाणी केंद्रों से प्रसारित करने की योजना बनाई गई है। लोकप्रिय रेडियो धारावाहिक 'तिनका-तिनका सुख' को तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में रूपांतरित किया गया और अक्तूबर 1999 से इसका प्रसारण शुरू हो गया है। अनिवासी भारतीयों के लिए हिंदी के पाठों के प्रसारण की योजना है। दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम को अधिक प्रभावी बनाने के लिए इग्नू के सहयोग से इस वर्ष से आकाशवाणी के सभी प्राथमिक केंद्रों से 'फोन इन कार्यक्रम' शुरू किए गए हैं। यह साप्ताहिक कार्यक्रम हैं और रविवार को इसका प्रसारण होता है। वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान पत्रिका 'विज्ञान भारती' का हिंदी में हर महीने के चौथे बुधवार को और अंग्रेजी में दूसरे शुक्रवार को 'रेडियोस्कोप' के नाम से प्रसारण किया जाता है।

केंद्रीय अंग्रेजी फीचर एकांश

2.16 इस वर्ष राष्ट्रीय कार्यक्रम संस्कृति, पर्यावरण तथा सामाजिक समस्याओं पर केंद्रित रहा। गंगा में प्रदूषण की स्थिति, घरेलू हिंसा, पूर्वोत्तर के सभी महत्वपूर्ण केंद्रों के सहयोग से 'हाउ फार इज द नॉर्थ-इस्ट', जिसमें क्षेत्र के धीमे विकास को दर्शाया गया था और उड़ीसा के कालाहांडी क्षेत्र में पारंपरिक संगीत तथा नृत्य के सफल इस्तेमाल पर फीचर कार्यक्रम प्रसारित किए गए। बीसवीं शताब्दी में भारत के बदलते स्वरूप परियोजना पर एक घंटे का रेडियो ब्रिज कार्यक्रम भारत तथा विदेशों के लिए प्रसारित करने की योजना बनाई गई। इसके अलावा 'चिनार के साये तले' शीर्षक से कश्मीर के बारे में धारावाहिक इस वर्ष भी जारी रहा। जनवरी, 2000 से फीचर एकांश सहस्राब्दी के कार्यक्रमों पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें महत्वपूर्ण उपलब्धियां और भविष्य की योजनाएं दर्शाई जाएंगी।

केंद्रीय हिंदी फीचर एकांश

2.17.1 केंद्रीय फीचर एकांश (हिंदी), राष्ट्रीय हुकअप पर एक वर्ष में 33 फीचर बनाने और उनके प्रसारण की योजना बना रहा है। जनवरी 1999 से एकांश ने तीन नए धारावाहिक शुरू किए हैं, ये हैं-'भारत की संत परंपरा', 'एक सदी का सफर' और 'चिनार के साये में।' भारत की संत परंपरा में अब तक कश्मीर की ललेश्वरी, भुज (गुजरात) के मेकनदादा, असम के शंकरदेव, राजस्थान की मीरा और दादू दयाल, राजकोट (गुजरात) के नरसी मेहता, रायपुर (मध्य प्रदेश) के संत घासीदास, कश्मीर के नंद ऋषि और तमिलनाडु की अंडाल के सद्भाव और भाईचारे के संदेश का उजागर किया गया है।

2.17.2 'एक सदी का सफर' में मुख्य जोर स्वाधीनता के बाद से देश की उपलब्धियों पर है। 1999 के दौरान ऐतिहासिक घटनाओं, सामाजिक बदलाव, औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य और विज्ञान के मुद्दों पर फीचर प्रसारित किए गए। 29 अप्रैल 1999 को 'कश्मीर एक सांस्कृतिक गुलदस्ता' शीर्षक से कश्मीर की संस्कृति और विकास गतिविधियों पर एक विशेष फीचर प्रसारित किया गया। एकांश ने 'शांति की चाह, अग्नि की राह', 'करगिल क्षेत्रे-तीर्थ क्षेत्रे', 'स्वर एक-गूंज अनेक' और 'ऑपरेशन विजय' शीर्षकों से करगिल पर चार विशेष फीचर प्रसारित किए, जिसमें देश के विभिन्न भागों से देशवासियों के विचारों को तथा करगिल क्षेत्र में किए गए साक्षात्कारों को शामिल किया गया।

2.17.3 केंद्रीय हिंदी फीचर एकांश 'नई सदी में चुनौतियां' शीर्षक से एक नए धारावाहिक पर काम कर रहा है। इसके साथ ही जनसंख्या विस्फोट, बेरोजगारी, शिक्षा, पीने का पानी, आवास और जातिवाद आदि पर भी फीचर बनाने का काम चल रहा है। एकांश भारतीय गणतंत्र के 50 वर्ष और राष्ट्रीय एक्सप्रेस मार्गों तथा वास्तु पर भी फीचर बनाने में लगा हुआ है।

भाषण

2.18 1999 का सरदार पटेल स्मारक भाषण 27 अक्तूबर, 1999 को विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक बाल्मीकि प्रसाद सिंह ने दिया। इस वर्ष के भाषण का विषय था-'लोकतंत्र, पर्यावरण और संस्कृति-भारतीय अनुभव'। 1999 का डा. राजेंद्र प्रसाद स्मारक भाषण पहली दिसंबर, 1999 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति जगदीशशरण वर्मा ने दिया। इस वर्ष का विषय था-'संवैधानिक मूल्य, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नागरिकों के कर्त्तव्य'।

संगीत

2.19.1 1999 में, आकाशवाणी ने देश के 23 स्थानों पर अक्तूबर

1999 में आमंत्रित श्रोताओं के सामने आकाशवाणी संगीत सम्मेलन का आयोजन किया। इन सम्मेलनों में जिन जाने-माने कलाकारों ने भाग लिया, उनमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के पंडित जगदीश प्रसाद, प्रभा अतरे, शांति हीरानंद, सिंह बंधु, पंडित जगदीश प्रसाद, पंडित भीमसेन जोशी और शरण राणी तथा कर्नाटक संगीत में ए.के.सी. नटराजन, वी.के. वेंकटरमानुरम, एम.एस. अनंतरमण, और प्रोफेसर विश्वेश्वरन शामिल हैं। शास्त्रीय संगीत (हिंदुस्तानी और कर्नाटक) के राष्ट्रीय कार्यक्रम में जाने-माने और उभरते हुए कलाकारों ने भाग लिया। मुसीरी सुब्रमन्या अय्यर की जन्मशताब्दी के सिलसिले में कर्नाटक संगीत में एक विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया गया।

2.19.2 क्षेत्रीय और सुगम संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम में पंजाब की लोक गाथाएं, छत्तीसगढ़, सरगुजा और बस्तर तथा बरसात के मौसम पर आधारित गीतों जैसे विभिन्न विषयों पर कार्यक्रम प्रसारित किए गए। जनजातीय संगीत पर आधारित विविध कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

2.19.3 हिंदुस्तानी/कर्नाटक सुगम संगीत वर्ग में आकाशवाणी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 1999 में इन सभी वर्गों में चालीस नई प्रतिभाओं ने भाग लिया। जनवरी, 2000 से मार्च, 2000 के दौरान शास्त्रीय संगीत वर्ग में 60 जाने-माने और लोकप्रिय कलाकारों के कार्यक्रम प्रसारित करने की योजना बनाई गई। नई सहस्राब्दि के अवसर पर हिंदुस्तानी में 'शास्त्रीय संगीत का सफर' और कर्नाटक संगीत में 'वॉएज ऑफ म्यूजिक' शीर्षक से कार्यक्रम तैयार करने की योजना बनाई गई है। क्षेत्रीय और सुगम संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम में 'राजस्थानी मांड' और पारंपरिक 'होली गीत' जैसे कार्यक्रमों को प्रसारित करने की योजना है।

2.19.4 सामुदायिक गायन एकांश सामुदायिक गीतों को तैयार करने और प्रसारण का आयोजन और समन्वय करता है। इस समय विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में लगभग 62 सामुदायिक गीत प्रचलन में हैं जिन्हें आकाशवाणी केंद्रों से निरंतर प्रसारित किया जाता है।

फार्म एंड होम कार्यक्रम

2.20 आकाशवाणी के सभी केंद्रों से फार्म एंड होम कार्यक्रम



कारगिल संघर्ष के प्रथम शहीद स्क्वाड्रन लीडर आहूजा के पुत्र मास्टर अंकुर आहूजा द्वारा 9 अगस्त, 1999 को वंदे मातरम् सीडी का विमोचन

प्रसारित किए जाते हैं जो ग्रामीण श्रोताओं के लिए बनाए जाते हैं। प्रत्येक केंद्र से रोज 60 से 100 मिनट का फार्म और होम कार्यक्रमों का प्रसारण होता है। तकनीकी तथा अन्य सूचना देने के अलावा इन प्रसारणों में दालों, तिलहनों, अनाजों, सब्जियों, फलों आदि के उत्पादन बढ़ाने के तरीकों की जानकारी देने, कृषि, सामाजिक वानिकी, पर्यावरण संरक्षण और कृषि वानिकी का विस्तार, गरीबी उन्मूलन योजनाओं, स्वास्थ्य और स्वच्छता, प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम तथा गांव के विकास में पंचायतों की भूमिका पर जोर दिया जाता है। कार्यक्रमों में सरकार द्वारा ग्रामीण विकास के लिए उठाए जा रहे आर्थिक कदमों पर जोर दिया जाता है। मृदा और जलसंरक्षण सप्ताह, फोन इन कार्यक्रम, सतत कृषि, जैव-प्रौद्योगिकी, फसल में समन्वित कीट प्रबंध तथा सरकार की नई फसल बीमा योजना के बारे में इस वर्ष आकाशवाणी ने व्यापक कार्यक्रम बनाए। फार्म एंड होम कार्यक्रमों में ग्रामीण महिलाओं और ग्रामीण बच्चों के कार्यक्रम भी शामिल हैं। कई आकाशवाणी केंद्रों पर यूनीसेफ और राज्य सरकारों के सहयोग से मातृ और शिशु देखभाल शृंखला शुरू की गई है।

स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण पर कार्यक्रम

2.21 सभी आकाशवाणी केंद्र अपने देश की सभी भाषाओं/बोलियों में परिवार कल्याण कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। 22 आकाशवाणी केंद्रों में सुसज्जित परिवार कल्याण एकांश काम कर रहे हैं। इन्होंने प्रत्येक महीने 10,000 से ज्यादा कार्यक्रम परिवार कल्याण पर प्रसारित किए। इनमें से कुछ सामान्य तथा कुछ विशेष श्रोता कार्यक्रम हैं। प्रत्येक आकाशवाणी केंद्र सप्ताह में एक बार स्वास्थ्य मंच कार्यक्रम प्रसारित करता है। आम बीमारियों के बारे में श्रोताओं को सूचना देने के लिए डाक्टरों को आमंत्रित किया जाता है। एड्स के बारे में जागृति पैदा करने के लिए अनेक धारावाहिक कमीशन किए गए हैं। इस बात पर जोर देने के लिए कि उचित जानकारी और सूचना से एड्स से बचा जा सकता है, आकाशवाणी ने अनेक विशेष कार्यक्रम चलाए, जैसे 'काव्य नाटिका' (ओपेरा)/सेमिनार/नाटक विशेष रूप से आमंत्रित श्रोताओं के कार्यक्रम/फोन-इन कार्यक्रम तथा एड्स ग्रस्त व्यक्तियों के अनुभवों वाले साक्षात्कार। कुछ केंद्रों ने पंजीकृत श्रोताओं के लिए 'एड्स पर रेडियो धारावाहिक' शुरू किए हैं। आकाशवाणी सभी केंद्रों से बच्चों के विभिन्न श्रेणियों के कार्यक्रम प्रसारित करता है।

रूपक

2.22 आकाशवाणी के 80 से ज्यादा केंद्रों से विभिन्न भाषाओं के नाटक प्रसारित किए जाते हैं। बेहतरीन उपन्यासों, लघु कहानियों और मंच के नाटकों के रेडियो रूपांतर प्रसारित किए जाते हैं। आकाशवाणी के अनेक केंद्र मूल नाटकों के अलावा नियमित रूप से पारिवारिक नाटक प्रसारित करते हैं ताकि समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वास को दूर किया जा सके। वर्तमान सामाजिक-आर्थिक मुद्दों जैसे बेरोजगारी, निरक्षरता, पर्यावरण प्रदूषण, बालिकाओं की समस्याओं आदि को उभारने वाले धारावाहिक प्रसारित किए जाते हैं। नाटकों का राष्ट्रीय कार्यक्रम महीने के हर चौथे बृहस्पतिवार को हिंदी में और इसके अन्य भाषाओं में अनुवाद संबंधित केंद्रों के साथ-साथ प्रसारित किए जाते हैं। दिल्ली के केंद्रीय रूपक एकांश में 30 मिनट अवधि वाले विशेष मॉडल नाटक तैयार किए जाते हैं जिन्हें आकाशवाणी के 33 केंद्रों द्वारा 6 महीने की शृंखला में प्रसारित किया जाता है। पंद्रह प्रमुख भाषाओं में रेडियो नाटककारों की अखिल भारतीय प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। सभी पुरस्कृत प्रविष्टियों का हिंदी में अनुवाद करके उन्हें सभी केंद्रों में भेजा जाता है जहां उनका विभिन्न-भाषाओं में रूपांतर किया जाता है। नाटक एकांश, अप्रैल 2000 में नाट्य संध्या का आयोजन करेगा।

खेल

2.23 1999-2000 के दौरान देश-विदेश में हुई खेल प्रतियोगिताओं की आकाशवाणी से व्यापक कवरेज की गई। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिताओं के अलावा आकाशवाणी पर कबड्डी, खो-खो आदि परंपरागत खेलों को भी प्रोत्साहन दिया जाता है और उनका आंखों देखा हाल भी प्रसारित किया जाता है ताकि युवाओं में इन खेलों की लोकप्रियता बढ़े और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने के उद्देश्य से देश में उपलब्ध खेल प्रतिभाओं का विकास किया जा सके।

आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार

2.24 आकाशवाणी से हर कैलेंडर वर्ष में विभिन्न विषयों और विधाओं के उत्कृष्ट प्रसारणों के लिए वार्षिक पुरस्कार दिए जाते हैं। राष्ट्रीय एकता के लिए 'लस्सा कौल पुरस्कार' और समाचार रिपोर्टिंग के लिए 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ संवाददाता' पुरस्कार प्रदान किया जाता है। विशेष विषय वृत्तचित्र पर भी एक पुरस्कार दिया जाता है। कार्यक्रम के सभी वर्गों में प्रथम पुरस्कार विजेता केंद्र को रनिंग ट्रॉफी भी दी गई।

नीति

2.25 वर्ष 1999-2000 के दौरान जिन घटनाओं का प्रमुखता से सीधा प्रसारण किया गया, उनमें (1) आनंदपुर साहब में त्रिशताब्दी समारोह, (2) वाजपेयी सरकार के विश्वास प्रस्ताव का सीधा प्रसारण, (3) 20 मई, 1999 को प्रधानमंत्री द्वारा आकाशवाणी के ऑडियो पुस्तक को जारी करने के समारोह का सीधा प्रसारण,

(4) राष्ट्रीय हुकअप, रेडियो कश्मीर श्रीनगर और आकाशवाणी के अन्य केंद्रों से करगिल पर विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण, (5) राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का वितरण, (6) 14 जुलाई, 1999 को पुरी में आयोजित भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा समारोह, (7) स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का राष्ट्र के नाम संबोधन और ऐतिहासिक लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम प्रसारण, (8) 'देश का सलाम' पर कार्यक्रम , (9) 15.8.1999 को राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार का वितरण, (10) श्रम पुरस्कार वितरण समारोह, (11) 27.10.1999 को सरदार पटेल स्मारक भाषण के सिलसिले में आयोजित समारोह, (12) तीन मूर्ति हाऊस में राष्ट्रीय एकता के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार समारोह, (13) तीन मूर्ति भवन में श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित स्मारक समारोह का प्रसारण (14) 14 से 20 नवंबर, 1999 तक हैदराबाद में आयोजित 11वीं अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव, (15) डरबन में राष्ट्रमंडल देशों के शासनाध्यक्षों की बैठक, (16) प्रधानमंत्री द्वारा अंतरिक्ष विज्ञान पर दूसरे मंत्री स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन, (17) नई दिल्ली में आयोजित भारत के 31वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का उद्घाटन समारोह, (18) गणतंत्र दिवस समारोह और बीटिंग रिट्रिट समारोह, (19) 1999 के चुनाव प्रणाम, (20) 13.10.1999 और 22.11.1999 को प्रधानमंत्री तथा उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों के शपथ ग्रहण समारोह का राष्ट्रपति भवन से सीधा प्रसारण शामिल है।

ई.डी.पी. सेल

2.26 इ.डी.पी. सेल आकाशवाणी के केंद्रों के नियोजन तथा उसके कंप्यूटरीकरण के जिम्मेदार हैं। आकाशवाणी के केंद्रों के इस्तेमाल के लिए इस सेल ने अनेक सॉफ्टवेयर विकसित किए हैं और उन्हें भेजा है। आकाशवाणी मुख्यालय में एक ई-मेल सरवर स्थापित किया गया है। दिल्ली में सभी वरिष्ठ अधिकारियों को व्यक्तिगत ई-मेल पते दिए गए हैं। मुंबई, पुणे और नागपुर के बीच कंप्यूटरीकृत कार्यक्रम विनिमय प्रणाली लागू की गई है।

ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसलटेंट्स इंडिया लिमिटेड

2.27.1 ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसलटेंट्स इंडिया लिमिटेड की स्थापना 1995 में सरकार के उपक्रम के रूप में भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत की गई थी। यह कंपनी एकॉस्टिक्स, ऑडियो और वीडियो प्रणाली, उपग्रह अपलिंकिंग और डाउन लिंकिंग, वीडियो कांफ्रेंस आदि क्षेत्रों में परामर्श देती है। यह आकाशवाणी और दूरदर्शन को विशेषज्ञ सेवा भी उपलब्ध कराती है।

2.27.2 24 मार्च,1995 को अपनी स्थापना के बाद से ही कंपनी ने भारत और विदेशों में सार्वजनिक तथा निजी प्रसारण संगठनों तथा अन्य एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण काम करके उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। अपनी स्थापना के समय से ही यह कंपनी सरकार को लाभांश दे रही है।

2.27.3 इस वर्ष कंपनी के कार्यों में मुख्य जोर प्रसारण, इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में टर्न-की परियोजनाएं पूरी करना और उन्हें परामर्श देने पर रहा है। वर्ष के दौरान 12 परियोजनाएं पूरी की गईं और 17 परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

भारत

आकाशवाणी केन्द्र

जैसे कि 1-1-2000

अफगानिस्तान

पाकिस्तान

चीन

नेपाल

भूटान

बंगलादेश

म्यानमार

श्रीलंका

हिन्द महासागर

अरब सागर

बंगाल की खाड़ी

जम्मू एवं कश्मीर

उत्तर प्रदेश

राजस्थान

मध्य प्रदेश

गुजरात

महाराष्ट्र

बिहार

सिक्किम

अरुणाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश

तमिलनाडु

आन्ध्र प्रदेश

कर्नाटक

केरल

उड़ीसा

संकेत सूची

	वर्तमान निर्माणाधीन
पूर्ण सज्जित आकाशवाणी केन्द्र (एम डब्लयू)	
पूर्ण सज्जित आकाशवाणी केन्द्र (एम एम)	
पूर्ण सज्जित आकाशवाणी केन्द्र (एम डब्लयू, एफ एम)	
स्थानीय आकाशवाणी केन्द्र (एम डब्लयू)	
स्थानीय आकाशवाणी केन्द्र (एफ एम)	
सामुदायिक आकाशवाणी केन्द्र (एम डब्लयू)	
सामुदायिक आकाशवाणी केन्द्र (एफ एम)	
विविध भारती (एम डब्लयू)	
विविध भारती (एफ एम)	
प्रसारण केन्द्र (एफ एम)	
प्रसारण केन्द्र (एम डब्लयू)	
राष्ट्रीय चैनल	
विदेश प्रसारण सेवा	

आकाशवाणी
(योजना एवं विकास एकक)
ड्राइंग नं० TS-14652(S) इन्दिरा केन्द्र

ड्रा० नं० TS-14652(S) निर्मित:- अवतार सिंह

एस/एडीई | सी डी ई | सी डी

मार्च 2000 तक तकनीकी रूप से तैयार हो जाने वाली ट्रांसमीटर परियोजनाएं

केंद्र

1. चूड़ाचांदपुर

वर्ष 2000-01 के दौरान तकनीकी रूप से तैयार हो जाने वाली ट्रांसमीटर परियोजनाएं

केंद्र

1. भद्रवाह (जम्मू-कश्मीर)
2. सोरो (उड़ीसा)
3. हिम्मतनगर (गुजरात)
4. जूनागढ़ (गुजरात)
5. सरायपल्ली (मध्यप्रदेश)
6. मांडला (मध्यप्रदेश)
7. रायगढ़ (मध्यप्रदेश)
8. ओरास (महाराष्ट्र)
9. मंजेरी (केरल)
10. मचेरला (आंध्रप्रदेश)
11. धर्मपुरी (तमिलनाडु)
12. शांतिनिकेतन (पश्चिम बंगाल)

ट्रांसमीटर परियोजनाएं

1.	चांगलांग (अरुणाचल)	सीआरएस 1 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
2.	कौंसा (अरुणाचल)	सीआरएस 1 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
3.	छामफाई (मिजोरम)	सीआरएस 1 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
4.	नूतन बाजार (त्रिपुरा)	सीआरएस 1 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
5.	फेक (नगालैंड)	सीआरएस 1 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
6.	रोहतक (हरियाणा)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
7.	कोटा (राजस्थान)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
8.	लेह (जम्मू-कश्मीर)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
9.	सिल्चर (असम)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
10.	तूरा (मेघालय)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
11.	आइजोल (मिजोरम)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
12.	गंगटोक (सिक्किम)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
13.	अम्बिकापुर (मध्यप्रदेश)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
14.	भुज (गुजरात)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
15.	रत्नागिरि (महाराष्ट्र)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
16.	तिरुअनंतपुरम् 'ए' (केरल)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
17.	तिरुनेलवेली (तमिलनाडु)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
18.	मद्रास 'बी' (तमिलनाडु)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
19.	हैदराबाद 'बी' (आंध्रप्रदेश)	20 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
20.	जम्मू (जम्मू-कश्मीर)	50 किलोवाट मीडियमवेव ट्रांसमीटर
21.	श्रीनगर 'सी' (जम्मू-कश्मीर)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
22.	शिलांग (मेघालय)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
23.	आइजोल (मिजोरम)	6 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
24.	इम्फाल (मणिपुर)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
25.	अगरतला (त्रिपुरा)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
26.	राजकोट 'बी' (गुजरात)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
27.	बड़ोदरा (गुजरात)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
28.	धारवाड़ 'बी' (कर्नाटक)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
29.	बंगलौर 'बी' (कर्नाटक)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
30.	मैसूर (कर्नाटक)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
31.	मंगलौर (कर्नाटक)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
32.	कन्नोकट (केरल)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
33.	तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
34.	लखनऊ (उत्तरप्रदेश)	10 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर
35.	तिरुपति (आंध्रप्रदेश)	3 किलावाट एफ.एम. ट्रांसमीटर

मौजूदा आकाशवाणी केंद्र और उनकी क्षमता (31.12.1999 तक)

कुल केंद्र-198

क्र. सं.	राज्य व स्थान	ट्रांसमीटरों की शक्ति	राज्य में आकाशवाणी केन्द्रों की संख्या
आंध्र प्रदेश			
1.	हैदराबाद	200 कि.वा.मी.वे.	12
		10 कि.वा.मी.वे.	
		50 कि.वा.शॉ.वे.	
		6 कि.वा.एफ.एम. (वि.भा.)	
2.	आदिलाबाद	1 कि.वा.मी.वे. (एल.आर.एस.)	
3.	विजयवाड़ा	100 कि.वा.मी.वे.	
		10 कि.वा. एफ.एम. (वि.भा.)	
4.	विशाखापट्टनम	100 कि.वा.मी.वे.	
5.	कुडप्पा	100 कि.वा.मी.वे.	
6.	कोठागुड़म	6 कि.वा.एफ.एम.	
7.	वारंगल	10 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
8.	निजामाबाद	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
9.	तिरुपति	3 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
10.	अनंतपुर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
11.	कुर्नूल	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
12.	मेरकापुरम	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
अरुणाचल प्रदेश			4
13.	ईटानगर	50 कि.वा. शार्ट.वे.	
14.	पासीघाट	100 कि.मा.मी.वे.	
		50 कि.वा.शॉ.वे.	
15.	त्वांग	10 कि.वा.मी.वे.	
16.	तेजू	10 कि.वा.मी.वे.	
असम			8
17.	गुवाहाटी	100 कि.वा.मी.वे.	
		10 कि.वा.मी.वे.	
		50 कि.वा. शार्ट वेव (क्षेत्रीय सेवा)	
18.	सिल्चर	10 कि.वा.सिंको. सेवा	
19.	डिब्रूगढ़	300 कि.वा.मी.वे.	
20.	जोरहाट	10 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
21.	हाफलांग	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
22.	नौगांव	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
23.	दिफू	1 कि.वा.मी.वे. (एल.आर.एस.)	
24.	कोकराझार	20 कि.वा.मी.वे.	

क्र. सं.	राज्य व स्थान	ट्रांसमीटरों की शक्ति	राज्य में आकाशवाणी केन्द्रों की संख्या
बिहार			10
25.	पटना	100 कि.वा.मी.वे.	
		6 कि.वा.एफ.एम. (वि.भा.)	
26.	रांची	100 कि.वा.मी.वे.	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
		2 कि.वा. शार्ट वेव	
27.	भागलपुर	20 कि.वा.मी.वे.	
28.	दरभंगा	10 कि.वा.मी.वे.	
29.	जमशेदपुर	1 कि.वा.मी.वे.	
30.	सासाराम	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
31	पूर्णिया	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
32.	चाईबासा	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
33.	हजारीबाग	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
34.	डाल्टनगंज	10 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
गोवा			1
35.	पणजी	100 कि.वा.मी.वे.	
		20 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
		6 कि.वा.एफ.एम. (स्टीरियो),	
		2×250 कि.वा.शा.वे. (वि.से.)	
गुजरात			7
36.	अहमदाबाद	200 कि.वा.मी.वे.	
		10 कि.वा.एफ.एम. (वि.भा.)	
37.	बड़ोदरा	1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
38.	भुज	10 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
39.	राजकोट	300 कि.वा.मी.वे.	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
		100 कि.वा.मी.वे. (वि.से.)	
40	गोधरा	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
41.	सूरत	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
42.	आहवा	1 कि.वा.मी.वे.	
हरियाणा			3
43.	रोहतक	20 कि.वा.मी.वे.	
44.	कुरुक्षेत्र	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
45.	हिसार	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
हिमाचल प्रदेश			6
46.	शिमला	100 कि.वा.मी.वे.	

क्र. सं.	राज्य व स्थान	ट्रांसमीटरों की शक्ति	राज्य में आकाशवाणी केन्द्रों की संख्या
		50 कि.वा. शार्टवेव	
47.	कसौली	10 कि.वा.एफ.एम. (रिले सेंटर)	
48.	हमीरपुर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
49.	धर्मशाला	10 कि.वा.एफ.एम.	
50.	कुल्लू	6 कि.वा.एफ.एम. (रिले)	
51.	किन्नौर (कल्पा)	1 कि.वा.मी.वे. (रिले)	
जम्मू-कश्मीर			6
52.	श्रीनगर	200 कि.वा.मी.वे. (युववाणी)	
		10 कि.वा.मी.वे.	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
		50 कि.वा. शार्ट वेव	
53.	जम्मू	300 कि.वा.मी.वे.	
		1 कि.वा. शार्ट वेव	
		(50 कि.वा. में बदला जा रहा है)	
		3 कि.वा.एफ.एफ. (युववाणी)	
54.	लेह	10 कि.वा.मी.वे.	
		10 कि.वा. शार्ट वेव	
55.	कठुआ	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
56.	पुंछ	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
57.	करगिल	1 कि.वा.मी.वे.	
कर्नाटक			13
58.	बंगलौर	200 कि.वा.मी.वे.	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.),	
		6×500 कि.वा.शा.वे. (वि.से.)	
59.	भद्रावती	20 कि.वा.मी.वे.	
60.	धारवाड़	200 कि.वा मी.वे.	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
61.	गुलबर्गा	20 कि.वा.मी.वे.	
62.	मंगलौर/उडिपी	20 कि.वा.मी.वे. (उडिपी)	
		1 कि.वा.मी.वे. (मंगलौर)	
63.	मैसूर	1 कि.वा.मी.वे.	
64.	चित्रदुर्ग	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
65.	हासन	6 कि.वा.एफ.एम.	
66.	हासपेट	10 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
67.	रायचूर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
68.	मरकरा	6 कि.वा.एफ.एम.	
69.	कारवाड़	3 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
70.	बीजापुर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
केरल			7
71.	अलेप्पी	100 कि.वा.मी.वे. (रिले केंद्र)	
72.	कालीकट	100 कि.वा.मी.वे.	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	

क्र. सं.	राज्य व स्थान	ट्रांसमीटरों की शक्ति	राज्य में आकाशवाणी केन्द्रों की संख्या
73.	त्रिशूर	100 कि.वा.मी.वे.	
74.	तिरुअनंतपुरम	10 कि.वा.मी.वे.	
		10 कि.वा.एफ.एमऊ (वि.भा.)	
		50 कि.वा. शार्ट वेव	
75.	कोच्चि	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.),	
		10 कि.वा.एफ.एम. (वि.भा.)	
76.	कण्णाणूर	6 कि.वा.एफ.एम.	
77.	इदुक्की (देवोकुलम)	6 कि.वा.एफ.एम.	
मध्य प्रदेश			19
78.	अम्बिकापुर	20 कि.वा.मी.वे.	
79.	भोपाल	10 कि.वा.मी.वे.	
		50 कि.वा. शार्ट वेव	
		6 कि.वा.एफ.एम. (वि.भा.)	
80.	छतरपुर	20 कि.वा.मी.वे.	
81.	ग्वालियर	20 कि.वा.मी.वे.	
82.	इंदौर	100 कि.वा.मी.वे.	
		6 कि.वा.एफ.एम. (वि.भा.)	
83.	जबलपुर	200 कि.वा.मी.वे.	
84.	जगदलपुर	100 कि.वा.मी.वे.	
85.	रायपुर	100 कि.वा.मी.वे.	
86.	रीवां	20 कि.वा.मी.वे.	
87.	खंडवा	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
88.	बिलासपुर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
89.	बेतुल	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
90.	शिवपुरी	6 कि.वा.एफ.एम.	
91.	छिंदवाड़ा	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
92.	रायगढ़	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
93.	शहडोल	6 कि.वा.एफ.एम.	
94.	बालाघाट	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
95.	गुना	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
96.	सागर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
महाराष्ट्र			20
97.	औरंगाबाद	1 कि.वा.मी.वे.	
98.	मुंबई	100 कि.वा.मी.वे. 'ए'	
		100 कि.वा.मी.वे.'बी'	
		50 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
		50 कि.वा. शार्ट वेव	
		10 कि.वा.एफ.एम. (स्टी.),	
		100 कि.वा.शा.वे. (वि.भा.)	
99.	जलगांव	20 कि.वा.मी.वे. (सिक्रो. सेवा)	
100.	नागपुर	100 कि.वा.मी.वे. (राष्ट्रीय चैनल)	
		100 कि.वा.मी.वे.	

क्र. सं.	राज्य व स्थान	ट्रांसमीटरों की शक्ति	राज्य में आकाशवाणी केन्द्रों की संख्या
		6 कि.वा.एफ.एम. (वि.भा.)	
101.	परभनी	20 कि.वा.मी.वे.	
102.	पुणे	100 कि.वा.मी.वे.	
		6 कि.वा.एफ.एम. (वि.भा.)	
103.	रत्नागिरी	20 कि.वा.मी.वे.	
104.	सांगली	20 कि.वा.मी.वे.	
105.	शोलापुर	1 कि.वा.मी.वे. (एल.आर.एस.)	
106.	धुले	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
107.	बीड	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
108.	अहमदनगर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
109.	नांदेड	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
110.	अकोला	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
111.	कोल्हापुर	6 कि.वा.एफ.एम.	
112.	यवतमाल	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
113.	सतारा	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
114.	चन्द्रपुर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
115.	नासिक	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
116.	उस्मानाबाद	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
मणिपुर			**1**
117.	इम्फाल	50 कि.वा.मी.वे.	
		50 कि.वा. शार्ट वेव	
मेघालय			**3**
118.	शिलांग	100 कि.वा.मी.वे.	
		50 कि.वा. शार्ट वेव (पूर्वोत्तर समन्वित सेवा)	
119.	तुरा	20 कि.वा.मी.वे.	
120.	जोवाई	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
मिजोरम			**2**
121.	आईजोल	20 कि.वा.मी.वे.	
		10 कि.वा. शार्ट वेव	
122.	लुंगलेह	6 कि.वा.एफ.एम.	
नगालैंड			**2**
123.	कोहिमा	50 कि.वा.मी.वे.	
		50 कि.वा. शार्ट वेव	
124.	मोकोकचुंग	6 कि.वा.एफ.एम. ट्रांस (एल.आर.एस.)	
उड़ीसा			**11**
125.	कटक	100 कि.वा.मी.वे.	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
		6 कि.वा.एफ.एम. (स्टीरियो)	
126.	जयपोर	100 कि.वा.मी.वे.	
		50 कि.वा. शार्ट वेव	
127.	संबलपुर	100 कि.वा.मी.वे.	
128.	क्योंझर	1 कि.वा.मी.वे. (एल.आर.एस.)	
129.	बारीपाड़ा	1 कि.वा.मी.वे. (एल.आर.एस.)	
130.	बरहामपुर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
131.	भवानी पटना	200 कि.वा.मी.वे.	
132.	बोलनगीर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
133.	राउरकेला	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
134.	पुरी	3 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
135.	जोरांदा	1 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
पंजाब			**3**
136.	जालंधर	300 कि.वा.मी.वे.	
		200 कि.वा.मी.वे.	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
		10 कि.वा.एफ.एम.	
137.	भटिंडा	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
138.	पटियाला	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
राजस्थान			**17**
139.	जयपुर	1 कि.वा.मी.वे.	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
		50 कि.वा. शार्ट वेव	
140.	कोटा	1 कि.वा.मी.वे. (एल.आर.एस.)	
141.	अजमेर	200 कि.वा.मी.वे. (रिले केंद्र)	
142.	बीकानेर	20 कि.वा.मी.वे.	
143.	उदयपुर	20 कि.वा.मी.वे.	
144.	जोधपुर	100 कि.वा.मी.वे.	
		6 कि.वा.एफ.एम. (वि.भा.)	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा. का परिवर्तन)	
145.	सूरतगढ़	300 कि.वा.मी.वे.	
146.	अलवर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
147.	नागौर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
148.	बांसवाड़ा	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
149.	चित्तौड़गढ़	6 कि.वा. एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
150.	बाड़मेर	20 कि.वा.मी.वे.	
151.	सवाई माधोपुर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
152.	चुरू	6 कि.वा.एफ.एम.	
153.	झालावाड़	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
154.	जैसलमेर	10 कि.वा.एफ.एम.	
155.	माउंटआबू	6 कि.वा.एफ.एम.	
सिक्किम			**1**
156.	गंगटोक	20 कि.वा.मी.वे.	
		10 कि.वा. शार्ट वेव	
तमिलनाडु			**8**
157.	कोयम्बटूर	20 कि.वा.मी.वे.	

क्र. सं.	राज्य व स्थान	ट्रांसमीटरों की शक्ति	राज्य में आकाशवाणी केंद्रों की संख्या
158.	चेन्नई	200 कि.वा.मी.वे. 'ए'	
		50 कि.वा. शार्ट वेव,	
		100 कि.वा. शा.वे. (वि.भा. संभावित सेवा)	
		10 कि.वा.मी.वे. 'बी'	
		20 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
		10 कि.वा.एफ.एम. (स्टीरियो)	
		5 कि.वा.एफ.एम. (दूसरा चैनल)	
159.	मदुरै	20 कि.वा.मी.वे.	
160.	तिरुचिरापल्ली	100 कि.वा.मी.वे.	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
161.	तिरुनेलवेल्ली	10 कि.वा.मी.वे.	
162.	नागरकोइल	10 कि.वा.एफ.एम. ट्रां. (एल.आर.एस.)	
163.	उटकमंड	1 कि.वा.मी.वे.	
164.	तूतीकोरिन	200 कि.वा.मी.वे. (वि.से.)	
त्रिपुरा			**3**
165.	अगरतला	20 कि.वा.मी.वे.	
166.	बेलोनिया	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
167.	कैलाशहर	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
उत्तर प्रदेश			**19**
168.	लखनऊ	300 कि.वा.मी.वे.	
		50 कि.वा. शार्ट वेव	
		10 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
169.	अल्मोड़ा	1 कि.वा.मी.वे.	
170.	इलाहाबाद	20 कि.वा. (मी.वे.)	
		10 कि.वा.एफ.एम. (वि.भा.)	
171.	वाराणसी	100 कि.वा.मी.वे.	
		1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
172.	रामपुर	20 कि.वा.मी.वे.	
173.	कानपुर	1 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
174.	मथुरा	1 कि.वा.मी.वे.	
175.	गोरखपुर	100 कि.वा.मी.वे.	
		50 कि.वा. शॉ.वे. (विस्तार सेवा)	
176.	नजीबाबाद	100 कि.वा.मी.वे.	
177.	आगरा	20 कि.वा.मी.वे.	
178.	फैजाबाद	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
179.	बरेली	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
180.	झांसी	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
181.	ओबरा	6 कि.वा.एफ.एम.	
182.	मसूरी	10 कि.वा.एफ.एम. (रिले)	
183.	पौड़ी	1 कि.वा.मी.वे.	
184.	पिथौरागढ़	1 कि.वा.मी.वे. (रिले)	
185.	उत्तरकाशी	1 कि.वा.एफ.एम. (रिले)	
186.	अल्मोड़ा	6 कि.वा.एफ.एम. (रिले),	
		4×50 कि.वा.शा.वे. (वि.से.)	
पश्चिम बंगाल			**5**
187.	कलकत्ता	200 कि.वा.मी.वे. 'ए'	
		100 कि.वा.मी.वे. 'बी'	
		20 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
		50 कि.वा. शार्ट वेव	
		10 कि.वा.मी.वे. (युववाणी),	
		5 कि.वा.एफ.एम. (युववाणी)	
		10 कि.वा.एफ.एम (स्टीरियो)	
		1000 कि.वा.मी.वे. (विस्तार सेवा)	
188.	कर्सियांग	50 कि.वा. शार्ट वेव	
		1 कि.वा. मी. वेव (क्षेत्रीय सेवा)	
189.	सिलीगुड़ी	200 कि.वा.मी.वे.	
190.	मुर्शिदाबाद	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	
191.	आसनसोल	6 कि.वा.एफ.एम. (रिले)	
केंद्र शासित प्रदेश			
192.	पोर्टब्लेयर (अंडमान निकोबार)		1
		20 कि.वा.मी.वे.	
		10 कि.वा. शार्ट वेव	1
193.	चंडीगढ़	3 कि.वा.एफ.एम. (वि.भा.)	1
		(1 कि.वा.मी.वे. का परिवर्तन)	
194.	दिल्ली	200 कि.वा.मी.वे. 'ए'	1
		100 कि.वा.मी.वे. 'बी'	
		20 कि.वा.मी.वे. (वि.भा.)	
		5 कि.वा. एफ.एम. (युववाणी)	
		10 कि.वा.एफ.एम. (स्टी.)	
		20 कि.वा.मी.वे. (एन.सी.),	
		5×100 कि.वा.शा.वे. (वि.से.)	
		(तीन 250 कि.वा. प्रत्येक से परिवर्तित किए जा रहे हैं)	
		9×50 शॉर्टवेव (वि.से.)	
		(दो 250 कि.वा. प्रत्येक से परिवर्तित) किए जा रहे हैं)	
195.	पांडिचेरी	20 कि.वा.मी.वे.	2
196.	कराइकल (पांडिचेरी)	6 कि.वा.एफ.एम. (एल.आर.एस.)	

3

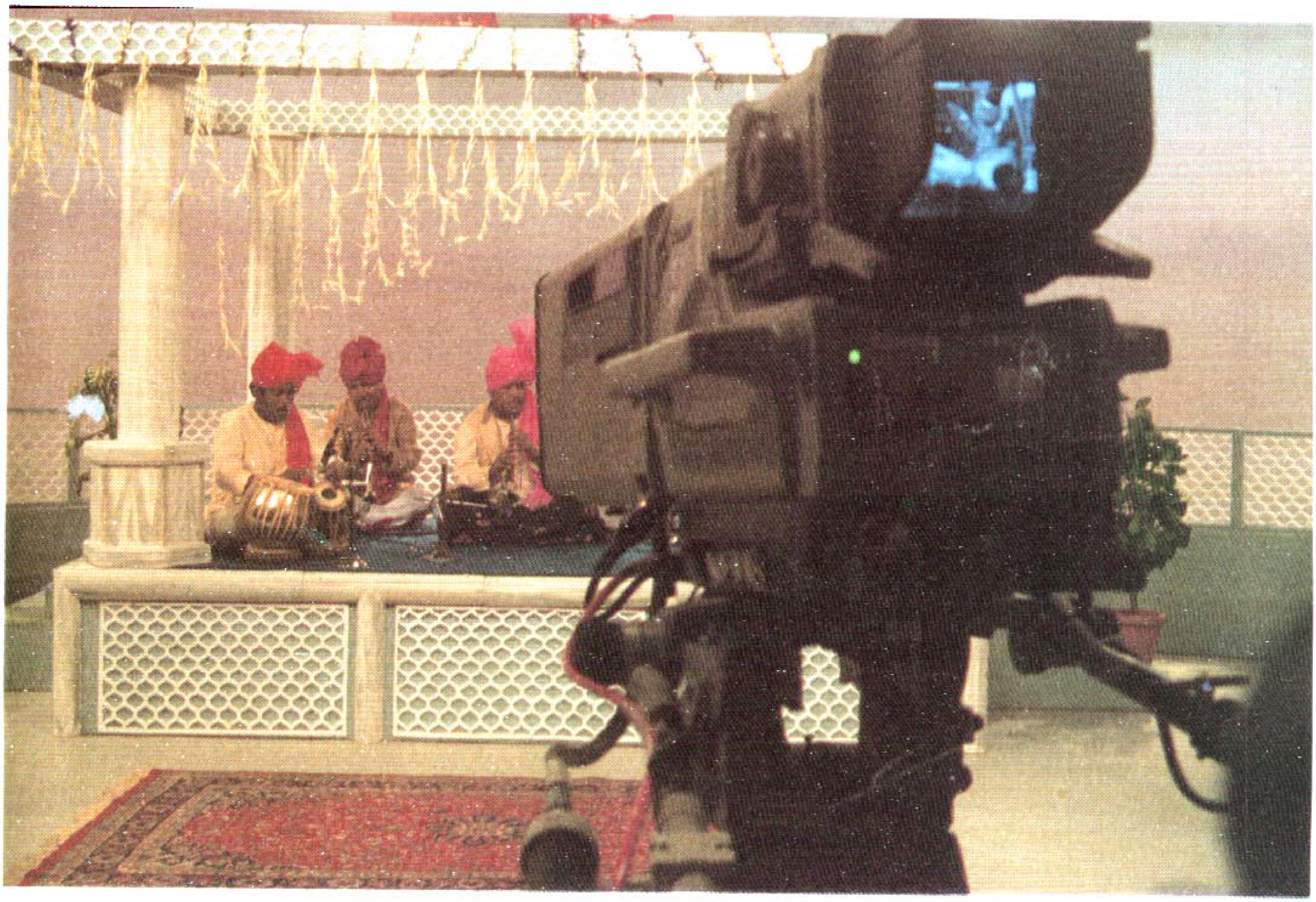
दूरदर्शन

3.1 अब दूरदर्शन प्रसार भारती — स्वायत्त भारतीय प्रसारण निगम का हिस्सा है। प्रसार भारती अधिनियम, 1990 को 15 सितंबर, 1997 से लागू किया गया और प्रसार भारती बोर्ड ने आकाशवाणी और दूरदर्शन का प्रशासन 23 नवंबर, 1997 से संभाल लिया।

मुख्य विशेषताएं

3.2.1 दूरदर्शन ने 15 अगस्त, 1999 को डी.डी. न्यूज नामक चौबीसों घंटे कार्यक्रम प्रसारित करने वाले एक नि:शुल्क उपग्रह चैनल की शुरूआत की। इसके साथ ही दूरदर्शन के चैनलों की संख्या बढ़कर 20 हो गई। यह चैनल पूर्णतया समाचार और सामयिक घटनाओं के कार्यक्रम प्रसारित करता है।

3.2.2 मार्च 1999 में शुरू किए गए डी.डी.-स्पोर्ट्स चैनल को वर्ष के दौरान और मजबूती प्रदान की गई। यह चैनल अब प्रतिदिन लगभग 13 घंटे कार्यक्रम प्रसारित करता है जिसमें औसतन दो घंटे देश के विभिन्न इलाकों में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं का सीधा प्रसारण शामिल है। इस वर्ष दूरदर्शन ने आगामी पांच वर्ष तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित किए जाने वाले सभी क्रिकेट मैचों के प्रसारण का पूर्ण



2 जून, 1999 को मुंबई में दूरदर्शन के नये स्टूडियो का उद्घाटन। फोटो में रिकार्डिंग का दृश्य दिखाया गया है

अधिकार हासिल कर लिया। इसके साथ ही दूरदर्शन देश के प्रमुख प्रसारणकर्ता का स्थान पुनः प्राप्त कर लेगा।

3.2.3 सितंबर-अक्तूबर 1999 में देश में लोकसभा चुनाव हुए। दूरदर्शन ने निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुरूप सभी स्वीकृत और पंजीकृत राजनैतिक दलों को नि:शुल्क प्रसारण समय उपलब्ध कराया। मतगणना के दौरान दूरदर्शन ने दो विशेष कार्यक्रमों 'आपका फैसला' और 'इंडिया वोट्स' का भी प्रसारण किया।

3.2.4 दूरदर्शन ने अपने कई चैनलों के प्रसारण समय में भी वृद्धि की ताकि उन्हें दर्शकों को चौबीसों घंटे उपलब्ध कराया जा सके। डी.डी.-1 राष्ट्रीय नेटवर्क और डी.डी.-2 मेट्रो चैनल ने अगस्त 1999 से और डी.डी.-4 मलयालम, डी.डी.-5 तमिल, डीडी-7 बांग्ला, डी.डी.-8 तेलुगू और डी.डी.-9 कन्नड़ ने जनवरी 2000 से चौबीस घंटे प्रसारण आरंभ कर दिया है।

3.2.5 वर्ष के दौरान दूरदर्शन द्वारा उठाया गया एक अन्य महत्वपूर्ण कदम यह था कि इसने डिजिटल प्रसारण की शुरूआत की। अब डी.डी.-1, डी.डी.-2, डी.डी. न्यूज, डी.डी.-स्पोर्ट्स तथा डी.डी.-इंडिया के प्रसारण डिजिटल मोड पर उपलब्ध हैं।

3.2.6 विभिन्न शहरों के दर्शकों की यह शिकायत रहती थी कि केबल आपरेटर अपने केबल नेटवर्क पर दूरदर्शन चैनलों का स्तरीय सिगनल नहीं उपलब्ध करा रहे हैं। अत: सरकार ने केबल टेलीविजन नेटवर्क अधिनियम, 1994 में संशोधन करके अब केबल आपरेटरों के लिए यह अनिवार्य बना दिया है कि वे दूरदर्शन के कम से कम दो ऐसे चैनल अपने मुख्य बैंड पर उपलब्ध कराएं जिन्हें दूरदर्शन अपने भू-स्थित केंद्रों द्वारा प्रसारित नहीं करता है। दूरदर्शन ने इस संशोधन का व्यापक प्रचार किया है और केबल आपरेटरों को इन नियमों को लागू करने के लिए प्रेरित किया है।

3.2.7 दूरदर्शन ने नई सहस्त्राब्दि के स्वागत के लिए व्यापक तैयारियां की थी। 31 दिसंबर से 1 जनवरी तक डी.डी.-1 और डी.डी.-2 पर साथ-साथ विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए। डी.डी.-1 पर 'सहस्राब्दि की सुबह' नामक कार्यक्रम का प्रसारण किया गया जिसमें भारत की संस्कृति, भाषा, साहित्य, विज्ञान और तकनीकी जैसे सभी विषयों पर मिले-जुले कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। डी.डी.-2 पर प्रसारित एक बहुराष्ट्रीय वैश्विक प्रसारण के जरिये भारतीय दर्शकों ने नई सहस्राब्दि का जश्न अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर मनाया।

3.2.8 मुंबई में 40 करोड़ की लागत से स्थापित एक नए स्टूडियो परिसर बनाया गया। इससे मुंबई दूरदर्शन केंद्र की कार्यक्रम निर्माण सुविधाओं को काफी बल मिला है। नागपुर और राजकोट में नये स्टूडियो के साथ-साथ पुणे में भी एक स्टूडियो ने काम करना शुरू कर दिया है। अब दूरदर्शन नेटवर्क में 47 स्टूडियो हो गए हैं।

3.2.9 प्राथमिक चैनल (डी.डी.-1) की कवरेज के विस्तार के लिए जोधपुर में एक उच्च शक्ति ट्रांसमीटर तथा विभिन्न अन्य स्थानों पर 11 अल्पशक्ति और छह अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर लगाए गए हैं। भुज में 300 मीटर ऊंचे टावर का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है और ट्रांसमीटर को चालू कर दिया गया है। जिससे उसकी कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राजमुंदरी और कालीकट में उच्च शक्ति ट्रांसमीटर परियोजनाओं (स्थायी संरचना) के चालू वित्त वर्ष के अंत तक पूरा कर लिए जाने की संभावना है। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में अल्प शक्ति और अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों को चालू कर लिए जाने की भी उम्मीद है। मेट्रो चैनल (डी.डी.-2) के कवरेज में बढ़ोतरी करने के लिए राजपुर और श्रीनगर में दो उच्च शक्ति ट्रांसमीटर तथा अंबाजोगई में एक अल्पशक्ति ट्रांसमीटर लगाए गए हैं। इसी वित्त वर्ष के अंत तक डी.डी.-2 सेवा की कवरेज में वृद्धि के लिए 11 अन्य उच्च शक्ति ट्रांसमीटर परियोजनाओं के पूरा कर लिए जाने की संभावना है। इन ट्रांसमीटरों के चालू हो जाने के बाद डी.डी.-1 के ट्रांसमीटरों की कुल संख्या बढ़कर 1,000 हो गई है जबकि डी.डी.-2 के 57 ट्रांसमीटर हो गए हैं। अब ट्रांसमीटरों की कुल संख्या 1060 है। इसमें संसद की कार्यवाही की कवरेज के लिए दो ट्रांसमीटर तथा कश्मीर चैनल के कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए एक ट्रांसमीटर शामिल है।

दूरदर्शन चैनल

3.3.1 दूरदर्शन 20 चैनलों के जरिए अपने कार्यक्रम प्रसारित करता है, जिनमें चार अखिल भारतीय चैनल, 11 क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल (आर.एल.एस.सी.), चार राज्य नेटवर्क (एस.एन.) और एक अंतर्राष्ट्रीय चैनल शामिल हैं :

डी.डी.-1	प्राथमिक सेवा
डी.डी.-2	मैट्रो मनोरंजन चैनल
डी.डी.-स्पोर्ट्स	उपग्रह खेल चैनल
डी.डी.-न्यूज	उपग्रह आधारित समाचार और समसामयिक घटनाओं का चैनल
डी.डी.-4	आर.एल.एस.सी—मलयालम
डी.डी.-5	आर.एल.एस.सी—तमिल

डी.डी.-6	आर.एल.एस.सी—उड़िया
डी.डी.-7	आर.एल.एस.सी—बांग्ला
डी.डी.-8	आर.एल.एस.सी—तेलुगु
डी.डी.-9	आर.एल.एस.सी—कन्नड़
डी.डी.-10	आर.एल.एस.सी—मराठी
डी.डी.-11	आर.एल.एस.सी—गुजराती
डी.डी.-12	कश्मीरी (डी.डी.के. श्रीनगर)
डी.डी.-13	आर.एल.एस.सी—असमिया और पूर्वोत्तर भारत की भाषाएं
डी.डी.-14	एस.एन.—राजस्थान
डी.डी.-15	एस.एन.—मध्य प्रदेश
डी.डी.-16	एस.एन.—उत्तर प्रदेश
डी.डी.-17	एस.एन.—बिहार
डी.डी.-18	आर.एल.एस.सी—पंजाबी
डी.डी.-इंडिया	अंतर्राष्ट्रीय सेवा

3.3.2 दूरदर्शन चैनल-1 पर समय आबंटन के आधार पर राष्ट्रीय, क्षेत्रीय तथा स्थानीय कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। मैट्रो मनोरंजन चैनल पर दिल्ली से मनोरंजन कार्यक्रम तथा चार महानगरों से सिंगल मैट्रो कार्यक्रम भी प्रसारित किए जाते हैं। क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल के दो भाग हैं—संबंधित राज्य में स्थित सभी भू-स्थित ट्रांसमीटरों से क्षेत्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण और केबल आपरेटरों के जरिए प्राइम टाइम तथा गैर-प्राइम टाइम में क्षेत्रीय भाषाओं के अतिरिक्त कार्यक्रम।

3.3.3 चार हिन्दी भाषी राज्यों में ऐसे राज्य नेटवर्क हैं जिनसे इन्ही राज्यों की राजधानियों में तैयार किए गए कार्यक्रमों को राज्य में सभी ट्रांसमीटरों से प्रसारित किया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर में दूरदर्शन श्रीनगर के समाचार बुलेटिनों को राज्य के सभी ट्रांसमीटरों से प्रसारित करने का प्रावधान है। दूरदर्शन-इंडिया का उद्देश्य ऐसे दर्शकों तक पहुंचना है जो विदेश में रहते हैं।

3.3.4 डी.डी.-स्पोर्ट्स और डी.डी.-न्यूज पूरे समय क्रमश: खेल और समाचारों का प्रसारण करते हैं। इसके अलावा ऐसे कई स्थानीय केंद्र हैं, जो सिंगल ट्रांसमीटर के जरिये कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। दिल्ली में स्थित दो अल्प शक्ति ट्रांसमीटर संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही का सीधा प्रसारण करते हैं। श्रीनगर में स्थित एक अन्य अल्पशक्ति ट्रांसमीटर कश्मीर घाटी के निवासियों की अभिरुचि के अनुरूप कार्यक्रम प्रसारित करता है। विभिन्न प्रकार के नये कार्यक्रम शुरू कर कशीर चैनल के कार्यक्रम ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

संगठन

3.4.1 1959 में सबसे पहले दिल्ली में टेलीविजन कार्यक्रम शुरू किए गए। 1972 में ये कार्यक्रम किसी दूसरे शहर से प्रसारित किए जा सके। 1970 के दशक के मध्य तक देशभर में केवल 7 टेलीविजन केन्द्र थे। 1976 में टेलीविजन को रेडियो से अलग किया गया और दूरदर्शन अस्तित्व में आया। 1982 में राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रारंभ किए गए और उसके बाद से दूरदर्शन ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इसके साथ ही देशभर में कई ट्रांसमीटर और कार्यक्रम निर्माण केंद्र स्थापित किए गए।

3.4.2 प्रसार भारती निगम बनने से पहले दूरदर्शन एक महानिदेशक की अध्यक्षता में सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक अधीनस्थ कार्यालय था। दूरदर्शन के इंजीनियरी विभाग का प्रमुख प्रधान इंजीनियर होता है। इसके हार्डवेयर अर्थात, मशीनों, उपकरणों इत्यादि के रख-रखाव और विस्तार की जिम्मेदारी प्रधान इंजीनियर के साथ-साथ मुख्य इंजीनियरों और अन्य अधिकारियों की होती है। दूरदर्शन महानिदेशक के सहयोग के लिए कार्यक्रम विभाग में कई उप महानिदेशक तथा अन्य अधिकारी और कर्मचारी तैनात हैं। प्रशासन विभाग का प्रमुख अतिरिक्त महानिदेशक और वित्त विभाग का प्रमुख उप महानिदेशक होता है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम (डी. डी.-1)

3.5 राष्ट्रीय कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देकर भारतवासियों में एकता, बंधुत्व और गर्व की भावना पैदा करना है। राष्ट्रीय कार्यक्रम 15 अगस्त, 1982 को शुरू किए गए थे और चरणबद्ध रूप से इनका विस्तार करते हुए इनमें सुबह और दोपहर के कार्यक्रम भी शामिल किए गए। राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रतिदिन लगभग 18-20 घंटे तक राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। बाकी समय में क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इस चैनल पर देश में होने वाली प्रमुख गतिविधियों का सीधा प्रसारण किया जाता है।

क्षेत्रीय सेवा

3.6 सभी दूरदर्शन केन्द्र अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रम तैयार करते हैं। पहले प्रमुख केन्द्रों से एक सप्ताह में लगभग 25 घंटे के कार्यक्रम प्रसारित किए जा सकते थे। उन्हें 10 घंटे अवधि के और कार्यक्रम प्रसारित करने का विकल्प दे दिया गया है। स्थानीय केन्द्रों से एक सप्ताह में एक से दस घंटे

तक के कार्यक्रमों का प्रसारण होता है। क्षेत्रीय सेवा के कार्यक्रमों में ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है और कृषि, स्वास्थ्य, परिवार नियोजन और पर्यावरण जैसे विषयों पर नियमित रूप से कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। सूचना कार्यक्रमों में समाचार बुलेटिन तथा महिलाओं, बच्चों और युवाओं की आवश्यकतानुसार विशेष परिचर्चाएं और अन्य कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। मनोरंजन प्रधान कार्यक्रमों में धारावाहिक, फीचर फिल्में, नृत्य और गीत-संगीत के कार्यक्रम शामिल हैं। उपग्रह अपलिंकिंग की सुविधा उपलब्ध हो जाने से अब सभी बड़े राज्यों के दर्शकों को एक समान कार्यक्रम दिखाना संभव हो गया है। अनेक क्षेत्रीय केंद्रों को विज्ञापनों से काफी लाभ हो रहा है।

मेट्रो चैनल (डी.डी.-2)

3.7 दूरदर्शन के मेट्रो चैनल की शुरुआत 1993 में मनोरंजन चैनल के रूप में उस समय हुई जब दिल्ली, मुंबई कलकत्ता और चेन्नई स्थित चार उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों को उपग्रह के जरिये जोड़ा गया। मेट्रो चैनल मनोरंजन चैनल है जो शहरी दर्शकों के लिए कार्यक्रम प्रसारित करता है। विगत वर्षों में मेट्रो सेवा को दूरदर्शन के भू-केंद्रों के जरिये 56 नगरों में उपलब्ध करा दिया गया है। इस प्रकार इसे उपग्रह और भू-केंद्र दोनों के जरिये प्रसारित किए जाने वाले चैनल की सुविधा प्राप्त हो गई है। इस वर्ष मेट्रो चैनल का प्रसारण समय 18 घंटे से बढ़ाकर 24 घंटे कर दिया गया है। इस प्रसारण में दैनिक धारावाहिक, फैशन शो, खेल, वार्ताएं, व्यापार, भ्रमण आदि पर कार्यक्रम शामिल होते हैं। इस चैनल पर प्रसारित होने वाले अधिकांश कार्यक्रम प्रायोजन आधार वाले होते हैं।

डी.डी.-इंडिया (अंतर्राष्ट्रीय चैनल)

3.8.1 दूरदर्शन के अंतर्राष्ट्रीय चैनल की शुरुआत 14 मार्च, 1995 को एशिया सैट-1 पर एक ट्रांसपोंडर किराये पर लेकर की गई। आरंभ में इस चैनल पर सप्ताह में पांच दिन तीन घंटे की अवधि के लिए प्रसारण किया जाता था। जुलाई 1996 में दूरदर्शन द्वारा पी.ए.एस.-4 पर ट्रांसपोंडर हासिल कर लेने के बाद इस चैनल पर प्रसारण प्रतिदिन होने लगा और उसकी अवधि बढ़ाकर 4 घंटे प्रतिदिन कर दी गई। नवंबर 1996 में प्रसारण समय को और बढ़ाकर 18 घंटे प्रतिदिन कर दिया गया जिसमें 9 घंटे का एक कैपसूल और उसका पुनः प्रसारण शामिल था। डी.डी. इंटरनेशनल चैनल का प्रसारण पी.ए.एस-4 और पी.एस.एस-1 उपग्रह के माध्यम से दक्षिण एशिया, खाड़ी देशों और उत्तरी अमरीका में देखा जा सकता हैं।

3.8.2 इस अंतर्राष्ट्रीय चैनल ने 27 दिसंबर, 1999 से 24 घंटे का प्रसारण आरंभ किया। इसमें आठ घंटे का ताजा कार्यक्रम तथा उनका दो बार पुनर्प्रसारण शामिल होता है। 24 घंटे के इस प्रसारण से इस चैनल की पहुंच दुनिया के सभी हिस्सों में हो सकेगी। पहले कुछ केबल टी वी नेटवर्क, एथनिक चैनल तथा कुछ व्यक्ति नाममात्र का शुल्क लेकर इसके सिग्नल का वितरण करते थे। लेकिन पहली जनवरी, 2000 से दूरदर्शन ने इसके कार्यक्रमों के निरंतर व्यापक वितरण के लिए अमरीका के ग्लोबल कनेक्शंस टेलीविजन के साथ एक समझौता किया है।

शैक्षिक टेलीविजन

3.9.1 दूरदर्शन ने शुरू से ही शैक्षिक कार्यक्रमों को उच्च प्राथमिकता दी है। स्कूल प्रसारण 1961 से ही दिल्ली से शुरू हुए। 'साइट' को जारी रखते हुए 1982 में स्कूली बच्चों के लिए कार्यक्रम आरंभ किए गए। वर्तमान में दूरदर्शन द्वारा नियमित कार्यक्रम क्षेत्रीय खंड में दिल्ली और चेन्नई से प्रसारित किए जाते हैं तथा राज्य शिक्षा संस्थानों द्वारा निर्मित कार्यक्रम हिंदी, मराठी, गुजराती, उड़िया और तेलुगु भाषाओं भाषाई क्षेत्रों के सभी ट्रांसमीटरों द्वारा प्रसारित किए जाते हैं। राष्ट्रीय नेटवर्क पर माध्यमिक स्कूलों के कार्यक्रम के लिए अलग समय निश्चित किया गया है। ये कार्यक्रम केंद्रीय शिक्षण तकनीकी संस्थान द्वारा तैयार किए जाते हैं।

3.9.2 राष्ट्रीय नेटवर्क पर उच्च शिक्षा के कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए दूरदर्शन समय उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के देशव्यापी क्लासरूम कार्यक्रम के अंतर्गत कस्बों और गांवों में रहने वालों तक उच्च शिक्षा से जुड़े पाठ प्रसारित किए जाते हैं। अन्य साधनों के द्वारा दी जा रही शिक्षा के अलावा इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित कार्यक्रम भी प्रसारित किए जाते हैं।

समाचार और सामयिक घटनाक्रम

3.10.1 दूरदर्शन समाचार अपने दिल्ली मुख्यालय से प्रतिदिन 'हैडलाइंस' सहित 13 समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है। इन सभी बुलेटिनों का मुख्य उद्देश्य समूचे देश में और डी.डी.-इंटरनेशनल के जरिये शेष विश्व में नवीनतम समाचार प्रसारित करना है। विदेशों में दूरदर्शन-इंटरनेशनल के जरिए समाचार प्रसारित किए जाते हैं। दूरदर्शन सी.एन.एन. और ए.बी.यू. को भी प्रतिदिन समाचार कैप्सूल देता है।

3.10.2 वर्ष के दौरान दूरदर्शन ने डी.डी.-1 पर 10 जुलाई, 1999 से प्रत्येक घंटे समाचार बुलेटिनों का प्रसारण आरंभ किया।

साथ ही 15 अगस्त, 1999 से 24 घंटे प्रसारण करने वाले समाचार और समसामयिक घटनाओं के चैनल ने भी काम करना शुरू कर दिया है। समाचार और समसामयिक घटनाक्रम के चैनल पर इस वर्ष प्रसारित किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में चुनाव संबंधी विभिन्न कार्यक्रम, लोकसभा चुनाव के विभिन्न चरणों के बाद किए गए एक्जिट पोल परिणामों का सीधा प्रसारण और चुनाव परिणामों के विश्लेषण पर आधारित कार्यक्रम का डी.डी-1 पर 40 घंटे तक और डी.डी-2 पर 26 घंटे तक सीधा प्रसारण शामिल है।

खेल

3.11.1 भारतीय प्रसारण के इतिहास में पहली बार 18 मार्च, 1999 को प्रधानमंत्री ने खेलों को पूरी तरह समर्पित एक भारतीय उपग्रह चैनल की शुरूआत की। 25 अप्रैल, 1999 से इस चैनल पर प्रसारण की अवधि बढ़ाकर प्रतिदिन 12 घंटे कर दी गई। दूरदर्शन का यह खेल चैनल न केवल भारत में बल्कि विदेशों के लाखों खेल-प्रेमियों के लिए प्रसारण करता है। इसका प्रसारण पी.ए.एस-4 पर उपलब्ध है और इसे पश्चिम एशिया, मध्य एशिया के देशों तथा उनके पड़ोसी इलाकों यूरोप और अफ्रीका के 34 देशों में देखा जा सकता है।

3.11.2 वर्ष के दौरान दूरदर्शन ने भारत अथवा विदेशों में हुए सभी महत्वपूर्ण खेलों का सीधा, विलंबित अथवा रिकॉर्डेड प्रसारण किया। इंग्लैंड में खेले गए विश्व कप क्रिकेट '99 के महत्वपूर्ण मैचों का सीधा प्रसारण किया गया। केन्या में खेले गए एल.जी. क्रिकेट सफारी और भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट शृंखला का भी सीधा प्रसारण किया गया। काठमांडू में आयोजित दक्षिण एशियाई संघ के खेलों की भी व्यापक कवरेज की गई। टेनिस में विंबलडन और फ्रेंच ओपन मैचों के साथ-साथ डेविस कप एशिया ओशियाना जोनल ग्रुप के अंतर्गत कलकत्ता में हुए भारत-चीन मुकाबले का सीधा प्रसारण किया गया। पहली बार गोवा में खेले गए दक्षिण एशिया फुटबॉल संघ- कोका कोला कप फुटबॉल टूर्नामेंट का भी सीधा प्रसारण किया गया। जिन अन्य महत्वपूर्ण फुटबॉल मैचों का प्रसारण किया गया उनमें कोपर-अमरीका कप, बंगबंधु कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट (ढाका), एशिया कप, विनर्स कप फुटबॉल मैच (ढाका) शामिल हैं। दूरदर्शन ने पहली बार 1999 एफ आई ए फार्मूला-1 वर्ल्ड चैंपियनशिप का दुनिया के विभिन्न प्रमुख केंद्रों से सीधा प्रसारण किया। भारत में हुए विभिन्न खेलों की लगभग सभी सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के सेमीफाइनल और फाइनल मैचों का प्रसारण किया गया। इसके अलावा, सभी प्रमुख घरेलू खेलों का सीधा अथवा विलंबित प्रसारण किया गया।

फिल्म

3.12 डी.डी.-1 और डी.डी.-2 पर फीचर फिल्मों के लिए नये समय निर्धारित करने के उद्देश्य से दूरदर्शन ने अक्तूबर 1999 में एक नई फिल्म नीति लागू की ताकि इन चैनलों से मिलने वाले राजस्व को अधिकतम किया जा सके और इनकी लोकप्रियता बढ़ाई जा सके। इस योजना के तहत निर्माताओं को न्यूनतम गारंटी और प्रायोजन के आधार पर फिल्में देने के लिए आमंत्रित किया गया। इस योजना की अच्छी प्रतिक्रिया हुई और दूरदर्शन नई फिल्मों का प्रसारण करने में सफल रहा। दूरदर्शन अब शनिवार को ऐसी लोकप्रिय फिल्मों का प्रसारण शुरू करने की योजना बना रहा है जिनसे और अधिक आय अर्जित की जा सके।

विज्ञापन सेवा

3.13.1 आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों की तर्ज पर दूरदर्शन पर विज्ञापन 1 जनवरी, 1976 से दिल्ली केन्द्र से शुरू किए गए थे। विज्ञापन सेवा विज्ञापनों के समय का निर्धारण और नियोजन का निरीक्षण और निर्देशन करती है। साथ ही, यह अनुबंध स्वीकार करती है और विज्ञापन सामग्री और उसके आलेख को स्वीकृति देती है। दिल्ली स्थित दूरदर्शन विज्ञापन सेवा राष्ट्रीय नेटवर्क, डी.डी.-2, डी.डी.-इंटरनेशनल और सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए विज्ञापनों की बुकिंग करती है। सभी क्षेत्रीय केंद्र भी अपने केन्द्र-अपने केंद्रों के लिए विज्ञापनों की बुकिंग तथा प्रायोजित कार्यक्रम स्वीकार करते हैं

3.13.2 दूरदर्शन विज्ञापन सेवा विज्ञापन समय के बिल बनाने, विज्ञापन राशि की वसूली करने, प्रायोजन दर निर्धारित करने, प्रसारण शुल्क, कार्यक्रम समय की दर आदि निर्धारित करने तथा न्यूनतम गारंटी कार्यक्रम तय करने का काम भी करती है।

पिछले आठ वर्षों में दूरदर्शन द्वारा अर्जित आय का विवरण

वर्ष	सकल राजस्व करोड़ रुपये में
1992-93	360.23
1993-94	372.98
1994-95	398.02
1995-96	430.13
1996-97	572.72
1997-98	490.15
1998-99	399.32
1999-2000	450.00-500.00 (लक्ष्य)

3.13.4 इन सभी विज्ञापनों को व्यावसायिक विज्ञापन की एक व्यापक आचार-संहिता को ध्यान में रखकर स्वीकृति दी जाती है। सामान्यत: हिन्दी विज्ञापनों को राष्ट्रीय नेटवर्क पर और क्षेत्रीय भाषाओं के विज्ञापनों को संबद्ध क्षेत्रीय सेवा पर प्रसारित किया जाता है।

दर्शक अनुसंधान

3.14.1 दूरदर्शन के 19 केन्द्रों में दर्शक अनुसंधान एकांश स्थापित किए गए हैं। दूरदर्शन निदेशालय इन एकांशों के अनुसंधान कार्य का समन्वय करता है। दर्शक अनुसंधान एकांश का मुख्य कार्य दूरदर्शन नेटवर्क को अनुसंधान संबंधी सहयोग प्रदान करना है। प्रत्येक एकांश में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त लोग नियुक्त किए गए हैं। डार्ट रेटिंग्स (दूरदर्शन ऑडियंस रिसर्च टेलीविजन रेटिंग्स) अर्थात दूरदर्शन कार्यक्रमों की लोकप्रियता के आंकड़े उपलब्ध करने का कार्य 1993 में दूरदर्शन के राष्ट्रीय, मेट्रो और क्षेत्रीय नेटवर्क पर शुरू किया गया। इस प्रणाली को 33 शहरों में लागू किया गया है। प्रत्येक शहर के पैनल के सदस्य उस शहर में विभिन्न वर्गों के टेलीविजन दर्शकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। डार्ट के आंकड़ों का व्यापक प्रचार किया जाता है।

3.14.2 दर्शक अनुसंधान एकांश मुख्यालय में तथा केन्द्र स्तर पर आंकड़ा बैंक के रूप में कार्य करते हैं। मुख्यालय स्थित दर्शक अनुसंधान एकांश विभिन्न अवधियों के लिए देश-भर के संचार माध्यमों से संबंधित सूचनाओं का संकलन प्रसारित करता है। यह एकांश बाज़ार अनुसंधान संगठनों तथा संचार अनुसंधान संगठनों के साथ भी सूचनाओं का आदान-प्रदान करता है और उनके द्वारा किए गए अनुसंधान-कार्य की समीक्षा करता है।

लोक संवा संचार परिषद

3.15 लोक सेवा संचार परिषद एक नि:शुल्क परामर्शदात्री संस्था है जिसमें जनसंचार, विज्ञापन, विपणन, अनुसंधान, समाचार पत्र तथा अन्य संबद्ध क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हैं। इसका गठन दूरदर्शन की पहल पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय की स्वीकृति से 1987 में किया गया था। इसका उद्देश्य दूरदर्शन की एक सलाहकार समिति के रूप में काम करना था ताकि वह भारत में जनसेवा संचारकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सके। राष्ट्रीय नेटवर्क पर पर्यावरण, सामाजिक न्याय, महिलाओं से संबंधित विषयों पर कार्यक्रम प्रसारित किए गए। लोक सेवा संचार परिषद राष्ट्रीय नेटवर्क पर नियमित प्रसारण के लिए जनसेवा संबंधी संदेश देने वाले विज्ञापन बनवाती अथवा खरीदती भी है। वर्ष के दौरान महिलाओं और पर्यावरण पर शीर्षस्थ फिल्म निर्माताओं द्वारा निर्मित कुल 11 वृत्तचित्रों का प्रसारण राष्ट्रीय नेटवर्क पर किया गया।

I. वर्तमान स्थिति

1. कार्यरत चैनल

3.16.1 वर्तमान में दूरदर्शन के निम्नलिखित 20 चैनल प्रसारण कर रहें हैं:

(क) प्राथमिक चैनल	-	डी.डी.-1
(ख) मेट्रो चैनल	-	डी.डी.-2
(ग) समाचार और समसायिक घटनाओं का चैनल	-	डी.डी.-न्यूज
(घ) खेल चैनल	-	डी.डी.-स्पोर्ट्स
(ङ) अंतर्राष्ट्रीय चैनल	-	डी.डी.-इंडिया
(च) क्षेत्रीय चैनल	-	11 चैनल
(छ) राज्य नेटवर्क	-	4

3.16.2 इन चैनलों की कार्यक्रम संबंधी आवश्यकताओं को दूरदर्शन के देश भर में फैले 47 स्टूडियो केंद्र पूरा करते हैं। 23 दूरदर्शन केंद्रों पर उपग्रह अपलिंकिंग सुविधा उपलब्ध है। सात दूरदर्शन केंद्रों- मुंबई, चेन्नई, गुवाहाटी, कलकत्ता, तिरुअनंतपुरम, बंगलौर और हैदराबाद पर एनालॉग और डिजिटल दोनों के साथ-साथ अपलिंकिंग की सुविधा उपलब्ध है। डी.डी.-1, डी.डी.-2, डी.डी.-न्यूज, खेल और अंतर्राष्ट्रीय चैनल- इन पांच पर कार्यक्रम डिजिटिल मोड पर अपलिंक किए जाते हैं। विभिन्न सेवाओं के प्रसारण के लिए पांच अलग-अलग उपग्रहों के 20 ट्रांसपोंडर इस्तेमाल में लाए जाते हैं। दूरदर्शन के कार्यक्रम इंटरनेट पर भी उपलब्ध हैं। (वेबसाइट-http://ddindia.net)

2. भू-केंद्र नेटवर्क

3.17.1 भू-केंद्रों द्वारा प्रसारण के लिए देशभर में लगाए गए निम्नलिखित 1060 ट्रांसमीटर कार्यरत हैं:

डी.डी.-1 के लिए ट्रांसमीटर	:	1000 (उ.श.ट्रां-85, अ.श.ट्रां 664, अ.अ.श-ट्रां-233, ट्रांसपोज़र-18)
डी.डी.-2 के लिए ट्रांसमीटर	:	57 (उ.श.ट्रां 10, अ.श.ट्रां 43, अ.अ.श.ट्रां-4)
अन्य ट्रांसमीटर	:	3

3.17.2 अनुमान है कि प्राथमिक चैनल (डी डी-1) के कार्यक्रम 87.9 प्रतिशत आबादी तक पहूंचते हैं। क्षेत्रवार यह देश के करीब 74.8% इलाकें को कवर करती है। मेट्रो चैनल (डी डी-2) की कवरेज 20.8% आबादी को उपलब्ध होती है। कवरेज संबंधी इन आंकड़ों में सीमावर्ती कवरेज भी शामिल है।

3. राष्ट्रीय सेवा

3.18.1 निम्नलिखित राज्यों में उपग्रह आधारित क्षेत्रीय सेवा कार्यरत है जो राज्य विशेष की भाषा में प्रसारण करती है:

आंध प्रदेश	तमिलनाडु
असम और पूर्वोत्तर भारत के राज्य	केरल
महाराष्ट्र	उत्तर प्रदेश
कर्नाटक	उड़ीसा
मध्य प्रदेश	पश्चिम बंगाल
गुजरात	राजस्थान
जम्मू और कश्मीर	बिहार
पंजाब	

3.19.2 इन सभी राज्यों में अवस्थित उच्चशक्ति तथा अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों को राज्य की राजधानी में स्थित केंद्र से जोड़ा गया है ताकि वे क्षेत्रीय सेवा के कार्यक्रमों का प्रसारण कर सकें।

II. विकास कार्यक्रम

1. नौंवी पंचवर्षीय योजना के प्रस्ताव

3.19.1 नौंवी पंचवर्षीय योजना (1997-2000) में दूरदर्शन का परिव्यय प्रस्ताव 1,836 करोड़ रुपये का था जिसे अब घटाकर 1761.65 करोड़ कर दिया गया है। इनमें स्टूडियो और ट्रांसमीटरों के पुराने उपकरणों को बदलने, नेटवर्क के आधुनिकीकरण और मौजूदा सुविधाओं को मजबूती प्रदान करने पर बल दिया गया है। इसके अलावा, डी.डी.-1 और 2 के भू-केंद्रों से कवरेज को विस्तृत करने की योजना, अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों की रिमोट मॉनीटरिंग, भू-केंद्रों द्वारा डिजिटल टेलीविजन प्रसारण, अतिरिक्त उपग्रह भू-केंद्रों, समाचार सामग्री के लिए अपलिंकिंग सुविधाओं, डी टी एच सेवा, कुछ स्टूडियो केंद्रों का निर्माण, डिजिटल स्टूडियो तथा कार्यक्रम निर्माण के बाद की सुविधाओं को बढ़ाने और कई अनुपूरक योजनाओं को भी शामिल किया गया है।

3.19.2 नौंवी पंचवर्षीय योजना (अप्रैल 97 से दिसंबर 99) के दौरान दूरदर्शन ने 13 स्टूडियो, डी.डी.-1 सेवा के लिए छह उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, डी.डी.-2 के किए पांच उच्च शक्ति ट्रांसमीटर और 226 अल्प शक्ति/अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त, समाचार और समसामयिक घटनाओं के चैनल तथा खेल चैनल से उपग्रह के जरिये प्रसारण शुरु हो गया है और पूर्वोत्तर क्षेत्र में छह उपग्रह भू-केंद्र स्थापित किए गए हैं नागपुर में भी एक उपग्रह भू-केंद्र स्थापित किया गया है। इनके साथ ही कई अनुषंगी योजनाओं पर भी अमल किया गया है। डी.डी.-2, डी.डी.-न्यूज, डी.डी.-स्पोर्ट्स तथा डी.डी.-इंडिया की डिजिटल मोड पर अपलिंकिंग की गई है और इसके साथ ही दूरदर्शन ने उपग्रह डिजिटल प्रसारण के एक नये युग में प्रवेश कर लिया है।

2. 1999-2000 के लिए प्रावधान

3.20 वर्ष 1999-2000 के लिए दूरदर्शन की वार्षिक योजना के अंतर्गत 391.5 करोड़ रुपये की राशि आबंटित की गई है। इसमें पूंजी मद में 295.5 करोड़ रुपये तथा राजस्व मद में 95 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

3. चालू विकास कार्यक्रम

(क) प्रसारण सुविधाएं

3.20.1 प्राथमिक चैनल डी.डी.-1 के विस्तार के लिए 231 ट्रांसमीटर परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें से 32 उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, 192 अल्प अथवा अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर और सात ट्रांसपोंडर हैं। इनके अतिरिक्त, 32 ट्रांसमीटर (28 उच्च शक्ति, तीन अल्प शक्ति तथा एक ट्रांसपोज़र) मेट्रो चैनल के विस्तार के लिए लगाए जा रहे हैं। इन सभी परियोजनाओं का काम निर्माण की अलग-अलग अवस्थाओं में है और आम तौर पर अगले तीन सालों में विभिन्न चरणों में इनके पूरा कर लिए जाने की संभावना है।

3.20.2 हाल ही में जम्मू और कश्मीर में दूरदर्शन की कवरेज में बड़े पैमाने पर वृद्धि के लिए 218 करोड़ रुपये परिव्यय की एक योजना स्वीकृत की गई है। यह काम अगले लगभग दो वर्ष में पूरा कर लिया जाएगा।

(ख) स्टूडियो सुविधाएं

3.21 दूरदर्शन के घरेलू कार्यक्रम निर्माण में वृद्धि के लिए इस समय 16 स्टूडियो परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इसके अलावा, दिल्ली में दूरदर्शन भवन नामक एक राष्ट्रीय स्टूडियो परिसर पर भी काम चल रहा है। इस 11 मंजिले भवन में आवश्यक तकनीकी सुविधाओं सहित 36 वर्ग मीटर से 593 वर्ग मीटर आकार के आठ स्टूडियो बनाए जाएंगे और आधुनिक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उपरोक्त सभी स्टूडियो परियोजनाओं को अगले दो से तीन वर्षों में पूरा कर लिए जाने की योजना है।

(ग) उपग्रह सेवा

3.22 निम्नांकित परियोजनाओं पर काम शुरू किया गया है:

(1) शिमला, श्रीनगर, पणजी और पोर्ट ब्लेयर में भू-केन्द्र। इन सभी भू-केंद्रों के वर्ष 2000 के दौरान अलग-अलग चरणों में काम शुरु कर देने की संभावना है।

(2) दिल्ली में स्थायी भू-केंद्र परिसर।

(3) समाचार और खेल चैनलों के लिए स्थायी संरचनाओं के साथ अपलिंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है।

(4) प्रस्तावित नये चैनल डी.डी.-प्राइम के लिए अप-लिंकिंग सुविधाएं।

है और पूर्वोत्तर क्षेत्र में छह उपग्रह भू-केंद्र स्थापित किए गए हैं नागपुर में भी एक उपग्रह भू-केंद्र स्थापित किया गया है। इनके

सभी भू-केंद्रों के वर्ष 2000 के दौरान अलग-अलग चरणों

31.12.99 को तकनीकी दृष्टि से पूर्ण परियोजनाएं

परियोजना	स्थान	राज्य
स्टूडियो	जगदलपुर	मध्य प्रदेश
	ग्वालियर	मध्य प्रदेश
	इंदौर	मध्य प्रदेश
	भवानीपटना	उड़ीसा
उच्च शक्ति ट्रांसमीटर	हासन	कर्नाटक
	मसूरी डी. डी. II	उत्तर प्रदेश
अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	वोनूकोण्डा	आंध्र प्रदेश
	वेल्डांडा	आंध्र प्रदेश
	देवरकोण्डा	आंध्र प्रदेश
	टेक्काली	आंध्र प्रदेश
	बोब्बिली	आंध्र प्रदेश
	पेड़ापल्ली	आंध्र प्रदेश
	बोंकारवाट	असम
	बढ़हरवा	बिहार
	व्यारा	गुजरात
	फिरोजपुर झिड़का	हरियाणा
	टोहाना	हरियाणा
	करनाल	हरियाणा
	महेंद्रगढ	हरियाणा
	यमुनानगर	हरियाणा
	उधमपुर	जम्मू और कश्मीर
	होसदुर्ग	कर्नाटक
	हिरियुर	कर्नाटक
	दंदली	कर्नाटक
	पाला	केरल
	मुल्ताई	मध्य प्रदेश
	पेंदरा रोड	मध्य प्रदेश
	कुक्षी	मध्य प्रदेश
	धर्माबाद	महाराष्ट्र
	पाटन	महाराष्ट्र
	पढ़ारकवड़ा	महाराष्ट्र
	फल्टन	महाराष्ट्र
	खानापुर	महाराष्ट्र
	फुलगांव	महाराष्ट्र
	मंगलवेढ़ा	महाराष्ट्र
	लवांगलाई	मिजोरम
	मोकोकचुंग (डी. डी. II)	नगालैंड
	गोंडिया	उड़ीसा
	खरियार	उड़ीसा
	करंजिया	उड़ीसा
	राजगंगपुर	उड़ीसा
	बीरमित्रपुर	उड़ीसा
	कुशालगढ़	राजस्थान
	तारानगर	राजस्थान
	सगवाड़ा	राजस्थान
	नवलगढ़	राजस्थान
	मकराना	राजस्थान
	देंकानीकोटा	तमिलनाडु
	नट्टम	तमिलनाडु
	पेरानामपेट	तमिलनाडु
	चिदंबरम	तमिलनाडु
	चंदवास्सी	तमिलनाडु
	अमरपुर	त्रिपुरा
	जोलाईबाड़ी	त्रिपुरा
	कर्वी	उत्तर प्रदेश
	तालबेहट	उत्तर प्रदेश
	दुर्धानगर	उत्तर प्रदेश
	कालागढ़	उत्तर प्रदेश
	गढ़बेटा	प. बंगाल
	बलरामपुर	प. बंगाल
अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	बदामी	कर्नाटक
	तिवसा	महाराष्ट्र
	अर्जुनी	महाराष्ट्र
	सिंदेवाही	महाराष्ट्र
	चिमूर	महाराष्ट्र
	कुरखेड़ा	महाराष्ट्र
	करंजा	महाराष्ट्र
	अष्टा	महाराष्ट्र
	पिंपलनेर सकरी	महाराष्ट्र
	वाई	महाराष्ट्र
	सिमली पालगढ़	उड़ीसा
	कोटरा	राजस्थान
	गिंजी	तमिलनाडु
	ऊखीमठ	उत्तर प्रदेश
	रुद्रप्रयाग	उत्तर प्रदेश
	खुविया नांगल	उत्तर प्रदेश
	शंखी व्यू	अरूणाचल प्रदेश

भारत

वर्तमान दूरदर्शन नेटवर्क

(दिसम्बर 31 ,1999 की स्थिति के अनुसार)

जम्मू और कश्मीर
6 10 32
श्रीनगर
जम्मू
हिमाचल प्रदेश
2 9 31
जालंधर
शिमला
पंजाब
4 6 1
चण्डीगढ़
1
हरियाणा
10
दिल्ली
2 2
बरेली
लखनऊ
गोरखपुर
बिहार
1 1 5
सिक्किम
अरुणाचल प्रदेश
1 4 30
डिब्रूगढ़
असम
गुवाहाटी
3 22 2
नागालैण्ड
2 1 7
कोहिमा
मणिपुर
इम्फाल
1 2 8
मेघालय
शिलांग
1 2 3
अगरतला
1 4 20
त्रिपुरा
आइजोल
मिज़ोरम
2 1 2
कोलकत्ता
पश्चिम बंगाल
6 28 3
डाल्टनगंज
रांची
झारखंड
राजस्थान
जयपुर
6 41 17
इलाहाबाद
मध्य प्रदेश
7 70 10
भोपाल
गुजरात
5 60 3
अहमदाबाद
राजकोट
दमन और दीव
2
1
दादरा और नगर हवेली
मुम्बई
6 71 10
पुणे
नागपुर
रायपुर
उड़ीसा
6 42 12
भुवनेश्वर
सम्बलपुर
गुलबर्गा
हैदराबाद
विजयवाड़ा
आन्ध्र प्रदेश
गोवा
पणजी
1 1
कर्नाटक
9 61 7
5 42 3
बंगलौर
चेन्नई
पाण्डिचेरी
लक्षद्वीप
1 1
तमिलनाडु
3 2
22 4 36 6
तिरुअनंतपुरम

अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह

3 10
पोर्ट ब्लेयर

संकेत चिन्ह :-

- ■ कार्यक्रम निर्माण केन्द्र
- △ उच्च शक्ति प्रेषित्र
- ○ अल्प शक्ति प्रेषित्र
- ▯ अति अल्प शक्ति प्रेषित्र/ट्रांसपोज़र

टेलीविजन स्टूडियो केन्द्र (31.12.99 को)

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	स्थान
1.	असम	गुवाहाटी
		डिब्रूगढ़
		सिलचर
2.	आंध्र प्रदेश	हैदराबाद
		विजयवाड़ा
3.	अरुणाचल प्रदेश	इटानगर
4.	बिहार	रांची
		पटना
		मुजफ्फरपुर
		डाल्टनगंज
5.	गोवा	पणजी
6.	गुजरात	अहमदाबाद
		राजकोट
7.	हरियाणा	—
8.	हिमाचल प्रदेश	शिमला
9.	जम्मू-कश्मीर	श्रीनगर
		जम्मू
10.	केरल	तिरुअनंतपुरम
11.	कर्नाटक	बंगलौर
		गुलबर्गा
12.	मध्य प्रदेश	भोपाल
		रायपुर
13.	मेघालय	शिलांग
		तुरा
14.	महाराष्ट्र	मुंबई
		नागपुर
15.	मणिपुर	इम्फाल
16.	मिजोरम	आइजोल
17.	नगालैंड	कोहिमा
18.	उड़ीसा	भुवनेश्वर
		संबलपुर
19.	पंजाब	जालंधर
20.	राजस्थान	जयपुर
21.	सिक्किम	—
22.	तमिलनाडु	चेन्नई
23.	त्रिपुरा	अगरतला
24.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
		गोरखपुर
		बरेली, इलाहाबाद
		मऊ, वाराणसी
25.	पश्चिम बंगाल	कलकत्ता
		शांतिनिकेतन
		जलपाइगुड़ी
26.	दिल्ली	दिल्ली
27.	अंडमान निकोबार द्वीपसमूह	पोर्ट ब्लेयर
28.	पांडिचेरी	पांडिचेरी
29.	चंडीगढ़	—

वर्ष 1999-2000 के दौरान चालू की गई परियोजनाएं
(1.4.99 से 31.12.99 तक)

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश		स्थान
अरुणाचल प्रदेश		अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, मुक्तो
बिहार	*	अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, गढ़वा
गुजरात		स्टूडियो ट्रांसमीशन एकक, राजकोट (क्षमता बढ़ाई गई)
		उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, भुज (स्थायी)
		अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, पुनंधरो
		अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, राजुला
	*	अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, राजपीपला
		अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, जमजोधपुर
		अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, खंभलिया
	*	अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, लुनावाडा
	*	अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, मोदासा
	*	अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, उमरगांव
जम्मू और कश्मीर		उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, श्रीनगर (डी.डी. II)
महाराष्ट्र		एस टी यू, मुंबई (विस्तार)
		एस टी यू, नागपुर (क्षमता बढ़ाई गई)
		एस टी यू, पुणे
		अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, भंडारा
		अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, अम्बाजोगाई (डी.डी. II)
मणिपुर		अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, जिरीबाम
मध्य प्रदेश	*	उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, रायपुर (डी.डी. II)
नगालैंड		अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, शमतोड़
राजस्थान		उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, जोधपुर
		अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, भरतपुर
		अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, किशनगढ़वास
		अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, विराटनगर
उत्तर प्रदेश		अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, पोखरी

**टी. एस. पी. जिलों की परियोजनाएं*

दूरदर्शन नेटवर्क (31.12.99 को)

क्र. सं.	राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश	स्टूडियो	प्राथमिक चैनल (डी.डी.-1) ट्रांसमीटर					मेट्रो चैनल (डी.डी.-2) ट्रांसमीटर			
			उ.श.ट्रां.	अ.श.ट्रां.	अ.अ.श.ट्रां.	ट्रांसपोंज़र	कुल	उ.श.ट्रां.	अ.श.ट्रां.	अ.अ.श.ट्रां.	कुल
1.	असम	3	3	19	1	1	24	-	3	-	3
2.	आंध्र प्रदेश	2	8	61	6	1	76	1	-	-	1
3.	अरुणाचल प्रदेश	1	1	3	39	-	43	-	1	-	1
4.	बिहार	4	5	44	2	1	52	-	1	-	1
5.	गोवा	1	1	-	-	-	1	-	1	-	1
6.	गुजरात	2	4	59	3	-	66	1	1	-	2
7.	हरियाणा	-	-	9	-	-	9	-	1	-	1
8.	हिमाचल प्रदेश	1	2	8	29	2	41	-	1	-	1
9.	जम्मू-कश्मीर	2	4	7	31	1	43	1	2	-	3
10.	केरल	1	3	18	2	-	23	-	4	-	4
11.	कर्नाटक	2	4	42	3	-	49	1	-	-	1
12.	मध्य प्रदेश	2	6	69	10	-	85	1	2	-	3
13.	मेघालय	2	2	2	2	-	6	-	2	-	2
14.	महाराष्ट्र	2	5	69	9	1	84	1	2	-	3
15.	मणिपुर	1	1	1	6	-	8	-	1	-	1
16.	मिज़ोरम	1	2	-	2	-	4	-	2	-	2
17.	नगालैंड	1	2	2	6	1	11	-	1	-	1
18.	उड़ीसा	2	4	58	9	1	72	1	4	2	7
19.	पंजाब	1	4	5	-	1	10	-	1	-	1
20.	राजस्थान	1	5	59	15	2	81	-	2	-	2
21.	सिक्किम	-	1	-	5	-	6	-	1	-	1
22.	तमिलनाडु	1	3	36	3	2	44	1	-	-	1
23.	त्रिपुरा	1	1	2	1	1	5	-	2	-	2
24.	उत्तर प्रदेश	6	9	63	26	3	101	-	5	1	6
25.	पश्चिम बंगाल	3	4	19	3	-	26	1	1	-	2
26.	दिल्ली	1	1	-	-	-	1	1	-	-	1
27.	अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह	1	-	2	10	-	12	-	1	-	1
28.	दमण और दीव	-	-	2	-	-	2	-	-	-	-
29.	पांडिचेरी	1	-	2	2	-	4	-	1	-	1
30.	लक्षद्वीप समूह	-	-	1	8	-	9	-	-	1	1
31.	चंडीगढ़	-	-	1	-	-	1	-	1	-	1
32.	दादरा और नागर हवेली	-	-	1	-	-	1	-	-	-	-
	कुल	**47**	**85**	**664**	**233**	**18**	**1000**	**10**	**43**	**4**	**57**

टिप्पणी : 1. इसके अतिरिक्त लोकसभा और राज्यसभा की कार्रवाई के प्रसारण के लिए दिल्ली में दो अल्प शक्ति ट्रांसमीटर और श्रीनगर में कश्मीर चैनल के कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए एक अल्पशक्ति ट्रांसमीटर कार्यरत है।

2. ट्रांसमीटरों की कुल संख्या 1060

दूरदर्शन ट्रांसमीटर (31.12.99 को)

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश

आंध प्रदेश

उच्च शक्ति ट्रांसमीटर

अनंतपुर
हैदराबाद
कुर्नूल
नांद्याल
राजामुंदरी (अंतरिम)
तिरुपति
विजयवाड़ा
विशाखापत्तनम
हैदराबाद (डी.डी.-2)

अल्पशक्ति ट्रांसमीटर

अचमपेट
आदिलाबाद
अदोनी
अलगुड्डा
अमलापुरम
अतमाकुर
बांसवाड़ा
बेलियामल्ली
भद्राचलम
भैंसा
भीमाडोलू
भीमावरम
चित्तूर
कुड्डप्पा
दरसी
एम्मीगनूर
गडवाल
गिद्दालूर
गुंटाकल
हिंदूपुर
जदचेर्ला
जगतियाल
कादिरी
काकिनाडा
कामारेड्डी
करीमनगर
कवाली

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश

खम्माम
कोसगी
कोठागुडम
कुप्पम
एल.आर. पल्ली
मछेरला
मधिरा
मदनपल्ली
मंदासा
मरकापुर
मेदक
महबूब नगर
नगर कुर्नूल
नालगोंडा
नारायणपेट
नरसावपेट
नेल्लौर
निर्मल
निजामाबाद
अंगोल
पेडनांडिपाडु
प्रोदुत्तुर
राजमपेट
रामागुंडम
सिद्दीपेट
श्रीकाकुलम
तंबलापल्ली
तंडुर
तिरुपति
तुनि
विशाखापत्तनम
वानेपार्थी
वारंगल
येल्लांडु

अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर

चिंतापल्ली
इच्छापुरम
पदेरू
पार्वतीपुरम
सीतमपेटा

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश

श्रीसलेम
ट्रांसपोज़र
विजयवाड़ा

अरुणाचल प्रदेश**

उच्च शक्ति ट्रांसमीटर

ईटानगर

अल्प शक्ति ट्रांसमीटर

मियो
पासीघाट
तेजू
ईटानगर (डी.डी.-2)

अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर

एलौंग
अनिनी
बारिरीजो
बासर
बोलेंग
बोमडिला
चांगलांग
छायांगताजो
दापोरिजो
दराक
गेकु
दिरांग
गेंसी
हवाई
हयुलियांग
हुंलि
इंकिंयोंग
कलकतांग
कियोंग
किमयोंग
खोंसा
लिरोमोबा
मारियांग
मेचुका
मुक्तो
नामपोंग
नामसई
पालिन

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश

रागा
रोइंग
रूपा
सागली
सेइजोसा
सेप्पा
तालिहा
तवांग
तिरबिन
योमचा
ज़िरो

असम**

उच्च शक्ति ट्रांसमीटर

डिब्रूगढ़
गुवाहाटी
सिलचर

अल्पशक्ति ट्रांसमीटर

बोंगाईगांव
धुबरी
दीफू
गोलपाड़ा
गोहपुर
गोलाघाट
हाफलौंग
हतसिंधमारी
होजाई
जोरहाट
कोकराझाड़
लुमडिंग
मारगेरिटा
नौगांव
नज़ीरा
उत्तरी लखीमपुर
सोनारी
तेजपुर
तिनसुखिया
डिब्रूगढ़ (डी.डी.-2)
गुवाहाटी (डी.डी.-2)
सिलचर (डी.डी.-2)

अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश
डिगबोई	नोवामुंडी	देवगढ़ बरिया	वलसाड़
ट्रांसपोज़र	फुलपरास	धमधुखा	वड़वाल
गुवाहाटी	रक्सौल	धारंगधरा	गांधीनगर (डी.डी.-2)
बिहार	सहरसा	धारी	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
उच्च शक्ति ट्रांसमीटर	सरायकेला	धरमपुर	ककड़ापार
डाल्टनगंज	शेखपुरा	धोराजी	नेतरंग
कटिहार	सिकंदरा	दोहाब	सगवारा
मुजफ्फरपुर	सिमरी बख्तियारपुर	गोधरा	**हरियाणा ****
पटना	सीतामढ़ी	ईंदर	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
रांची	सीवान	जमजोधपुर	भिवानी
अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	सुपौल	जामनगर	चरखी दादरी
औरंगाबाद	पटना (डी.डी.-2)	झागड़िया	हिसार
बेगूसराय	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	जूनागढ़	जिंद
बेतिया	सिमडेगा	केवड़िया कालोनी	मेहम
भागलपुर	गढ़वा	खांबलिया	नारनौल
बोकारो	ट्रांसपोज़र	खंभात	रेवाड़ी
बक्सर	रामगढ़ पहाड़ी	भिंबड़ी	रोहतक
चाईबासा	**गोवा ****	लूनावाड़ा	सिरसा
दरभंगा	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**	महुवा	मंडी डबवाली (डी.डी.-2)
दाऊदनगर	पणजी	मंगरोल (जूनागढ़)	**हिमाचल प्रदेश**
देवघर	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	मंगरोल (सूरत)	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**
धनबाद	पणजी (डी.डी.-2)	मेहसाना	कसौली
दुमका	**गुजरात ****	मोदासा	शिमला
फारबिसगंज	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**	मोरवी	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
गया	अहमदाबाद	नवसारी	बिलासपुर
घाटशिला	भुज	पालनपुर	धर्मशाला
गिरिडीह	द्वारका	पालिताना	कुल्लू
गोड्डा	राजकोट	पाटन	मनाली
गोपालगंज	अहमदाबाद (डी.डी.-2)	पोरबंदर	मंडी
गुमला	**अल्पशक्ति ट्रांसमीटर**	पुनंदरो (सचल)	रामपुर
हजारीबाग	अहवा	राधनपुर	सुंदर नगर
जमशेदपुर	अंबाजी	राजपिपला	सुजानपुर
जपुई	आमोद	राजुला	शिमला (डी.डी.-2)
खगड़िया	अमरेली	रापर	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
कोडरमा	बांतवा	संजेली	अझु फोर्ट
लखीसराय	भब्बर	शामला जी	बैजनाथ
लोहरदग्गा	भड़ौंच	सोनगढ़	बोंडला
मधेपुरा	भावनगर	सूरत	बंजर
मधुबनी	बोताड़	सुरेन्द्र नगर	भरमौर
मोतिहारी	छोटा उदयपुर	थराड़	भारती
मुंगेर	दांडी	उमेरगांव	चंबा
मुशाबनी	देडियापाड़ा	उना	चौपाल
नवादा	दीसा	वड़ोदरा	दियार

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश
हमीरपुर	बारामुला	बंतवाल	**केरल ****
होली	बेसकैंप (सियाचीन)	**बासवा कल्याण**	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**
जहालमा	बतोत	बेल्लारी	कालिकट (अंतरिम)
जोगिंदर नगर	**भद्रवाह**	**बेलगाम**	कोच्चि
कालपा	बुढल	**भटकल**	तिरुअनंतपुरम
करसोग	चुशुल	**बीदर**	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
केलौंग	दसकित	बीजापुर	अदूर
खड़ा पत्थर	डोडा	चिकमगलूर	अट्टीपडी
कोटखई	द्रास	चिकोडी	**कन्नानूर**
नीचर	गुरेज़	चित्रदुर्ग	चांगनचेरी
पालमपुर	कालाकोट	**दावणगेरे**	चेंगनूर
परवानु	खलसी	गड़ाग बैतगरी	इडुक्की
पौंरभयानु	किल्होत्रां	**गंगावती**	कालपेट्टा
रोहरू	किश्तवार	गोकाक	**काननगढ़**
सरकाघाट	कुद	**हरफनहल्ली**	**कसारगोड़**
शिवबदर	कुपवाड़ा	हासन	कायमकुलम
थानेदार	**मुलबेख**	**हट्टीहाल**	मलियापुरम
उदयपुर	नइमा	**होलेनरसीपुर**	पालघाट
उना	पदम	**होलपेट**	**पठानमथिट्टा**
वार	पहलगांव	हुंगोड़	पुनलूर
ट्रांसपोजर	पुंछ	**कारवाड़**	**शोरानूर**
राजगढ़	रामबन	**कोलार गोल्डफील्ड**	तेल्लिचेरी
सोलन	संबा	कुमटा	**थोडुपूझा**
जम्मू और कश्मीर**	**संकू**	**मांड्या**	**त्रिशूर**
उच्च शक्ति ट्रांसमीटर	तांगस्ते	मंगलौर	कालिकट (डी.डी.-2)
जम्मू	**थानामंडी**	मेदिकेरी	कोच्चि (डी.डी.-2)
लेह	तिमसोगाम	मुदिगेरे	तिरुअनंतपुरम (डी.डी.-2)
पुंछ	**तिथवाल**	मैसूर	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
श्रीनगर	उधमपुर	पवगाड़ा	देवी कोलम
श्रीनगर (डी.डी.-2)	उरी	पुट्टूर	कंजीरापल्ली
अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	**ट्रांसपोजर**	रायचूर	**मध्य प्रदेश****
करगिल	सुरनकोट	रामादुर्ग	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**
कठुआ	**कर्नाटक ****	**रानीबेन्नूर**	**भोपाल**
नौशेरा	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**	सागर	ग्वालियर
राजौरी	बंगलौर	संदूर	इंदौर
रियासी	धारवाड़	सिरसी	जबलपुर
जम्मू (डी.डी.-2)	गुलबर्गा	टिपतूर	जगदलपुर
लेह (डी. डी.-2)	शिमोगा	तुमकुर	रायपुर
श्रीनगर (कशिर चैनल)	बंगलौर (डी.डी.-2)	उडिपि	रायपुर (डी.डी.-2)
दरहल	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
बांदीपुरा (सचल)	आरसीकेरे	सकलेशपुर	अलीराजपुर
अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	अठानी	मधुगिरि	अंबिकापुर
अद्धकुंवारी	बगलकोट	सुल्या	

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश
अशोक नगर	नरसिंहपुर	नागपुर	मेहकर
बड़ा मल्हेरा	नीमच	पुणे	हासले
बेलाडिला	पंचमढ़ी	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	मोशी
बालाघाट	पन्ना	अचलपुर	नांदेड़
बेतूल	पिपरिया	अकोट	नंदूरबाड़
भंडेर	राघोगढ़	अहेरी	नासिक
भानपुरा	रायगढ़	अहमदनगर	नवापुर
भिंड	राजगढ़	अकलुज	उस्मानाबाद
बिजयपुर	राजरां झारंडिली	अकोला	पंढरपुर
बिलासपुर	रतलाम	अमालनेर	परभणी
बुरहानपुर	रीवां	अमरावती	पुसाड
चंदेरा	सागर	अवी	राजापुर
छातापुर	साकटी	अंबाजोगई (डी.डी.-2)	रत्नागिरि
छिंदवाड़ा	सतना	बारसी	रिसोड़
दमोह	शिवनी	भंडारा	संगमनेर
दतिया	शहडोल	भुसावल	सांगली
डुंगरगढ़	शाजापुर	बीड	सतना
गदरवाड़ा	शिवपुर	ब्रह्मपुरी	सतारा
गरोट	शिवपुरी	बुलडाना	शहाड़
गुना	सीधी	चंद्रपुर	शिरपुर
हरदा	सिंगरौली	चंडूर	शोलापुर
इटारसी	सिरौंझ	चिखली	सिरौंचा
जावरा	सीतामऊ	चिपलुन	तुमसर
झाबुआ	टीकमगढ़	देवरुख	उमेरगा
कांकेर	उज्जैन	धुले	उमेरखेड़
केलारास	भोपाल (डी.डी.-2)	डिगरलुर	वानी
खंडवा	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	गढ़चिरोली	वर्धा
खैरगांव	बुधनी	गोंडिया	वाशिम
खुरई	बीजापुर	हिंगनघाट	यवतमाल
कोरबा	डायमंड मायनिंग प्रोजेक्ट	हिंगोली	नागपुर (डी.डी.-2)
कुकड़ेश्वर	जसपुर नगर	इचलकरंजी	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
कुरसिया	कोंडागांव	जलगांव	बदलापुर
कुरवाई	कोयलीबेड़ा	जालना	मोकर
लाहर	पखनजोड़	कंकौली	चिकलधारा
मैहर	परसिया	कराड़	जुन्नर
मलंजखंड	सारणगढ़	करंजा	कर्जाट
मांडला	सिंगरौली	खामगांव	खेड़
मंदसौर	**महाराष्ट्र ****	खोपोली	कोरेगांव
मनिंदरगढ़	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**	किंवात	मलकापुर
मुरवाड़ा	अंबाजोगई	कोल्हापुर	मलवन
नागदा	औरंगाबाद	महाड़	**ट्रांसपोज़र**
नारायणपुर	मुंबई	मालेगांव	औरंगाबाद
	मुंबई (डी.डी.-2)	मनमाड	**मणिपुर ****

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश
उच्च शक्ति ट्रांसमीटर	मोन	कोरापुट	थाउमल रामपुर
इंफाल	फेक	कोटपाद	राउरकेला (डी.डी. 2)
अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	सातखा	कुचिंदा	ललितगिरि (डी.डी. 2)
उखरूल	शमतोरी	लुथेरपंक	**ट्रांसपोज़र**
इंफाल (डी.डी. 2)	वोखा	मलकानगिरि	सुनबेड़ा
अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	जुन्हेबोतो	मोहना	**पंजाब****
चंदेल	**ट्रांसपोज़र**	नरसिंघपुर	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**
चूड़ाचांदपुर	कोहिमा	नवरंगपुर	अमृतसर
कांगपोकपी	**उड़ीसा****	नौपाड़ा	भटिंडा
मोरेह	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**	पदमपुर	जालंधर
सेनापति	बालेश्वर	पद्मापुरम	फजिल्का (अंतरिम)
जिरबाम	भवानीपटना	पड़ुआ	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
मेघालय**	कटक	पल्लहारा	अबोहर
उच्च शक्ति ट्रांसमीटर	संबलपुर	पारादीप	फिरोजपुर
शिलांग	कटक (डी.डी. 2)	परलाखेमुंडी	गुरदासपुर
तुरा	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	पटनागढ़	पठानकोट
अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	आनंदपुर	फूलबनी	पटियाला
जोवाई	आंगुल	पुरी	जालंधर (डी.डी. 2)
विलियम नगर	अठामालिक	रायरंगपुर	**ट्रांसपोज़र**
शिलांग	बालनगीर	राजरानापुर	तलवाड़ा
तुरा (डी.डी. 2)	बलियापाल	रायगढ़	**राजस्थान****
अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	बालीगुढ़ा	रेधाखोल	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**
बाघमारा	बानापुर	राउरकेला	बाड़मेर (अंतरिम)
नौंगस्टोन	बारगढ़	सिमलगुडा	बूंदी
मिज़ोरम**	बारीपाड़ा	सोहेला	जयपुर
उच्च शक्ति ट्रांसमीटर	बेरहामपुर	सोनपुर	जैसलमेर
आइज़ोल	भद्रक	सुंदरगढ़	जोधपुर
लुंगलेई	भंजनगर	तलचर	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	भुबन	तिरधल	अजमेर
आईज़ोल (डी.डी. 2)	बोनाई	उमेरकोट	अलवर
लुंगलेई (डी.डी. 2)	बौध	भुवनेश्वर (डी.डी. 2)	अनूपगढ़
अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	ब्रजराजनगर	ढेंकानाल (डी.डी. 2)	बंसी
चंफई	दसरथपुर	दुधारकोट (डी.डी. 2)	बांसवाड़ा
सैहा	देवगढ़	संबलपुर (डी.डी. 2)	बारन
नगालैंड**	ढेंकानाल	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	बड़ीसदरी
उच्च शक्ति ट्रांसमीटर	दुर्गापुर	औल	बाड़मेर
कोहिमा	गुड़ाईगिरि	बड़ा बारबिल	बसावा
मोकोकचुंग	जैपोर	बाडापल्ली	ब्यावर
अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	जोड़ा	चित्रकोंडा	भद्रा
दीमापुर	कबिसूर्यनगर	कलामपुर	भरतपुर
खेनसांग	क्योंझरगढ़	कोसारा	भीलवाड़ा
कोहिमा (डी.डी. 2)	खंरडपाड़ा	नागची	बीकानेर
अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर		नयागढ़	

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश
चिड़ावा	उदयपुर	अत्तूर	अगरतला
चित्तौड़गढ़	बल्लभनगर	चेय्यार	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
चुरू	जयपुर (डी.डी. 2)	कोयंबटूर	कैलासहर
डीघ	कोटा (डी.डी. 2)	कुन्नूर	तेजियामुरा
डूंगरपुर	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	कोर्टलाम	कैलासहर (डी.डी. 2)
गंगानगर	आमेट	कुड्डालोर	अगरतला (डी.डी. 2)
गंगापुर (एस.एम.पुर)	अंधी	धर्मापुरी	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
हनुमानगढ़	भीम	गुडियाताम	धरम नगर
हिंडौल	चौमहला	कृष्णागिरि	**ट्रांसपोज़र**
जैसलमेर	देवगढ़	कुंबकोनम	बेलोनिया
जालौर	फतेहपुर	मर्थनदम	**उत्तर प्रदेश****
झालावाड़	गंगापुर	मयूरम	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**
झुंझुनू	कुंभलगढ़	नागपट्टिनम	आगरा
करनपुर	मंडलगढ़	नागरकोइल	इलाहाबाद
करौली	नीम का थाना	नैवेल्ली	बरेली
केसरियाजी	राजगढ़	पट्टूकोट्टई	गोरखपुर
खेतड़ी	रावतभाटा	पुडुकोट्टई	कानपुर
कोटपुतली	सिकराय	राजापल्लयम	लखनऊ
कृष्णगढ़वास (अलवर)	विराटनगर	सलेम	मऊ
माउंट आबू	जवार माइंस	शंकरन कोविल	मसूरी
नागौर	**ट्रांसपोज़र**	तंजावूर	वाराणसी
नाथद्वारा	जमुआ रामगढ़	थिरुवाईयरु	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
नीमच	लालसोत	टिंडिदवनम	अकबरपुर
नौहर	**सिक्किम****	तिरुचंडूर	अलीगढ़
नोरवा	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**	तिरुचिरापल्ली	अमरोहा
पाली	गंगटोक	तिरुनेलवेल्ली	अठदामा
फलोडी	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	तिरुपत्तूर	औरैया
पिलानी	गंगटोक (डी.डी. 2)	तिरुवन्नमलाई	बहराइच
प्रतापगढ़	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	तूतीकोरिन	बलिया
रायसिंघनगर	ग्याल सिंग	उदगवमंडलम	बलरामपुर
राजगढ़	मंगन	उडुमालपेट	बांदा
रतनगढ़	नामची	वनियामबाडी	बस्ती
रावतसर	रंपो	वेल्लोर	चंपावत
सलमबेर	सिंगताम	विल्लूपुरम	छिबरामउ
सरदार शहर	**तमिलनाडु****	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	देवरिया
सवाई माधोपुर	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**	वाल्लिउर	एटा
शाहपुरा	चेन्नई	वलपैरै	इटावा
सीकर	कोडईकनाल	वंजपाडी	फैजाबाद
सिरोही	रामेश्वरम	**ट्रांसपोज़र**	फर्रुखाबाद
श्रीडूंगरगढ़	चेन्नई (डी.डी. 2)	डिंडिगुल	फतेहपुर
सुजानगढ़	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	कांचीपुरम	गंजडुंडवाड़ा
सूरतगढ़	आरणी	**त्रिपुरा****	गौरीगंज
टोंक	आरकोट	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**	गोंडा

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश
हल्द्वानी	आजमगढ़ (डी.डी. 2)	कुर्सियांग	मालाबंद
हरदोई	कानपुर (डी.डी. 2)	मुर्शिदाबाद	मनकोर्ग
हरिद्वार	लखनऊ (डी.डी. 2)	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	रंगत
जगदीशपुर	मऊ (डी.डी. 2)	अलीपुर दुआर	**चंडीगढ़****
झांसी	रामपुर (डी.डी. 2)	बालुरघाट	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
कासगंज	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	बर्धमान	चंडीगढ़
काशीपुर	अलमोड़ा	बसंती	चंडीगढ़ (डी.डी. 2)
कोटद्वार	बागेश्वर	विष्णुपुर	**दादरा और नागर हवेली****
लखीमपुर	बसोत	कांती	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
लालगंज (प्रतापगढ़)	मटियारी	दार्जिलिंग	सिलवासा
लालगंज (रायबरेली)	चौखटिया	फरक्का	**दमन और दीव****
ललितपुर	देवप्रयाग	झारग्राम	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
महोबा	धारचूला	कलिमपोंग	**दमन**
महरौनी	डीडीहाट	कालना	**दीव**
मैनपुरी	गज्जा	खड़गपुर	दिल्ली**
मथुरा	घंडियाल	कृष्णनगर	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**
मउरानीपुर	गोपेश्वर	मालदा	दिल्ली
मोहम्मदाबाद	जोशीमठ	मेदिनीपुर	दिल्ली (डी.डी. 2)
मुरादाबाद	कलजीखाल	पुरुलिया	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
नैनी डंडा	कर्णप्रयाग	रामाघाट	दिल्ली (लोकसभा)
नैनीताल	कौसानी	रायना	दिल्ली (राज्यसभा)
नानपारड़ा	मानिकपुर	शांतिनिकेतन	**लक्षद्वीप****
नौगढ़	मनकापुर	मुर्शिदाबाद (डी.डी. 2)	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
नई टिहरी	मुंसियारी	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	कावारत्ती
ओबरा	नंदप्रयाग	एगरा	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
उरई	प्रतापनगर	झालदा	अगत्ती
पौड़ी	पोखरी	बाघमंडी	अमीनी
पीलीभीत	राजगढ़ी	**अंडमान निकोबार द्वीपसमूह****	आनड्रोट
पिथौरागढ़	रानीखेत	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	चेतलाट
पुरनपुर	साहिया	कार निकोबार	कदमट
राय बरेली	थराली	पोर्ट ब्लेयर	कालपेनी
रामपुरा	उत्तरकाशी	पोर्ट ब्लेयर (डी.डी. 2)	किल्टान
रसरा	ठाकुरद्वारा (डी.डी. 2)	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**	मिनीकॉय
रथ	**ट्रांसपोजर**	बरतांग	कावारत्ती (डी.डी. 2)
रुदौली	चुरुक	कैंपबेल	**पांडिचेरी****
संभल	मसूरी	डिगलीपुर	**अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
शाहजहांपुर	श्रीनगर	ग्रेट निकोबार	कराइकाल
सिकंदरपुर	**पश्चिम बंगाल****	हैवलॉक	पांडिचेरी
सीतापुर	**उच्च शक्ति ट्रांसमीटर**	हरबे	पांडिचेरी (डी.डी. 2)
सुलतानपुर	आसनसोल	कटचल	**अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर**
टनकपुर	कलकत्ता		माहे
थिरुवा	कलकत्ता (डी.डी. 2)		यनम

4

फिल्म

फिल्म प्रभाग

4.1.1 पिछले 50 वर्षों से फिल्म प्रभाग भारतीय जनता के व्यापक समूह को प्रेरित करता रहा है ताकि राष्ट्र-निर्माण कार्य में उनका सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जा सके। राष्ट्रीय परिदृश्य पर केन्द्रित प्रभाग के लक्ष्यों और उद्देश्यों में राष्ट्रीय कार्यक्रमों को लागू करने में लोगों की सक्रिय भागीदारी के लिए उन्हें शिक्षित और प्रेरित करना तथा देश और उसकी विरासत की छवि भारतीय और विदेशी दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करना शामिल हैं। प्रभाग का लक्ष्य वृत्तचित्र आंदोलन के विकास को बढ़ावा देना भी है, जो राष्ट्रीय सूचना, संचार और एकीकरण के क्षेत्र में भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

4.1.2 प्रभाग अपने मुंबई स्थित मुख्यालय से वृत्तचित्र/ समाचार पत्रिकाएं, नई दिल्ली से रक्षा और परिवार कल्याण संबंधी फिल्में और कलकत्ता तथा बंगलौर स्थित क्षेत्रीय केन्द्रों से ग्रामीण जीवन पर आधारित कथाचित्र तैयार करता है। प्रभाग देशभर में 12,379 सिनेमाघरों और क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की इकाइयों, राज्य सरकारों की सचल इकाइयों, दूरदर्शन, परिवार कल्याण विभाग की क्षेत्रीय इकाइयों, शैक्षिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों जैसे गैर-थियेटर क्षेत्रों की आवश्यकताएं पूरी करता है। प्रभाग द्वारा सिनेमाघरों के लिए जारी की जाने वाली फिल्मों में राज्य सरकारों के वृत्तचित्र और समाचार पत्रिकाएं भी शामिल की जाती हैं। प्रभाग प्रिंट, स्टॉक



नई दिल्ली में 15 फरवरी 2000 को 46वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह के पुरस्कार वितरण के दौरान राष्ट्रपति श्री के.आर. नारायणन से दादा साहेब फाल्के पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री बी.आर. चोपड़ा

शॉट, वीडियो कैसेटों का विक्रय करता है और देश तथा विदेश में वृत्तचित्रों और कथाचित्रों के वितरण अधिकार भी बेचता है।

4.1.3 मुंबई में वृत्तचित्रों, लघु और एनिमेशन फिल्मों के पांच अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों का आयोजन करने के बाद प्रभाग विश्व में वृत्तचित्र आंदोलन के क्षेत्र में एक जबरदस्त ताकत बनकर उभरा है।

4.1.4 प्रभाग का संगठन मोटे तौर पर तीन खंडों में विभाजित है, जो क्रमश: निर्माण, वितरण तथा प्रशासन के लिए उत्तरदायी हैं।

निर्माण

4.1.5 निर्माण खंड वृत्तचित्रों, समाचार पत्रिकाओं, वीडियो फिल्मों, विशेष रूप से ग्रामीण श्रोताओं के लिए तैयार लघु वृत्तचित्रों और एनीमेशन फिल्मों के निर्माण के लिए उत्तरदायी है। मुंबई स्थित मुख्यालय के अलावा प्रभाग के तीन निर्माण केंद्र बंगलौर, कलकत्ता और नई दिल्ली में हैं।

4.1.6 प्रभाग अपनी लगभग 60 प्रतिशत फिल्में विभागीय निर्देशकों और निर्माताओं से तैयार कराता है। इन वृत्तचित्रों के विषय मानवीय गतिविधियों और उनके प्रयासों से संबद्ध होते हैं।

4.1.7 प्रभाग सामान्यत: लगभग 40 प्रतिशत फिल्मों का निर्माण स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं से कराता है ताकि व्यक्तिगत प्रतिभा को बढ़ावा देकर देश में वृत्तचित्र आंदोलन को स्थिरता प्रदान की जा सके। प्रभाग अपने सामान्य निर्माण कार्यक्रमों के अतिरिक्त मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों सहित सभी सरकारी विभागों को वृत्तचित्र निर्माण में मदद करता है।

4.1.8 न्यूजरील खंड नेटवर्क में राज्य और केन्द्रशासित प्रदेशों की राजधानियों सहित मुख्य शहर और कस्बे हैं। इस कवरेज का इस्तेमाल पाक्षिक समाचार पत्रिकाएं बनाने और संग्रहणीय सामग्री का संकलन करने के लिए किया जाता है।

4.1.9 प्रभाग की कार्टून फिल्म इकाई ने एनीमेशन फिल्मों का लगातार निर्माण करके दुनिया भर में विशिष्ट पहचान बनाई है। यह इकाई वृत्तचित्रों और समाचार पत्रिकाओं के लिए एनीमेशन शृंखलाएं भी तैयार करती है और अब इसने कठपुतली फिल्मों का निर्माण भी शुरू किया है। कम्प्यूटर से एनीमेशन फिल्म बनाने की सुविधा भी इस इकाई के पास है।

4.1.10 कमेंट्री अनुभाग आवश्यकतानुसार अंग्रेजी और हिन्दी की मूल फिल्मों और समाचार पत्रिकाओं की 14 भारतीय भाषाओं और विदेशी भाषाओं में डबिंग की व्यवस्था करता है।

4.1.11 प्रभाग की दिल्ली इकाई रक्षा मंत्रालय और परिवार कल्याण विभाग के लिए शिक्षाप्रद तथा प्रेरणादायक फिल्में बनाती है। इस इकाई में वीडियो फिल्म निर्माण सुविधा भी उपलब्ध है।

4.1.12 प्रभाग के कलकत्ता और बंगलौर क्षेत्रीय केन्द्र एक घंटे की अवधि के ग्रामोन्मुखी लघु कथा चित्र बनाते हैं। सामाजिक दृष्टि से प्रासंगिक इन फिल्मों में कथानक होता है। इनका लक्ष्य परिवार कल्याण, सांप्रदायिक सद्भाव जैसे सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर संदेश देना तथा दहेज, बंधुआ मजदूरी, अस्पृश्यता आदि सामाजिक बुराइयों को मिटाने पर ध्यान केन्द्रित करना है।

4.1.13 तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, असमिया, उड़िया और पूर्वोत्तर तथा दक्षिणी क्षेत्रों की अनेक बोलियों में फिल्मों का निर्माण करने के लिए कथा लेखन और अभिनय के लिए स्थानीय प्रतिभा का उपयोग किया जाता है ताकि भाषागत और क्षेत्रीय विशिष्टताओं को बनाए रखा जा सके। ऐसे कार्यक्रमों ने ग्रामीण जनता से तादात्म्य स्थापित करते हुए काफी प्रभाव छोड़ा है। इनसे लोगों को सामाजिक और आर्थिक न्याय दिलाने की योजनाओं और कार्यक्रमों से अवगत कराने के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं में सुधार हुआ है। उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों की भाषाओं तथा बोलियों में फिल्म बनाने के लिए भी यह योजना लागू की गई है।

वितरण

4.1.14 प्रभाग के वितरण खंड के शाखा कार्यालय हैं। सामान्यत: 1,500 सिनेमाघरों पर एक शाखा कार्यालय काम करता है। वर्तमान में 10 वितरण शाखा कार्यालय बंगलौर, कलकत्ता, चेन्नई, हैदराबाद, लखनऊ, मदुरै, मुंबई, नागपुर, तिरुअनंतपुरम और विजयवाड़ा में स्थित हैं। वर्ष 1999 में (दिसंबर 1999 तक) देश भर में फैले 12,379 सिनेमाघरों के माध्यम से करीब नौ से 10 करोड़ दर्शक प्रत्येक सप्ताह प्रभाग की फिल्में देखते हैं।

4.1.15 प्रभाग क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की सचल इकाइयों और अन्य केन्द्र तथा राज्य सरकारों के विभागों को 16 मि.मी. फिल्मों के प्रिंटों की आपूर्ति करता है। मोटे तौर पर इन इकाइयों द्वारा प्रत्येक सप्ताह में 4 से 5 करोड़ लोगों को फिल्में दिखाई जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूरदर्शन के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेटवर्क पर भी प्रभाग के वृत्तचित्र दिखाए जाते हैं।

देशभर की शैक्षिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन भी प्रभाग की फिल्म लाइब्रेरियों के माध्यम से फिल्में उधार लेते हैं। इन लाइब्रेरियों की स्थापना वितरण शाखा कार्यालयों में की गई है।

4.1.16 प्रभाग की फिल्मों के वीडियो कैसेट रेलवे, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों, केन्द्र और राज्य सरकारों के विभागों, शैक्षिक संस्थाओं और निजी उपयोगकर्ताओं को गैर-व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए भी बेचे जाते हैं। वर्ष 1999 में जनवरी से दिसंबर के दौरान गैर-व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए 2,262 कैसेट बेचे गए।

4.1.17 विदेश मंत्रालय का विदेश प्रचार प्रभाग फिल्म प्रभाग की चुनी हुई फिल्मों के प्रिंट विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों को वितरित करता है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड और निजी एजेंसियां भी प्रभाग की फिल्मों के अंतर्राष्ट्रीय वितरण की व्यवस्था करती हैं। प्रभाग द्वारा निर्मित फिल्मों का रॉयल्टी आधार पर अंतर्राष्ट्रीय वीडियो और टी.वी. नेटवर्कों के लिए व्यावसायिक उपयोग भी होता है।

अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र, लघु और एनीमेशन फिल्म समारोह

4.1.18 प्रभाग को 'मुंबई अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र, लघु और एनीमेशन फिल्म समारोह' के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। यह आयोजन दो वर्ष में एक बार होता है। पहला अंतर्राष्ट्रीय मुंबई फिल्म समारोह मार्च 1990 में आयोजित किया गया था। छठा समारोह सन् 2000 में तीन से 9 फरवरी तक आयोजित किया गया। जिसमें तीन मुख्य खंड थे--मुख्य फिल्म प्रतियोगिता, वीडियो प्रतियोगिता (अंतर्राष्ट्रीय) और वीडियो प्रतियोगिता (राष्ट्रीय)।

प्रशासन

4.1.19 प्रशासन खंड प्रभाग के अन्य खंडों को वित्त, कार्मिक, भंडार उपकरण आदि जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराता है। प्रशासन खंड प्रभाग के प्रशासन, संगठन, भंडारण-प्रबंध, कार्यशाला प्रबंध और सामान्य प्रशासन संबंधी सभी मामलों के प्रति उत्तरदायी है।

उपलब्धियां

4.1.20 अप्रैल 1999 से दिसंबर 1999 के दौरान प्रभाग ने 22 समाचार पत्रिकाएं और 76 वृत्तचित्र/लघु फीचर और वीडियो फिल्में तैयार कीं। इनमें से 75 फिल्में/समाचार पत्रिकाएं/वीडियो फिल्में प्रभाग ने स्वयं तैयार कीं और 23 फिल्में स्वतंत्र निर्माताओं से तैयार करवाईं।

4.1.21 वर्ष के दौरान प्रभाग ने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियानों और कार्यक्रमों के मौके पर निम्न समाचार पत्रिकाएं तैयार की--'अनोखी परंपरा', 'सूचना टैक्नॉलॉजी क्रांति', 'पोखरण दो-एक पृष्ठभूमि', 'सिरी कल्ट', 'और 'ए लूमिंग इपेडिमिक'। इनके अलावा कुछ वृत्तचित्र और समाचार पत्रिकाएं भी इस अवधि में बनाए गए जो निम्न हैं - 'जवान तुझे सलाम', 'शेख सिन्ना मौलाना', 'यामिनी कृष्णमूर्ति', 'अटल बिहारी वाजपेयी', और 'गेटवे टू हेवन'।

4.1.22 फिल्म प्रभाग को 'एजुकेशन ओनली हर फ्यूचर' फिल्म के लिए 36वें महाराष्ट्र चित्रपट महोत्सव में राज्य पुरस्कार मिला और 46वें राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में: (1) 'पेंटर ऑफ एलोक्वेन्ट साइलेंस--गणेश पायने', (2) 'एजुकेशन ओनली हर फ्यूचर' और (3) 'सेंटेंस ऑफ साइलेंस' फिल्मों के लिए तीन पुरस्कार मिले।

4.1.23 हाल ही में फिल्म प्रभाग को 'एजुकेशन ओनली हर फ्यूचर' फिल्म के लिए अंतर्राष्ट्रीय ज्यूरी पुरस्कार (व्यावसायिक फिल्मों, टेलीविजन और वीडियो कार्यक्रमों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव) और 'इकोटॉप फिल्म 99' (वी वी बी का पुरस्कार) मिला।

4.1.24 शिमला और एर्नाकुलम में पुरस्कृत फिल्मों का मिनी फिल्म महोत्सव आयोजित कर शिक्षा और संदेशात्मक फिल्मों को दर्शकों तक पहुंचाने की कोशिश की गई। इस तरह के समारोह भोपाल, चेन्नई और हैदराबाद में भी आयोजित करने का प्रस्ताव है।

4.1.25 फिल्म प्रभाग खास तौर से ग्रामीण दर्शकों के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उत्थान, अस्पृश्यता, बंधुआ मजदूरी, राष्ट्रीय एकता, साक्षरता जैसे विभिन्न विषयों पर विशेष फीचर फिल्मों का निर्माण करता है। प्रभाग ने ग्रामीणों के लिए आठ फीचर फिल्में पूरी की हैं और करीब 21 अन्य का निर्माण जारी है।

4.1.26 अप्रैल 99 से दिसम्बर 99 के दौरान फिल्म प्रभाग ने महत्वपूर्ण विषयों पर सिनेमाघरों के लिए 31 वृत्त चित्र और 19 समाचार पत्रिकाएं जारी कीं।

4.1.27 फिल्म प्रभाग की फिल्म लाइब्रेरी भारत के समकालीन इतिहास की पुरालेखीय सामग्री का दुर्लभ भंडार है तथा यह पूरी तरह कम्प्यूटरीकृत सूचना प्रणाली पर आधारित है। लाइब्रेरी में लगभग एक लाख 80 हजार फिल्मों का

संकलन है। इनमें मूल फिल्म नेगेटिव, ड्यूप/इंटर नेगेटिव, साउंड नेगेटिव, मास्टर/इंटर पॉजिटिव्स, सेचुरेटेड फिल्म, इंटरनेशनल ट्रैक, प्री डब्ड साउन्ड नेगेटिव, 16 मि.मी. के प्रिंट, लाइब्रेरी प्रिंट और आंसर प्रिंट इत्यादि शामिल हैं।

4.1.28 प्रभाग ने साम्प्रदायिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता, अस्पृश्यता निवारण, परिवार कल्याण कार्यक्रमों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सिनेमा घरों के लिए 31 वृत्त चित्रों और 27 समाचार पत्रिकाओं के 14861 प्रिंट जारी किए। प्रभाग ने भारत और विदेशों में गैर-वाणिज्यिक उपयोग के लिए 43 प्रिंट, 2174 वीडियो कैसेटों की भी बिक्री की। इनसे प्रभाग को दिसंबर 1999 तक कुल 1,67,79,000 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

फिल्म समारोह निदेशालय

4.2.1 फिल्म समारोह निदेशालय की स्थापना 1973 में की गई थी। इसका प्रमुख लक्ष्य अच्छे सिनेमा को बढ़ावा देना है। अपनी स्थापना के समय से ही निदेशालय हर वर्ष राष्ट्रीय फिल्म समारोह का आयोजन कर रहा है। इसने भारतीय सिनेमा में उत्कृष्टता के लिए एक मंच उपलब्ध कराया है। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक सद्भाव और मैत्री को बढ़ावा देने का एक माध्यम भी सिद्ध हुआ है। निदेशालय ने विश्व सिनेमा के नवीनतम रुझानों से आम जनता को अवगत कराया है।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

4.2.2 राष्ट्रीय फिल्म समारोह के निर्णायक मंडल ने जुलाई 1999 में प्रतियोगिता वर्ग की फिल्मों का अवलोकन प्रारंभ किया। फीचर फिल्म निर्णायक मंडल की अध्यक्षता डी.वी. एस. राजू और गैर-फीचर फिल्म निर्णायक मंडल की अध्यक्षता शाजी एन. करुण ने की। सिनेमा पर सर्वोत्तम लेखन का निर्णय करने वाली जूरी के अध्यक्ष एम.टी. वासुदेवन नायर थे। कुल मिलाकर 114 फीचर फिल्मों, 105 गैर-फीचर फिल्मों, 22 फिल्म-पुस्तकों और 17 फिल्म समालोचकों की प्रविष्टियां पुरस्कारों के लिए आईं। श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित 'समर' (हिंदी) और संजय काक द्वारा निर्देशित 'इन द फॉरेस्ट हैंग्स ए ब्रिज (अंग्रेजी) को क्रमश: फीचर और गैर-फीचर फिल्मों के वर्ग में उत्कृष्ट फिल्म घोषित किया गया। सिनेमा पर उत्कृष्ट पुस्तक का पुरस्कार किशोर वासवानी की पुस्तक 'संवादों का विश्लेषण' को दिया गया। वर्ष 1998 के लिए सर्वोत्कृष्ट फिल्म समीक्षक पुरस्कार मीनाक्षी शेडे को दिया गया 1999 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार बी.आर. चोपड़ा को राष्ट्रपति ने प्रदान किया।

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह

4.2.3 भारत का 31वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 10 से 20 जनवरी, 2000 तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया। समारोह के विभिन्न वर्गों में 'विश्व सिनेमा', 'एशियाई निर्देशकों की फीचर फिल्में' (प्रतियोगिता वर्ग में), 'भारतीय पैनोरमा', 'सिंहावलोकन/श्रद्धांजलि' तथा 'मुख्यधारा की भारतीय फिल्में' शामिल हैं। 31वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के दौरान सिनेमा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान के लिए एक विदेशी फिल्मी हस्ती— सर लैस्टर जेम्स पेरीज को उसके समूचे कैरियर की उपब्धियों के लिए 'लाइफ टाइम अचीवमेंट' पुरस्कार दिया गया।

भारतीय पैनोरमा

4.2.4 31वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के भारतीय पैनोरमा खंड में संबंधित चयन पैनलों की सिफारिश पर 16 फीचर फिल्में और 19 गैर-फीचर फिल्में रखी गईं।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान

4.2.5 वर्ष के दौरान फिल्म समारोह निदेशालय ने विभिन्न देशों की फिल्मों पर आधारित फिल्म समारोह आयोजित किए। इनमें फिनलैंड, स्वीडन, साइप्रस, इटली और हालैंड की फिल्मों के समारोह शामिल हैं। फिनलैंड की फिल्मों का समारोह नई दिल्ली और अगरतला में आयोजित किया गया, जबकि साइप्रस की फिल्मों का समारोह नई दिल्ली और चेन्नई में आयोजित किया गया। इसी तरह हालैंड की फिल्मों का समारोह नई दिल्ली और इंफाल में आयोजित किया गया। साइप्रस और हालैंड के समारोहों में भाग लेने के लिए वहां के प्रतिनिधिमंडल भी आए। वर्ष 1999-2000 की बची हुई अवधि में चीन और आस्ट्रेलिया के दो और फिल्म सप्ताह आयोजित करने का प्रस्ताव है।

विदेशों में गतिविधियां

4.2.6 फिल्म समारोह निदेशालय ने जर्मनी, मंगोलिया और रूस में भारतीय फिल्मों के सप्ताह आयोजित किए। इसके अलावा सार्क फिल्म समारोह और फ्रांस तथा काहिरा में फिल्म सप्ताहों के लिए भी फिल्में भेजी गईं।

बाल फिल्म समिति, भारत

4.3.1 बाल फिल्म समिति, भारत को पहले राष्ट्रीय बाल और युवा चलचित्र केंद्र के रूप में जाना जाता था। इसका मुख्यालय मुंबई में और दो शाखा कार्यालय दिल्ली और चेन्नई में हैं। इसका उद्देश्य बच्चों व किशोरों को फिल्मों और धारावाहिकों के जरिए स्वस्थ मनोरंजन उपलब्ध कराना है। चलचित्र केंद्र विदेशी फिल्मों के अधिकार भी खरीदता है और उन्हें भारतीय भाषाओं में डब करके दिखाता है।

4.3.2 केन्द्र द्वारा निर्मित फिल्में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भेजी जाती हैं। यह हर दूसरे वर्ष अपना अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह भी आयोजित करता है। इस तरह का ग्यारहवां फिल्म समारोह नवंबर 1999 में हैदराबाद में आयोजित किया गया। समारोह के विभिन्न खंडों के लिए 29 देशों की 178 फिल्में आईं। 49 विदेशी और 56 भारतीय प्रतिनिधियों को समारोह में आमंत्रित किया गया। इसके अलावा बाल फिल्म समिति ने देश के विभिन्न भागों से 50 बाल प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया। ईरान की फीचर फिल्म 'द कार्ट' को फीचर फिल्म वर्ग का सर्वोच्च 'गोल्डन एलीफैंट' पुरस्कार मिला। इस फिल्म ने 'चिल्ड्रन्'स ज्यूरी' पुरस्कार भी हासिल किया।

4.3.3 समीक्षा वर्ष के दौरान दस फीचर फिल्मों का निर्माण कार्य शुरू किया गया। ये हैं-संतोष साहनी द्वारा निर्देशित 'आखिर पकड़ा गया, पर कौन' (हिंदी), आशा दत्ता की 'रेडियो कम्स टू रामपुर' (हिंदी), सुनील आडवाणी की 'अजूबा' (हिंदी), श्यामल करमाकर द्वारा निर्देशित 'रानू का बकरा' (बंगला), सुदेश स्याल द्वारा निर्देशित 'लक-लक लकीरें' (हिंदी), अरिबम श्याम शर्मा द्वारा निर्देशित 'परी' (मणिपुरी), विवेक आनंद द्वारा निर्देशित 'नील पर्वत के पार' (हिंदी), गुल बहार सिंह द्वारा निर्देशित 'द गोल' (हिंदी), और पिनाकी चौधरी द्वारा निर्देशित 'एक टुकड़ा चांद' (हिंदी)। बाल फिल्म समिति ने दो लघु एनिमेशन फिल्मों का निर्माण कार्य भी शुरू किया। ये हैं-पौशाली गांगुली द्वारा निर्देशित, 'पिंक कैमल' और राजेश अग्रवाल द्वारा निर्देशित 'अजीब घर'। इसके अलावा राम गबाले द्वारा निर्देशित एक लघु सजीव एक्शन फिल्म 'दिनू चे बिल' (मराठी) का निर्माण भी शुरू किया गया। इनमें से एक 'रेडियो कम्स टू रामपुर' का निर्माण पूरा हो गया और अंग्रेजी में इसके उप-शीर्षक भी तैयार कर लिए गए हैं। बाकी फिल्में निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

4.3.4 बाल फिल्म समिति ने एक विदेशी (फारसी) फीचर फिल्म 'नानेलाल' (उसके बच्चे) की हिंदी में डबिंग शुरू की है।

4.3.5 वर्ष के दौरान टी.वी. सीरियल 'बालदूत' की 39 कड़ियां दूरदर्शन से प्रसारित की गईं।

4.3.6 बाल फिल्मों के प्रदर्शन के क्षेत्र में, 20 से 30 मई, 1999 के दौरान असम में 556 शो आयोजित किए गए जिसे 1,90,873 दर्शकों ने देखा। इसके अलावा समिति के मुंबई, चेन्नई और दिल्ली कार्यालयों ने महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 1441 फिल्म शो आयोजित किए।

4.3.7 समिति की फिल्म 'रेडियो कम्स टू रामपुर' को नवंबर, 1999 में हैदराबाद में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में 'गोल्डन एलीफेंट' के लिए प्रविष्टि मिली।

भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार

4.4.1 सूचना और प्रसारण मंत्रालय की मीडिया एकक के रूप में फरवरी 1964 में भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार की स्थापना की गई थी। इसके तीन प्रमुख उद्देश्य हैं:

(i) भारतीय सिनेमा की धरोहर की तलाश और आने वाली पीढ़ी के लिए इसे संरक्षित करना;

(ii) फिल्मों से संबंधित वर्गीकरण, दस्तावेजों की सामग्री व्यवस्थित करना और अनुसंधान करना तथा

(iii) फिल्म संस्कृति को बढ़ावा देने वाले केन्द्र के रूप में काम करना।

अभिलेखागार का मुख्यालय पुणे में और इसके तीन क्षेत्रीय कार्यालय बंगलौर, कलकत्ता और तिरुअनंतपुरम में हैं।

4.4.2 अप्रैल-दिसंबर, 1999 के दौरान, अभिलेखागार ने 126 नई फिल्में, 152 डुप्लीकेट प्रिंट, 32 फिल्मों के फ्री डिपॉजिट, 24 वीडियो कैसेट, 271 पुस्तकें, 3343 पटकथाएं, 416 स्लाइड, 56 प्रि-रिकार्डेड ऑडियो कैसेट, 2 पुस्तिकाएं, 1636 छायाचित्र, 584 पोस्टर और 11 ऑडियो काम्पेक्ट डिस्क प्राप्त किए।

4.4.3 वर्ष के दौरान बांग्ला, मलयालम और हिन्दी की कई क्लासिक फिल्मों के नेगेटिव नि:शुल्क प्राप्त किए गए।

4.4.4 अभिलेखागार की फिल्म संस्कृति को बढ़ावा देने वाली बहुआयामी गतिविधियां हैं। पूरे देश में इसकी वितरण लाइब्रेरी के लगभग 32 सक्रिय सदस्य हैं और यह छह महत्वपूर्ण केन्द्रों में साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक आधार पर संयुक्त फिल्म प्रदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित करता है। एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम फिल्म अध्यापन योजना है। इसके अंतर्गत भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान तथा अन्य शैक्षिक और सांस्कृतिक संस्थाओं के सहयोग से चलाए जाने वाले फिल्म मूल्यांकन के दीर्घावधि और अल्पावधि पाठ्यक्रम शामिल हैं। इस वर्ष पुणे में आयोजित चार सप्ताह के पाठ्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों और व्यवसायों के 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सिनेमाया, फ्रांसीसी दूतावास और अभिलेखागार द्वारा दिल्ली में आयोजित फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम के लिए अभिलेखागार ने 49 फिल्मों की आपूर्ति की। अभिलेखागार ने राष्ट्रीय रुपंकर कला केंद्र, मुंबई द्वारा आयोजित फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम के लिए भी 34 फिल्में भेजीं।

4.4.5 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार मई 1969 से अंतर्राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार महासंघ का सदस्य है। अंतर्राष्ट्रीय महासंघ की सदस्यता से राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार को संरक्षण तकनीक, डाक्युमेंटेशन, संदर्भ-सूची बनाने आदि पर विशेषज्ञ परामर्श और जानकारी मिल जाती है। इससे अभिलेखागारों के बीच दुर्लभ फिल्मों के आदान-प्रदान की सुविधा भी मिल जाती है।

4.4.6 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार ने अगस्त 1999 में सात फिल्में उपलब्ध कराकर नई दिल्ली स्थित स्वीडन के दूतावास और नई दिल्ली में बर्गमैन की फिल्मों का पुनरावलोकन आयोजित करने में फिल्म समारोह निदेशालय की मदद की। नवंबर, 1999 में 'नंदन' द्वारा कलकत्ता में आयोजित पांचवें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के लिए पश्चिम बंगाल सरकार को 21 फिल्मों की आपूर्ति की गई। अक्तूबर, 1999 में कोरिया में पुसान अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के लिए 'पाथेर पांचाली' भेजी गई। अभिलेखागार ने सितंबर, 1999 में भारतीय फिल्मों पर सेमिनार के एक विशेष कार्यक्रम के लिए डेनमार्क के डेनिश फिल्म संस्थान को दो फिल्में 'छिन्नमूल' और 'सुवर्णरेखा' भी उपलब्ध कराई 'सुवर्णरेखा' फिल्म श्रीलंका में सार्क महोत्सव के लिए भी भेजी गई। इसके अलावा, पेरिस में सिनेमाथिक फ्रांस्वा द्वारा आयोजित पुनरावलोकन के लिए अडूर गोपालकृष्णन की फिल्में 'स्वयंवरम' और 'कोडियट्टम' भेजी गईं।

4.4.7 अनुसंधान फेलोशिप, मोनोग्राफ और वाचिक इतिहास कार्यक्रम के लिए अभिलेखागार द्वारा जारी विज्ञापन को लोगों ने हाथों-हाथ लिया। सौमित्र चटर्जी पर वाचिक इतिहास और हीरालाल सेन पर मोनोग्राफ वर्ष के दौरान तैयार कर लिए गए।

4.4.8 वर्ष के दौरान, 35 मि.मी. में 1462 रीलों और 16 मिमी. में 75 स्पूल्स की विस्तृत जांच की गई। इसी प्रकार, लगभग सभी परिरक्षण योग्य प्रिंटों की व्यापक जांच की गई ताकि दोबारा तैयार की जाने वाली अथवा सुधारयोग्य सामग्री का पता लगाया जा सके। इसके अतिरिक्त नाइट्रेट बेस वाली फिल्मों की 175 और रीलें (47,084.13 मीटर) सेफ्टी बेस में स्थानांतरित की गईं। साठ के दशक की 10 पुरानी फिल्मों का सिंक्रोनाइजेशन कार्य पूरा किया गया।

4.4.9 फिल्म 'गरम कोट' (1951) के प्रिंट को दुरुस्त करने के लिए फिल्म के लम्बे और छोटे दोनों रूप में उपलब्ध सामग्री का इस्तेमाल किया।

4.4.10 कापीराइट मालिकों से किए गए जमा समझौते के तहत भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार मूल नेगेटिव की मरम्मत, डुप्लीकेट कापी बनाने और प्रसारण वास्ते वीडियो कापी के लिए निर्माताओं/कापीराइट मालिकों को फिल्मों की आपूर्ति के लिए वचनबद्ध है।

भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान

4.5.1 भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान में फिल्म-निर्माण और दूरदर्शन प्रस्तुति की तकनीक और कला के बारे में नवीनतम जानकारी और प्रौद्योगिकी संबंधी अनुभव प्रदान किया जाता है। दूरदर्शन के सभी श्रेणियों के अधिकारियों को सेवाकालीन प्रशिक्षण भी यहां दिया जाता है। इसमें आधुनिक डिजिटल और प्रसारण ग्रेड प्रोडक्शन की व्यवस्था है जिनमें नॉन-लीनियर, बीटाकैम और ए बी रोल संपादन व्यवस्था, डिजिटल कैमरा (सोनी बी वी पी-500 पी) सोफ्ट क्रोमा केयर, विशेष प्रभाव पैदा करने वाले डिजिटल जनरेटर, दो सिलिकन ग्राफिक्स, एलियास साफ्टवेयर सहित दो केन्द्र, आधुनिक मूवी कैमरा, फिर से रिकार्ड करने के उपकरण आदि शामिल हैं। इनसे फिल्म और टेलीविजन विधाओं के शिक्षकों और विद्यार्थियों को सहायता मिलती है।

4.5.2 पुणे में भारतीय फिल्म संस्थान की स्थापना 1960 में की गई थी। 1970 में संस्थान में टेलीविजन खंड भी बना दिया गया और संस्थान का नाम बदलकर भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान कर दिया गया। संस्थान फिल्म निर्माण और



भारतीय फिल्म व टेलीविजन संस्थान द्वारा 5 से 13 जुलाई, 199 के दौरान 'प्लेबैक एक्सरसाइज' विषय पर आयोजित कार्यशाला का संचालन करते हुए श्री संजय लीला भणसाली

टेलीविजन कार्यक्रम बनाने की कला और तकनीक में भी प्रशिक्षण देता है। 1974 में संस्थान को 1860 के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत कराया गया।

4.5.3 संस्थान के फिल्म खंड और टेलीविजन खंड हैं। फिल्म खंड फिल्म निर्देशन, मोशन पिक्चर फोटोग्राफी, ऑडियोग्राफी में तीन साल के डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है।

4. 5.4 संशोधित और पुनर्गठित शैक्षिक कार्यक्रम के अनुसार संस्थान के प्रस्तावित कोर शैक्षिक कार्यक्रम में तीन स्तर पर निम्न स्वतंत्र पाठ्यक्रम हैं, जिनकी अवधि एक वर्ष (40 सप्ताह) है- (1) फिल्म और टेलिविजन में बुनियादी पाठ्यक्रम (80 विद्यार्थी), (2) सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम-(क) निर्देशन (फिल्म और टेलीविजन), (ख) सिनेमेटोग्राफी (फिल्म और टेलीविजन), (ग) आडियोग्राफी (फिल्म और टेलीविजन), (घ) संपादन (फिल्म और टेलीविजन) (प्रत्येक पाठ्यक्रम में 12 विद्यार्थी), (3) उपर्युक्त चार विशेष पाठ्यक्रमों में डिप्लोमा कोर्स (प्रत्येक पाठ्यक्रम में आठ विद्यार्थी)।

4.5.5 टेलीविजन खंड में दूरदर्शन के विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों-निर्माताओं, इंजीनियरों, ग्राफिक कलाकारों, सेट डिजाइनरों, वीडियो संपादकों, कैमरामैन आदि को टी.वी. कार्यक्रम निर्माण और तकनीकी संचालन का सेवाकालीन प्रशिक्षण दिया जाता है। दूरदर्शन के कर्मचारियों, भारतीय सूचना सेवा के प्रशिक्षुओं, फिल्म खंड के छात्रों और बाहरी लोगों आदि के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

4.5.6 संस्थान, सेंटर इंटरनेशनल देस लाइसोन दे इकोलस डीसिनेमा ए दे टेलीविजन (सिलेक्ट) का सदस्य है। विश्व के सभी महत्वपूर्ण फिल्म और टेलीविजन स्कूल इससे संबद्ध हैं। संस्थान के शिक्षक और विद्यार्थी नियमित रूप से सिलेक्ट के कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। इनसे उन्हें टेलीविजन कार्यक्रम और फिल्म निर्माण तथा फिल्म और टेलीविजन प्रशिक्षण में नये रुझानों की जानकारी मिलती रहती है। शैक्षिक परिषद के फैसले के अनुसार फिल्म और टेलीविजन में बुनियादी पाठ्यक्रम का शैक्षिक सत्र 1 फरवरी, 2000 से शुरू होगा।

फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम

4.5.7 भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान तथा भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार ने मिलकर चार सप्ताह का फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम 24 मई से 19 जून, 1999 तक आयोजित किया। पत्रकारों, अध्यापकों, फिल्म-निर्माताओं और मीडिया के लोगों सहित

65 प्रतिभागी इस पाठ्यक्रम में शामिल हुए।

फिल्म समारोहों में भागीदारी

4.5.8 डिप्लोमा के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई फिल्में लगातार विभिन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भेजी गईं ताकि देश विदेश में विद्यार्थियों के काम को लोग जान सकें। वर्ष के दौरान संस्थान ने विभिन्न समारोहों/कार्यक्रमों में भाग लिया।

कार्यशाला/सेमिनार

4.5.9 भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान ने भारत और विदेशों के जाने-माने फिल्म-निर्माताओं के लिए निरंतर कार्यशालाएं/सेमिनार आयोजित किए।

सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान

4.6.1 सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान की स्थापना राष्ट्रीय स्तर पर एक स्वायत्तशासी निकाय के तौर पर की गई है। इसका मुख्यालय कलकत्ता में है। यह खासतौर से पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। संस्थान की समिति में फिल्म, टेलीविजन और संस्कृति के क्षेत्रों के जाने माने विशेषज्ञ तथा सरकार के पदेन सदस्य होते हैं। संस्थान का प्रबंधन संचालन परिषद करती है। समिति के अध्यक्ष ही इसके अध्यक्ष होते हैं। संस्थान की शैक्षिक नीति और कार्यक्रम शैक्षिक परिषद बनाती है। वित्तीय मामलों का नियंत्रण स्थायी वित्त समिति करती है। संस्थान में तीन वर्ष के निम्न डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं- (1) फिल्म निर्देशन में डिप्लोमा, (2) मोशन पिक्चर फोटोग्राफी में डिप्लोमा, (3) संपादन में डिप्लोमा और साउंड रिकार्डिंग में डिप्लोमा।

4.6.7 युनीफ्रांस के एक उच्चस्तरीय फिल्म प्रतिनिधि मंडल ने संस्थान की यात्रा की और सहयोग, अभिनय तथा निर्देशन के विभिन्न पहलुओं पर खुली बहस में भाग लिया।

4.6.3 संस्थान में एक पुस्तकालय है जिसमें इस समय 3118 पुस्तकें हैं। संस्थान अपनी फिल्म लाइब्रेरी बना रहा है। इसने सिने सेन्ट्रल के जरिये विभिन्न दूतावासों से 868 विदेशी फिल्में हासिल कर ली हैं।

4.6.4 संस्थान ने 14 से 20 सितम्बर के दौरान हिन्दी सप्ताह आयोजित किया। इस अवधि में संस्थान ने राजभाषा के विकास के लिये भाषण, निबंध लेखन, वाद-विवाद और गाने सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए।

4.6.5 संस्थान को सूचना और प्रसारण मंत्रालय से सीधे धन मिलता है। वर्ष 1999-2000 के दौरान संस्थान के लिए सात करोड़ की सहायता मंजूर की गई।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड

4.7.1 फिल्म वित्त निगम लिमिटेड और भारतीय चलचित्र निर्यात निगम को मिलाकर राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड कम्पनी का पुनर्गठन किया गया। इसकी स्थापना देश में उत्कृष्ट सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय एजेंसी के तौर पर की गई है। निगम का प्राथमिक कर्त्तव्य राष्ट्रीय आर्थिक नीति और सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार फिल्म उद्योग के समन्वित और प्रभावी विकास की योजना बनाना और उन्हें बढ़ावा देना है। निगम का मुख्य उद्देश्य सिनेमा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और श्रव्य-दृश्य तथा संबंधित क्षेत्रों में आधुनिकतम प्रौद्योगिकी को विकसित करना है।

4.7.2 एन.एफ.डी.सी. कम बजट वाली फिल्मों की अवधारणा को प्रोत्साहित करता है जिनकी गुणवत्ता, विषयवस्तु तथा निर्माण स्तर उच्च श्रेणी का हो। एन.एफ.डी.सी. की फिल्मों और कलाकारों ने अनेक राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

4.7.3 सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय के लिए एन.एफ.डी.सी. द्वारा बनाई गई फिल्म 'समर' (हिंदी) को वर्ष 1999-2000 के दौरान सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ स्क्रीन-प्ले का पुरस्कार भी इसी फिल्म को मिला। निगम की फिल्म 'डॉक्टर बाबा साहेब अम्बेडकर' को सर्वश्रेष्ठ अंग्रेजी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला, जबकि डॉक्टर अम्बेडकर की भूमिका के लिए ममूटी को सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ कला निर्देशन (नितिन देसाई को) का पुरस्कार भी इसी फिल्म को मिला। निगम की वित्तीय सहायता से बनी एक अन्य फिल्म 'शहीद-ए-मोहब्बत' को सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 2000 के दौरान भारतीय पैनोरमा वर्ग में एन.एफ.डी.सी. की फिल्में छाई रहीं। निगम द्वारा बनाई गई पांचों फिल्में इस समारोह में विभिन्न वर्गों में दिखाई गई।

4.7.4 वर्ष 1999-2000 (नवंबर, 1999 तक) विभिन्न भाषाओं में आठ फीचर फिल्मों का निर्माण कार्य पूरा किया गया और 12 अन्य फिल्में निर्माणाधीन हैं।

4.7.5 निगम ने टेलीविजन और उपग्रह चैनल अधिकारों तक ही आयात सीमित रखा और (नवंबर 1999 तक) 22 फिल्मों का आयात किया। निगम द्वारा आयात की जाने वाली फिल्में आमतौर से विश्व के विभिन्न देशों की अच्छी पारिवारिक फिल्में होती हैं।

4.7.6 निगम अपनी और अन्य जगहों से प्राप्त फिल्में लगातार दूरदर्शन के विभिन्न चैनलों (डी.डी.-1), (डी.डी.-2), (डी.डी. इंटरनेशनल) और क्षेत्रीय मूवी क्लब पर दिखाता है। निगम फिल्मी गानों पर आधारित कार्यक्रम भी बनाता और डी.डी.-1 तथा डी.डी.-2 पर उसकी मार्केटिंग करता है।

4.7.7 वर्ष 1999-2000 में (नवंबर 1999 तक) 24 फिल्मों का निर्यात किया गया जिससे करीब 15.93 लाख रुपए की आमदनी हुई। निगम को आशा है कि वर्ष के दौरान करीब 30 फिल्मों का निर्यात होगा जिससे लगभग 75 लाख रुपए की विदेशी मुद्रा की आमदनी होगी।

4.7.8 निगम का कलकत्ता-स्थित 16 मि.मी. फिल्म केन्द्र निर्माण और बाद की सुविधायें मुहैया कराता है। पूर्वी क्षेत्र के फिल्म निर्माताओं ने इन सुविधाओं का व्यापक लाभ उठाया है। निगम की मुंबई में एक लेसर ईकाई है। जहां पर सभी यूरोपीय भाषाओं और अरबी में फिल्मों के उप-शीर्षक लिखने की सुविधा है। इस केंद्र में विभिन्न क्षेत्रीय और विदेशी भाषाओं में भी फिल्मों के उप-शीर्षक लिखे जाते हैं। मुंबई स्थित टेलीसाइन और 16/35 एम.एम कैमरा इकाई में एफ.डी.एल. 60 टेलीसाइन मशीन है जिससे फिल्मों को हाई-बैंड और बेटा-कैम फार्मेट में बदलने की राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार और अन्य फिल्म निर्माताओं की जरूरतें पूरी होती हैं। निगम का अपना वीडियो संपादन कक्ष है, जहां उसकी अपनी जरूरतें पूरी करने के अलावा दूरदर्शन को तकनीकी सेवा भी दी जाती है। चेन्नई के वीडियो केंद्र में टेलीसाइन हस्तांतरण की सुविधा उपलब्ध है और इस इकाई की उत्कृष्ट सेवाओं की दक्षिणी क्षेत्र के फिल्म उद्योग ने व्यापक सराहना की है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम ने सिनेमाघरों को वित्तीय सहायता देना शुरू किया है जिसका उद्देश्य देश में अच्छे सिनेमा के दर्शकों के लिए बैठने की अतिरिक्त क्षमता पैदा करना है। वर्ष 1999-2000 के दौरान निगम ने चार सिनेमाघरों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता देने का प्रस्ताव किया है। अब तक निगम की वित्तीय सहायता से बने देशभर के 128 सिनेमाघरों में फिल्मों का प्रदर्शन शुरू हो गया है।

4.7.9 भारतीय सिनेमा कलाकार कल्याण कोष की स्थापना फिल्मी कलाकारों को सहायता देने के उद्देश्य से की गयी है। भारतीय फिल्म उद्योग में यह अब तक का सबसे बड़ा कोष है। इसकी स्थापना 3.55 करोड़ रुपये से की गयी थी। अब यह बढ़कर 4.16 करोड़ रुपये का हो गया है। अब तक इस ट्रस्ट से 600 से अधिक फिल्मी कलाकारों ने वित्तीय सहायता हासिल की है। इस समय करीब 450 फिल्मी कलाकार इस कोष से सहायता हासिल कर रहे हैं। वर्ष 1999-2000 (नवम्बर तक) में जरूरतमंद फिल्मी कलाकारों को 21.05 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गयी।

केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड

4.8.1 केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का गठन सिनेमेटोग्राफ अधिनियम, 1952 के अंतर्गत किया गया था। यह भारत में फिल्मों को जनता को दिखाने के लिये प्रमाणित करता है। इसके एक अध्यक्ष और अन्य गैर-सरकारी सदस्य होते हैं। बोर्ड का मुख्यालय मुंबई में है और नौ क्षेत्रीय कार्यालय बंगलौर, कलकत्ता, चेन्नई, कटक, गुवाहाटी, हैदराबाद, मुंबई, नई दिल्ली और तिरुअनंतपुरम में हैं। क्षेत्रीय कार्यालयों को फिल्मों की जांच में सलाहकार पैनल मदद करते हैं। इनमें विभिन्न क्षेत्रों के जाने-माने लोग होते हैं।

4.8.2 वर्ष 1999 के दौरान केन्द्रीय प्रमाणन बोर्ड ने कुल 3438 प्रमाण पत्र जारी किए (सिनेमाघरों के लिए 2170 और वीडियो फिल्मों के लिए 1268)। 1999 के दौरान जिन 764 भारतीय फीचर फिल्मों को प्रमाणपत्र दिए गए, उनमें 469 को 'यू' प्रमाण पत्र, 98 को 'यूए' प्रमाणपत्र और 197 को 'ए' प्रमाणपत्र शामिल हैं। वर्ष 1999 में जिन 203 विदेशी फीचर फिल्मों को प्रमाणपत्र दिये गये उनमें 26 को 'यू' प्रमाणपत्र, 34 को 'यूए' प्रमाणपत्र और 143 को 'ए' प्रमाणपत्र शामिल हैं। 5 फिल्मों को 'अन्य' वर्ग के प्रमाणपत्र दिए गए। कुल 41 भारतीय फीचर फिल्मों और 26 विदेशी फीचर फिल्मों को बोर्ड ने प्रमाणपत्र देने से इंकार कर दिया, क्योंकि इन्हें प्रमाणपत्र निर्देशों के अनुरूप नहीं पाया गया। इनमें से कुछ को संशोधित रूप में बाद में प्रमाण पत्र दिए गए।

4.8.3 वर्ष 1999 के दौरान बोर्ड ने सिनेमाघरों के लिए 971 भारतीय लघु फिल्मों को प्रमाणपत्र दिए (881 'यू' प्रमाण पत्र, 31 'यूए' प्रमाणपत्र, 59 'ए' प्रमाणपत्र)। 227 विदेशी लघु फिल्मों को प्रमाणपत्र दिए गए (72 'यू' प्रमाणपत्र, 62 'यूए' प्रमाणपत्र और 93 'ए' प्रमाणपत्र)।

4.8.4 बोर्ड ने 1,268 वीडियो फिल्मों को प्रमाणपत्र दिए। इनमें से 115 भारतीय फीचर फिल्म (सभी 'यू' प्रमाणपत्र), 39 विदेशी फीचर फिल्म (16 'यू' प्रमाणपत्र, 5 'यू.ए.' प्रमाणपत्र और 17 'ए' प्रमाणपत्र और 1 'एस.' प्रमाणपत्र), 654 भारतीय लघु फिल्म (653 'यू' प्रमाणपत्र, 51 'यूए' प्रमाणपत्र, 22 'ए' प्रमाणपत्र तथा 10 'एस.' प्रमाणपत्र), तथा 14 फिल्में ('यू' प्रमाणपत्र) अन्य वर्गों की शामिल हैं।

4.8.5 सलाहकार पैनल के सदस्यों और जांच अधिकारियों के लाभ के लिए विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में फिल्मों की जांच के दौरान जिन मुद्दों को देखा जाता है, उन पर विचार किया गया। कुछ चुनी हुई फिल्मों के विशेष अंश दिखाए गए तथा उन पर विचार-विमर्श किया गया।

4.8.6 बोर्ड ने भारतीय फीचर फिल्मों से सिने कलाकार कल्याण शुल्क लेना जारी रखा। यह शुल्क श्रम मंत्रालय ने निर्धारित किया है। हिन्दी फिल्मों के लिए यह दर 10 हजार रुपये है, जबकि तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों के लिए पांच हजार, बंगाली, मराठी तथा गुजराती फिल्मों के लिए 3 हजार और उड़िया, असमी तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों के लिए दो हजार रुपये है।

भारतीय फिल्म समिति संघ

4.9 भारतीय फिल्म समिति संघ फिल्म समितियों की शीर्ष संस्था है। सिनेमा के क्षेत्र में दर्शकों में सुरुचि जगाने और फिल्मों के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए इस संस्था को मंत्रालय से अनुदान प्राप्त होता है। 1999-2000 के लिए चार लाख रुपये का बजट में प्रावधान है जो फिल्म समितियों को अनुदान के रूप में मिलेगा। इसमें तीन लाख रुपये पहले से ही संघ को दिए जा चुके हैं। दूसरी और अंतिम किश्त के रूप में एक लाख रुपये वित्त वर्ष 1999-2000 में दिए जाएंगे।

5

प्रेस प्रचार

पत्र सूचना कार्यालय

5.1.1 पत्र सूचना कार्यालय सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों, प्रयासों और उपलब्धियों की जानकारी पत्र-पत्रिकाओं और इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों को संप्रेषित करने वाली केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय की सबसे पुरानी मीडिया इकाई है। ब्यूरो के 8 क्षेत्रीय कार्यालय और 32 शाखा कार्यालय व सूचना केन्द्र हैं। ब्यूरो प्रेस विज्ञप्ति, संवाददाता सम्मेलन, साक्षात्कार और अपने वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारियों के माध्यम से सूचनाएं देता है।

5.1.2 पत्र सूचना कार्यालय के मुख्यालय में अधिकारियों की एक टीम है जो मीडिया को सूचनाएं संप्रेषित करने के काम में सहायता देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के साथ विशेष रूप से संबद्ध है। ये अधिकारी सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों पर समाचारपत्रों में प्रकाशित जन प्रतिक्रियाओं को संबद्ध मंत्रालयों व विभागों को फीडबैक करते हैं। ब्यूरो द्वारा जारी की गई सूचनाएं हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में करीब 7,000 समाचारपत्रों व मीडिया संगठनों तक पहुंचाई जाती हैं। ब्यूरो ने एक संकलन 'ईयर एंड रिव्यू 1998'



नई दिल्ली में 17 नवंबर, 1999 से आयोजित आर्थिक संपादकों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए वित्तमंत्री श्री यशवंत सिन्हा

भी निकाला। अपनी विशेष सेवा के अंग के रूप में फीडबैक प्रकोष्ठ राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचारपत्र - पत्रिकाओं में प्रकाशित समाचारों और संपादकीय पर आधारित दैनिक डाइजेस्ट तथा विशेष डाइजेस्ट तैयार करता है। कंप्यूटर के जरिये अखबारी कतरन इकाई में हर रोज करीब 25 अखबारों को बारीकी से पढ़ा जाता है।

5.1.3 ब्यूरो की फीचर इकाई संदर्भ सामग्री, नवीनतम सामग्री, फीचर लेख और ग्राफिक्स उपलब्ध कराती है। इन्हें राष्ट्रीय नेटवर्क और इंटरनेट पर वितरित किया जाता है। इसके अलावा यह सामग्री अनुवाद और वितरण के लिए क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों को भेजी जाती है ताकि यह स्थानीय प्रेस को उपलब्ध कराई जा सके।

5.1.4 पी.आई.बी. सरकारी गतिविधियों की फोटो कवरेज का भी प्रबंध करता है और पत्र-पत्रिकाओं को ये फोटोग्राफ उपलब्ध कराता है। अप्रैल-दिसंबर 1999 के दौरान विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं को 1,91,658 फोटोग्राफ उपलब्ध कराए गए। ब्यूरो ने करगिल युद्ध पर अनेक फोटोग्राफ जारी किए। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की भी विशेष फोटो कवरेज कराई गई। ये फोटोग्राफ ब्यूरो के वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं।

5.1.5 इंटरनेट पर पी.आई.बी. का होमपेज वेबसाइट pib.nic.in. के जरिये अंतर्राष्ट्रीय उपयोग के लिए प्रचार सामग्री उपलब्ध कराता है। अब ब्यूरो की सामग्री ई-मेल द्वारा ग्राहकी के जरिये प्राप्त की जा सकती है। सूचनाएं तेजी से पहुंचाने और संप्रेषित करने के लिए ब्यूरो मुख्यालय कंप्यूटर नेटवर्क के जरिये अपने 33 क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों से जुड़ा हुआ है। 'वाई-2के' की समस्या को भी समय रहते हल कर लिया गया था। ब्यूरो 22 क्षेत्रीय केंद्रों से वीडियो कॉन्फ्रेंस प्रणाली के जरिये जुड़ा है। इससे क्षेत्रीय केंद्रों के पत्रकार नई दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में आयोजित संवाददाता सम्मेलनों में हिस्सा ले सकते हैं। ब्यूरो ने अपने सभी विभागीय प्रचार अधिकारियों और अनुभागों को इंटरनेट ई-मेल की सुविधा वाले कंप्यूटर उपलब्ध कराए हैं।

5.1.6 कंप्यूटर के माध्यम से प्रेस विज्ञप्तियां स्थानीय अखबारों के अलावा महत्वपूर्ण अखबारों के स्थानीय संवाददाताओं को फैक्स कर दी जाती हैं। इसी तरह फोटो भी इलेक्ट्रोनिक माध्यम से क्षेत्रीय व शाखा कार्यालयों को भेजे जाते हैं। वर्ष के दौरान ब्यूरो ने लखनऊ क्षेत्र के छोटे व मध्यम दर्जे के अखबारों के लिए कंप्यूटर इंटरनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

5.1.7 पी.आई.बी. मीडिया के लोगों को मान्यता प्रदान करता है ताकि वे सरकारी स्रोतों से आसानी से सूचनाएं प्राप्त कर सकें। ब्यूरो के मुख्यालय द्वारा 1,032 संवाददाताओं और 235 फोटोग्राफरों को मान्यता दी गई है। इसके अलावा 125 तकनीशिनों और 63 संपादकों/मीडिया समीक्षकों को भी ये व्यावसायिक सुविधाएं दी गई हैं। मुख्यालय में एक राष्ट्रीय प्रेस केंद्र स्थापित किया गया है जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही संचार माध्यमों के लिए संपर्क केंद्र के रूप में काम करता है। इस केंद्र में दूरसंचार केंद्र, प्रेस कॉन्फ्रेंस हाल, प्रेस लाउंज और अल्पाहार गृह जैसी बुनियादी सुविधाएं दी गई हैं।

अभियान और सम्मेलन

5.2.1 ब्यूरो ने 17 नवंबर से 19 नवंबर, 1999 तक आर्थिक संपादकों का सम्मेलन आयोजित किया। इसमें भारत सरकार के 13 मंत्रालयों ने भी हिस्सा लिया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजन में देशभर से वित्त एवं व्यापार आधारित समाचारपत्रों के संपादकों/लेखकों/संवाददाताओं ने हिस्सा लिया।

5.2.2 ब्यूरो ने नई रेलगाड़ियों और नई रेल लाइनें शुरू किए जाने का भी व्यापक प्रचार किया। इसने रेलवे द्वारा शुरू किए गए नवीनतम उपायों जैसे - यात्री देखरेख संस्थानों के उद्घाटन, प्लेटफार्मों पर और गाड़ी के अंदर सिगरेट-बीड़ी की बिक्री पर रोक लगाने, दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वाकी-टाकी की व्यवस्था करने और कोंकण रेलवे द्वारा विकसित गाड़ियों को टकराने से बचाने वाले यंत्र को भी प्रचारित किया। करगिल युद्ध के दौरान सेना के जवानों और युद्ध सामग्री को मोर्चे तक पहुंचाने तथा उड़ीसा में महाचक्रवात की तबाही वाले इलाकों में सेवा देने में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका को व्यापक रूप से प्रचारित किया गया।

5.2.3 वर्ष के दौरान ब्यूरो ने पहली बार सामाजिक क्षेत्र के मुद्दों पर संपादकों का सम्मेलन (ईसीएसएसआई) आयोजित किया। इस विशिष्ट आयोजन में भारत सरकार के पांच मंत्रालयों ने हिस्सा लिया। इसमें भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, रोजगार आदि जैसी 'बुनियादी मानवीय जरूरतों पर विचार-विमर्श किया गया। इस सम्मेलन की भूमिका बनाने के लिए दिल्ली और

दूसरे क्षेत्रों से 12 अंतरराज्यीय प्रेस यात्राएं आयोजित की गईं जिसमें देश के दूर-दराज के इलाकों को कवर किया गया।

5.2.4 ब्यूरो ने राष्ट्रीय विकास परियोजनाओं और नौवहन व बंदरगाह क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को प्रचारित करने के लिए विशेष प्रयास किए। उड़ीसा में महाचक्रवात के बाद सरकार द्वारा किए गए राहत-उपायों को भी प्रचारित किया गया।

5.2.5 वर्ष के दौरान तमाम प्रेस विज्ञप्तियों और प्रेस सूचनाओं के माध्यम से भोजन की सुरक्षा की अवधारणा को रेखांकित किया गया। हर वर्ग के उपभोक्ताओं को आसानी से गेहूं उपलब्ध कराने के लिए खुले बाजार में गेहूं की बिक्री के उदारीकरण की योजना को भी ब्यूरो ने प्रचारित किया। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखने और उपभोक्ता अदालतों जैसी जन शिकायतों को दूर करने के काम को पर्याप्त प्रचार दिया गया।

5.2.6 ब्यूरो ने विभिन्न निर्यात वृद्धि परिषदों की बैठकों, भारत और म्यांमार के बीच संयुक्त आयोग के गठन और कृषि क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए भारत-रूस के बीच हुए समझौते को भी व्यापक प्रचार दिया।

5.2.7 ब्यूरो ने पेटेंट कानून, सार्वजनिक क्षेत्र में सुधार, विनिवेश और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में स्वैच्छिक अवकाश ग्रहण योजनाओं पर पृष्ठभूमि सामग्री जारी की। दूरसंचार की संशोधित दरों, नई इंटरनेट सेवा नीति, लाइसेंस शुल्क वाली व्यवस्था की जगह राजस्व में हिस्सेदारी की व्यवस्था लागू करने के लिए सेलुलर बेसिक आपरेटरों के लिए खास पैकेज और डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण को भी ब्यूरो ने प्रचारित किया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री के भाषणों, प्रेस टिप्पणियों, घटनाओं के कैलेण्डर और प्रधानमंत्री के भाषणों के उद्धरणों का संकलन भी तैयार किया गया।

5.2.8 लोकसभा चुनाव के समय पत्र सूचना कार्यालय ने चुनाव संबंधी सूचनाओं को उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रबंध किए। शास्त्री भवन के राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में चुनाव संबंधी सूचनाओं के लिए विशेष कक्ष बनाया गया। इसमें चुनाव परिणामों और रुझानों से संबंधित सूचनाएं समय से देने के लिए हॉटलाइन और आईटी लिंक जैसी कई नई सुविधाएं शामिल की गई थीं। चुनाव आंकड़े और परिणाम, चुनाव आंकड़ों की डिस्प्ले, सूचनाओं की वीडियो प्रस्तुति, देशभर के अन्य केन्द्रों व क्षेत्रों के पत्रकारों को अवसर देने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा, डिस्प्ले बोर्ड और फोन पर चुनाव की सूचना देने की व्यवस्था की गई थी। चुनाव से काफी पहले ही प्रेस के लिए फीचर, विशेष लेख और पृष्ठभूमि सामग्री जारी कर दी गई थी।

5.2.9 ब्यूरो ने करगिल युद्ध पर भारत रक्षा मुख्यालय द्वारा दैनिक प्रेस विज्ञप्ति देने का भी प्रबंध किया। करगिल की लड़ाई के संबंध में प्रधानमंत्री द्वारा तीनों सेनाध्यक्षों और सेना के कमांडरों को संबोधन को भी ब्यूरो ने कवर किया। करगिल के शहीदों की विधवाओं को मुआवजा देने में त्वरित कार्यवाही को भी ब्यूरो ने प्रचारित किया।

5.2.10 पत्र सूचना कार्यालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की मदद से अनेक प्रेस यात्राएं भी आयोजित की। इनमें औरैया (उ.प्र.) की वह यात्रा भी शामिल है जहां जून 1999 में प्रधानमंत्री ने गेल (जीएआईएल) पेट्रो-केमिकल परिसर राष्ट्र को समर्पित किया था।

5.12.11 पीएसएलवी-सी-2 को छोड़े जाने से पहले की तैयारियां और उसके प्रक्षेपण को दिखाने के लिए 150 पत्रकारों के दो दल को चेन्नई से श्रीहरिकोटा ले जाया गया।

5.2.12 पीआईबी का गुवाहाटी स्थित कार्यालय 'द नार्थ ईस्ट मिरर' नाम से एक मासिक पत्र भी निकालता है जिसमें पूर्वोत्तर से जुड़े विकास और मानवीय रुचि की खबरें दी जाती हैं। ब्यूरो ने खनिज संसाधनों के विकास, भू-परिक्षण, नार्थ-ईस्टर्न इंदिरा गांधी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज, शिलांग का स्तर बढ़ाकर उसे स्नातकोत्तर चिकित्सा संस्थान बनाने और परिवार कल्याण के लिए पूर्वोत्तर राज्यों को 42.24 करोड़ रुपये दिए जाने के काम को भी प्रचार दिया। देश की सांस्कृतिक एकता के लिए उत्तर-दक्षिण और पूरब-पश्चिम गलियारों के निर्माण के प्रस्ताव और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए उत्पादन शुल्क में भारी छूट देने की घोषणा को भी पर्याप्त रूप से प्रचारित किया गया।

5.2.13 पत्र सूचना कार्यालय श्रीनगर ने सरकार की विभिन्न विकास गतिविधियों को व्यापक रूप से प्रचारित किया। इसके

अलावा ब्यूरो ने करगिल युद्ध के बाद आतंकवाद बढ़ने पर अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों के कश्मीर दौरों का भी पर्याप्त प्रचार किया।

पत्र सूचना कार्यालय द्वारा प्रचारित प्रमुख घटनाएं तथा कार्यक्रम

- पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम
- कमांड क्षेत्र विकास कार्यक्रम
- 13वीं लोकसभा चुनाव और उनके परिणाम
- चुनाव सुधार पर सेमीनार
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
- वृद्ध जनों के लिए अंतर्राष्ट्रीय वर्ष-1999
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
- बीमा क्षेत्र में नई पहल
- नई दूरसंचार नीति
- वाई 2 के समस्या सुलझाने के प्रयास
- जी-15 देशों के व्यापार मंत्रियों की बैठक
- आर्थिक सलाहकार परिषद की बैठक
- राजभाषा स्वर्ण जयंती समारोह
- सहकारी बैंकों के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण विकास बैंक पुरस्कार
- राष्ट्रीय रक्षा कोष में अंशदान
- अंतरिक्ष अनुसंधान के व्यावहारिक उपयोग के बारे में एस्केप सम्मेलन
- पूर्वोत्तर राज्यों के ऊर्जा मंत्रियों का सम्मेलन
- ऊर्जा क्षेत्र में भारत-रूस संयुक्त कार्यदल की बैठक
- लघु उद्योगों के बारे में राष्ट्रीय सेमीनार
- राष्ट्रीय विकास परिषद की 48वीं बैठक
- ज्ञानपीठ पुरस्कार अर्पण समारोह
- अंतरराज्यीय परिषद की बैठक
- देश में ही निर्मित डिस्ट्रॉयर श्रेणी के पोत आई.एन.एस. मैसूर का जलावतरण
- अंतर्राष्ट्रीय रोग-प्रतिरोधी विज्ञान सम्मेलन

मुख्य बातें

(अप्रैल से दिसंबर 1999)

1.	मुख्यालय द्वारा कवर किए गए कार्यक्रमों की संख्या	1,458
2.	अखबारों के लिए जारी समाचारफोटो की संख्या	1,909
3.	जारी किए गए फोटो प्रिंट	1,91,658
4.	प्रेस विज्ञप्तियों की संख्या	27,946
5.	जारी किए गए फीचर लेखों की संख्या	1,809
6.	संवाददाता सम्मेलनों की संख्या	689
7.	प्रेस भ्रमण कार्यक्रमों की संख्या	57

पत्र सूचना कार्यालय के क्षेत्रीय/शाखा कार्यालय

क्षेत्रीय कार्यालय का नाम	शाखा कायार्लय	कार्यालय सह-सूचना केंद्र	सूचना केंद्र	कैंप कार्यालय	कुल
1. उत्तरी क्षेत्र चंडीगढ़	1. जम्मू 2. शिमला	1. श्रीनगर 2. जालंधर			5
2. मध्य क्षेत्र भोपाल	1. जयपुर 2. इंदौर 3. कोटा 4. जोधपुर				5
3. पूर्व-मध्य क्षेत्र लखनऊ	1. वाराणसी 2. कानपुर 3. पटना				4
4. पूर्वी क्षेत्र कलकत्ता	1. कटक 2. अगरतला 3. भुवनेश्वर	गंगटोक	पोर्ट ब्लेयर		6
5. उत्तर-पूर्वी क्षेत्र गुवाहाटी	शिलांग	1. कोहिमा 2. इंफाल	आइज़ोल		5
6. दक्षिण-मध्य क्षेत्र हैदराबाद	1. विजयवाड़ा 2. बंगलौर				3
7. दक्षिणी क्षेत्र चेन्नई	1. कालीकट 2. मदुरै 3. तिरुअनंतपुरम 4. कोच्चि				5
8. पश्चिमी क्षेत्र मुंबई	1. नागपुर 2. पुणे 3. पणजी 4. अहमदाबाद 5. राजकेट 6. नांदेड़				7
कुल क्षेत्रीय कार्यालय-8	25	5	2	–	40

6

समाचारपत्रों का पंजीयन

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक

6.1.1 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक संबद्ध संगठन है। अपने सांविधिक कार्यों के अंतर्गत यह कार्यालय निम्नांकित कार्य करता है :

- समाचारपत्रों के शीर्षकों की जांच।
- समाचारपत्रों को पंजीयन प्रमाणपत्र जारी करना।
- प्रकाशकों द्वारा भेजे गए वार्षिक विवरणों की जांच करना।
- समाचारपत्रों से संबद्ध जानकारियों का संकलन कर एक वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना तथा भारत में समाचारपत्रों की स्थिति पर एक रिपोर्ट तैयार करना।

इनके अतिरिक्त भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय निम्नांकित गैर-सांविधिक कार्य भी करता है :

- अखबारी कागज आवंटन नीति संबंधी दिशानिर्देश तैयार करना।
- समाचारपत्रों को अखबारी कागज प्राप्त करने के लिए प्रमाण-पत्र अधिप्रमाणित करना।
- समाचारपत्र समूहों को प्रिंटिंग मशीनों, उपकरणों तथा अन्य संबंधित सामग्री के रियायती दर पर आयात के लिए अनिर्वायता प्रमाणपत्र जारी करना।
- समाचारपत्रों के प्रसार संबंधी दावों की जांच करना।

6.2 वर्ष 1999-2000 के दौरान (नवंबर '99 तक) पंजीयक के कार्यालय में समाचारपत्रों के शीर्षकों की उपलब्धता संबंधी 17,662 आवेदनों की जांच की गई जिनमें से 10,422 शीर्षक सत्यापन के लिए उपलब्ध थे। इस अवधि के दौरान 2,381 समाचारपत्रों/पत्रिकाओं को पंजीयन प्रमाणपत्र जारी किए गए और 802 समाचारपत्रों/पत्रिकाओं के प्रसार संबंधी दावों की जांच की गई। वार्षिक रिपोर्ट 'प्रेस इन इंडिया-1998', जिसमें प्रिंट मीडिया के बारे में विस्तृत जानकारी है, छापी गई और बिक्री के लिए जारी की गई।

अप्रैल से नवंबर 1999 के दौरान अखबारी कागज के आयात के लिए 568 योग्यता प्रमाणपत्र जारी किए गए।

अप्रैल-नवंबर 1999 की अवधि में 4 समाचारपत्र संस्थानों के मशीनरी और उपकरणों के आयात संबंधी मामलों को स्वीकृति दी गई।

शीर्षकों को मुक्त करना

6.3 पंजीयक कार्यालय ने दिसंबर 1995 तक सत्यापित ऐसे लगभग 2 लाख शीर्षकों को मुक्त कर दिया जो अब तक पंजीकृत नहीं कराए गए थे। 1996 के दौरान सत्यापित लेकिन पंजीयक कार्यालय से अब तक पंजीकृत नहीं कराए गए शीर्षकों को भी मुक्त कर दिया गया है। इस काम को व्यापक रूप से प्रचारित किया गया था। जिन शीर्षकों के संबंध में याचिकाएं प्राप्त हुईं, उन्हें सुरक्षित रखा गया है, बाकी शीर्षकों को मुक्त कर दिया गया है। मुक्त शीर्षकों की सूची कंप्यूटरीकृत कर दी गई है और क्षेत्रीय कार्यालयों को उपलब्ध करा दी गई है।

7

प्रकाशन

प्रकाशन विभाग

7.1.1 1941 में ब्यूरो ऑफ पब्लिक इंफार्मेशन की एक शाखा के रूप में स्थापित प्रकाशन विभाग को इसका वर्तमान नाम व पहचान 1944 में मिली। विभाग का उद्देश्य आम आदमी को कम कीमतों पर अच्छी व सूचनाप्रद पुस्तकों के जरिये जानकारी उपलब्ध कराना है। प्रकाशन विभाग देश के सबसे बड़े प्रकाशन संस्थानों में से एक है। यह भारतीय कला और संस्कृति, प्राचीन विज्ञान, जनजीवन, वनस्पतियों और जीव-जंतुओं, संदर्भ ग्रंथों तथा बच्चों के लिए पुस्तकों का प्रकाशन करता है। यह विभिन्न क्षेत्रों में देश की उपलब्धियों पर भी पुस्तकें प्रकाशित करता है। अब तक विभाग 7,000 पुस्तकें प्रकाशित कर चुका है और प्रत्येक वर्ष इस सूची में 100-125 पुस्तकें जोड़ ली जाती हैं। इनमें से 1,500 पुस्तकें अभी भी प्रचलन में हैं। अप्रैल 1999 से नवंबर 1999 के दौरान विभाग ने 82 पुस्तकें प्रकाशित कीं। मार्च 2000 तक 40 से अधिक पुस्तकों के प्रकाशित हो जाने की संभावना है।

7.1.2 पुस्तकों के अलावा विभाग 21 पत्रिकाएं भी प्रकाशित कर रहा है। इनमें से 'रोजगार समाचार' हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में 'योजना' 13 भाषाओं में, 'कुरुक्षेत्र' हिन्दी और अंग्रेजी में,



प्रधानमंत्री श्री अटलबिहारी वाजपेयी 2 अक्तूबर, 1999 को प्रकाशन विभाग द्वारा तैयार की गई महात्मा गांधी पर मल्टीमीडिया सीडी का विमोचन करते हुए

'आजकल' हिन्दी और उर्दू में तथा 'बाल भारती' हिन्दी में प्रकाशित की जाती है। विभाग 'भारत के महानगर', 'अष्टछाप कवियों की रचनाएं', 'भारत के पक्षी' के साथ-साथ 20वीं सदी में देश में हुए सामाजिक विकास पर तीन पुस्तकें प्रकाशित करने की तैयारी कर रहा है।

7.1.3 विभाग ने गांधीजी पर संभवत: सर्वाधिक पुस्तकें प्रकाशित की हैं। इस सूची में 'संपूर्ण गांधी वाङ्मय' नामक शृंखला सबसे आगे है जिसमें अंग्रेजी के 100 खंड शामिल हैं। इनमें से 90 खंड हिंदी में भी प्रकाशित हो चुके हैं। बाकी बचे हुए 10 खंड शीघ्र ही प्रकाशित कर लिए जाएंगे। प्रकाशन विभाग ने गांधीजी पर एक मल्टीमीडिया सीडी भी तैयार की है। यह सीडी 'संपूर्ण गांधी वाङ्मय' पर आधारित है जिसमें गांधीजी की आवाज, फिल्म, फोटो और 'संपूर्ण गांधी वाङ्मय' का मूल पाठ शामिल है। यह सीडी अन्योन्याश्रित है और ढूंढ़ने के लिए इसमें कालक्रम, गांधीजी के विचारों, महत्वपूर्ण व्यक्तियों और घटनाओं पर आधारित कई पथ हैं। इसके अतिरिक्त सीडी में 'संपूर्ण गांधी वाङ्मय' पर आधारित एक इलेक्ट्रॉनिक पुस्तक भी शामिल की गई है। विभाग की योजना महात्मा गांधी सीडी को हिंदी में भी बनाने की है जिसमें कालक्रमानुसार एक इलेक्ट्रॉनिक पुस्तक भी शामिल होगी। इसके अलावा, 'संपूर्ण गांधी वाङ्मय' के हिंदी के खंडों का पूर्ण संशोधन कर इन्हें हिंदी इलेक्ट्रॉनिक पुस्तक में कालक्रम के अनुरूप लाया जाएगा।

पत्रिकाएं

7.2.1 विभाग की पत्रिकाएं राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों और सामाजिक सरोकारों पर अच्छी सामग्री प्रस्तुत करती हैं।

7.2.2 विभाग की एक प्रमुख मासिक पत्रिका 'योजना' का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों में नियोजित विकास का संदेश फैलाना है। यह विकास के सामाजिक-आर्थिक पक्षों पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच का काम भी करती है। यह पत्रिका 13 भाषाओं में प्रकाशित की जा रही हैं। ये भाषाएं हैं - असमिया, बांग्ला, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगू और उर्दू। पत्रिका अखिल भारतीय दृष्टि बनाए रखते हुए राज्यों और उनकी विकास योजनाओं को एक समान महत्व प्रदान करती है। इसके अंकों में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों, शिक्षाविदों, प्रौद्योगिकीविदों, पर्यावरणविज्ञानियों और विशेषज्ञों के लेख प्रकाशित किए जाते हैं। इनमें वाई-2-के चुनौती से निबटने के लिए किए गए उपाय, ई-मेल और भारत, ओसियन सैट-1, बढ़ती जनसंख्या, विकास और समर्थन नीति, मौद्रिक तथा ऋण नीति, फसल बीमा, लड़के-लड़कियों की समानता जैसे विषय शामिल हैं।

7.2.3 ग्रामीण विकास को समर्पित 'कुरुक्षेत्र' ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय की ओर से अंग्रेजी तथा हिंदी में प्रकाशित किया जाता है। पत्रिका में ग्रामीण आवास, जलापूर्ति, सफाई, स्वास्थ्य रक्षा, गरीबी उन्मूलन तथा रोजगार कार्यक्रम, महिलाओं को अधिकार सौंपने, पंचायती राज, शिक्षा, ग्रामीण प्रशासन में कंप्यूटर की भूमिका, विकेंद्रित नियोजन, ग्रामीण उद्योग तथा व्यापार जैसे ग्रामीण विकास से संबंधित विषयों पर लेख प्रकाशित किए गए।

7.2.4 बच्चों की मासिक पत्रिका 'बाल भारती' 1948 से नियमित रूप से प्रकाशित की जा रही है। जनवरी 1999 से पत्रिका को बड़े आकार में रंगीन और अधिक आकर्षक रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। अप्रैल 1999 से इसमें एक नई खेल शृंखला भी शुरू की गई है। अक्तूबर 99 का अंक पक्षियों पर केंद्रित विशेषांक था।

7.2.5 'आजकल' हिंदी और उर्दू में प्रकाशित की जाने वाली साहित्यिक पत्रिका है। 'आजकल' हिंदी ने कई विशेषांक निकाले तथा उनमें साहित्य और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया। इसमें विभिन्न साहित्यिक धाराओं पर विचारोत्तेजक लेख, साहित्यिक और सांस्कृतिक जगत के उल्लेखनीय व्यक्तियों के साक्षात्कार और चित्रकला, नृत्य, संगीत, मूर्तिकला तथा अन्य सांस्कृतिक पक्षों पर लेख शामिल किए गए। 'आजकल' (उर्दू) ने साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेताओं के 'मैं क्यों और कैसे लिखता हूं' शीर्षक से अग्रणी भारतीय लेखकों के विचार और लेख प्रकाशित किए।

7.2.6 'एंप्लायमेंट न्यूज' / 'रोजगार समाचार' हर सप्ताह अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में प्रकाशित होता है। लगभग 5.40 लाख की साप्ताहिक प्रसार संख्या के साथ आज यह सर्वाधिक प्रसारित होने वाली कैरियर गाईड है। इसमें केंद्रीय/राज्य सरकार के विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों तथा प्रतिष्ठित निजी संस्थानों में रिक्तियों के बारे में जानकारी होती है। इससे इस साप्ताहिक ने देश के शिक्षित बेरोजगारों के बीच अपनी एक खास जगह बना ली है। इसके संपादकीय पृष्ठ पर एक प्रमुख लेख,

घटनाक्रम, संपादक के नाम पत्र, उद्धरण, विज्ञान जगत जैसे नियमित स्तंभों के अलावा परीक्षार्थियों के लिए कैरियर संबंधी सलाह तथा अन्य उपयोगी लेख होते हैं। इस समय इस समाचारपत्र को समय पर वितरित करने के लिए देशभर में 400 विक्रय एजेंट हैं। ऐसे ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में जहां 'रोजगार समाचार' का अब तक कोई प्रतिनिधि नहीं है, वहां एजेंट नियुक्त करने की कोशिश की जा रही है। विगत वर्षों में इसकी प्रसार संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हुई है और 1994 के 4.80 लाख प्रतियों के मुकाबले अब यह 5.40 लाख प्रतियों तक पहुंच गया है। अपने सामाजिक दायित्वों को पूरा करने के अलावा रोजगार समाचार/एंप्लायमेंट न्यूज़ नियमित रूप से भारी लाभ अर्जित कर रहा है।

पुरस्कार

7.3 हिंदी में जनसंचार पर मौलिक लेखन को बढ़ावा देने के लिए प्रकाशन विभाग भारतेंदु हरिश्चंद्र पुरस्कार देता है। महिला लेखन, राष्ट्रीय एकता और बाल साहित्य को प्रोत्साहन देने के लिए भी पुरस्कार दिए जाते हैं।

विपणन

7.4 प्रकाशन विभाग अपनी तथा अन्य सरकारी/अर्द्ध-सरकारी संगठनों की पुस्तकों की बिक्री अपने विक्रय केंद्रों, पुस्तक प्रदर्शनियों और 400 से भी अधिक बिक्री एजेंटों के नेटवर्क के जरिये करता है। इसके विक्रय केंद्र नई दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, कलकत्ता, लखनऊ, चेन्नई, पटना और तिरुअनंतपुरम में स्थित हैं।

प्रदर्शनियां

7.5 रिपोर्ट की अवधि में विभाग ने 91 प्रदर्शनियां आयोजित कीं अथवा उनमें भाग लिया। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, जबलपुर, भोपाल, नागपुर, लखनऊ, चेन्नई और नई दिल्ली में स्वतंत्र प्रदर्शनियां लगाई गईं। विभाग ने अप्रैल-नवंबर 1999 के दौरान कुल 188.52 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया।

योजना निष्पादन

7.6 चालू वित्त वर्ष में प्रकाशन विभाग को 60 लाख रुपये की राशि आधुनिकीकरण के लिए आबंटित की गई । विभाग के



सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अरुण जेटली 4 नवंबर, 1999 को 'मदर टेरेसा' पुस्तक का लोकार्पण करते हुए

कंप्यूटरीकरण के लिए कंप्यूटर के हार्डवेयर और साफ्टवेयर की खरीद की गई है। विभाग के विभिन्न बिक्री केंद्रों के लिए फोटोकॉपियर, फैक्स, इलेक्ट्रानिक टाइपराइटर जैसे आधुनिक उपकरण खरीदे गए हैं। विभाग के अधिकारियों ने प्रकाशन और संपादन संबंधी अपनी योग्यता के संवर्द्धन के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।

8

क्षेत्रीय प्रचार

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय

8.1.1 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की स्थापना 1953 में 'पंचवर्षीय योजना प्रचार संगठन' के रूप में की गई थी। दिसंबर 1959 में इसका नाम क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय कर दिया गया। निदेशालय का मुख्यालय नई दिल्ली में है। इसकी 268 इकाइयां हैं, जिनका नियंत्रण और देखरेख इसके 22 क्षेत्रीय कार्यालयों के हाथ में है। इन 268 इकाइयों में से 166 सामान्य इकाइयां हैं। 72 सीमावर्ती इकाइयां और 30 परिवार कल्याण इकाइयां हैं। एक क्षेत्र में 8 से 18 तक इकाइयां होती हैं।

8.1.2 आम लोगों से जुड़ा होने के कारण यह निदेशालय राष्ट्रीय एकता और समाज के प्रत्येक तबके के लोगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। ऐसा राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने, लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता तथा विकास योजनाओं में तथा सरकार द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रमों में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करके किया जाता है। यह लोगों को सहभागी बनाने के लिए संचार के सभी माध्यमों का उपयोग करता है, जिनमें सामूहिक चर्चा और जनसभा के अलावा सेमीनार, संगोष्ठी और विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इसके लिए फिल्मों और मनोरंजन के सीधे माध्यमों का भी इस्तेमाल किया जाता है, यह संगठन सरकार की विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों तथा उनके कार्यान्वयन के बारे में लोगों की प्रतिक्रियाएं का भी आकलन करता है, जिन्हें संकलित करके सरकार के समक्ष रखा जाता है। इस तरह निदेशालय सरकार और लोगों के बीच संचार के दोतरफा चैनल के तौर पर काम करता है।

योजनाओं के तहत गतिविधियां

8.2 योजना आयोग ने नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान निदेशालय के लिए 11 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दे दी है।

प्रायोजित दौरे

8.3 इस वर्ष जनमत नेताओं के सात प्रायोजित दौरे करवाने की योजना बनाई गई है, चार दौरे किए जा चुके हैं। बाकी के तीन दौरे चालू वित्त वर्ष के अंतिम दो महीनों में आयोजित करने का कार्यक्रम है। देश के विभिन्न क्षेत्रों से जनमत नेताओं को पूर्वोत्तर भारत ले जाने तथा उस क्षेत्र के जनमत नेताओं को देश के अन्य भागों में से जाने पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि वे देश के अन्य भागों, लोगों की भावनाओं, संस्कृति और विरासत को समझ सकें।

कंप्यूटरीकरण

8.4 पांच पेंटियम-III कंप्यूटर प्रणाली, 8 यूपीएस, 5 मोडेम और दो प्रिंटर हासिल किए गए। इनके साथ ही क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के मुख्यालय और सभी 22 प्रांतीय कार्यालयों में वाई-2के समस्या से मुक्त कंप्यूटर प्रणालियां उपलब्ध करा दी गई हैं। इस वर्ष जो साफ्टवेयर हासिल किए गए उनमें हिंदी वर्ड प्रोसेसर 'अक्षर' भी शामिल है। निदेशालय अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के सहयोग से विभिन्न क्षेत्रों में छह प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इनके तहत विंडो 95/98, एम.एस. आफिस, इंटरनेट और ई-मेल का भी प्रशिक्षण दिया गया। 'अक्षर' पर भी दो प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। निदेशालय के 12 प्रांतीय कार्यालयों को इंटरनेट और ई-मेल सेवा से जोड़ा गया।

उपकरणों की खरीद

8.5 हल्के जेनरेटरों की खरीद के लिए 8.5 लाख रुपये खर्च किए गए। 48 वीडियो प्रोजेक्टरों की खरीद के लिए ऑर्डर दिए गए। इतनी बड़ी संख्या में वीडियो प्रोजेक्टरों की खरीद के बाद अब निदेशालय की सभी इकाइयों में 16 एम.एम. के प्रोजेक्टर के स्थान पर वीडियो प्रोजेक्टर से ही फिल्में दिखाई जा सकेंगी। निदेशालय ने अब तक 13 डाक्युमेंट्री फिल्मों की 6,825 वी.एच.एस. कापियां तैयार कर ली हैं।

आधुनिकीकरण और नई पहल

8.6 आधुनिकीकरण के तौर पर निदेशालय के सभी प्रांतीय

कार्यालयों में कंप्यूटर और एन.आई.सी. के द्वारा ई-मेल नेटवर्क उपलब्ध कराए गए हैं। जिनके जरिए प्रभावी तरीके से निगरानी का काम हो सकेगा।

निष्पादन

8.7 वर्ष 1999-2000 (अप्रैल से सितंबर) के दौरान क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए:

कार्यक्रम	वास्तविक निष्पादन (अप्रैल-दिसंबर, 1999)	लक्ष्य (जनवरी-मार्च, 2000)
फिल्म प्रदर्शन	38,384	16,820
गीत और नाटक	2,564	1,282
विशेष कार्यक्रम (भाषण/लेख/ग्रामीण खेल, चित्रकारी प्रतियोगिता/रैली/ स्वस्थ शिशु प्रदर्शनी सहित)	7,498	1,520
समूह चर्चा (सेमिनार/गोष्ठी सहित)	53,688	17,944
फोटो प्रदर्शनी	26,764	5,000
यात्रा दिवस	19,920	10,700

प्रमुख अभियान

ग्रामीण विकास

8.8 15 मार्च, 1999 से 15 जून, 1999 तक निदेशालय की इकाइयों द्वारा विभिन्न ग्रामीण विकास कार्यक्रमों और उनके पुनर्गठित कार्यक्रम के बारे में व्यापक प्रचार अभियान चलाया गया। इस अभियान का विषय स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, रोजगार गारंटी योजना तथा ग्रामीण स्वच्छता योजना जैसी ग्रामीण विकास योजनाएं थी। दूरदराज और अत्यंत पिछड़े क्षेत्रों में मुख्य रूप से यह अभियान चलाया गया। वास्तव में यह सीधा मौखिक और वैयक्तिक संचार अभियान था। फिल्म प्रदर्शन के साथ ही समूह चर्चा, आम सभा और संगोष्ठियां भी आयोजित की गई। इसके अलावा क्षेत्रीय कार्यक्रमों के दौरान पैंफलेट्स, पर्चे, पोस्टर आदि बांटे गए तथा इनका प्रदर्शन किया गया। स्थानीय प्रेस और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने इन कार्यक्रमों को काफी कवरेज दिया।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

8.9 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय ने विश्व स्वास्थ्य दिवस और विश्व जनसंख्या दिवस पर अभियान चलाया। मलेरिया, आंत्रशोथ, स्तनपान, पोषण और अंधता की रोकथाम जैसे मुद्दों पर जागरुकता पैदा करने के लिए फिल्में दिखाई गई, फोटो प्रदर्शनी लगाई गई तथा समूह चर्चा, सेमीनार, रैली और स्वस्थ शिशु प्रदर्शनी आदि का आयोजन किया गया। एड्स नियंत्रण पर लोगों में जागरुकता पैदा करने के लिए इकाइयों ने वर्षभर प्रभावी प्रचार अभियान चलाया। विशेष चर्चा कार्यक्रम जैसे सेमीनार, सिम्पोजियम, वाद-विवाद, कार्यशालाएं, सम्मेलन, और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। अभियान में विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की प्रचार सामग्री का व्यापक इस्तेमाल किया गया। परिवार स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के दौरान एस.टी.डी./एच.आई.वी./एड्स से संबंधित संदेश को फैलाने के लिए निदेशालय को नाको बजट से पचास लाख रुपये आबंटित किए गए।

पल्स पोलियो टीकाकरण

8.10 पी.पी.आई. कार्यक्रम के तहत देश से पोलियो माइलिटिस पूरी तरह समाप्त करने के लिए व्यापक अभियान चलाने के वास्ते स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने निदेशालय को 1.50 करोड़ रुपये आबंटित किए। इसके तहत देशभर में चार राष्ट्रव्यापी दौर चलाने थे और पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा तथा राजस्थान में दो विशेष अभियान चलाए जाने थे। कार्यक्रम के अनुसार तीन राष्ट्रीय दौर 24 अक्टूबर, 21 नवंबर, 19 दिसंबर, 1999 तथा 23 जनवरी, 2000 को संपन्न हो गए। उपर्युक्त राज्यों में दो अतिरिक्त दौर 27 फरवरी और 26 मार्च, 2000 को होंगे।

राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव

8.11 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय ने राष्ट्रीय एकता पर प्रचार अभियान चलाया। अन्य मीडिया यूनिटों के साथ ही सीमा सुरक्षा बल, एन.सी.सी. और सेना के सहयोग से कार्यक्रम चलाए गए। राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव पर प्रचार गतिविधियों को सद्भावना दिवस/पखवाड़ा, कौमी एकता दिवस/सप्ताह जैसे महत्वपूर्ण अवसरों से जोड़ा गया। अनेक इकाइयों, प्रांतीय कार्यालयों और निदेशालय के मुख्यालय ने सद्भावना दिवस और कौमी एकता दिवस के सिलसिले में कर्मचारियों और आम लोगों के लिए शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए।

बाल श्रम

8.12 बाल श्रम की समाप्ति की आवश्यकता पर जागरूकता पैदा करने के लिए निदेशालय ने विशेष अभियान चलाया। इकाइयों ने बाल श्रम की बहुलता वाले क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए।

बच्चों के अधिकार

8.13 बालिकाओं और बाल दिवस के सिलसिले में इकाइयों ने यूनीसेफ के सहयोग से बाल विकास पर सात दिन का अभियान आयोजित किया। रांची में विशेष प्रचार अभियान के दौरान रांची के स्कूली बच्चों ने 'बाल समाचार' नामक बच्चों का अखबार निकाला। इसके अलावा, बच्चों के अधिकारों की रक्षा के बारे में जागरूकता अभियान के तौर पर इकाइयां 'बेबी शो' 'मदर्स मीट' जैसे कार्यक्रमों के जरिए विशेष अभियान चला रही हैं।

मादक पदार्थों के दुष्परिणाम

8.14 मादक पदार्थों और शराब के दुष्परिणाम दर्शाने के लिए क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों द्वारा अपने नियमित क्षेत्रीय प्रचार के दौरान 'बूंद-बूंद जहर' और 'जाम और अंजाम' सहित विभिन्न फिल्में दिखाई गईं।

मेले एवं त्यौहार

8.15 इस वर्ष कई महत्वपूर्ण मेलों और त्यौहारों के अवसर पर प्रचार अभियान चलाया गया। इनमें से कुछ थे : मेरठ का नौचंदी मेला, पुरी की रथयात्रा, गणेश पूजा, राजस्थान में अजमेर का गणगौर मेला और ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का उर्स, केरल का ओणम, गुवाहाटी का कामाख्या मेला, उधमपुर का शुद्ध महादेव मेला, चमोली का आदि बद्री, तिरुपति मेला, सुंदरवन मेला और सोनपुर, बिहार में लगने वाला एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला। इन अवसरों पर राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव, सांस्कृतिक एकता, सामाजिक बुराइयों की समाप्ति और वैज्ञानिक सोच के विकास आदि पर बल दिया गया।

दिवस, सप्ताह और पखवाड़े

8.16 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय ने विश्व जनसंख्या दिवस, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ निवारण दिवस, विश्व एड्स दिवस और अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के सिलसिले में विशेष प्रचार कार्यक्रमों का आयोजन किया। स्वाधीनता दिवस, गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती, सद्भावना दिवस/पखवाड़ा, कौमी एकता दिवस/सप्ताह जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दिवस उपयुक्त कार्यक्रम आयोजित कर मनाए गए। इन अवसरों पर प्रतिस्पर्द्धा, सेमिनार, साइकिल रैली, जनसभा, निबंध प्रतियोगिता, देशभक्ति के गीत प्रतियोगिता, ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता आदि जैसे अनेक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय तथा प्रचार इकाइयां
(क्षेत्रीय कार्यालय मोटे अक्षरों में)

* नई इकाइयां

आंध्र प्रदेश

1. **हैदराबाद**
2. कुड्प्पा
3. गुंटूर
4. काकिनाड़ा
5. कुर्नूल
6. मेडक
7. नलगोंडा
8. नेल्लूर
9. निज़ामाबाद
10. श्रीकाकुलम्
11. विशाखापत्तनम
12. वारंगल

अरुणाचल प्रदेश

1. **ईटानगर**
2. अनिनी
3. एलोंग
4. बोमडिला
5. खोन्सा
6. नाम्पोंग
7. डापोरिजो
8. पासीघाट
9. सेप्पा
10. तवांग
11. तेजू
12. ज़िरो
13. यिंगकिओंग*

असम

1. **गुवाहाटी**
2. धुबरी
3. डिब्रूगढ़
4. दीफू
5. बारपेटा
6. हाफलौंग
7. जोरहाट
8. नलबाड़ी
9. उत्तरी लखीमपुर
10. नौगांव
11. तेज़पुर
13. धेमजी*

बिहार-उत्तरी

1. **पटना**
2. बेगूसराय
3. छपरा
4. दरभंगा
5. भागलपुर
6. किशनगंज
7. मुंगेर
8. मोतिहारी
9. मुजफ्फरपुर
10. फारबिसगंज
11. सीतामढ़ी

बिहार-दक्षिणी

1. **रांची**
2. धनबाद
3. दुमका
4. गया
5. गुमला
6. हजारीबाग
7. जमशेदपुर
8. डाल्टनगंज
9. चाईबासा*

गुजरात

1. **अहमदाबाद**
2. अहवा
3. भावनगर
4. भुज
5. गोधरा
6. हिम्मतनगर
7. जूनागढ़
8. पालनपुर
9. राजकोट
10. सूरत
11. वड़ोदरा

जम्मू और कश्मीर

1. **जम्मू**
2. बारामूला
3. चदूरा
4. डोडा
5 अनंतनाग
6. कंगन
7. करगिल
8. कठुआ
9. कुपवाड़ा
10. लेह
11. पुंछ
12. राजौरी
13. शोपियां
14. श्रीनगर
15. उधमपुर

कर्नाटक

1. **बंगलूर**
2. बेलगाम
3. बेल्लारी
4. बीजापुर
5. चित्रदुर्ग
6. धारवाड़
7. गुलबर्गा
8. हासन
9. मंगलूर
10. मैसूर
11. शिमोगा

केरल

1. **तिरुअनंतपुरम**
2. कन्नानूर
3. एर्नाकुलम
4. वायनाड
5. कोट्टायम
6. कोजीकोड
7. मल्लापुरम
8. पालघाट
9. क्विलोन
10. त्रिशूर
11. अलेप्पी
12. कावारत्ती

मध्य प्रदेश-पूर्व

1. **रायपुर**
2. बालाघाट
3. बिलासपुर
4. दुर्ग
5. जबलपुर
6. जगदलपुर
7. कांकेर
8. अंबिकापुर
9. रीवां
10. शहडोल
11. सीधी
12. बस्तर*

मध्य प्रदेश-पश्चिम

1. **भोपाल**
2. छतरपुर
3. छिंदवाड़ा
4. गुना
5. ग्वालियर
6. होशंगाबाद
7. इंदौर
8. झाबुआ
9. मंदसौर
10. सागर
11. उज्जैन

महाराष्ट्र और गोवा

1. **पुणे**
2. अमरावती
3. औरंगाबाद
4. मुंबई
5. चंद्रपुर
6. जलगांव
7. कोल्हापुर
8. नागपुर
9. नांदेड़
10. नासिक
11. अहमदनगर
12. रत्नागिरी
13. सतारा
14. शोलापुर
15. वर्धा
16. पणजी

मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा

1. **शिलांग**
2. आईजोल
3. जोवाई
4. विलियम नगर
5. कैलाशहर
6. लुंगलेई
7. सैहा
8. अगरतला
9. तुरा
10. उदयपुर
11. नोंगस्टोइन

नगालैंड तथा मणिपुर

1. **कोहिमा**
2. चूड़ाचांदपुर
3. इंफाल
4. चंदेल
5. मोकोकचुंग
6. मोन
7. तोमेंगलोंग
8. त्वेनसांग
9. उखरूल
10. सेनापति

उत्तर-पश्चिम

1. **चंडीगढ़**
2. अमृतसर
3. अंबाला
4. धर्मशाला
5. फिरोजपुर
6. हमीरपुर
7. हिसार
8. जालंधर
9. रिकोंग पियो
10. लुधियाना
11. मंडी
12. नाहन
13. नारनौल
14. नई दिल्ली (1)
15. नई दिल्ली (2)
16. पठानकोट
17. रोहतक
18. शिमला
19. चम्बा*

उड़ीसा

1. **भुवनेश्वर**
2. बारीपाड़ा
3. बेरहामपुर
4. भवानीपटना
5. बालासोर
6. कटक
7. ढेंकानाल
8. जैपोर
9. क्योंझर
10. फुलबनी
11. पुरी
12. संबलपुर

राजस्थान

1. **जयपुर**
2. अलवर
3. बाड़मेर
4. बीकानेर
5. अजमेर
6. जैसलमेर
7. जोधपुर
8. कोटा
9. डूंगरपुर
10. सीकर
11. श्रीगंगानगर
12. उदयपुर
13. सवाईमाधोपुर
14. सिरोही*

तमिलनाडु तथा पांडिचेरी

1. **चेन्नई**
2. धर्मपुरी
3. कोयंबटूर
4. मदुरै
5. पांडिचेरी
6. रामनाथपुरम
7. सलेम
8. तंजावूर
9. तिरुचिरापल्ली
10. तिरुनेलवेल्लि
11. वेल्लूर

उत्तर प्रदेश (मध्य-पूर्वी)

1. **लखनऊ**
2. आजमगढ़
3. बांदा
4. गोंडा
5. गोरखपुर
6. झांसी
7. कानपुर
8. लखीमपुर खीरी
9. इलाहाबाद
10. मैनपुरी
11. रायबरेली
12. सुल्तानपुर
13. वाराणसी

उत्तर प्रदेश (उत्तर-पश्चिमी)

1. **देहरादून**
2. अलीगढ़
3. बरेली
4. आगरा
5. गोपेश्वर
6. मेरठ
7. मुरादाबाद
8. मुजफ्फनगर
9. नैनीताल
10. पौड़ी
11. पिथौरागढ़
12. रानीखेत
13. उत्तरकाशी

पश्चिम बंगाल (उत्तरी)

1. **सिलीगुड़ी**
2. गंगतोक
3. जलपाईगुड़ी
4. जोरथांग
5. कलिमपोंग
6. मालदा
7. रायगंज
8. कूच बिहार

पश्चिम बंगाल (दक्षिणी)

1. **कलकत्ता**
2. बैरकपुर
3. बेरहामपुर
4. बर्दवान
5. बांकुड़ा
6. कार निकोबार
7. चिनसुरा
8. मिदनापुर
9. पोर्ट ब्लेयर
10. राणाघाट
11. कलकत्ता (प.क.)

9

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय

9.1.1 विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय, केंद्र सरकार की प्रमुख बहु-प्रचार माध्यम विज्ञापन एजेंसी है, जो सरकार की गतिविधियों, नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देती है और उन्हें विकास गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करती है। निदेशालय अपने ग्राहक मंत्रालयों, विभागों तथा स्वायत्तशासी निकायों की संचार संबंधी आवश्यकताएं, मुद्रित सामग्री, प्रेस विज्ञापनों, रेडियो व टेलीविजन पर दृश्य-श्रव्य प्रचार कार्यक्रमों, बाह्य प्रचार और प्रदर्शनियों के जरिए पूरी करता है। निदेशालय द्वारा ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, बालिकाओं के अधिकार, जनसंख्या, हस्तशिल्प, राष्ट्रीय अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव, रक्षा, नई आर्थिक नीति, पर्यावरण, साक्षरता, रोजगार, एड्स, नशीले पदार्थों से नुकसान और नशाबंदी, सीमाशुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, आयकर तथा ऊर्जा संरक्षण जैसे विषयों से संबंधित प्रचार पर जोर दिया जाता है।

9.1.2 विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय के मुख्यालय में प्रचार अभियान, विज्ञापन, बाह्य प्रचार, मुद्रित प्रचार, प्रदर्शनियां, इलेक्ट्रॉनिक डेटा प्रोसेसिंग केन्द्र, मास मेलिंग, दृश्य श्रव्य प्रकोष्ठ, स्टूडियो और कॉपी विंग शाखाएं हैं।



विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा 19 अगस्त, 1999 को नई दिल्ली में उपभोक्ता अधिकारों पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन

9.1.3 निदेशालय के देशभर में कार्यालय हैं। इसके बंगलौर और गुवाहाटी में दो प्रादेशिक कार्यालय हैं, जो क्षेत्र में निदेशालय की गतिविधियों को समन्वित करते हैं। कलकत्ता और चेन्नई के दो प्रादेशिक वितरण केंद्र, क्रमश: पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में प्रचार सामग्री के वितरण का काम संभालते हैं। निदेशालय की 35 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां हैं, जिनमें सात सचल प्रदर्शनी वाहन, सात परिवार कल्याण इकाइयां और 21 सामान्य क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां शामिल हैं।

प्रदर्शनियां

9.2.1 सरकार की विभिन्न योजनाओं, नीतियों एवं कार्यक्रमों का देश के विभिन्न भागों में प्रचार करने के लिए निदेशालय ने अपनी 35 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयों, जिनमें सात सचल प्रदर्शनी वाहन, सात परिवार कल्याण इकाइयां तथा 21 सामान्य प्रदर्शनी इकाइयां शामिल हैं, के माध्यम से प्रदर्शनियां लगाई।

9.2.2 छठे विश्व हिन्दी सम्मेलन (14.9.99 से 18.9.99) के अवसर पर लंदन में, नेहरू केंद्र में, 'हिन्दी कल, आज और कल' नाम की एक प्रदर्शनी लगाई गई। यह प्रदर्शनी एक सप्ताह तक चली और विश्वभर से आए प्रतिनिधियों ने इसे देखा।

9.2.3 विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने 'एक राष्ट्र एक प्राण', 'भारतीय स्वाधीनता के पचास वर्ष', 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस' और 'महात्मा गांधी' विषयों तथा राष्ट्रीय एकता और सद्भावना पर प्रदर्शनियां आयोजित की।

9.2.4 'सहस्राब्दि की ओर', 'बालिका', 'उपभोक्ताओं के अधिकार', 'जवाहरलाल नेहरू', 'डॉ. बी.आर. अम्बेडकर', 'सिनेमा के सौ वर्ष', 'करगिल', 'कैलाश-मानसरोवर यात्रा', 'सभी बच्चों के लिए शिक्षा', 'बाल श्रम', 'उत्पादकता' और 'बाल स्वास्थ्य', 'छोटा परिवार खुशियां अपार', 'छोटा परिवार स्वस्थ परिवार' और 'छोटा परिवार सुख का आधार' विषय पर देश के विभिन्न भागों में प्रदर्शनियां लगाई गई।

प्रदर्शनी
(अप्रैल-नवंबर 1999)

प्रदर्शनी की संख्या	–	185
प्रदर्शनी दिवस	–	979
पहुंच	–	देशभर में

प्रेस विज्ञापन

9.3.1 विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और स्वायत्तशासी निकायों की तरफ से प्रेस विज्ञापन जारी करता है। इसमें करगिल युद्ध, पर्यावरण सुरक्षा, विश्व जनसंख्या दिवस, पल्स पोलियो, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस और राष्ट्रीय पौष्टिकता सप्ताह पर अनेक प्रेस विज्ञापन जारी किए।

9.3.2 महात्मा गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर निदेशालय ने 'सहस्राब्दि आएगी, सहस्राब्दि जाएगी- लेकिन हम आपके ऋणी रहेंगे', शीर्षक से एक विज्ञापन देशभर में हिन्दी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किया।

9.3.3 आम चुनाव, 99 के दौरान निदेशालय ने अनेक विज्ञापन जारी कर लोगों का आह्वान किया कि वे बिना किसी भय और लालच के अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

9.3.4 इनके अलावा वाई-2-के समस्या पर अनेक विज्ञापन जारी किए गए। 11 मई को 'पोकरण-2-शांति के लिए शक्ति' विषय पर एक विशेष विज्ञापन जारी किया गया। पी.एस.एल.वी.-2-सी छोड़े जाने के अवसर पर 'नई सहस्राब्दि में एक भव्य शुरुआत' के नाम से एक और विज्ञापन जारी किया गया।

9.3.5 14 अप्रैल, 1999 को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 108वीं जयंती के अवसर पर निदेशालय ने पूरे पृष्ठ का एक विज्ञापन जारी किया।

प्रेस विज्ञापन
(अप्रैल-नवंबर, 1999)

वर्गीकृत विज्ञापन जारी	–	13,771
डिस्प्ले विज्ञापन जारी	–	271
कुल विज्ञापन	–	14,042
भाषा	–	हिंदी, अंग्रेजी और सभी क्षेत्रीय भाषाएं

प्रिंट सामग्री

9.4.1 निदेशालय ने विभिन्न सामाजिक, आर्थिक मुद्दों पर फोल्डर, पुस्तिकाएं, पोस्टर और किट्स आदि प्रकाशित किए। यह सामग्री हिन्दी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित की गई।

9.4.2 सूचना और प्रसारण मंत्रालय की तरफ से - 'लक्ष्य की तरफ मार्च', 'एक निर्णायक क्षण', 'खेलों में राजनीति का स्थान नहीं', 'महिलाओं को सम्मान और समानता चाहिए', 'आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार 1998', 'आकाशवाणी टेलीफोन डायरेक्टरी', 'पी.आई.बी. द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकारों की सूची 1999', 'सरकारी कार्यों में हिन्दी के इस्तेमाल संबंधी अपील', 'सरदार पटेल के स्मारक भाषण 1999', 'डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्मारक भाषण' और 'फोटो प्रतियोगिता', विषयों पर सामग्री प्रकाशित की गई।

9.4.3 विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने 'आम चुनाव' विषय पर एक पुस्तक प्रकाशित की। 'बिना भय के मतदान', 'किसी तरह का लालच स्वीकार न करें' और 'आपके मतदान से आपकी सरकार का चुनाव होता है' विषयों पर पोस्टर प्रकाशित किए गए।

9.4.4 1999-2000 के केन्द्रीय बजट पर भी एक पुस्तिका छापी गई।

9.4.5 ग्रामीण विकास मंत्रालय की तरफ से निदेशालय ने 'पंचायती राज', 'ग्रामीण विकास के लिए योजनाएं', 'स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना', 'ग्रामीण बदलाव के तत्व', 'ग्रामीण आवास के लिए ऋण और सबसिडी योजना', 'ग्रामीण आवास' तथा 'आवास विकास के लिए नई योजना', 'ग्रामीण भारत में बदलाव', 'ग्रामीण भवन केंद्र', 'समग्र आवास योजना', 'राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम', 'ग्रामीण निर्मिती केंद्र', 'ग्रामीण निर्धनों के लिए आश्रय और ऋण तथा सबसिडी योजना-निर्देशिका' विषयों पर सामग्री प्रकाशित की गई। पर्चे, पुस्तिकाएं, जैकेट और पोस्टर के रूप में भी हिन्दी, अंग्रेजी तथा क्षेत्रीय भाषाओं में चीजें प्रकाशित की गई।

9.4.6 मानव संसाधन विकास मंत्रालय की तरफ से विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने 'इन्फैन्ट फीडिंग', 'शिक्षक दिवस 1999', 'दूध पिलाने वाली माताओं के लिए अधिक खाना आवश्यक', और 'संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं' विषयों पर सामग्री प्रकाशित की। ये सामग्रियां पुस्तिका, फोल्डर और पोस्टर के रूप में प्रकाशित की गई।

9.4.7 वित्त मंत्रालय की तरफ से 'आप अपने उपहार और संपत्ति कर का हिसाब कैसे लगाएं', 'पूंजी से होने वाली आमदनी का हिसाब कैसे लगाएं', 'प्रत्यक्ष कर कानून के तहत अपील', 'स्रोत पर कर में कटौती', 'स्थायी लेखा संख्या', 'प्रत्यक्ष चालान को कैसे भरें' और 'एन.एस.ओ. एड्रेसोग्राफर' विषयों पर पुस्तिकाएं प्रकाशित की गईं। रक्षा मंत्रालय की तरफ से निदेशालय ने 'भारतीय वायुसेना', 'राष्ट्र के महत्वपूर्ण गुप्त दस्तावेज न बेचें', 'उतना ही बोलें जितनी जरूरत हों' और 'सुरक्षा की रक्षा करें-सजग रहें' विषयों पर पर्चे प्रकाशित किए गए।

9.4.8 गृह मंत्रालय की तरफ से जो सामग्री प्रकाशित की उनमें 'परिदृश्य', 'देवनागरी में इलेक्ट्रोमैकेनिक सुविधा', 'सांप्रदायिक सद्भाव', 'औद्योगिक सुरक्षा', 'डू नॉट ब्रेग अबाउट योर जॉब', 'अपनी कुंजियां सुरक्षित रखें', 'सभी नये आगंतुकों की जांच करें' और 'धमकी के प्रति सजग रहें' शामिल हैं।

9.4.9 निदेशालय ने जो अन्य चीजें प्रकाशित की हैं उनमें एगमार्क, आर्किटेक्ट ऑफ माडर्न इंडिया, वायरल हेपाटाइटिस से अपने को सुरक्षित रखें, एड्स पर आई. ई.सी. पैकेज और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग शामिल हैं।

मुद्रित सामग्री

(अप्रैल-नवंबर, 1999)

मुद्रित प्रकाशन	-	231
मुद्रित प्रतियां	-	59.42 लाख
प्रयुक्त भाषाएं	-	हिंदी, अंग्रेजी और सभी क्षेत्रीय भाषाएं

9.4.10 जमैका में मोन्टेगो बे में जी-15 देशों के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने जो भाषण दिया था उसे 'अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता' नाम से प्रकाशित किया गया। राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक में प्रधानमंत्री के भाषण को पुस्तिका के रूप में प्रकाशित किया गया। प्रधानमंत्री द्वारा विभिन्न अवसरों पर दिए गए भाषणों को आकर्षक कवर के साथ प्रकाशित किया गया। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं- 'शांति, समृद्धि और खुशहाली के लिए भारतीय विज्ञान', 'शांति तथा सद्भाव को बनाए रखें और उसे मजबूती दें', 'भारत सामाजिक आर्थिक विकास की तेज राह पर', 'समृद्ध भारत के निर्माण में मिलजुल कर काम', 'अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता', 'मित्रता और आशा की यात्रा', 'देश में बिजली सुधार की पहल' और 'शहरी चुनावी सुधार के प्रति वचनबद्धता'।

बाह्य प्रचार

9.5.1 होर्डिंग, कियोस्क, बैनर, बस पैनल आदि जैसी बाह्य प्रचार सामग्री, विभिन्न विषयों पर देश के विभिन्न भागों में लगाई गई।

9.5.2 राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव के मुद्दे पर विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने विभिन्न राज्यों में 123 होर्डिंग, 1,030 कियोस्क, और 172 बस पैनल लगाए। 46वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह, बाल फिल्म समारोह, स्वीडिश फिल्म समारोह, विश्व हिन्दी सम्मेलन, हिन्दी सप्ताह, साइप्रस फिल्म समारोह, इतालवी फिल्म समारोह, और नीदरलैंड फिल्म समारोह का भी होर्डिंग, कार्यक्रम, बोर्ड, कियोस्क और बैनर के जरिये प्रचार किया गया। उपभोक्ता अधिकार दिवस और जन्म तथा मृत्यु पंजीकरण के बारे में सिनेमा स्लाइड की दो श्रृंखला भी तैयार की गई। परिवार कल्याण के बारे में दिल्ली में बस पैनल भी लगाए गए।

बाह्य प्रचार सामग्री
(अप्रैल-नवंबर, 1999)

होर्डिंग	–	134
कियोस्क	–	1,360
सजावटी रेलिंग	–	100
बस पैनल	–	508
बैनर	–	339
सिनेमा स्लाइड	–	18,272
प्रयुक्त भाषाएं	–	हिंदी, अंग्रेजी और सभी क्षेत्रीय भाषाएं
प्रचार क्षेत्र	–	देशभर में

दृश्य-श्रव्य कक्ष

9.6.1 विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर साप्ताहिक प्रायोजित रेडियो कार्यक्रम बनाता और प्रसारित करता है। जो प्रायोजित कार्यक्रम तैयार किए गए उनमें जन कल्याण मुद्दों पर 'आओ हाथ बढ़ाएं', 'स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मुद्दों पर 'हसीन लम्हे' तथा 'यह भी खूब रही', ग्रामीण विकास मुद्दों पर 'गांव विकास की ओर' और 'चलो चलो गांव की ओर', एड्स की रोकथाम पर 'जिओ और जीने दो', उपभोक्ता अधिकार पर 'अपने अधिकार' तथा महिला और बाल विकास पर 'नया सवेरा' शामिल हैं। ये कार्यक्रम हिन्दी और सभी क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार किए गए और आकाशवाणी की विविध भारती सेवा के तीस केंद्रों के जरिये प्रसारित किए गए।

9.6.2 इनमें सबसे महत्वपूर्ण अभियान ग्रामीण विकास मंत्रालय का था। एक नया रेडियो प्रायोजित कार्यक्रम आकाशवाणी की तीस विविध भारती सेवाओं से 3 दिसंबर 1999 से प्रसारित किया जा रहा है जिसका विषय 'जागे जन-जन जागे गांव' है। बीस मिनट के पांच अन्य रेडियो प्रायोजित कार्यक्रम आकाशवाणी के प्राथमिक चैनल से प्रसारित करने का प्रस्ताव भी है।

9.6.3 स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के बारे में नियमित अभियान के अलावा दृश्य-श्रव्य कक्ष ने पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम को प्रचारित करने का भी बीड़ा उठाया जो अखिल भारतीय स्तर पर आठ दिनों में किया जाना है। आठ श्रव्य स्पॉट भी बनाए गए जिन्हें आकाशवाणी के 126 प्राथमिक चैनल स्टेशनों और 78 स्थानीय रेडियो स्टेशनों से प्रसारित किया गया। मलेरिया के खिलाफ, महिला अधिकार सम्पन्नता तथा कम उम्र में विवाह विषय पर भी कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

9.6.4 1999 के आम चुनाव के दौरान निदेशालय ने लालच में न पड़ें, प्रभावित न हों, कमजोर वर्ग, जाली मतदान और हर वोट का महत्व है, विषयों पर वीडियो स्पॉट बनाए और प्रसारित किए। ये वीडियो स्पॉट हिन्दी, अंग्रेजी एवं क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार किए गए तथा देशभर में प्रसारित किए गए। वाई-2-के समस्या, कृषि बीमा योजना तथा अन्य सामाजिक मुद्दों पर भी वीडियो निर्माण किया गया। वाई-2-के समस्या के बारे में दूरदर्शन पर व्यापक प्रसारण किया गया। राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव के मुद्दे पर विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने 'हम भारतीय हैं' विषय पर करीब 100- द्वितीय वीडियो स्पॉट तैयार किए।

श्रव्य तथा दृश्य कार्यक्रम
(अप्रैल-नवंबर, 1999)

श्रव्य कार्यक्रम	–	3,777
रेडियो प्रसारण	–	32,544
वीडियो कार्यक्रम	–	146
टेलीविजन प्रसारण	–	5,692
प्रयुक्त भाषाएं	–	हिन्दी, अंग्रेजी और सभी क्षेत्रीय भाषाएं

क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां

क्षेत्रीय कार्यालय

1. बंगलौर दक्षिणी क्षेत्र
2. गुवाहाटी पूर्वोत्तर क्षेत्र

संख्या	इकाई का नाम	इकाई	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का नाम	क्षेत्राधिकार
1.	अगरतला	सामान्य	त्रिपुरा	त्रिपुरा, मिज़ोरम
2.	अहमदाबाद	सामान्य	गुजरात	गुजरात, राजस्थान, दमन व दीव, दादरा और नागर हवेली
3.	बंगलौर	सामान्य	कर्नाटक	कर्नाटक
4.	भुवनेश्वर	सामान्य	उड़ीसा	बिहार (दक्षिणी)
5.	मुंबई	सामान्य	महाराष्ट्र	महाराष्ट्र और गोवा
6.	कलकत्ता	सामान्य	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार (पूर्वी)
7.	चंडीगढ़	सामान्य	केंद्र शासित प्रदेश	चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा
8.	गुवाहाटी	सामान्य	असम	निचला असम और मेघालय
9.	मुख्यालय-I	सामान्य	नई दिल्ली	दिल्ली और देशभर में विशेष कार्यभार
10.	मुख्यालय-II	सामान्य	नई दिल्ली	दिल्ली और देशभर में विशेष कार्यभार
11.	हैदराबाद	सामान्य	आंध्र प्रदेश	आंध्र प्रदेश
12.	इंदौर	सामान्य	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश
13.	इंफाल	सामान्य	मणिपुर	मणिपुर
14.	जम्मू	सामान्य	जम्मू-कश्मीर	जम्मू-कश्मीर
15.	जोरहाट	सामान्य	असम	ऊपरी असम
16.	कोहिमा	सामान्य	नगालैंड	नगालैंड
17.	लखनऊ	सामान्य	उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार
18.	चेन्नई	सामान्य	तमिलनाडु	तमिलनाडु, पांडिचेरी
19.	शिमला	सामान्य	हिमाचल प्रदेश	हिमाचल प्रदेश
20.	तिरुअनंतपुरम	सामान्य	केरल	केरल
21.	तुरा	सामान्य	मेघालय	गारो पहाड़ियां, असम के निकटवर्ती जिले
22.	जयपुर	परिवार कल्याण	राजस्थान	राजस्थान, गुजरात
23.	भोपाल	परिवार कल्याण	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश और राजस्थान
24.	कलकत्ता	परिवार कल्याण	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, संपूर्ण पूर्वोत्तर क्षेत्र
25.	वाराणसी	परिवार कल्याण	उत्तर प्रदेश	पूर्वी उत्तर प्रदेश

26.	लखनऊ	परिवार कल्याण	उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश और बिहार
27.	नई दिल्ली	परिवार कल्याण	नई दिल्ली	दिल्ली तथा निकटवर्ती क्षेत्र तथा विशेष कार्यभार
28.	पटना	परिवार कल्याण	बिहार	बिहार
29.	अहमदाबाद	वाहन	गुजरात	गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दमन व दीव, दादरा और नागर हवेली
30.	आईजोल	वाहन	मिज़ोरम	मिज़ोरम
31.	बीकानेर	वाहन	राजस्थान	राजस्थान
32.	कलकत्ता	वाहन	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल
33.	ईटानगर	वाहन	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश
34.	पोर्ट ब्लेयर	वाहन	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह
35.	शिलांग	वाहन	मेघालय	असम और मेघालय

10

फोटो प्रचार

फोटो प्रभाग

10.1.1 फोटो प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत फोटोग्राफी के क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी इकाई है। इस प्रभाग का प्रमुख कार्य देश में हो रहे विकास तथा सामाजिक परिवर्तनों का फोटोग्राफों द्वारा दस्तावेज तैयार करना है। साथ ही यह विभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय की माध्यम इकाइयों तथा केंद्रीय और राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को जिसमें राष्ट्रपति सचिवालय, उपराष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय,लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय तथा विदेशों में स्थित भारतीय दूतावास शामिल हैं, फोटो सामग्री उपलब्ध करवाता है। प्रभाग प्रचार कार्य न करने वाली संस्थाओं एवं जनसाधारण को भुगतान लेकर श्वेत-श्याम तथा रंगीन फोटो भी उपलब्ध करवाता है। इस कार्य द्वारा प्रभाग ने अप्रैल-नवंबर 1999 के दौरान 8.21 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया।



'चेंजिंग फेस ऑफ रूरल इंडिया' विषय पर राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता के ब्लैक एंड व्हाईट वर्ग में प्रथम पुरस्कार पाने वाले विजयवाड़ा के श्री टी. श्रीनिवास रेड्डी की प्रविष्टि

10.1.2 प्रभाग के दिल्ली स्थित मुख्यालय में विभिन्न प्रकार के श्वेत-श्याम व रंगीन फोटोग्राफिक कार्यों के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाएं और उपकरण हैं। फोटो नेटवर्क भी स्थापित किया गया है जो प्रभाग को सभी क्षेत्रीय कार्यालयों से जोड़कर सरकार की गतिविधियों का फोटो प्रचार करता है। ताजा घटनाओं पर फोटोग्राफों का संग्रह करने का काम भी प्रगति पर है। यह पत्र सूचना कार्यालय को फोटोग्राफ मुहैया कराता है, जो इन्हें इंटरनेट के अपने होम पेज पर उपलब्ध कराता है। मुंबई, चेन्नई, कलकत्ता और गुवाहाटी में प्रभाग के चार क्षेत्रीय कार्यालय हैं जो केंद्र और राज्य सरकारों के प्रचार कार्य में संलग्न संबंधित विभागों को फोटोग्राफों के जरिए दृश्यगत समर्थन प्रदान करते हैं।

प्रमुख कवरेज

10.2.1 1999 के आम चुनाव में फोटो प्रभाग ने बड़ी कर्मठता से भाग लिया तथा इस चुनाव को विस्तृत फोटो कवरेज दिया गया। प्रभाग ने प्रधानमंत्री की बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा का विस्तृत करवेज किया। विदेशी गणमान्य अतिथियों और राज्याध्यक्षों/शासनाध्यक्षों की भारत यात्रा की फोटो कवरेज भी की गई। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, अतिविशिष्ट जनों वाले प्रतिनिधि मंडलों की देश तथा विदेश यात्रा और विदेशी राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों तथा अन्य अतिथियों के भारत आगमन से संबंधित फोटोग्राफ पत्र सूचना कार्यालय और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों को जारी किए गए।

10.2.2 सितंबर 1999 के दौरान प्रभाग में सी.आई.एस. 200 (डिजीटल फोटो लायब्रेरी) की स्थापना की गई ताकि फोटोग्राफों को डिजीटल तरीके से संरक्षित किया जा सके और उनका

सिलसिलेवार अनुक्रम तैयार किया जा सके। अब तक 50,000 से भी अधिक चित्रों को डिजीटल तरीके से हार्ड डिस्क में संरक्षित किया जा चुका है। इससे प्रभाग किसी भी प्रकार की फोटो की प्रति तत्काल अपने ग्राहकों की आवश्यकतानुसार प्राप्त कर सकता है।

10.2.3 फोटो प्रभाग ने 'ए मोमेंट ऑफ हीरोइज़्म इन करिगल' शीर्षक से एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया।

10.2.4 फोटो प्रभाग द्वारा 1999-2000 (अप्रैल से नवंबर 1999) के दौरान श्वेत-श्याम और रंगीन फोटाग्राफ खींचने एवं नेगेटिव प्रिंट/एलबम तैयार करने का विवरण इस प्रकार है :

1.	कवर किए गए समाचार एवं फीचर (श्वेत-श्याम और रंगीन)	3,200
2.	नेगेटिव (श्वेत-श्याम व रंगीन)	73,920
3.	रंगीन स्लाइड/पारदर्शियां	980
4.	श्वेत-श्याम प्रिंट	3,55,000
5.	रंगीन प्रिंट	82,000
6.	कुल श्वेत-श्याम एवं रंगीन प्रिंट	4,37,000
7.	कुल फोटो एलबम/वालेट निर्माण/निर्मित	100

11

गीत और नाटक

गीत और नाटक प्रभाग

11.1 गीत और नाटक प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय की मीडिया इकाई है जिसका कार्य ग्रामीण इलाकों में विकास के लिए संचार माध्यमों का उपयोग करना है। अभिनय कलाओं को संचार माध्यम के रूप में प्रयोग करने वाला यह देश का सबसे बड़ा संगठन है। यह विविध कलारूपों का उपयोग करता है, जिनमें गायन, कठपुतली और जादूगरी के कौशल शामिल हैं। इसके अलावा सांप्रदायिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता, सांस्कृतिक धरोहर का उत्थान, स्वास्थ्य, पर्यावरण, शिक्षा आदि व्यापक राष्ट्रीय विषयों पर कार्यक्रम तथा ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है।

संगठनात्मक ढांचा

11.2 दिल्ली स्थित मुख्यालय के साथ-साथ प्रभाग के दस क्षेत्रीय कार्यालय, सात सीमावर्ती केंद्र, छह विभागीय नाटक मंडलियां, सशस्त्र बल मनोरंजन विंग की नौ मंडलियां, तीन ध्वनि और प्रकाश इकाइयां और रांची में एक जनजातीय प्रायोगिक परियोजना है। इसके अलावा, विभिन्न वर्गों में लगभग 700 पंजीकृत मंडलियां और 1,000 सूचीबद्ध कलाकार हैं।



भारतीय गणतंत्र के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर गीत और नाटक प्रभाग द्वारा प्रस्तुत 'गणतंत्र हमारा कीर्तिमान' कार्यक्रम का एक दृश्य

सीमा प्रचार मंडलियां

11.3 प्रभाग के पास 28 सीमा प्रचार मंडलियां हैं जो इंफाल, जम्मू, शिमला, नैनीताल, दरभंगा ,जोधपुर और गुवाहाटी स्थित सात सीमावर्ती केंद्रों में कार्यरत हैं। इन मंडलियों ने दूरदराज के सीमावर्ती इलाकों में विभिन्न विकास परियोजनाओं के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए प्रचार किया। वर्ष 1999-2000 (नवंबर 1999 तक) के दौरान इन मंडलियों द्वारा एस.एस.बी., सीमा सुरक्षा बल और अन्य सरकारी एजेंसियों के सहयोग से 703 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विभागीय नाटक मंडलियां

11.4 विभाग की पटना, हैदराबाद, भुवनेश्वर, श्रीनगर और दिल्ली स्थित विभागीय नाटक मंडलियों ने परिवार कल्याण, एड्स, नशाखोरी, राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव, पर्यावरण संबंधी मुद्दों और अन्य विषयों पर नाटकों के 185 शो किए। इन मंडलियों ने खासतौर पर स्थानीय मेलों और त्यौहारों में, जहां लोग बड़ी संख्या में इकट्ठे होते हैं, नाटक प्रदर्शित किए। महाराष्ट्र में गणेशोत्सव, उड़ीसा में रथयात्रा, बोधगया में बुद्ध महोत्सव के अवसर पर कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

सशस्त्र सेना मनोरंजन मंडलियां

11.5 प्रभाग की सशस्त्र सेना मनोरंजन विंग सीमावर्ती इलाकों में तैनात जवानों के मनोरंजन के लिए कार्यक्रम आयोजित करती है। दिल्ली और चेन्नई में इसकी नौ मंडलियां हैं। इन मंडलियों ने नवंबर '99 तक 122 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। ये कार्यक्रम सैन्य अधिकारियों के सहयोग से आयोजित किए गए। इन मंडलियों ने लेह और लद्दाख में आयोजित सद्भावना समारोह, शांति मार्च, पल्स पोलियो अभियान, ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार कार्यक्रम, मलेरिया की रोकथाम, बालिका शिशु सप्ताह, एड्स की रोकथाम आदि प्रचार अभियानों में हिस्सा लिया।

जनजातीय प्रचार

11.6 जागरुकता बढ़ाने के लिए और विकास की प्रक्रिया में जनजातीय कलाकारों को ज्यादा से ज्यादा शामिल करने के लिए रांची जनजातीय केंद्र का दर्जा बढ़ा दिया गया है। केंद्र ने अपने कार्यक्रमों में जनजातीय सांस्कृतिक मंडलियों को शामिल करने का प्रयास किया है। 1999-2000 (नवंबर 1999 तक) के दौरान इन मंडलियों द्वारा बिहार, उड़ीसा और मध्य प्रदेश के जनजातीय इलाकों में 633 कार्यक्रम आयोजित किए गए। गुवाहाटी क्षेत्रीय केंद्र ने पूर्वोत्तर राज्यों की जनजातीय आबादी से संपर्क बढ़ाने के विशेष प्रयास किए।

ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम

11.7 आम लोगों को, विशेष रूप से युवाओं को, देश की गौरवपूर्ण विरासत तथा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों के बारे में शिक्षा देने के उद्देश्य से प्रभाग की ध्वनि और प्रकाश इकाइयों ने भव्य ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम आयोजित किए। दिल्ली इकाई ने नैनीताल में अप्रैल 1999 में ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम 'समर यात्रा' और दिल्ली में अक्तूबर 1999 में 'धरोहर' कार्यक्रम आयोजित किए। बंगलौर इकाई ने हुबली में मई 1999 में और हंपी में नवंबर 1999 में 'कर्नाटक वैभव' और अप्रैल 1999 में काकीनाडा में 'कृष्णदेव राय' कार्यक्रम का आयोजन किया। इन इकाइयों ने 1999-2000 (नवंबर 1999 तक) के दौरान 32 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इलाहाबाद में अगस्त 1999 में एक ध्वनि एवं प्रकाश इकाई खोली गई है।

व्यावसायिक और विशेष सेवाएं

11.8 प्रभाग लोक और परंपरागत कलाकारों वाली सांस्कृतिक मंडलियों को अपने निजी सांस्कृतिक संदर्भों के साथ लोगों से संवाद स्थापित करने के लिए तैनात करता है। निजी मंडलियों का पंजीकरण कर उन्हें ग्रामीण लोगों के बीच विकास संबंधी विषयों का प्रचार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। 700 से भी ज्यादा मंडलियों के लगभग 7,000 कलाकार और 1,000 से भी ऊपर सूचीबद्ध कलाकार प्रभाग की गतिविधियों में लगे हुए हैं। नवंबर 1999 तक इन कलाकारों ने 20,808 से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए। इन मंडलियों ने एड्स जागरुकता, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पोलियो टीकाकरण, राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव, नई आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, बालिका शिशु मीना सप्ताह तथा मलेरिया की रोकथाम, सफाई और पर्यावरण प्रदूषण आदि विषयों पर प्रभाग द्वारा आयोजित प्रचार अभियानों में भाग लिया।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

11.9 स्वास्थ्य रक्षा, छोटा परिवार, मां और शिशु का स्वास्थ्य, सफाई, टीकाकरण आदि विषयों के विभिन्न पहलुओं का प्रचार करने के लिए प्रभाग कलाकारों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न कला रूपों का इस्तेमाल करता है ताकि सुदूरवर्ती और पिछड़े इलाकों में भी पहुंचा जा सके। इन कार्यक्रमों के बारे में प्रभाग के अधिकारियों और मंडलियों के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं ताकि वे नए कार्यक्रम तैयार कर सकें। अक्तूबर 1999 से पल्स पोलियो टीकाकरण पर प्रचार अभियान शुरू किया गया जिसके अंतर्गत 6,000 कार्यक्रम आयोजित किए जाने का लक्ष्य रखा गया। भारत के

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले सहित महत्वपूर्ण मेलों और समारोहों में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। नवंबर 1999 तक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर 5,000 से अधिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा चुके थे।

प्रमुख गतिविधियां

11.10.1 पूर्वोत्तर राज्यों, जम्मू-कश्मीर, पंजाब तथा देश के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों में विशेष प्रचार किया गया। इन प्रचार कार्यों में जनजातीय, अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक वर्गों की सांस्कृतिक मंडलियों को शामिल किया गया। प्रभाग की गतिविधियां विभिन्न योजना और गैर-योजना कार्यक्रमों के तहत चलाई जाती हैं।

11.10.2 जम्मू और कश्मीर के राजौरी, पुंछ, कठुआ और ऊधमपुर जिलों में चलाए गए सांप्रदायिक सद्भावना अभियानों के दौरान करीब 619 कार्यक्रम आयोजित किए गए। असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों में राष्ट्रीय एकता पर प्रचार अभियान चलाया गया।

11.10.3 महाराष्ट्र, उड़ीसा और मध्यप्रदेश के चुने हुए जिलों में मलेरिया की रोकथाम पर विशेष प्रचार अभियान के दौरान कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिसंबर 1999 में देशभर में राज्य की एड्स प्रकोष्ठ के सहयोग से एड्स की रोकथाम के लिए प्रचार किया गया। प्रभाग ने सरकार द्वारा लागू की गई नई आर्थिक नीति का भी प्रचार किया। इसी तरह संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, खासकर जनजातीय और चुने हुए इलाकों में। यूनीसेफ के सहयोग से पश्चिम बंगाल में बालिका शिशु पर एक विशेष प्रचार अभियान चलाया गया।

12

गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण

गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग

12.1.1 1945 में स्थापित गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय, इसकी मीडिया इकाइयों और उनके क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए सूचनाओं का संसाधन करने वाली एजेंसी के रूप में कार्य करता है। यह मीडिया इकाइयों के लिए सूचना बैंक और सूचनाएं जुटाने वाली इकाई के रूप में कार्य करता है और कार्यक्रम बनाने तथा प्रचार अभियानों में उनकी सहायता करता है। प्रभाग जनसंचार माध्यमों के क्षेत्र में प्रवृत्तियों का अध्ययन भी करता है और इस विषय पर संदर्भ तथा प्रलेखन कार्य करता है। यह मंत्रालय, इसकी मीडिया इकाइयों तथा जनसंचार के क्षेत्र में काम कर रहे अन्य संगठनों के उपयोग के लिए पृष्ठभूमि सामग्री, अनुसंधान व संदर्भ सामग्री तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराता है। प्रभाग भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण में भारतीय जनसंचार संसथान के साथ सहयोग करता है।

12.1.2 प्रभाग को पूरी तरह कागज-रहित कार्यालय बनाने के लिए इसका पुनर्गठन और आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्रभाग ने अपना वेबसाइट स्थापित किया है और इंटरनेट संपर्क हासिल किए हैं।

12.1.3 'डेवलपमेंट डाइजेस्ट' और पाक्षिक 'डायरी आफ इवेंट्स' जैसी नियमित सेवाओं के अलावा प्रभाग दो वार्षिक संदर्भ ग्रंथों



भारतीय जनसंचार संस्थान में विभिन्न गतिविधियों में कार्यरत विद्यार्थी

का प्रकाशन करता है। 'भारत : एक संदर्भ ग्रंथ' भारत के बारे में प्रामाणिक संदर्भ ग्रंथ है जबकि 'भारत में जनसंचार' देश में जनसंचार की स्थिति पर एक विस्तृत प्रकाशन है। संदर्भ ग्रंथ 'भारत-2000' का 44वां संस्करण 31 दिसंबर, 1999 को 'भारत में जनसंचार' और '2000 की घटनाएं' के साथ जारी किया गया। पहली बार इस वर्ष के वार्षिक संदर्भ ग्रंथ को सी.डी. रोम पर भी तैयार किया गया। प्रभाग ने 'इंडिया सिन्स इंडिपेंडेंस-ए क्रोनिकल' नाम से 15 अगस्त, 1947 से 15 अगस्त, 1998 तक की घटनाओं की एक विशेष डायरी भी जारी की। सूचना और प्रसारण मंत्रालय से संबंधित कानून और नियमों की एक पुस्तिका भी जारी की गई।

संदर्भ पुस्तकालय

12.2 प्रभाग की एक सुसज्जित लाइब्रेरी है जिसमें विभिन्न विषयों पर बड़ी संख्या में दस्तावेज तथा चुनी हुई पत्रिकाओं के जिल्दबंद खंड और मंत्रालयों, आयोगों तथा समितियों की विभिन्न रिपोर्टें उपलब्ध हैं। इसके संग्रह में पत्रकारिता, जनसंपर्क, विज्ञापन तथा दृश्य-श्रव्य माध्यम, सभी प्रमुख विश्वकोष, वार्षिक संदर्भ ग्रंथ और समसामयिक लेख उपलब्ध रहते हैं। पुस्तकालय की सुविधाएं भारत तथा विदेशी समाचार माध्यमों के मान्यता प्राप्त संवाददाताओं और सरकारी कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है। इस वर्ष पुस्तकालय में करीब 245 पुस्तकें आईं जिनमें विभिन्न विषयों पर हिंदी किताबें भी शामिल हैं।

जनसंचार पर राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र

12.3.1 मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर 1976 में जनसंचार के बारे में राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र स्थापित किया गया। इसका उद्देश्य जनसंचार के क्षेत्र में घटनाओं तथा प्रवृत्तियों के बारे में सूचनाओं का संकलन, विश्लेषण और प्रसार-प्रचार करना है।

12.3.2 राष्ट्रीय जनसंचार प्रलेखन केंद्र द्वारा संकलित सामग्री नियमित सेवा के जरिए प्रसारित की जाती है। इनमें 'समसमायिक जानकारी सेवा', 'ग्रंथ सूची सेवा', 'जनसंचार के क्षेत्र में कौन क्या



भारतीय जनसंचार संस्थान में विकास पत्रकारिता में एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु पत्रकार। यह पाठ्यक्रम विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया गया

ने 1999-2000 (अप्रैल-नवंबर 1999) के दौरान 48 पर्चे प्रकाशित किए।

भारतीय जनसंचार संस्थान

12.4.1 जनसंचार के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए 1965 में भारतीय जनसंचार संस्थान का गठन किया गया था। यह एक स्वायत्त संस्था है जिसे भारत सरकार से सूचना और प्रसारण मंत्रालय के जरिए सीधे धन प्राप्त होता है। जनवरी 1966 में समिति पंजीकरण अधिनियम (21), 1860 के अधीन इसका पंजीकरण कराया गया।

12.4.2 भारतीय जनसंचार संस्थान अध्यापन, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम संचालित करता है; कार्यशालाएं, सेमीनार और सम्मेलन आयोजित करता है और भारत व अन्य विकासशील देशों के लिए सूचना संबंधी उपयुक्त बुनियादी ढांचा खड़ा करने में योगदान देता है। राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान की काफी अच्छी छवि है और अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, जैसे ए.एम.आई.सी., यूनीसेफ, यूनेस्को, डब्लू.एच.ओ., एफ.ई.एस. और आई.एस.एम.सी.आर. आदि द्वारा इसे 'उत्कृष्टता का केंद्र' की मान्यता प्राप्त है। केंद्र तथा राज्य सरकारों तथा सरकारी उपक्रमों के अनुरोध पर संस्थान परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है और संचार के विभिन्न माध्यमों से जुड़े प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों में मदद देता है।

12.4.3 वर्ष 1999-2000 के दौरान संस्थान ने दो प्रशिक्षण कार्यक्रम और पांच डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयोजित किए। ये हैं : (1) भारतीय सूचना सेवा (वर्ग 'क') के अधिकारियों के लिए ओरिएंटेशन कोर्स; (2) आकाशवाणी और दूरदर्शन के कर्मचारियों के लिए प्रसारण पत्रकारिता पाठ्यक्रम; (3) नई दिल्ली और ढेंकनाल (उड़ीसा) में पत्रकारिता (अंग्रेजी) का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम: (4) हिंदी में पत्रकारिता का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम : (5) विज्ञापन और जनसंपर्क का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम : (6) रेडियो और टी.वी. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम और (7) गुटनिरपेक्ष देशों के लिए समाचार एजेंसी पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम।

12.4.4 भारतीय सूचना सेवा के वर्ग 'क' और वर्ग 'ख' के अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए अनेक गतिविधियां संचालित करता है। ऐसे प्रशिक्षण से जनशक्ति नियोजन और विकास पर सरकार द्वारा दिया जा रहा जोर रेखांकित होता है। प्रशिक्षण के अंत में अधिकारियों को मंत्रालय की विभिन्न मीडिया इकाइयों में विशेष कार्य दिया जाता है।

12.4.5 भारतीय सूचना सेवा के वर्ग 'क' के 11 प्रशिक्षुओं के दल ने संस्थान में जनसंचार में मूल पाठ्यक्रम पूरा किया। इस वर्ष से नया पाठ्यक्रम लागू किया गया है जिसमें अधिकारियों को मुख्यत: सफल जनसंचार प्रबंधक और सूचना सलाहकार, प्रभावी जन संप्रेषक तथा जनसंपर्क अधिकारी, बेहतर सार्वजनिक प्रसारक तथा सामाजिक विपणन विशेषज्ञ बनाने पर जोर दिया गया है।

12.4.6 जनवरी 2000 से भारतीय सूचना सेवा के वर्ग 'क' के छह अधिकारियों के बैच का जनसंचार में मूल पाठ्यक्रम शुरू हुआ है।

12.4.7 भारतीय सूचना सेवा के वर्ग 'ख' के अधिकारियों के लिए तीन महीने का मूल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 3 जनवरी, 2000 से शुरू हुआ।

वार्षिक दीक्षांत समारोह

12.5 28 अप्रैल, 1999 को संस्थान का 32वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इसमें पांच स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 156 सफल विद्यार्थियों को डिप्लोमा प्रदान किए गए। इनमें गुटनिरपेक्ष देशों के लिए समाचार एजेंसी पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 20 सहभागी भी थे। भारतीय जनसंचार संस्थान की ढेंकानाल शाखा का छठा वार्षिक दीक्षांत समारोह 10 मई, 1999 को आयोजित किया गया, जिसमें 21 सफल विद्यार्थियों को डिप्लोमा प्रदान किए गए।

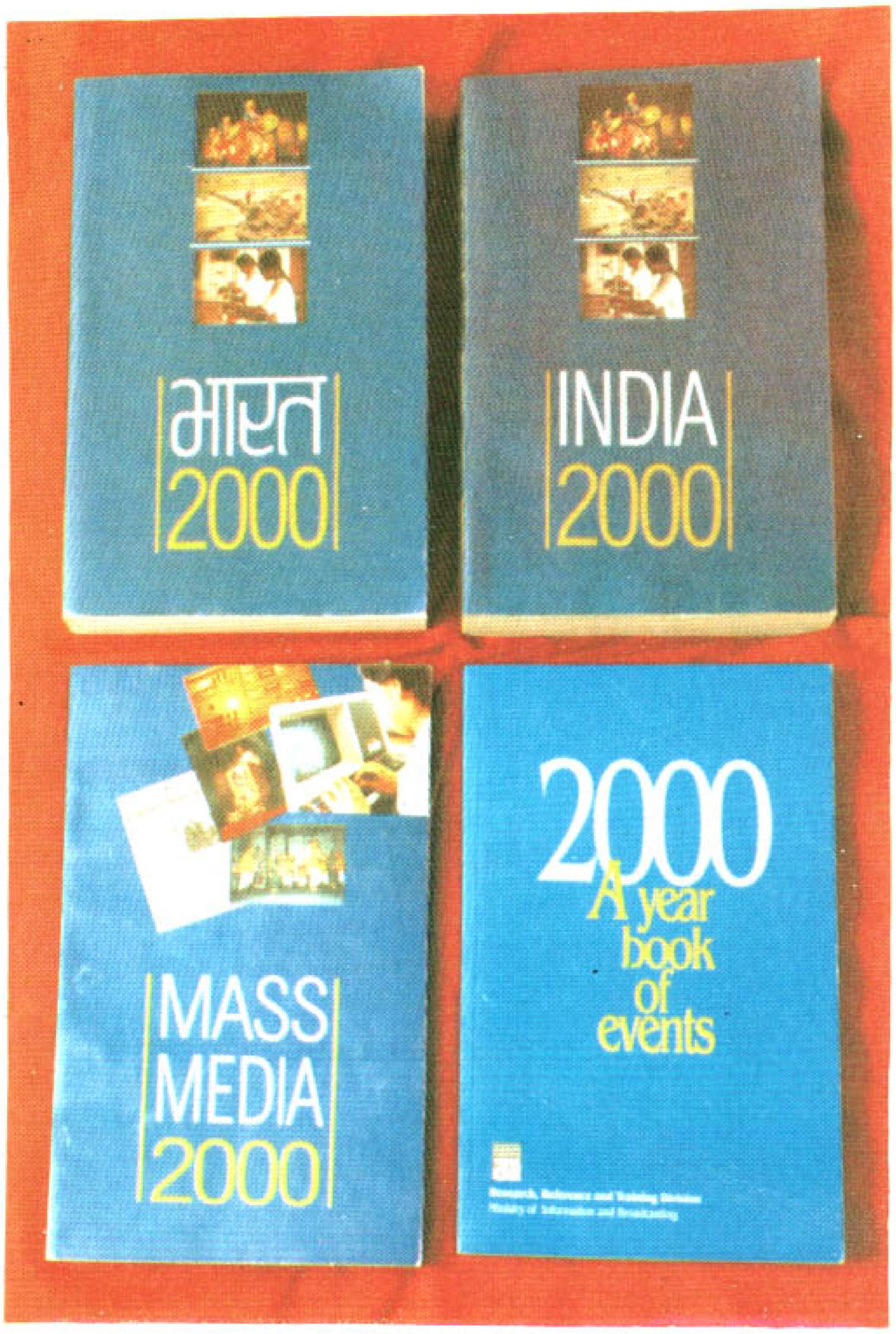
1999-2000 का शैक्षिक सत्र

12.6.1 इस सत्र में एक अनिवासी भारतीय सहित 41 विद्यार्थियों को पत्रकारिता के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (अंग्रेजी), 40 को पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिंदी), चार अनिवासी भारतीय सहित 43 को विज्ञापन और जनसंपर्क के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम और 25 को रेडियो व टी.वी. पत्रकारिता के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए चुना गया। ढेंकनाल (उड़ीसा) में पत्रकारिता के छठे स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी) में प्रवेश के लिए 38 विद्यार्थियों को चुना गया। इसके अलावा संस्थान ने दिसंबर 1999 तक 13 अल्पावधि पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए।

12.6.2 गुटनिरपेक्ष और अन्य विकासशील देशों के लिए 6 सितंबर से 1 दिसंबर, 1999 तक उन्नत विकास पत्रकारिता पर पहला डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 14 देशों के 22 सदस्यों ने भाग लिया। इस शृंखला का दूसरा पाठ्यक्रम 10 जनवरी, 2000 से आयोजित किया जाएगा।

अनुसंधान और मूल्यांकन अध्ययन

12.7 वर्ष 1999-2000 (दिसंबर 1999 तक) के दौरान संस्थान ने निम्न अनुसंधान/मूल्यांकन अध्ययन किए :



गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग के कुछ प्रकाशन

1. जल और स्वच्छता : 72 जिलों की बेसलाइन सर्वेक्षण : रिपोर्ट पेश कर दी गई है।

2. फिल्मों में सेक्स और हिंसा - उत्तरी क्षेत्र : रिपोर्ट पेश कर दी गई है।

3. आकाशवाणी का बहुआयामी पक्ष : रिपोर्ट पेश कर दी गई है।

4. आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग : रिपोर्ट पेश कर दी गई है।

5. दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के जनसंचार माध्यमों में स्वास्थ्य मुद्दों की कवरेज मसौदा : रिपोर्ट पेश कर दी गई है।

6. टाइम्स एफ.एम. पर 'नाको फिल्म हिट परेड : एक मूल्यांकन' : रिपोर्ट पेश कर दी गई है।

7. एड्स पर काम कर रहे गैरसरकारी संगठनों का मूल्यांकन : रिपोर्ट पेश कर दी गई है।

प्रकाशन

12.8 संस्थान 'कम्युनिकेटर' (अंग्रेजी) और 'संचार माध्यम' (हिंदी) नामक दो त्रैमासिक पत्रिकाएं और 'विद्यार्थी इको', 'आई.आई.एम.सी. टाइम्स', और 'जनसंचार' जैसी अनेक प्रयोगशाला पत्रिकाएं प्रकाशित करता है।

शाखाएं

12.9 जनसंचार संस्थान की देशभर में चार शाखाएं हैं। पहली शाखा की स्थापना 14 अगस्त, 1993 को ढेंकनाल (उड़ीसा) में की गई थी। बाकी तीनों शाखाओं--कोट्टायम (केरल), झाबुआ (मध्य प्रदेश) और दीमापुर (नगालैंड)--के लिए भूमि अधिग्रहण/ निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में है। शाखाएं अलग-अलग अवधि के अल्पकालीन पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित कर रही हैं।

13

योजना और गैर-योजना कार्यक्रम

योजना परिव्यय

13.1.1 योजना आयोग ने नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002) का परिव्यय 2,970.34 करोड़ रुपये से संशोधित करके 2,843.05 करोड़ रुपये कर दिया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की वार्षिक योजना 1999-2000 का स्वीकृत परिव्यय 569.38 करोड़ रुपये है (डी बी एस-145 करोड़ रुपये; आई.ई.बी.आर-424.38 करोड़ रुपये)। नौवीं योजना (1997-2002) और वार्षिक योजना (1999-2000) का क्षेत्रवार विवरण नीचे दिया जा रहा है:

(लाख रुपये में)

क्षेत्र	नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002)	वार्षिक योजना (1999-2000)	
मीडिया इकाई	स्वीकृत परिव्यय	संशोधित परिव्यय	स्वीकृत परिव्यय
1. प्रसार भारती			
(क) आकाशवाणी	848.34	805.40	122.00
(ख) दूरदर्शन	1836.00	1761.65	391.52
2. सूचना क्षेत्र	98.30	93.30	19.26
3. फिल्म क्षेत्र	187.70	182.70	36.60
कुल	2970.34	2843.05	569.38

13.1.2 सूचना और प्रसारण मंत्रालय के बारे में योजना और गैर योजना कार्यक्रमों के लिए बजट का ब्यौरा दर्शाने वाला विवरण परिशिष्ट में दिया गया है

13.1.3 वर्ष 1999-2000 के दौरान योजना कार्यक्रमों के बारे में मीडिया इकाइयों की वास्तविक व वित्तीय उपलब्धियां इस प्रकार हैं :

सूचना स्कंध

पत्र सूचना कार्यालय

13.2.1 वार्षिक योजना 1999-2000 के लिए परिव्यय स्वीकृत बजट अनुदान में 2.10 करोड़ रुपये और संशोधित अनुमानों में 1.90 करोड़ रुपये है। इसमें से 0.94 करोड़ रुपये पूंजी खंड में तथा 0.96 करोड़ रुपये राजस्व खंड में हैं।

13.2.2 सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में सूचना के प्रसार के लिए नेटवर्क में सुधार के निरंतर प्रयासों पर मुख्य रूप से जोर दिया जा रहा है। इसके लिए समाचार योग्य सूचना के संप्रेषण पर ध्यान दिया जा रहा है और इस प्रक्रिया को कंप्यूटर नेटवर्क के विस्तार के जरिये गति दी जा रही है। ब्यूरो ने इंटरनेट पर एक पी.आई.बी वैबसाइट भी विकसित किया है। इस प्रकार ब्यूरो की सामग्री अंतर्राष्ट्रीय उपयोग के लिए उपलब्ध है।

13.2.3 'पत्र सूचना कार्यालय की गतिविधियों का आधुनिकीकरण और कंप्यूटरीकरण' योजना के अंतर्गत ब्यूरो के कामकाज के आधुनिकीकरण का प्रस्ताव है, जिसके लिए कारगर संचार नेटवर्क की दृष्टि से आधुनिकतम उपकरणों को प्राप्त किया जाएगा तथा मौजूदा उपकरणों को अद्यतन बनाया जाएगा। इस वर्ष दो पत्र सूचना कार्यालयों के आधुनिकीकरण की योजना है तथा दो और कार्यालयों का 2000-2001 के दौरान आधुनिकीकरण करने का प्रस्ताव है।

13.2.4 'पत्र सूचना कार्यालय के शाखा कार्यालय खोलने' की

योजना का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों में जनजातीय उपयोजना के तहत भाषा/बोलियों के समाचारपत्रों तथा अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए जनजातीय क्षेत्रों में सूचना के नेटवर्क का विस्तार करना है, जिससे विकास गतिविधियों और जन भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।

13.2.5 'जनजातीय उपयोजना के तहत जनजातीय क्षेत्रों में प्रेस पार्टियों का समन्वय व आयोजन' योजना के अंतर्गत पत्रकारों/ स्तंभकारों के छोटे-छोटे दलों को पूर्वोत्तर ले जाना और पूर्वोत्तर से अन्य क्षेत्रों में लाने का प्रस्ताव है, ताकि प्रेस प्रचार माध्यम के जरिए राष्ट्रीय अखंडता की दिशा में योगदान हो सके।

प्रकाशन विभाग

13.3 चालू वित्तीय वर्ष में निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रकाशन विभाग को आवंटित 60 लाख रुपये की राशि को बढ़ाकर 74 लाख रुपये कर दिया गया है। (1) आधुनिकीकरण, जैसे : (क) डेस्क टॉप पब्लिशिंग हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर की खरीद, (ख) विक्रय केंद्रों का आधुनिकीकरण, (ग) मानव संसाधन विकास (प्रशिक्षण), (घ) संपूर्ण गांधी वांड्मय पर सीडी और इलेक्ट्रोनिक बुक तथा प्रकाशन विभाग के बारे में जानकारी को इंटरनेट पर उपलब्ध कराना, (2) पूर्वोत्तर क्षेत्र में सचल बिक्री केंद्र और (3) उड़िया भाषा में 'योजना' का प्रकाशन। विभाग के कंप्यूटरीकरण के लिए हार्डवेयर और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर खरीदे गए। विभिन्न विक्रय केंद्रों के लिए फोटो कॉपी मशीन, फैक्स और इलेक्ट्रोनिक टाइपराइटर जैसे आधुनिक उपकरणों की खरीद भी की गई है। संपादन एवं प्रकाशन के क्षेत्र में अधिक कुशलता लाने के लिए विभाग के अधिकारियों ने अनेक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लिया।

फोटो प्रभाग

13.4.1 'फोटो प्रभाग के आधुनिकीकरण' को वार्षिक योजना 1999-2000 में शामिल किया गया है, जिसके लिए 150 लाख रुपये के स्वीकृत बजट अनुदान को संशोधित बजट अनुमानों में भी इतना ही रखा गया है। इसका उद्देश्य प्रभाग को नवीनतम उपकरणों से लैस करना है, ताकि प्रभाग फोटोग्राफी उद्योग की नवीनतम प्रवृत्तियों के साथ कदम से कदम मिला कर चल सके। 1999-2000 के दौरान प्रभाग को 'स्वचालित मुद्रण सुविधा मशीन' - एल.ई.डी. प्रिंटर, प्रिंट सर्वर, सॉफ्टवेयर और स्कैनर वाली एल.ई.टी. मुद्रण प्रणाली से लैस करने तथा नये उपकरण की स्थापना के लिए स्थल तैयार करने का प्रस्ताव है।

13.4.2 डिजीटल फोटो लाइब्रेरी - 'प्रिजर्वर' की वर्ष के दौरान स्थापना कर दी गई और यह सफलतापूर्वक काम कर रही है। फोटो प्रभाग का नौवीं योजना के शेष वर्षों में अपने मुख्यालय तथा चेन्नई, मुंबई, कलकत्ता और गुवाहाटी के अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के आधुनिकीकरण का प्रस्ताव है। आधुनिकीकरण से फोटोग्राफ तैयार करने में तेजी आएगी और संग्रहीत फोटोग्राफों को आसानी से निकाला जा सकेगा।

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

13.5.1 निदेशालय की वार्षिक योजना 1999-2000 के लिए 1.45 करोड़ रुपये का आबंटन किया गया, जिसे संशोधित अनुमानों में इतना ही बनाए रखा गया। यह राशि विकास प्रचार कार्यक्रमों और निदेशालय को सुदृढ़ बनाने तथा सचलता बढ़ाने के लिए रखी गई।

13.5.2 विकास प्रचार कार्यक्रम के अंतर्गत तेज वाहन चलाने/ गति सीमा से अधिक पर वाहन चलाने, सबके लिए शिक्षा, राष्ट्रीय अखंडता, बालिका शिशु, करगिल युद्ध, भारत में आम चुनाव, उपभोक्ता मामले और राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना विषयों में प्रत्येक पर 60-60 सेकेंड के वीडियो स्पॉट बनवाए गए तथा आकाशवाणी पर इनका प्रसारण कराया गया। इसके अलावा 'जर्नी आफ फ्रेंडशिप' नामक फिल्म, राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना पर 5 मिनट की फिल्म और बालिका शिशु पर 60 सेकेंड का वीडियो जिंगल तैयार किए गए।

13.5.3 दृश्य-श्रव्य स्पॉट, सजावटी खंभों, बस पड़ावों और कियोस्क के जरिए राष्ट्रीय एकता का संदेश फैलाया गया। 'इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जानकारी का प्रसार' योजना के अंतर्गत 'हमारा भारत : हम भारतीय', राष्ट्रीय एकता, पानी की बचत और बालिका शिशु के बारे में वीडियो स्पॉट बनाए गए और गुवाहाटी रेडियो स्टेशन से प्रसारित किए गए।

13.5.4 'विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय का सुदृढ़ीकरण और सचलता में सुधार' योजना के तहत निदेशालय की प्रभावोत्पादकता, गतिशीलता और प्रतिस्पर्धात्मकता सुधारने के उपायों की सिफारिश करने के लिए एक अध्ययन राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद को सौंपा गया है।

सूचना भवन

13.6 इस मंत्रालय की विभिन्न प्रचार माध्यम इकाइयों के परिसर वाले सूचना भवन के निर्माण का चौथा चरण चल रहा है। योजना के लिए 1999-2000 की वार्षिक योजना के तहत दो करोड़ रुपये का खर्च निर्धारित किया गया था, जिसे संशोधित अनुमानों में बनाए रखा गया।

वेतन एवं लेखा संगठन का कंप्यूटरीकरण

13.7 नई दिल्ली स्थित वेतन एवं लेखा संगठन के कंप्यूटरीकरण

के लिए वित्त वर्ष 1999-2000 के स्वीकृत बजट अनुदान व संशोधित अनुमान स्तरों पर 25 लाख रुपये का आबंटन किया गया है।

मुख्य सचिवालय का कंप्यूटरीकरण व आधुनिकीकरण

13.8 सरकारी विभागों में सूचना प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की सरकार की नीति के अनुसरण में मंत्रालय के मुख्य सचिवालय में लोकल एरिया नेटवर्किंग (लैन) का प्रस्ताव है और उसके लिए योजना परिव्यय/बजट की 1-3% राशि निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के परामर्श से तैयार इस योजना में मुख्य सचिवालय के विभिन्न अनुभागों के लिए 111 कम्प्यूटरों व सम्बद्ध उपकरणों का प्रावधान है, जिसके लिए 1.50 करोड़ रुपये के स्वीकृत बजट अनुदान की व्यवस्था की गई, जिसे संशोधित अनुमान स्तर पर भी बनाए रखा गया। इस योजना का अंतिम उद्देश्य ऐसे कागज विहीन कार्यालय की स्थापना करना है, जहां कार्यालय के सभी कार्य इलेक्ट्रोनिक माध्यम के किए जा सकें। नेटवर्क में सभी कंप्यूटरों पर इंटरनेट उपलब्ध होगा। मुख्य सचिवालय के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए अप्रैल 1999 से राष्ट्रीय सूचना केंद्र में कंप्यूटर जागरुकता के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। चार बैचों में 100 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

गीत एवं नाटक प्रभाग

13.9.1 वर्ष 1999-2000 के लिए योजना परिव्यय 2.00 करोड़ रुपये है, जिसे संशोधित अनुमान स्तर पर घटाकर 1.95 करोड़ रुपये कर दिया गया। प्रभाग के योजनागत कार्यों के अंतर्गत सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जागरुकता उत्पन्न करने के कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

13.9.2 संवेदनशील तथा सीमावर्ती क्षेत्रों की प्रचार योजनाओं तथा सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए विशेष प्रचार योजनाओं के अंतर्गत पूर्वोत्तर राज्यों, जम्मू-कश्मीर, पंजाब तथा देश के अन्य सीमावर्ती इलाकों के संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाग ने विशेष प्रचार अभियान चलाए। योजनाओं का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़े रखना और सीमापार से किए जाने वाले दुष्प्रचार का जवाब देना है। योजनाओं के तहत नवंबर 1999 तक 3,014 कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रभाग की ध्वनि एवं प्रकाश इकाइयों ने काकीनाडा, हुबली, हंपी, नैनीताल और दिल्ली में कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय

13.10.1 वर्ष 1999-2000 का स्वीकृत वार्षिक योजना परिव्यय 2.22 करोड़ रुपये है, जिसे संशोधित अनुमानों में घटाकर 2.11 करोड़ रुपये कर लिया गया। 1999-2000 के दौरान निदेशालय ने चार भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए तथा वित्त वर्ष के अंतिम दो महीनों में ऐसे तीन और कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। विभिन्न वर्गों से जनमत नेताओं को पूर्वोत्तर भारत ले जाने और वहां के जनमत नेताओं को शेष भारत का भ्रमण कराने पर विशेष बल दिया गया है, ताकि ये लोग देश की नब्ज पहचान सकें तथा देश के लोगों, संस्कृति और विरासत से रूबरू हो सकें।

13.10.2 निदेशालय के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र के सहयोग से विभिन्न क्षेत्रों में 6 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। 12 प्रादेशिक कार्यालयों को इंटरनेट और ई-मेल सुविधा से जोड़ा गया। शेष 10 प्रादेशिक कार्यालयों में शीघ्र ही यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। 'वीडियो प्रोजेक्टरों/ जेनरेटरों की खरीद' योजना के तहत सभी क्षेत्रीय प्रचार इकाइयां 16 एम एम प्रोजेक्टरों के स्थान पर वीडियो प्रोजेक्टरों का इस्तेमाल करने लगेंगी। निदेशालय ने अब तक 6825 वी एच एस प्रतियों और 13 वृत्तचित्रों की खरीद की है।

13.10.3 'नई इकाई खोलने और रखरखाव' योजना के तहत 1997-98 के दौरान खोली गई आठ क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों का रखरखाव किया जा रहा है। वोखा (नगालैंड), रोइंग (अरुणाचल प्रदेश), हरिद्वार (उत्तर प्रदेश), नीलगिरि (तमिलनाडु) और रायगढ़ (मध्य प्रदेश) में पांच नई इकाइयां खोलने का प्रस्ताव सक्रिय रूप से विचाराधीन है।

भारतीय जनसंचार संस्थान

13.11.1 योजना कार्यक्रमों के लिए संस्थान का अनुमोदित परिव्यय 3.70 करोड़ रुपये है, जिसे संशोधित अनुमानों में इसी स्तर पर बनाए रखा गया। 1999-2000 में संस्थान ने सात अनुसंधान/आकलन परियोजनाएं शुरू कीं। ये सभी पूरी हो चुकी हैं।

13.11.2 संस्थान ने संचार की विभिन्न शाखाओं में प्रशिक्षण देने के लिए आधुनिकतम मुद्रण उपकरण, कंप्यूटर, श्रव्य व दृश्य प्रौद्योगिकी प्राप्त की है। संस्थान में सुसज्जित ध्वनि व टेलीविजन स्टूडियो हैं जिनमें हर तरह की शूटिंग, भीतर या बाहर, संपादन और कक्षा में निर्माण की सुविधाएं उपलब्ध हैं। संस्थान की कंप्यूटर सुविधाओं से छात्रों को सीखने के अवसर मिले हैं। छात्रों के भिन्न-भिन्न समूहों को एक ही समय में कंप्यूटर स्कूल, मल्टी मीडिया और डी.टी.पी. की तीन कार्यशालाएं उपलब्ध हैं। संस्थान की सभी कार्यशालाओं, विभागों और कक्षों में एल.ए.एन. सर्वर हैं तथा इंटरनेट सुविधाएं हैं। संस्थान ने शार्ट कट डिजीटल आडियो एडीटर 360 प्रणाली, सी-डैक मल्टी प्रोमोटर प्रणाली और शॉट गन माइक्रोफोन, लपेल माइक आदि जैसे इसके सहायक यंत्र खरीदे हैं।

13.11.3 नई दिल्ली स्थित संस्थान में 400 सीटों का एक बहु-उद्देश्यीय सभागार निर्माणाधीन है। भारतीय जनसंचार संस्थान, ढेंकानाल (उड़ीसा) में निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जबकि झाबुआ को छोड़कर अन्य शाखाओं में निर्माण कार्य चल रहा है। झाबुआ में काम अभी शुरू होना है।

अनुसंधान, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग

13.12 वर्ष 1999-2000 के दौरान प्रभाग को पूर्णतया नवीनीकृत व आधुनिकीकृत किया जा रहा है, ताकि यह कागज विहीन कार्यालय बन सके। प्रभाग के लिए 18 लाख रुपये के अनुमोदित बजट अनुदान की व्यवस्था है, जिसे संशोधित अनुमानों में इसी स्तर पर बनाए रखा गया है। प्रभाग ने अपनी अलग वेबसाइट और इंटरनेट कनेक्शन स्थापित किए हैं। प्रभाग भारत के बारे में दो वार्षिक संदर्भ ग्रंथ 'इंडिया-ए रेफरेंस एनुअल' और देश में जनसंचार के बारे में एक व्यापक प्रकाशन 'मास मीडिया इन इंडिया' प्रकाशित करता है। इस वर्ष इस संदर्भ वार्षिकी की विशेषता यह है कि इसे पहली बार सीडी-रोम पर डाला गया है। लाइब्रेरी पुस्तकों के 'रेट्रोकन्वर्ज़न' का काम पूरे जोर-शोर पर है। नया पुस्तकालय सॉफ्टवेयर लगाया गया है तथा उसका परीक्षण कर लिया गया है।

ब्रॉडकास्टिंग इंजीनियरिंग कंसल्टैंट्स इंडिया लि. (बेसिल)

13.13.1 बेसिल ने वार्षिक योजना 1999-2000 के लिए आंतरिक और बजट संसाधनों के रूप में 1.76 करोड़ रुपये की आमदनी का लक्ष्य रखा था, जो बाद में संशोधित अनुमान में घटाकर 0.84 करोड़ रुपये कर दिया गया। वर्ष 1999-2000 में कामकाज में मुख्य जोर प्रसारण इंजीनियरी के विभिन्न क्षेत्रों में परामर्श व टर्नकी परियोजनाओं को पूरा करने पर रहा।

13.13.2 नवंबर 1999 तक पूरे किए गए तथा ऐसे क्रियान्वयनाधीन कार्य, जिनके मार्च 2000 तक पूरा हो जाने की संभावना है, इस प्रकार हैं:

I. पूर्ण परियोजनाएं (1999-2000)

(i) विदेशों में

इंदिरा गांधी कला .एवं संस्कृति केंद्र, फिनिक्स, मारीशस में मंच प्रकाश और उत्कृष्ट उपकरणों का प्रावधान व स्थापना; भूटान ब्रॉडकास्टिंग सर्विस के लिए टी.वी. स्टूडियो और प्रसारण व्यवस्था का पर्यवेक्षण, स्थापना और उसे चालू करने सहित प्रायोगिक टेलीविजन केंद्र के लिए परामर्श सेवाएं; भूटान ब्रॉडकास्टिंग सर्विस के लिए स्थापित टी.वी. स्टूडियो में ध्वनि उपचार (एकॉस्टिक ट्रीटमेंट) के लिए टर्कनी कार्य।

(ii) भारत में

राष्ट्रीय बीज निगम के लिए सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना के क्रियान्वयन में परामर्श सेवाएं; दूरदर्शन के लिए डी.आर.एस. सेटों का समेकन, आपूर्ति और परीक्षण; दूरदर्शन के लिए डिजीटल एनकोडर और सहायक यंत्रों का समेकन, आपूर्ति और स्थल पर परीक्षण व कमीशनिंग; (घ) गुजरात मेरीटाइम बोर्ड के लिए मासिक परामर्श सेवा; फोटो प्रभाग के लिए इमेज लाइब्रेरी प्रणाली का समेकन और स्थापना; दूरदर्शन के लिए 3 डिजीटल एस.एन.जी. प्रणाली (सी-बैंड/कू-बैंड) का समेकन; आपूर्ति, परीक्षण व चालू करना; वर्ल्ड स्पेस को मासिक आधार पर तकनीकी परामर्श; राज टी.वी. के लिए वीडियो स्टूडियो संबंधी परामर्श व स्थापना; 'दैनिक जागरण' के लिए एक-एक ब्रॉडकास्टिंग केंद्रों की स्थापना के लिए परामर्श सेवा।

(iii) निर्माणाधीन परियोजनाएं (1999-2000)

राजस्थान विधान सभा, जयपुर के वास्तु ध्वनिकी के बारे में परामर्श, संसद पुस्तकालय परिसर के लिए दृश्य-श्रव्य सुविधाओं और ध्वनिकी के लिए परामर्श सेवाएं; आकाशवाणी बंगलौर के लिए डिपलेक्सर की आपूर्ति व परीक्षण; राजस्थान विधानसभा के लिए भीतरी डिजाइन के लिए परामर्श सेवा; दूरदर्शन के लिए टेक्स्ट व ग्राफिक प्रणाली का विकास, समेकन और आपूर्ति; गुड़गांव सभागार के लिए ध्वनिक डिजाइन, ध्वनि प्रतिबलन प्रणाली, मंच प्रकाश और मंच सज्जा (फर्निशिंग) के लिए परामर्श सेवा; एस.पी. मार्ग परियोजना के लिए ध्वनिक, ध्वनि प्रतिबलन प्रणाली, मंच प्रकाश और मंच सज्जा, आंतरिक डिजाइन के लिए परामर्श सेवा; भारतीय जनसंचार संस्थान के लिए वीडियो स्टूडियो व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण; उपग्रह भू केंद्र का डिजाइन, स्थापना व चालू करना (खरीद ईनाडु टी.वी. द्वारा); सन टी.वी. के लिए भू केंद्र का डिजाइन, स्थापना व चालू करना; इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के लिए उपग्रह अपलिंक के लिए परामर्श सेवा; गुजरात मेरीटाइम बोर्ड के लिए आपदा चेतावनी प्रणाली (दिसंबर 99 से मार्च 2000) के लिए परामर्श सेवाएं; सीरी फोर्ट सभागार के लिए ध्वनिक उपचार व ध्वनि प्रतिबलन प्रणाली के लिए परामर्श सेवा; सन टी.वी. के लिए वाहन आधारित सी-बैंड डी.एस.एन.जी. प्रणाली का समेकन; सन टी वी के लिए एफ.एम. प्रसारण केंद्रों की स्थापना के लिए परामर्श सेवा; वर्ल्ड स्पेस के लिए परामर्श सेवाएं (दिसंबर 99- मार्च 2000); तथा हिंदुस्तान टाइम्स के लिए एक प्रसारण केंद्र की स्थापना के लिए परामर्श सेवा।

फिल्म प्रभाग

स्वीकृत बजट अनुदान में 6.30 करोड़ रुपये और संशोधित अनुमानों में 6.28 करोड़ रुपये है। इसमें से 2.95 करोड़ रुपये का राजस्व खंड में और 3.33 करोड़ रु. पूंजी खंड में है। प्रभाग का ग्रामीण दर्शकों के लिए 16 मि.मी. की विशेष लघु फीचर फिल्में बनाने, प्रभाग में विपणन व बिक्री क्षमता तैयार करने, प्रभाग के पुराने पड़ गए उपकरणों का आधुनिकीकरण व प्रतिस्थापन, गुलशन महल का नवीकरण, वीडियो फार्मेट में कार्यक्रम तैयार करने के लिए प्रभाग को वीडियो सुविधाओं से सज्जित करने का प्रस्ताव है। अप्रैल 1999 से दिसंबर 1999 की अवधि में फिल्म प्रभाग ने नौं फीचर फिल्में पूरी की हैं, जिनमें ग्रामीण इलाकों में हो रहे पारिस्थितिक, सांस्कृतिक और विशेष परिवर्तनों को उजागर किया गया है। इनके अलावा राष्ट्रीय अखंडता, अस्पृश्यता, बंधुआ मजदूर, अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उत्थान और निरक्षरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर 20 से अधिक फीचर फिल्में निर्माण की विभिन्न अवस्थाओं में हैं।

13.14.2 'फिल्म प्रभाग के पुराने उपकरणों के आधुनिकीकरण और प्रतिस्थापन' कार्यक्रम के तहत 1999-2000 वर्ष के लिए 153 लाख रुपये का आबंटन किया गया है। योजना में फिल्म प्रभाग मुंबई और नई दिल्ली में उपकरणों को बदलने का प्रस्ताव है, जिसके लिए फिल्म निर्माण में नवीनतम प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए नए उपकरण खरीदे जाएंगे। इसके अलावा प्रभाग की कई अन्य योजना स्कीमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है यथा 'व्यावसायिक प्रशिक्षण व ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम' 'फिल्म प्रभाग के भवन के पहले चरण का जीर्णोद्धार व नवीकरण' दिसंबर 1999 तक लगभग 53 अधिकारियों/ पदाधिकारियों को प्रशिक्षण के लिए भेजा गया।

13.14.3 प्रभाग को साल में दो बार होने वाले मुंबई अंतर्राष्ट्रीय वृत्त चित्र, लघु और कार्टून फिल्म समारोह के आयोजन का दायित्व सौंपा गया है। छठा फिल्म समारोह मुंबई के दौरान 3-5 फरवरी 2000 में आयोजित किया गया।

फिल्म समारोह निदेशालय

13.15.1 फिल्म समारोह निदेशालय का स्वीकृत बजट अनुदान में वार्षिक योजना परिव्यय 3.26 करोड़ रुपये का है, जो संशोधित अनुमानों में बढ़कर 7.45 करोड़ रुपये हो गया। निदेशालय ने जुलाई 1999 में नई दिल्ली में 46वां राष्ट्रीय फिल्म समारोह आयोजित किया। पुरस्कार के लिए 114 फीचर फिल्मों, 105 गैर फीचर फिल्मों और फिल्म विषयक 22 पुस्तकों ने भाग लिया। इसके अलावा 17 समालोचकों ने 'वर्ष के सर्वश्रेष्ठ समालोचक' पुरस्कार के लिए अपनी कृतियां दाखिल कीं। श्याम बेनेगल के निर्देशन में 'समर' (हिन्दी) और संजय काक के निर्देशन वाली 'इन दि फारेस्ट हैंग्स ए ब्रिज' को क्रमश: सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म और गैर-फीचर फिल्म घोषित किया गया। सुप्रसिद्ध फिल्मकार बी.आर चोपड़ा को नई दिल्ली में 10-20 जनवरी 2000 में हुए भारत के 31वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में प्रतिष्ठित दादा साहेब फालके पुरस्कार के लिए चुना गया।

13.15.2 सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत फिनलैंड की फिल्मों का समारोह (अगरतला और नई दिल्ली में), स्वीडन व साइप्रस की फिल्मों के समारोह (नई दिल्ली और चेन्नई), इटली व नीदरलैंड के फिल्म समारोह (नई दिल्ली और इम्फाल में) आयोजित किए गए। चीन और आस्ट्रेलिया की फिल्मों के दो और फिल्म सप्ताह आयोजित किए जाएंगे। विदेशों में भारतीय फिल्मों के सप्ताह भी जर्मनी, मंगोलिया और रूस में आयोजित किए गए। इनके अलावा सार्क फिल्म समारोह में तथा फ्रांस और काहिरा, मिस्र में भारतीय फिल्म सप्ताहों के लिए भी फिल्में भेजी गईं। निदेशालय ने विदेशों में 51 अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भाग लिया, जिनमें भारतीय पैनोरमा खंड की फिल्मों को शामिल किया गया। सीरी फोर्ट सभागार के नवीकरण के लिए संशोधित अनुमानों में 4.07 करोड़ रुपये की राशि की व्यवस्था की गई है।

भारत का राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार

13.16.1 वर्ष 1999-2000 के लिए सात चालू योजनाओं और दो नई योजनाओं के लिए अभिलेखागार को 1.80 करोड़ रु. का बजट आबंटित किया गया जिसे संशोधित अनुमानों में घटाकर 1.78 करोड़ रुपये किया गया। अप्रैल से दिसंबर 99 के दौरान अभिलेखागार ने 271 पुस्तकें, 3,343 पटकथाएं, 56 पूर्व-रिकार्डिड श्रव्य कैसेट, 2 पुस्तिकाएं, 1,636 स्टिल, 181 गीत-पुस्तिकाएं, 584 दीवार पोस्टर, 416 स्लाइड और 11 श्रव्य काम्पैक्ट डिस्क प्राप्त कीं। इसके अलावा, इसी अवधि में 315 फिल्में और 24 वीडियो कैसेट भी प्राप्त किए गए। नाइट्रेट फिल्मों के लिए विशिष्ट तिजोरियों के निर्माण कार्य के 31 मार्च 2000 तक पूरे हो जाने की आशा है। अभिलेखागार ने पुणे में मई-जून 1999 में चार सप्ताह का वार्षिक फिल्म समालोचना पाठ्यक्रम तथा अन्य केन्द्रों में अल्पावधि पाठ्यक्रम भी आयोजित किए।

13.16.2 प्रकाशन और अनुसंधान योजना के तहत 'सौमित्र चटर्जी' के बारे में एक मौखिक इतिहास परियोजना तथा 'हीरालाल सेन' पर एक मोनोग्राफ पूरा कर लिया गया है। अभिलेखागार के लिए 23 कर्मचारी क्वार्टरों का निर्माण पूरा हो चुका है तथा इन्हें सौंपा जा चुका है।

भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, पुणे

13.17 वर्ष 1999-2000 के स्वीकृत बजट अनुदान (योजना) के

अंतर्गत संस्थान को 5 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए, लेकिन संशोधित अनुमानों में पिछले वर्ष के बकाया अधिशेष के कारण इस प्रावधान को घटाकर 0.48 करोड़ रुपये कर दिया गया। इस अवधि के दौरान देश में और विदेशों से मशीनरी व उपकरण खरीदने के लिए कार्यवाई शुरू की गई। 75 लाख रुपये की लागत से 6 डी.वी. कैम संपादन इकाइयां, मशीन कैमरे के लिए 65 लाख रुपये के 2 नानमौर्फिक जूम लैंस; और 24.50 लाख रुपये के 7 कैमकार्डर (डी वी कैम) खरीदे जा रहे हैं। बदलती जरूरतों को देखते हुए संपूर्ण प्रशिक्षण सुविधाओं का हर पहलू से आधुनिकीकरण अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ आधारभूत संरचनात्मक ढांचे में विभिन्न स्तरों पर बड़े पैमाने पर कंप्यूटरों का इस्तेमाल शुरू करना होगा।

सत्यजीत राय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, कलकत्ता

13.18 वर्ष 1999-2000 के लिए संस्थान का अनुमोदित वार्षिक योजना परिव्यय 7.00 करोड़ रुपये था तथा संशोधित अनुमानों में इसे इसी स्तर पर बनाए रखा गया। इस समय संस्थान में कुल मिलाकर 64 छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रात कर रहे हैं। 32 छात्रों के प्रथम बैच अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम लगभग पूरा कर लिया है और मार्च 2000 तक ये लोग प्रशिक्षित होकर निकलेंगे। संकाय सदस्यों की कमी को देखते हुए सामान्य कक्षाओं के अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों से कई महत्वपूर्ण फिल्मकारों को कार्यशाला, सेमिनार आदि आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया। इन कार्यशालाओं व सेमिनारों में निर्देशन, चलचित्र छायांकन, संपादन और ध्वन्यांकन सहित फिल्म निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर जोर दिया गया। संस्थान ने छात्रों के लाभ के लिए फिल्म प्रदर्शन की एक अभिनव व्यवस्था अपनाई है। संस्थान ने इस वर्ष 160 फीचर फिल्मों का प्रदर्शन किया। संस्थान की फिल्म लाइब्रेरी में 13 देशों की 860 लेक्चर फिल्में संग्रहीत हैं। संस्थान ने यूरोपीय संघ के संरक्षण में कंप्यूटर और इंटरनेट के जरिए फिल्म पटकथा लेखन की विशेष कार्यशाला के लिए परस्पर सांस्कृतिक यूरोपीय कार्यक्रम ई.यू.-भारत के साथ सहयोग किया है। संस्थान के निर्माण कार्य का पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है। दूसरा चरण पूरे जोर-शोर से चल रहा है तथा जून 2000 तक इसके पूरे हो जाने की आशा है। हालांकि पूर्वोत्तर क्षेत्र व जम्मू-कश्मीर के लिए अलग से कोई गतिविधियां नहीं हैं, फिर भी पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों के दाखिले पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम

13.19 निगम की विभिन्न योजना स्कीमों के लिए स्वीकृत बजट अनुदान में 1999-2000 के लिए वार्षिक परिव्यय 6.10 करोड़ रुपये है (संशोधित अनुमानों में 6.11 करोड़ रुपये)। इस पूरी राशि की व्यवस्था निगम के भीतरी व बाह्य बजट संसाधनों से की जाएगी। निगम ने 1999-2000 के दौरान विभिन्न भाषाओं में 8 फीचर फिल्में पूरी कीं तथा विभिन्न श्रेणियों में 12 फिल्में निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। निगम ने अपने आयात को केवल टेलीविजन और उपग्रह चैनल अधिकारों तक ही सीमित रखा है तथा वर्ष के दौरान 22 फिल्मों का आयात किया गया। निगम ने 24 फिल्मों का निर्यात भी किया है तथा इस अवधि में निर्यात से 15.93 लाख रुपये की आमदनी हुई है। निगम को वर्ष के दौरान लगभग 30 फिल्मों के निर्यात से 75 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा के अर्जन की आशा है।

बाल फिल्म समिति, भारत (पहले राष्ट्रीय बाल एवं युवा फिल्म केंद्र)

13.20 वर्तमान वर्ष के लिए योजना परिव्यय 6.50 करोड़ रुपये है, जिसे संशोधित अनुदानों में घटाकर 4.60 करोड़ रुपये का कर दिया गया है। आलोच्य वर्ष में, 10 फीचर फिल्मों का निर्माण आरंभ किया गया। सोसाइटी ने दो लघु कार्टून फिल्मों और एक लघु लाइव-एक्शन फिल्म का निर्माण भी शुरू किया है। एक फिल्म पूरी कर ली गई और इसे अंग्रेजी में उप-शीर्षक दिए गए। शेष फिल्में निर्माण की विभिन्न अवस्थाओं में हैं। सोसाइटी ने एक फारसी फीचर फिल्म 'ननेलाल' (उसके बच्चे) की हिंदी में डबिंग का काम भी शुरू किया है। बाल फिल्मों के प्रदर्शन के क्षेत्र में 20-30 मई, 1999 के दौरान असम में 556 शो आयोजित किए गए। इनके अलावा सोसाइटी के मुंबई, चेन्नई और दिल्ली कार्यालयों द्वारा 1,441 फिल्म प्रदर्शनों का आयोजन किया। सोसाइटी की फिल्म 'रेडियो कम्स टू रामपुर' को नवंबर 1999 में हैदराबाद में आयोजित 'स्वर्ण गज' अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भेजा गया।

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड

13.21 वर्ष 1999-2000 के दौरान बोर्ड का स्वीकृत योजना परिव्यय 60 लाख रुपये का है और बोर्ड की पांच वर्तमान योजनाओं के लिए संशोधित अनुमानों में यह राशि इसी स्तर पर बनाए रखी गई। 'कंप्यूटरीकृत प्रबंध प्रणाली की स्थापना' योजना में मुंबई स्थित बोर्ड बोर्ड मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों के कंप्यूटरीकरण की व्यवस्था है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित एक एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर का डेटा डालकर परीक्षण किया जा रहा है। अब तक कलकत्ता, हैदराबाद, बंगलौर और चेन्नई में कंप्यूटर लगाए जा चुके हैं। तिरुवनंतपुरम्, नई दिल्ली, कटक और गुवाहाटी में वर्ष के दौरान कंप्यूटर लगाने का प्रस्ताव है। स्टीनबैक-संपादन मशीनों का आयात किया गया है तथा बंगलौर, हैदराबाद और मुंबई के क्षेत्रीय कार्यालयों में ये लगा दी गई हैं। बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों में 'आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण' की योजना के तहत

तिरुअनंतपुरम क्षेत्रीय कार्यालय के लिए स्टीनबैक संपादन मशीन की खरीद की कार्यवाई शुरू कर दी गई है। 'प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और अध्ययनों के आयोजन' योजना के तहत 'फिल्मों में सेक्स व हिंसा' का एक अध्ययन भारतीय जनसंचार संस्थान को सौंपा गया है।

प्रसारण स्कंध

आकाशवाणी

13.22.1 आकाशवाणी का वर्ष 1999-200 का स्वीकृत परिव्यय 122.00 करोड़ रुपये है (100 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय तथा 22.00 करोड़ रुपये राजस्व उपार्जक योजनाओं के लिए है)। संशोधित अनुमानों में इसे घटाकर 107.50 रुपये कर दिया गया। वर्ष 1999-2000 के दौरान, प्रसारण सुविधाओं को और मजबूत बनाया गया है। मौजूदा ट्रांसमीटरों की शक्ति को बढ़ाया गया है तथा कई केंद्रों में स्टूडियो सुविधाओं को आधुनिकीकृत किया गया है।

1. हिसार (हरियाणा) में छह किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर, स्टूडियो और कर्मचारियों के लिए क्वार्टर वाला एक नया रेडियो स्टेशन चालू किया गया है।

2. केरल में अलेप्पी के पुराने 100 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर के स्थान पर अधिक शक्तिशाली 200 किलोवाट का मीडियम वेव ट्रांसमीटर लगाया गया है। इस ट्रांसमीटर से केरल राज्य में रेडियो की पहुंच मजबूत होगी और उम्मीद है कि लक्षद्वीप में भी इसके कार्यक्रम सुने जा सकेंगे।

3. पांडिचेरी के एक किलोवाट के पुराने मीडियम वेव ट्रांसमीटर के स्थान पर 20 किलोवाट का मीडियम वेव ट्रांसमीटर लगाया गया है।

4. एफ.एम. प्रसारणों की अत्यंत बेहतर तकनीकी क्वालिटी को देखते हुए उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ में छह किलोवाट का एक एफ.एम. ट्रांसमीटर स्थापित किया गया है।

5. जोधपुर, राजस्थान में विविध भारती कार्यक्रमों के लिए छह किलोवाट का एक नया एफ.एम. ट्रांसमीटर चालू किया गया। अब तक यह कार्यक्रम एक किलोवाट के मीडियम वेव ट्रांसमीटर पर प्रसारित किया जाता था।

6. 20 किलोवाट के मीडियम वेव ट्रांसमीटर और स्टूडियो वाला एक नया रेडियो स्टेशन असम में कोकराझार में चालू किया गया है, जिससे उस क्षेत्र में बोडो जनसंख्या की सांस्कृतिक आकांक्षाओं की पूर्ति हो सकेगी।

7. हमारे देश में रेडियो अधिकतर मीडियम वेव पर सुना जाता है। एफ.एम. बैंड का श्रोता वर्ग बढ़ाने और एफ.एम. प्रसारणों की बेहतर तकनीकी गुणवत्ता की वजह से भी, पुराने एक किलोवाट के मीडियम वेव विविध भारती ट्रांसमीटरों के स्थान पर एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाने का फैसला किया गया। इस योजना के तहत केरल में तिरुअनंतपुरम में एक किलोवाट का मीडियम वेव ट्रांसमीटर के स्थान पर एक 10 किलोवाट का एफ.एम. ट्रांसमीटर लगाया गया है।

8. दिल्ली से 'युववाणी' से मीडियम वेव पर प्रसारित दिल्ली और कलकत्ता के युववाणी सेवा को अब एफ.एम. चैनल पर प्रसारित किया जाने लगा है।

9. इलाहाबाद के सांस्कृतिक व धार्मिक महत्व को ध्यान में रखकर मौजूदा एक किलोवाट के मीडियम वेव ट्रांसमीटर को उन्नत करके 20 किलोवाट का बना दिया गया है ताकि शहर और आसपास के इलाकों में अच्छी करवेज मिल सके।

10. अपने नेटवर्क में डिजीटल प्रौद्योगिकी शुरू करने की अपनी योजना के तहत बोरिवली (मुंबई) में एक केंद्रीकृत डिजीटल स्टीरियो अपलिंक सुविधा स्थापित की गई है, जहां मूल रूप से विविध भारती सेवाओं का प्रसारण होता है। डिजीटल उपकरणों से न केवल तकनीकी गुणवत्ता उन्नत होती है, बल्कि कार्य की दृष्टि से भी ये अधिक लचीले व कुशल होते हैं।

11. पटना, हैदराबाद, नागपुर, पुणे, भोपाल, इंदौर और अहमदाबाद में विविध भारती स्टूडियो में स्टीरियो सुविधाएं प्रदान की गई हैं। जालंधर में भी एफ.एम. चैनल के लिए स्टीरियो स्टूडियो सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

12. गुवाहाटी में 50 किलोवाट के मौजूदा मीडियम वेव ट्रांसमीटर को उन्नत करके 100 किलोवाट का बनाया गया है।

13. विशाखापतनम में विविध भारती चैनल शुरू किया गया है।

14. आकाशवाणी के अनुरोध पर विकसित 184 बहु-उद्देशीय स्टीरियो आडियो मिक्सिंग कंसोल आकाशवाणी के लगभग 85 केंद्रों को दिए गए हैं। देश में ही बहु-उद्देशीय आडियो कंसोल के विकास से पूंजीगत लागत और विदेशी मुद्रा की काफी बचत हुई है।

15. 1904 से 1930 की अवधि में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की रिकार्डिंग वाली सीडी तैयार की गईं, जिनका बाद में कलकत्ता में प्रधानमंत्री द्वारा विमोचन किया गया।

16. भारतीय दूतावासों और उच्चायोगों में वितरण के लिए 'भारतीय

मूल्य' नाम से अभिलेखीय संगीत रिकार्डिंग पर आधारित सीडी तैयार की गईं। बिक्री के लिए 'वंदेमातरम' की सीडी तैयार की गई।

17. अनुसंधान एवं विकास इकाई द्वारा डिजाइन किए गए धातु के ध्वनि निरोधी दरवाजे प्रसारण भवन में लगाए गए व उनका परीक्षण किया गया। इनसे ध्वनिक उपचार में लकड़ी का इस्तेमाल घटाने में मदद मिलेगी।

13.22.2 उड़ीसा में 20 अक्तूबर, 1999 को आए महाचक्रवात से आकाशवाणी केंद्रों को काफी नुकसान हुआ और प्रसारण ठप्प हो गया। बिजली की सप्लाई, परिवहन और संचार सुविधाओं के पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाने के बावजूद आकाशवाणी ने एक पखवाड़े में ही प्रसारणों को पूर्ववत बहाल कर लिया।

13.22.3 आकाशवाणी के अब 198 केंद्र हैं। 310 ट्रांसमीटरों का (मीडियम वेव-144, शार्ट वेव-55 और एफएम-111) मौजूदा नेटवर्क देश के 90 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में फैली 97.3 प्रतिशत जनसंख्या तक कार्यक्रम पहुंचाता है।

दूरदर्शन

1. वर्तमान स्थिति

13.23.1 प्रसारण कर रही चैनल

दूरदर्शन के इस समय निम्नानुसार 20 चैनल चल रहे हैं :

(क) प्राथमिक चैनल - डी.डी.-1

(ख) मेट्रो चैनल - डी.डी.-2

(ग) समाचार एवं सामयिक मामलों का चैनल - डी.डी. न्यूज़

(घ) खेलकूद चैनल - डी.डी. स्पोर्ट्स

(ङ) अंतर्राष्ट्रीय चैनल - डी.डी. इंडिया

(च) 11 क्षेत्रीय चैनल

(छ) 4 राज्य नेटवर्क

उपरोक्त चैनलों की सॉफ्टवेयर संबंधी जरूरतें देशभर में फैले 47 स्टूडियो द्वारा पूरी की जाती हैं। 23 दूरदर्शन केंद्रों में उपग्रह अपलिंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हैं। सात दूरदर्शन केन्द्रों-मुंबई, चेन्नई, गुवाहाटी, कलकत्ता, तिरुअनंतपुरम, बंगलौर और हैदराबाद में सिमुलकास्ट अपलिंकिंग सुविधाएं (एनालॉग और डिजीटल) उपलब्ध हैं। 5 चैनलों, डी.डी.-1, डी.डी.-2, स्पोर्ट्स, समाचार और अंतर्राष्ट्रीय चैनलों को डिजिटल मोड में अपलिंक किया जा रहा है। पांच अलग-अलग उपग्रहों पर 20 ट्रांसपोंडरों का विभिन्न सेवाओं के प्रसार के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। दूरदर्शन के कार्यक्रम इंटरनेट पर भी उपलब्ध हैं (Website-"http://dd india.net")

13.23.2 भूस्थैतिक नेटवर्क

भूस्थैतिक प्रसारण के लिए देशभर में स्थापित 1,060 ट्रांसमीटर चल रहे हैं डी.डी.-1 ट्रांसमीटर : 1,000 (एचपीटी-85, एलपीटी-664, वीएलपीटी-233 ट्रांस-18) डी.डी.-2 ट्रांसमीटर : 57 (एचपीटी-10, एलपीटी-43, वीएलपीटी-4) अन्य ट्रांसमीटर : 3

प्राथमिक चैनल (डी.डी.-1) के कार्यक्रम देश की लगभग 87.9% जनता तक पहुंचते हैं। क्षेत्र के हिसाब से कवरेज 74.8% है। मेट्रो चैनल (डीडी-2) की कवरेज लगभग 20.8% जनसंख्या तक पहुंचती है। इन आंकड़ों में परिधीय करवेज भी शामिल हैं।

13.23.3 क्षेत्रीय सेवाएं

विशेष राज्यों की उनकी ही भाषा में जरूरतें पूरी करने के लिए देश के 15 राज्यों में उपग्रह आधारित क्षेत्रीय सेवाएं चल रही हैं। ये राज्य हैं : आंध्र प्रदेश, असम और पूर्वोत्तर, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल। इन राज्यों में ट्रांसमीटर (उ.श.ट्रा. और अ.श.ट्रा.) उपग्रह के जरिए क्षेत्रीय सेवा कार्यक्रमों के लिए प्रधान केंद्र से जुड़े हैं। दूरदर्शन को 391.52 करोड़ रुपये की राशि आबंटित की गई है। (पूंजी : 296.52 करोड़ रुपये; राजस्व-95.00 करोड़ रुपये) वार्षिक योजना 1999-2000 के अंतर्गत, संशोधित अंनुमानों में बढ़ाकर 400.34 करोड़ रुपये।

1) संप्रेषण सुविधाएं

प्राथमिक चैनल (डीडी-1) का दायरा बढ़ाने के लिए 231 ट्रांसमीटर परियोजनाएं (उ.श.ट्रां.-32, अ.श.ट्रां/अ.अ.श.ट्रां-192, ट्रांसपोज़र-7), इस समय क्रियान्वयनाधीन हैं। इनके अतिरिक्त, मेट्रो चैनल (डी.डी-2) की कवरेज बढ़ाने के लिए 32 ट्रांसमीटरों का (उ.श.ट्रां-28, अ.श.ट्रां.-3, ट्रांसपोज़र-1) पर काम चल रहा है। उपरोक्त परियोजनाएं क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं तथा आमतौर से उम्मीद है कि अगले तीन वर्षों में चरणबद्ध रूप से ये पूरी कर ली जाएंगी।

जम्मू-कश्मीर में दूरदर्शन की कवरेज के बड़े पैमाने पर विस्तार के लिए हाल में 218 करोड़ रुपये के परिव्यय की एक योजना को मंजूरी दी गई है। इस पर लगभग दो वर्ष में अमल हो जाएगा।

2) स्टूडियो सुविधाएं

अपने कार्यक्रमों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए इस समय 16 स्टूडियो परियोजनाओं पर अमल चल रहा है। इसके अतिरिक्त, दिल्ली में एक राष्ट्रीय स्टूडियो परिसर - दूरदर्शन भवन

के निर्माण का कार्य चल रहा है। इस भवन में विभिन्न आकार के आठ स्टूडियो और संबद्ध तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उपरोक्त स्टूडियो परिसर में नवीनतम सुविधाओं की व्यवस्था होगी। ये स्टूडियो परियोजनाएं अगले दो से तीन वर्षों में पूरी कर लिए जाने की योजना है।

3) **उपग्रह सेवाएं**

निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू की गई हैं:

1. शिमला, श्रीनगर, पणजी और पोर्ट ब्लेयर में भू-केंद्र।
2. दिल्ली में स्थायी भू-केंद्र।
3. स्थायी सेट अप में समाचार व खेलकूद चैनलों के लिए अपलिंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है।
4. प्रस्तावित नए चैनल डी.डी. प्राइम के लिए अपलिंकिंग सुविधाएं।

वार्षिक योजना 1999-2000 में पूर्वोत्तर घटक

सूचना क्षेत्र

पत्र सूचना कार्यालय

13.24 पत्र सूचना कार्यालय ने पूर्वोत्तर घटक के लिए 40 लाख रुपये की राशि आबंटित की है। 'जनजातीय क्षेत्रों के लिए प्रेस दलों का समन्वय व आयोजन' योजना के तहत पत्रकारों/स्तंभकारों के छोटे-छोटे दलों को पूर्वोत्तर इलाकों में ले जाने तथा पूर्वोत्तर से भी देश के अन्य इलाकों में आने का प्रस्ताव है, जिससे प्रेस माध्यम से राष्ट्रीय अखंडता बढ़ाने में योगदान हो सकेगा। इस वर्ष 15 लाख रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। 'पत्र सूचना कार्यालय की शाखा कार्यालय खोलने' की योजना के तहत ईटानगर में एक शाखा कार्यालय खोलने का कार्य प्रगति पर है।

प्रकाशन विभाग

13.25 वार्षिक योजना 1999-2000 में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए दो योजनाओं के लिए 7.00 लाख रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है। ये योजनाएं हैं : (1) पूर्वोत्तर क्षेत्र में डेस्क टाप प्रकाशन; और (2) उस क्षेत्र में चलते-फिरते पुस्तक बिक्री केंद्र की व्यवस्था। प्रभाग का पूर्वोत्तर क्षेत्र में गुवाहाटी में योजना (असमिया) का कार्यालय है। प्रभाग ने कंप्यूटर हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराके इस योजना कार्यालय को आधुनिक बनाने के प्रयास किए हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में डीटीपी के रख-रखाव के लिए दिसंबर 1999 तक 0.11 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। विभाग ने यह सुनिश्चित करने के भी कदम उठाए हैं कि इसके द्वारा प्रकाशित पुस्तकें व पत्रिकाएं पूर्वोत्तर क्षेत्र में अधिकाधिक लोगों तक पहुंचें। इसके लिए गुवाहाटी में योजना कार्यालय के लिए एक चलते-फिरते पुस्तक बिक्री केंद्र की व्यवस्था की गई है। अब तक इस योजना पर 0.11 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय

13.26 निदेशालय पूर्वोत्तर क्षेत्र की दो योजनाओं के लिए 14.50 लाख रुपये का परिव्यय निर्धारित किया है - ये योजनाएं हैं - 'विकास प्रचार कार्यक्रम' और 'डीएवीपी का सुदृढ़ीकरण और सचलता का सुधार'। 'विकास प्रचार कार्यक्रम' के अंतर्गत 'बाह्य प्रचार' के लिए छह महीने के लिए नगालैंड परिवहन निगम की बसों पर 60 भीतरी और 100 बाहरी पैनलों का प्रदर्शन किया गया है। इसके अतिरिक्त 'भारत के अनुशासित नागरिक' नारे के भित्तिचित्र पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों के सभी हिस्सों में प्रदर्शित किए गए। 'इलेक्ट्रोनिक मीडिया पर सूचना प्रसार' योजना के तहत 'हमारा भारत-हम भारतीय', राष्ट्रीय अखंडता, पानी बचाओ और बालिका शिशु के बारे में वीडियो स्पॉट तैयार कराए गए और पूर्वोत्तर राज्यों में इनका प्रसारण किया गया, ताकि आम जनता में राष्ट्रीय अखंडता की भावना का प्रचार किया जा सके। 'डीएवीपी का सुदृढ़ीकरण और सचलता का सुधार' योजना के अधीन गुवाहाटी के प्रादेशिक कार्यालय के लिए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, सहायक उपकरणादि और बुनियादी सुविधाओं की खरीद की गई। गुवाहाटी के प्रादेशिक कार्यालय के अधिकारियों/पदाधिकारियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव है।

भारतीय जनसंचार संस्थान

13.27 भारतीय जनसंचार संस्थान की दीमापुर शाखा के लिए 50 लाख रुपये का आबंटन किया गया है। दीमापुर (नगालैंड) में संस्थान के लिए निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। यहां पर अल्पावधि पाठ्यक्रम/कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं। शाखा ने नवंबर 1999 तक 4.29 लाख रुपये का खर्च किया है।

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय

13.28 निदेशालय ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में योजनाओं के लिए 39.00 लाख रुपये का प्रावधान किया है। निदेशालय की गतिविधियों के सॉफ्टवेयर का प्रमुख घटक फिल्में/कैसेट हैं। 31 दिसंबर, 1999 तक 65 वीएचएस कैसेटों की डबिंग और खरीद पर 4.50 लाख रुपये का खर्च किया जा चुका है। 'प्रायोजित भ्रमण' की एक योजना है, जिसके तहत इस वर्ष 10.00 लाख रुपये के अनुमोदित खर्च से जनमत नेताओं के सात भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को पूर्वोत्तर भारत में जाने और पूर्वोत्तर के लोगों को शेष भारत के अन्य हिस्सों में ले जाने पर विशेष ध्यान दिया

गया है ताकि ये लोग भारत भूमि की नब्ज पहचान सकें और देश के लोगों, संस्कृति और विरासत से रूबरू हो सकें। 1999-2000 के दौरान एक भ्रमण कार्यक्रम पर 1.42 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में खोली गई नई क्षेत्र प्रचार इकाइयों ने दूरदराज के इलाकों में निदेशालय की पहुंच का दायरा फैलाने में मदद की है। 'प्रादेशिक कार्यालयों के कंप्यूटरीकरण' की योजना के अतंर्गत पूर्वोत्तर और सिक्किम के लिए दो मॉडम, दो कंप्यूटर और 12 यूपीएस खरीदने पर एक लाख रुपये का खर्च किया गया है। वीडियो प्रोजेक्टर/जेनरेटर खरीदने की योजना के तहत चालू वित्त वर्ष में आठ वीडियो प्रोजेक्टर खरीदने का प्रस्ताव है।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम

13.29 राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम फिल्मों और फिल्म निर्माण की बुनियादी सुविधाओं को बढ़ावा देने वाली संस्था है तथा यह केवल महानगरों में ही स्थित है। वर्ष 1999-2000 में पूर्वोत्तर क्षेत्र में 35 लाख रुपये निवेश का प्रस्ताव है।

आकाशवाणी

13.30 आकाशवाणी ने 1999-2000 के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों और सिक्किम में चलाई जाने वाली योजनाओं के लिए 1220 लाख रुपये की राशि आबंटित की है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 464.50 लाख रुपये का एक अतिरिक्त प्रस्ताव भी किया गया है।

वर्तमान कवरेज

वर्तमान में सात पूर्वोत्तर राज्यों और सिक्किम में 24 आकाशवाणी केंद्र कार्यरत हैं (अरुणाचल प्रदेश-4; असम-8; मणिपुर-1; मेघालय-3; मिज़ोरम-2; नगालैंड-2; त्रिपुरा-3 और सिक्किम-1), वर्तमान कवरेज इस प्रकार है :

पूर्वोत्तर :.क्षेत्र के अनुसार : 94.3%; जनसंख्या के अनुसार : 97.3% और सिक्किम : क्षेत्र के अनुसार 70%; जनसंख्या के अनुसार : 95%।

चालू परियोजनाएं

1) केंद्र

ज़िरो, धुबरी, तेज़पुर, चूड़ाचांदपुर, धर्मनगर, लौंगथेराई में 16 आकाशवाणी केंद्र और 10 सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का काम चल रहा है। ज़िरो, धुबरी, तेज़पुर के रेडियो स्टेशन तथा विलियमनगर, मोन, त्वेनसांग, नोंगस्टोइन और सैहा के सामुदायिक रेडियो स्टेशन तकनीकी तौर पर तैयार हैं।

2) ट्रांसमीटरों का प्रतिस्थापन

सिल्चर के 10 किलोवाट के पुराने मीडियमवेव ट्रांसमीटर को उन्नत करके 20 किलोवाट का बनाया जा रहा है। तुरा, आइजोल और गंगटोक के मौजूदा 20 किलोवाट के मीडियमवेव ट्रांसमीटरों के स्थान पर नवीनतम प्रौद्योगिकी वाले नए ट्रांसमीटर लगाए जाएंगे। कोहिमा में मौजूदा 50 किलोवाट के मीडियमवेव ट्रांसमीटर को उन्नत करके 100 किलोवाट का किया जा रहा है। इम्फाल में मौजूदा 50 किलोवाट के मीडियमवेव ट्रांसमीटर को उन्नत करके 300 किलोवाट का किया जा रहा है।

3) एफ.एम. चैनल

स्टीरियो प्लेबैक सुविधाओं वाले एफ.एम. चैनल गुवाहाटी, शिलांग, इम्फाल, अगरतला और आइजोल में लगाए जा रहे हैं। गुवाहाटी में यह व्यवस्था शुरू होने के लिए तैयार है तथा कुछेक अन्य स्थानों पर कार्य प्रगति पर है।

4) अपलिंकिंग सुविधाएं

गुवाहाटी, शिलांग और ईटानगर में अपलिंकिंग सुविधाएं पहले ही से मौजूद हैं। कोहिमा, इंफाल, अगरतला और आइजोल में चालू योजना के दौरान अपलिंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उपरोक्त योजनाओं के लागू हो जाने से पूर्वोत्तर में कवरेज का दायरा और विस्तृत होगा तथा क्षेत्र के अनुसार कवरेज 97% और जनसंख्या के अनुसार 97.7% हो जाएगी।

दूरदर्शन

13.31 दूरदर्शन ने वार्षिक योजना 1999-2000 में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 3299.17 लाख रुपये की राशि निर्धारित की है। इसके अतिरिक्त, पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए विशेष सॉफ्टवेयर की एक व्यापक योजना (साफ्टवेयर 1050 लाख रुपये, हार्डवेयर 225.00 लाख रुपये) पहले से योजना आयोग के पास भेजी जा चुकी है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम में वर्तमान में चल रही दूरदर्शन परियोजनाओं का उल्लेख नीचे किया जा रहा है :

क) 15 ट्रांसमीटर (उ.श.ट्रां.-1, अ.श.ट्रां.-5, अ.अ.श.ट्रां.-5, ट्रांसपोजर-4) प्राइमरी चैनल (डी.डी.-1 की कवरेज बढ़ाने के लिए)

ख) मेट्रो चैनल (डी.डी.-2) की कवरेज बढ़ाने के लिए 5 ट्रांसमीटर (उ.श.ट्रां.-4, अ.श.ट्रां.-1)।

ग) गुवाहाटी, सिल्चर और अगरतला में डी.डी.-1 उ.श.ट्रां. के स्थान पर नए ट्रांसमीटर लगाना।

घ) गंगटोक में स्टूडियो।

सिविल निर्माण कार्यों के तहत अभी पूर्वोत्तर क्षेत्रों में गुवाहाटी

में 134, कोहिमा में 33 और डिब्रूगढ़ में 37 कर्मचारी-क्वार्टरों का निर्माण चल रहा है। तुरा में 36 कर्मचारी क्वार्टरों के निर्माण की मंजूरी मिल गई है।

जम्मू-कश्मीर में गतिविधियां

13.32 केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जम्मू-कश्मीर में आकाशवाणी और दूरदर्शन के सुधार की परियोजनाओं के एक पैकेज को मंजूरी दे दी हैं। ये परियोजनाएं दो वर्ष की अवधि में जून 2001 तक क्रियान्वित की जानी हैं। पैकेज की कुल अनुमानित लागत 430.07 करोड़ रुपये है। हार्डवेयर के लिए 266.40 करोड़ रुपये तथा सॉफ्टवेयर के लिए 163.67 करोड़ रुपये), जो मंत्रालय के सामान्य बजट के अतिरिक्त है। वर्ष 1999-2000 के लिए आकाशवाणी के लिए 10.50 करोड़ रुपये और दूरदर्शन के लिए 39.50 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। ये जम्मू-कश्मीर में आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा क्रियान्वित की जा रही सामान्य परियोजना और योजनाओं के अलावा हैं।

14

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

भारत और यूनेस्को

14.1.1 भारत संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन-यूनेस्को का संस्थापक सदस्य है। यूनेस्को संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसी है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, विज्ञान और टेक्नोलाजी, सामाजिक विज्ञान, संस्कृति और जनसंचार के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। विकासशील देशों की प्रचार संबंधी क्षमता को बढ़ाने के लिए 1981 में यूनेस्को के 21वें महाधिवेशन में अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम को मंजूरी दी गई। भारत ने इसकी स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह अंतरशासकीय परिषद और अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम ब्यूरो का सदस्य रहा है। विगत वर्षों में भारत अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य पर अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। पेरिस में 23-26 मार्च 1999 को संपन्न अंतराष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम के 19वें अधिवेशन में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव के नेतृत्व में दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया। उनके साथ मंत्रालय के निदेशक भी थे। इस अधिवेशन में चर्चा 'संचार और सभ्य समाज - आम जनता, सुदूरवर्ती क्षेत्रों और विविध वर्गों तक पहुंच' विषय पर हुई। नवंबर 1999 में पेरिस में आयोजित यूनेस्को की 30वीं आमसभा में सूचना और प्रसारण सचिव ने मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया। इस सत्र में इस बात पर बल दिया गया कि इंटरनेट और ई-मेल के विकास के साथ यह आवश्यक हो गया है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और यूनेस्को द्वारा निजी गोपनीयता के अधिकार और सेक्स तथा हिंसा प्रस्तुत करने को रोकने की ओर ध्यान दिया जाए ताकि इस मामले में कोई सहमति बन सके और जिन देशों में ऐसी सामग्री प्रसारित की जाती है, वे थोड़ा नियंत्रण बरत सकें। इस विचार को कई देशों का समर्थन मिला। लेकिन विकसित देशों के प्रभाव में यूनेस्को केवल इस बात पर ध्यान दे रहा है कि इंटरनेट पर बाल वेश्यावृत्ति को बढ़ावा देने वाली सामग्री पर नियंत्रण के प्रति आपसी सहमति बनाई जाए।

भारत समाचार पूल डेस्क और गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल

14.2.1 गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसियों के पूल का विधिवत गठन 1976 में किया गया था। इसका उद्देश्य सूचनाओं के विश्व-व्यापी प्रवाह में असंतुलन दूर करना था। यह गुट निरपेक्ष देशों की राष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के बीच समाचारों तथा सूचनाओं के आदान-प्रदान की प्रणाली है और इसमें एशिया, अफ्रीका, यूरोप तथा लातीनी अमरीका के देश शामिल हैं। इसके कामकाज की देखरेख एक समन्वय समिति करती है जिसका चयन हर तीन साल बाद किया जाता है। भारत इस समय इसका सदस्य है। पूल को चलाने में जो खर्च आता है, उसे सदस्य देश वहन करते हैं।

14.2.2 आलोच्य वर्ष के दौरान प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने गुटनिरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल के भारत समाचार पूल डेस्क को संचालित करना जारी रखा। वर्ष की उपलब्धि पीटीआई और मोरक्को की मघरेब अरब प्रेस के बीच समाचार आदान-प्रदान समझौता रही। इस समझौते पर प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मोरक्को यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए। वर्ष के दौरान भारत ने पूल नेटवर्क की दैनिक समाचार फाइल में बड़ी संख्या में समाचार देना जारी रखा। पीटीआई प्रतिदिन औसतन 7,000 शब्दों के समाचार इस नेटवर्क को देता रहा। अन्य सहभागी एजेंसियों से भारत समाचार पूल डेस्क को प्रतिदिन लगभग 15,000 से 20,000 शब्दों के समाचार प्राप्त होते रहे। वर्ष के दौरान इन देशों से इस तरह प्राप्त समाचारों के दसवें हिस्से का उपयोग किया गया।

15

प्रशासन

15.1.1 कार्य-नियमों के आबंटन के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय के पास सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के संदर्भ में फिल्मों और मुद्रण तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से संबंधित कार्यों को लागू करने के लिए विस्तृत अधिकार हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के कार्य

- विदेशों में बसे भारतीयों सहित, आम जनता के लिए आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के जरिए समाचार सेवाएं प्रदान करना।
- रेडियो तथा टेलीविजन प्रसारण का विकास।
- फिल्मों का आयात एवं निर्यात।
- फिल्म उद्योग की उन्नति और विकास।
- फिल्म समारोहों का आयोजन और इस उद्देश्य के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान।
- भारत सरकार की ओर से विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार।
- भारत सरकार की नीतियों को प्रस्तुत करने और इनके बारे में जनप्रतिक्रिया हासिल करने के लिए प्रेस संबंध बनाना।
- समाचारपत्रों के संदर्भ में प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 का कार्यान्वयन।
- राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर प्रकाशनों के जरिए भारत के बारे में देश-विदेश में जानकारी का प्रसार।
- मंत्रालय की मीडिया इकाइयों की मदद के लिए शोध, संदर्भ तथा प्रशिक्षण।
- मंत्रालय के संस्थानों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले विशिष्ट कलाकारों, संगीतकारों, वादकों, कलाकारों, नर्तकों और नाट्य कलाकारों के लिए वित्तीय सहायता।
- प्रसारण और समाचार सेवाओं में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग।

15.1.2 मंत्रालय के कार्यों में मदद और सहयोग करने के लिए 13 संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालय, छह स्वायत्त संगठन और दो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय का गठन

संबद्ध तथा अधीनस्थ संगठन

1. भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय
2. विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय
3. पत्र सूचना कार्यालय
4. प्रकाशन विभाग
5. क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय
6. फिल्म समारोह निदेशालय
7. गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग
8. फिल्म प्रभाग
9. फोटो प्रभाग
10. गीत और नाटक प्रभाग
11. केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड
12. भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार
13. मुख्य लेखा नियंत्रक

स्वायत्त एवं सार्वजनिक उपक्रम

1. प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
2. भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान
3. भारतीय जनसंचार संस्थान
4. बाल फिल्म समिति, भारत
5. भारतीय प्रेस परिषद
6. सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान
7. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम
8. ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड

मुख्य सचिवालय

15.2 सचिव इस मंत्रालय के मुख्य सचिवालय का प्रमुख होता है जिसके सहयोग के लिए एक अतिरिक्त सचिव, एक वित्तीय सलाहकार-सह-अतिरिक्त सचिव, तीन संयुक्त सचिव और एक मुख्य लेखा नियंत्रक होते हैं। मंत्रालय के विभिन्न विभागों में निदेशक/उपसचिव स्तर के 12 अधिकारी, अवर सचिव स्तर के 16 अधिकारी, 41 अन्य राजपत्रित अधिकारी और 285 अराजपत्रित कर्मचारी हैं।

सूचना सुविधा केन्द्र

15.3 प्रशासन को ज्यादा पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने के सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार 4 मई, 1997 को मंत्रालय में सूचना सुविधा केंद्र ने कामकाज शुरु कर दिया।

नागरिकों के अधिकार

15.4 कुशल और उत्तरदायी प्रशासन देने के विषय पर मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में की गई सिफारिशों के बाद, आम लोगों के अधिकारों और उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जनता से जुड़े संगठनों को जानकारी देने के लिए सभी मंत्रालयों में कार्य-दल गठित करने का फैसला लिया गया।

जन शिकायतें

15.5 मंत्रालय के मुख्य सचिवालय में एक जन शिकायत प्रकोष्ठ कार्य कर रहा है। मंत्रालय की शिकायत निवारण प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए इसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न कार्यकलापों को पूरा करने के लिए समय सीमा तय की गई है।

अनुसूचित जातियों/जनजातियों/अन्य पिछड़े वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने का प्रावधान

15.6.1 सरकार की घोषित नीति के तहत इस संबंध में जारी आदेशों के अनुरूप, मंत्रालय अपनी नियंत्रणाधीन सेवाओं और पदों पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों को समुचित प्रतिनिधित्व देने का पूरा प्रयास करता है। मंत्रालय लगातार प्रयास करता रहा है कि आरक्षण के लक्षित प्रतिशत और मंत्रालय तथा इसके संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों की विभिन्न सेवाओं और पदों पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/अन्य पिछड़े वर्गों के वास्तविक प्रतिनिधित्व में अंतर कम से कम हो। मंत्रालय, इसके संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों के कुल कर्मचारियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों का प्रतिशत पहली जनवरी, 99 को निम्नलिखित था:

	वर्ग 'क'	वर्ग 'ख'	वर्ग 'ग'	वर्ग 'घ'
अनुसूचित जाति	13	12.75	16.75	34.43
अनुसूचित जनजाति	6	4.6	10.26	13.28

15.6.2 आरक्षण नीति लागू करने से संबंधित समन्वय और निगरानी के लिए निदेशक स्तर के संपर्क अधिकारी की देखरेख में मंत्रालय में एक प्रकोष्ठ कार्य कर रहा है। मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालय, स्वायत्त निकाय और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में रोस्टर रखे जाते हैं।

15.6.3 भारत और विदेशों में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में, अनुसूचित जातियों/जनजातियों/अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारियों की भागीदारी पर पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है। मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सेवाओं और पदों में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण नीति का कड़ाई से पालन किया जाता है।

राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग

15.7.1 मंत्रालय का प्रयास रहा है कि मंत्रालय और उसकी सभी मीडिया इकाइयों आदि के सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। मंत्रालय में निदेशक (राजभाषा) का दायित्व होता है कि वह राजभाषा विभाग तथा राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियमावली, 1976 के मुताबिक गृह मंत्रालय द्वारा तय किए गए विभिन्न प्रावधानों और नीतियों को लागू कराए और उन पर नजर रखे। मंत्रालय का हिंदी प्रकोष्ठ मीडिया इकाइयों आदि द्वारा प्राप्त तिमाही प्रगति रिपोर्टों के माध्यम से राजभाषा नीति के पालन को भी सुनिश्चित करता है। संयुक्त सचिव (नीति) की अध्यक्षता में गठित राजभाषा क्रियान्वयन समिति अपनी बैठकों में इन रिपोर्टों की समीक्षा और मूल्यांकन करती है। राजभाषा क्रियान्वयन समिति की बैठक नियमित रूप से हर तीन माह बाद होती है। राजभाषा विभाग द्वारा जारी 1999-2000 का वार्षिक कार्यक्रम मंत्रालय से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों समेत सभी अधिकारियों और विभागों में वितरित किया गया।

15.7.2 वर्ष के दौरान मंत्रालय के अधीन आठ कार्यालयों का निदेशक (राजभाषा) द्वारा निरीक्षण किया गया और उसी समय स्थिति की समीक्षा की गई। इसके अलावा माननीय मंत्री महोदय द्वारा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की अपील भी जारी की गई, जिसे मंत्रालय के सभी अधिकारियों/मुख्य सचिवालय के अनुभागों और मीडिया इकाइयों में वितरित किया गया।

15.7.3 सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बल देने के लिए नौ कर्मचारियों को प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ पाठ्यक्रमों में हिंदी के प्रशिक्षण के लिए नामांकित किया गया। इसके अलावा वर्ष के दौरान तीन टाइपिस्टों और चार आशुलिपिकों को भी हिंदी टंकण/आशुलिपि प्रशिक्षण के लिए नामांकित किया गया। इस ठोस प्रयास के परिणाम स्वरूप राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के तहत सभी कागजात/दस्तावेजों को हिंदी और अंग्रेजी में जारी किया गया। साथ ही हिंदी में प्राप्त पत्रों का जवाब हिंदी में दिया गया।

15.7.4 राजभाषा के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर हिंदी का ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए मंत्रालय में नवंबर और दिसंबर 1999 के दौरान हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में 56 से ज्यादा कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा मंत्रालय में हिंदी में निबंध लेखन, टंकण, वाद-विवाद, नोटिंग, ड्राफ्टिंग, भाषण, कविता, अंताक्षरी, अनुवाद और नारे की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में 163 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। उनमें से 80

कर्मचारियों ने नगद पुरस्कार जीते। राजभाषा विभाग की प्रोत्साहन योजना के तहत नौ विजेताओं को नगद पुरस्कार दिए गए।

15.7.5 गृह मंत्रालय और राजभाषा विभाग ने 'इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार' योजना शुरू की है, जिसके तहत मंत्रालयों/बैंको/ सार्वजनिक उपक्रमों के लिए क्षेत्रवार प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार रखे गए हैं। इस योजना के अंतर्गत सभी मंत्रालयों, संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों, बैंक और सार्वजनिक उपक्रमों ने हिस्सा लिया और सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय को 1998-1999 के दौरान राजभाषा नीति को लागू करने में शानदार प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार के रूप में उपराष्ट्रपति ने शील्ड प्रदान की।

आंतरिक कार्य अध्ययन एकांश

15.8.1 आंतरिक कार्य अध्ययन एकांश विभिन्न उपाय सुझाकर संगठन की कार्यकुशलता बढ़ाने का निरंतर प्रयास कर रहा है जिससे खर्च में कमी आ सके। एकांश ने निम्नलिखित के संबंध में रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया है-

(क) भारतीय समाचारपत्र पंजीयक, कलकत्ता; (ख) गीत एवं नाटक विभाग, चेन्नई का क्षेत्रीय कार्यालय ; (ग) राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, पुणे। इन रिपोर्टों को लागू करने से प्रतिवर्ष 7,83,144 रुपये की प्रत्यक्ष बचत और 3,65,000 रुपये की अप्रत्यक्ष बचत होगी।

15.8.2 व्यवस्थापन और विधि के क्षेत्र में विलंब पर नियंत्रण के विभिन्न पक्षों के अनुपालन पर नजर रखने के साथ ही रिकॉर्ड प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अवधि के दौरान मासिक प्रगति रिपोर्ट के साथ रिकॉर्ड प्रबंधन पर दो विशेष अभियान चलाए गए, जिसके परिणामस्वरूप 5,680 फाइलों का रिकॉर्ड रखा गया, 3,053 फाइलों की समीक्षा की गई और 2,403 फाइलों की छंटनी की गई। अनुभागों/डेस्कों की व्यवस्थापन और विधि संबंधी जांच की गई ताकि दिन-प्रतिदिन के कार्यकलापों में कार्यालय प्रक्रिया नियमावली के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

15.8.3 आंतरिक कार्य अध्ययन एकांश केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए प्रशासनिक सुधार और जन शिकायत विभाग द्वारा प्रायोजित संशोधित पुरस्कार योजना को लागू कराने वाली एजेंसी के तौर पर काम करता रहा है। साथ ही वह आम जनता से सुझाव मांगने का काम भी करता है ताकि जन सेवाओं को बेहतर और ग्राहकों के प्रति मैत्रीपूर्ण बनाया जा सके।

लेखा संगठन

15.9.1 1976 में सरकारी लेखे के विभागीकरण के फलस्वरूप नियंत्रक एवं लेखा महापरीक्षक को केंद्र सरकार के नागरिक मंत्रालयों से संबंधित लेन-देन के संकलन एवं लेखा रखने की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया था। केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों के सचिवों को मुख्य लेखा अधिकारी घोषित कर दिया गया था। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव मंत्रालय के प्रशासनिक प्रमुख होने के साथ-साथ मुख्य लेखा अधिकारी भी हैं। इस काम में अतिरिक्त सचिव, वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा नियंत्रक सचिव की सहायता करते हैं।

15.9.2 1976 में सरकारी लेखे के विभागीकरण की आरंभिक अवस्था में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के मुख्य लेखा नियंत्रक ने कार्य आरंभ किया। उनके नियंत्रण में 475 विभागीय कर्मचारियों के साथ 13 वेतन और लेखा इकाइयां थीं। 1976 में वे 204 आहरण एवं संवितरण अधिकारियों की जरूरतें पूरी कर रहे थे। 31 अक्तूबर, 1999 को 578 विभागीय कर्मचारियों के साथ 14 वेतन एवं लेखा अधिकारी कार्य कर रहे थे, जिनके अधीन लगभग 603 आहरण और संवितरण अधिकारी थे। (इनमें से 421 अधिकारी चेक जारी करने के लिए अधिकृत नहीं थे और 182 अधिकारी चेक जारी करने के लिए अधिकृत थे।)

15.9.3 मंत्रालय के भुगतान संबंधी कार्य जैसे. भुगतान की रसीदों का लेखा, आंतरिक लेखा परीक्षण और लेखा प्रबंधन पूर्ण रूप से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के मुख्य लेखा नियंत्रक के कार्यक्षेत्र में हैं। संविधान के अनुच्छेद 150 के अंतर्गत संसद में प्रमाणित वार्षिक विनियोजन लेखा और संघ का सम्मिलित वित्तीय लेखा संसद को प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रपति जिम्मेदार हैं। संसद के प्रति सरकार की यह जिम्मेदारी वित्त मंत्रालय के महा लेखा नियंत्रक द्वारा पूरी की जाती है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय से संबंधित लेन-देन में महा लेखा नियंत्रक के इस उत्तरदायित्त्व को मुख्य लेखा नियंत्रक पूरा करता है।

15.9.4 मुख्य लेखा नियंत्रक अपने कार्य नई दिल्ली स्थित मुख्य लेखा कार्यालय के जरिए संपन्न करता है। उसके कार्य में एक लेखा नियंत्रक, दो उप लेखा नियंत्रक और 14 वेतन एवं लेखा अधिकारी सहयोग करते हैं। वेतन एवं लेखा कार्यालय दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, चेन्नई, लखनऊ, नागपुर और गुवाहाटी में स्थित हैं।

15.9.5 लेखा संगठन मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं: (क) विनियोजन पर व्यय नियंत्रण (ख) रसीदों का समय से लेखा (ग) वित्त मंत्रालय के लेखा महानियंत्रक को प्रस्तुत करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के लेखे को एकत्र और एकीकृत करना (घ) राजस्व प्राप्तियों, सार्वजनिक खातों, ब्याज तथा ऋणों के भुगतान की रसीदों, ब्याज भुगतान, पेंशन तथा सेवानिवृत्ति लाभ, मंत्रालय की ओर से बजट अनुमान (अनुदान संख्या 56 और 57) को व्यवस्थित करना (च) तुरंत भुगतान की व्यवस्था (छ) पेंशन, भविष्यनिधि तथा अन्य दावों का त्वरित निबटान (ज) मंत्रालय तथा मीडिया इकाइयों का आंतरिक लेखा परीक्षण (झ) संबद्ध अधिकारियों को लेखा संबंधी जानकारियां उपलब्ध कराना।

15.9.6 इनके अलावा फिल्म समारोह निदेशालय, पत्र सूचना कार्यालय, प्रकाशन विभाग और गवेषणा, संदर्भ तथा प्रशिक्षण प्रभाग को आंतरिक वित्तीय सलाह देने जैसे कार्यों का निर्वहन भी लेखा नियंत्रक तथा लेखा उप-नियंत्रक द्वारा किया जाता है।

15.9.7 इस संगठन का एक विशेष कार्य, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र की सहायता से कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था द्वारा मंत्रालय तथा संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में सेवारत लगभग 4,100 राजपत्रित अधिकारियों को वेतन देना और उनके व्यक्तिगत दावों का भुगतान करना है।

15.9.8 अप्रैल से अक्तूबर 99 के दौरान 1,49,439 बिल (इसमें वेतन और लेखा कार्यालय, 'इर्ला' द्वारा निपटाए गए राजपत्रित अधिकारियों के 36,876 दावे शामिल हैं) निपटाए गए। इनके अलावा इस अवधि में सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों की पेंशन/संशोधित पेंशन/पारिवारिक पेंशन से संबंधित 1383 मामले तथा भविष्यनिधि के अंतिम भुगतान के 162 मामले निपटाए गए।

सतर्कता

15.10.1 मंत्रालय का सतर्कता विभाग सचिव की देखरेख में काम करता है। इस कार्य में संयुक्त सचिव के स्तर का मुख्य सतर्कता अधिकारी, निदेशक (सतर्कता), तथा अन्य अधीनस्थ कर्मचारी सहयोग करते हैं। मंत्रालय के संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों में सतर्कता एकक, सतर्कता अधिकारी के अधीन हैं। मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और पंजीकृत समितियों में सतर्कता का काम इन कार्यालयों के मुख्य सतर्कता अधिकारी देखते हैं। संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों, पंजीकृत संस्थाओं तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सतर्कता संबंधी गतिविधियां मंत्रालय के मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा समन्वित की जाती हैं।

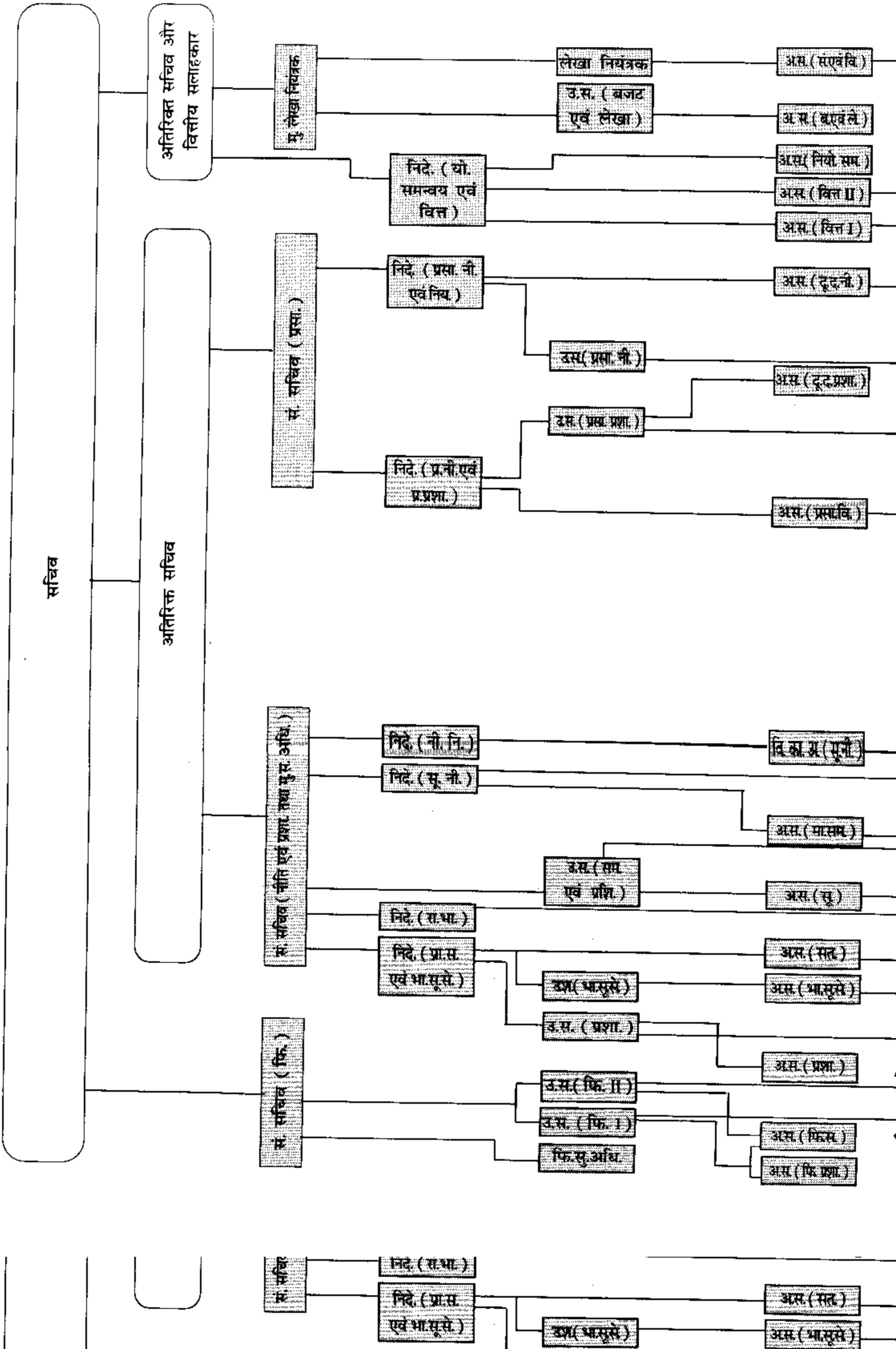
15.10.2 भ्रष्टाचार की आशंका कम करने के लिए प्रक्रियाओं को आसान बनाने की कोशिशें की गईं। संदेहास्पद निष्ठा वाले कर्मचारियों की पहचान करके उन पर नजर रखी गई। संवेदनशील पदों पर बारी-बारी से निश्चित अवधि के बाद फेर-बदल किया गया। नियमों और प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किए गए। वर्ष 1999-2000 के दौरान 190 नियमित और 47 अचानक निरीक्षण किए गए, जिनमें 9 ऐसे कर्मचारियों की पहचान की गई जिन पर निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर सरकार द्वारा चलाए गए भ्रष्टाचार-निवारक अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए मुख्य सतर्कता अधिकारी को बतौर संपर्क अधिकारी नियुक्त किया गया। रिपोर्ट की अवधि के दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त 6 शिकायतों में से 3 शिकायतें निपटाई गईं और शेष 3 पर कार्यवाही चल रही है।

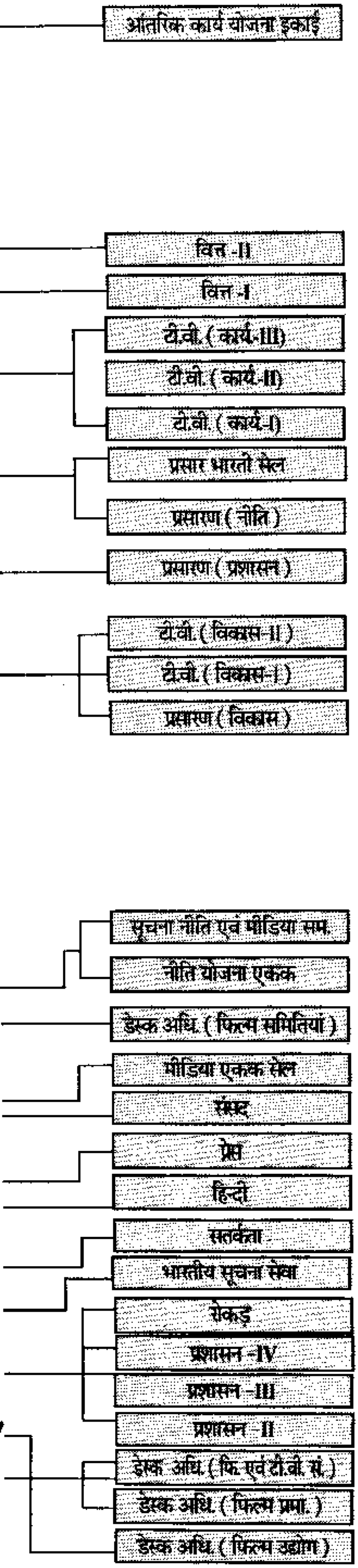
15.10.3 अप्रैल 1999 से जनवरी 2000 तक, मंत्रालय और उसकी मीडिया इकाइयों में विभिन्न स्रोतों से 214 नई शिकायतें प्राप्त हुईं। इनकी जांच के बाद 65 मामलों में प्राथमिक जांच के आदेश दिए गए जिसमें केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपे गए दो मामले भी शामिल हैं। वर्ष के दौरान 26 मामलों की प्राथमिक जांच की रिपोर्ट प्राप्त हुई। 21 मामलों में भारी दंड और 9 मामलों में हल्के दंड के लिए नियमित विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई। 10 मामलों में भारी दंड और 8 मामलों में हल्का दंड दिया गया। वर्ष के दौरान 12 अधिकारियों को निलंबित किया गया। इस दौरान एक व्यक्ति को निर्दोष ठहराया गया और केंद्रीय सतर्कता आयोग से परामर्श के बाद एक मामले को बंद

कर दिया गया। 8 मामलों में प्रशासनिक चेतावनी दी गई। इसके अलावा अपील/पुनरीक्षण/पुनर्विचार की आठ याचिकाओं पर फैसला किया गया, जिनमें से 7 याचिकाएं रद्द कर दी गईं और एक को नए सिरे से जांच के वास्ते अनुशासन बनाए रखने के लिए जिम्मेदार अधिकारी को सौंपा गया।

15.10.4 अनुशासन के लंबित मामलों पर मासिक रिपोर्टें और अभियोजन के लिए लंबित अनुमोदन की पाक्षिक रिपोर्टें सभी मीडिया इकाइयों से नियमित रूप से प्राप्त की जाती हैं और उन्हें कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग को अग्रसारित कर दिया जाता है। कार्यों की तकनीकी जांच की प्रगति और सीटीई के संगठनों के स्टोर्स/खरीद ठेकों की जांच की तिमाही रिपोर्टें मीडिया इकाइयों से प्राप्त की जाती हैं और केंद्रीय जांच आयोग (सीटीई के संगठन) को भेज दी जाती है। इसके अलावा मीडिया इकाइयों और मंत्रालय में अनुशासन के लंबित मामलों पर विचार करने के लिए मंत्रालय के मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा समय-समय पर बैठकें कराई जाती हैं।

मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट





मंत्रालय में पदनाम

ए एस एंड एफ ए	अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
ए एस	अतिरिक्त सचिव
जे एस (पी एंड ए एंड सी वी ओ)	संयुक्त सचिव (नीति एवं प्रशासन तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी
जे एस (बी)	संयुक्त सचिव (प्रसारण)
जे. एस (एफ)	संयुक्त सचिव (फिल्म)
सी सी ए	मुख्य लेखा नियंत्रक
डाये. (ए बी एंड आई आई एस)	निदेशक (प्रशासन, सतर्कता एवं भारतीय सूचना सेवा)
डाये. (पी पी)	निदेशक (नीति नियोजन)
डाये. (बी डी एंड बी ए)	निदेशक (प्रसारण विकास तथा प्रसारण प्रशासन)
डाये. (आई पी)	निदेशक (सूचना नीति)
डाये. (बी पी एंड एल)	निदेशक (प्रसारण नीति एवं विधायन)
डाये. (पी सी एंड फाइ)	निदेशक (नियोजन समन्वय तथा वित्त)
डाये. (ओ एल)	निदेशक (राजभाषा)
एफ एफ ओ	फिल्म सुविधा अधिकारी
सी ए	लेखा नियंत्रक
डी एस (एफ-I)	उप सचिव (फिल्म-I)
डी एस (एफ-II)	उप सचिव (फिल्म-II)
डी एस (सी एंड टी)	उप सचिव (समन्वय एवं प्रशिक्षण)
डी एस (बी एंड ए)	उप सचिव (बजट एवं लेखा)
डी एस (बी ए)	उप सचिव (प्रसारण प्रशासन)
डी एस (बी पी)	उप सचिव (प्रसारण नीति)
डी एस (आई आई एस)	उप सचिव (भारतीय सूचना सेवा)
डी एस (ए)	उप सचिव (प्रशासन)
यू एस (एम सी)	उप सचिव (माध्यम समन्वय)
यू एस (बी डी)	अवर सचिव (प्रसारण विकास)
यू एस (टी वी पी)	अवर सचिव (दूरदर्शन-कार्यक्रम)
यू एस (विज)	अवर सचिव (सतर्कता)
यू एस (फाइन-I)	अवर सचिव (वित्त-I)
यू एस (फाइन-II)	अवर सचिव (वित्त-II)
यू एस (आई)	अवर सचिव (सूचना)
ओ एस डी (आई पी)	विशेष कार्य अधिकारी (सूचना नीति)
यू एस (ओ एंड एम)	अवर सचिव (संगठन तथा कार्य विधि)
यू एस (एडमिन-I)	अवर सचिव (प्रशासन)
यू एस (बी एंड ए)	अवर सचिव (बजट एवं लेखा)
यू एस (आई आई एस)	अवर सचिव (भारतीय सूचना सेवा)
यू एस (पी सी)	अवर सचिव (योजना समन्वय)
यू एस (टी वी ए)	अवर सचिव (दूरदर्शन-प्रशासन)
यू एस (एफ एफ)	अवर सचिव (फिल्म समारोह)
यू एस (एफ ए)	अवर सचिव (फिल्म प्रशासन)
डी ओ (एफ एस)	डेस्क अधिकारी (फिल्म समितियां)
डी ओ (एफ टी आई)	डेस्क अधिकारी (फिल्म टेलीविजन इंस्टीट्यूट)
डी ओ (एफ सी)	डेस्क अधिकारी (फिल्म प्रमाणन)
डी ओ (एफ आई)	डेस्क अधिकारी (फिल्म उद्योग)
एडमिन-II	प्रशासन-II
एडमिन-III	प्रशासन-III
एडमिन-IV	प्रशासन-IV
वी (ए)	प्रशासन (प्रशासन)
बी (डी)	प्रसारण (विकास)
बी (पी)	प्रसारण (नीति)
कैश	रोकड़
आई आई एस	भारतीय सूचना सेवा
फाइन-I	वित्त-I
फाइन-II	वित्त-II
हिन्दी	हिंदी एकक
आई डब्ल्यू एस यू	आंतरिक कार्य अध्ययन एकक
आई पी एंड एम सी	सूचना नीति और माध्यम समन्वय
एम यू सी	मीडिया यूनिट एकक
पी बी सी	प्रसार भारती एकक
पार्लियामेंट	संसद एकक
पी पी सेल	नीति योजना एकक
प्रेस	प्रेस
विज	सतर्कता
टी वी (डी-I)	दूरदर्शन (विकास-I)
टी वी (डी-II)	दूरदर्शन (विकास-II)
टी वी (पी I)	दूरदर्शन (कार्यक्रम-1)
टी वी (पी-II)	दूरदर्शन (कार्यक्रम-II)
टीवी (पी-III)	दूरदर्शन (कार्यक्रम-III)

परिशिष्ट - II
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
योजना तथा गैर-योजनागत बजट विवरण
मांग संख्या 55 — सूचना और प्रसारण मंत्रालय

क्र.सं.	माध्यम इकाई का नाम गतिविधि	बजट अनुमान 1999-2000		
		योजना	गैर-योजना	योग
1	2	3	4	5
	राजस्व खंड			
	मुख्य शीर्ष '2251'			
	सचिवालय — सामाजिक सेवाएं			
1.	मुख्य सचिवालय वेतन और लेखा कार्यालय सहित मुख्य शीर्ष '2205' — कला और संस्कृति	56.00	1243.00	1299.00
	सिनेमेटोग्राफिक फिल्मों का सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणीकरण			
2.	केंद्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड	60.00	148.00	208.00
3.	फिल्म प्रमाणीकरण अपील न्यायाधिकरण	-	6.00	6.00
	कुल : मुख्य शीर्ष '2205'	60.00	154.00	214.00
	मुख्य शीर्ष '2220' — सूचना और प्रचार			
4.	फिल्म प्रभाग	295.00	2520.00	2815.00
5.	फिल्म समारोह निदेशालय	285.00	351.98	636.98
6.	भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार	115.00	93.68	208.68
7.	सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, कलकत्ता	500.00	-	500.00
8.	राष्ट्रीय बाल एवं युवा फिल्म केंद्र को सहायता अनुदान	650.00	15.00	665.00
9.	भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान, पुणे को सहायता अनुदान	500.00	530.25	1030.25
10.	फिल्म समितियों को सहायता अनुदान	4.00	-	4.00
11.	गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग	18.00	89.50	107.50
12.	भारतीय जनसंचार संस्थान को सहायता अनुदान	370.00	347.03	717.03
13.	विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय	145.00	4327.13	4472.13
14.	पत्र सूचना कार्यालय	108.00	1654.36	1762.36
15.	भारतीय प्रेस परिषद	-	226.90	226.90
16.	पी.टी. आई. को ऋण के ब्याज पर सबसिडी	-	12.25	12.25
17.	व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	-	38.22	38.22
18.	क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय	136.00	1911.21	2047.21
19.	गीत और नाटक प्रभाग	180.00	1326.00	1506.00
20.	प्रकाशन विभाग	60.00	1051.10	1111.10
21.	रोजगार समाचार	-	1504.40	1504.40
22.	भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक	-	182.43	182.43
23.	फोटो प्रभाग	4.00	241.56	245.56
24.	संचार के विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम अंशदान	-	13.00	13.00
	कुल : मुख्य शीर्ष '2220'	3370.00	16436.00	19806.00
	कुल : राजस्व खंड	3486.00	17833.00	21319.00

(लाख रुपये में)

संशोधित अनुमान 1999-2000			बजट अनुमान 2000-2001		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
6	7	8	9	10	11
56.00	1287.00	1343.00	52.00	1409.00	1461.00
60.00	139.00	199.00	90.00	149.00	239.00
-	5.00	5.00	-	5.00	5.00
60.00	144.00	204.00	90.00	154.00	244.00
295.00	2499.70	2794.70	300.00	2583.20	2883.00
338.00	348.35	686.35	420.00	351.50	771.50
113.00	91.06	204.06	101.00	97.93	198.93
500.00	-	500.00	650.00	-	650.00
460.00	15.00	475.00	650.00	15.00	665.00
48.00	530.25	578.25	550.00	567.37	1117.37
4.00	-	4.00	4.00	-	4.00
18.00	79.60	97.60	14.00	85.00	99.00
370.00	418.00	788.00	462.00	363.59	825.59
145.00	4571.38	4716.38	135.00	5110.58	5245.58
96.00	1683.79	1779.79	112.00	1827.29	1939.29
-	221.88	221.88	-	227.00	227.00
-	12.25	12.25	-	12.25	12.25
-	30.00	30.00	-	35.00	35.00
125.00	1837.58	1962.58	165.00	1933.04	2098.04
190 00	1362.15	1552.15	220.00	1386.00	1606.00
74.00	1074.96	1148.96	98.00	1126.55	1224.55
-	1455.02	1455.02	-	1658.50	1658.50
-	190.30	190.30	-	219.72	219.72
4.00	236.73	240.73	30.00	252.48	282.48
-	13.00	13.00	-	13.00	13.00
2780.00	16671.00	19451.00	3911.00	17865.00	21776.00
2896.00	18102.00	20998.00	4053.00	19428.00	23481.00

क्र.सं.	माध्यम इकाई का नाम गतिविधि	बजट अनुमान 1999-2000 योजना	 गैर-योजना	 योग
1	2	3	4	5
	पूंजी खंड			
	मुख्य शीर्ष '4220'			
	— सूचना और प्रचार के लिए पूंजी परिव्यय			
	अ) मशीनें और उपकरण			
1.	फिल्म प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद	310.00	-	310.00
2.	पत्र सूचना कार्यालय के लिए उपकरणों की खरीद	64.00	-	64.00
3.	क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के लिए उपकरणों की खरीद	86.00	-	86.00
4.	गीत और नाटक प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद	20.00	-	20.00
5.	फोटो प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद	146.00	-	146.00
6.	मुख्य सचिवालय के लिए उपकरणों की खरीद	119.00	-	119.00
	आ) भवन			
7.	फिल्म प्रभाग की बहुमंजिला इमारत का मुख्य निर्माण कार्य	25.00	-	25.00
8.	भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के कार्यालय भवन का मुख्य निर्माण कार्य	65.00	-	65.00
9.	फिल्म समारोह परिसर में नए निर्माण तथा पुराने में परिवर्तन संबंधी प्रमुख निर्माण कार्य	41.00	-	41.00
10.	कलकत्ता में फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान की स्थापना -- भूमि अधिग्रहण तथा भवन निर्माण	200.00	-	200.00
11.	सूचना भवन परिसर — प्रमुख निर्माण कार्य	200.00	-	200.00
12.	क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के अंतर्गत कार्यालय तथा आवासीय भवनों का प्रमुख निर्माण कार्य	-	-	-
13.	पत्र सूचना के लिए राष्ट्रीय प्रेस केंद्र और लघु-मीडिया केंद्र की स्थापना	38.00	-	38.00
	विनिवेश : ब्रॉडकास्टिंग इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स (इंडिया) लिमिटेड	1314.00	-	1314.00
	कुल पूंजी खंड			
	कुल : मांग संख्या 55	4800.00	17833.00	22633.00

(लाख रुपये में)

संशोधित अनुमान 1999-2000			बजट अनुमान 2000-2001		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
6	7	8	9	10	11
310.00	-	310.00	382.00	-	382.00
64.00	-	64.00	40.00	-	40.00
86.00	-	86.00	-	-	-
5.00	-	5.00	5.00	-	5.00
146.00	-	146.00	90.00	-	90.00
119.00	-	119.00	40.00	-	40.00
23.00	-	23.00	18.00	-	18.00
65.00	-	65.00	34.00	-	34.00
407.00	-	407.00	500.00	-	500.00
200.00	-	200.00	150.00	-	150.00
200.00	-	200.00	200.00	-	200.00
-	-	-	-	-	-
30.00	-	30.00	58.00	-	58.00
-	-	-	100.00	-	100.00
1655.00	-	1655.00	1617.00	-	1617.00
4551.00	18102.00	22653.00	5670.00	19428.00	25098.00

क्र.सं.	माध्यम इकाई / का नाम गतिविधि	बजट अनुमान 1999-2000		
		योजना	गैर-योजना	योग
1	2	3	4	5
राजस्व खंड				
मुख्य शीर्ष '2221'				
आकाशवाणी				
1.	निर्देशन तथा प्रशासन	580.00	1901.00	2481.00
2.	परिचालन तथा रखरखाव	410.00	8732.00	9142.00
3.	विज्ञापन प्रसारण सेवा	0.00	3265.00	3265.00
4.	कार्यक्रम सेवाएं	832.00	32799.00	33631.00
5.	समाचार सेवा प्रभाग	0.00	2493.00	2493.00
6.	श्रोता अनुसंधान	0.00	275.00	275.00
7.	विदेश सेवा प्रभाग	25.00	559.00	584.00
8.	योजना और विकास	241.00	1309.00	1550.00
9.	अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	111.00	636.00	747.00
10.	उचंत	0.00	7050.00	7050.00
11.	एन.एल.एफ. में अंतरण	0.00	9375.00	9375.00
12.	अन्य व्यय	1.00	734.00	735.00
	कुल : आकाशवाणी (राजस्व)	2200.00	69128.00	71328.00
दूरदर्शन				
1.	निर्देशन तथा प्रशासन	1.00	1827.00	1828.00
2.	परिचालन तथा रखरखाव	3100.00	15195.00	18295.00
3.	विज्ञापन सेवाएं	0.00	8686.00	8686.00
4.	कार्यक्रम सेवाएं	6398.00	30067.00	36465.00
5.	श्रोता अनुसंधान	1.00	151.00	152.00
6.	उचंत	0.00	7500.00	7500.00
7.	एन.एल.एफ. में अंतरण	0.00	47725.00	47725.00
8.	अन्य व्यय	0.00	685.00	685.00
	योग : दूरदर्शन (राजस्व)	9500.00	111836.00	121336.00
	प्रसार भारती की सहायता अनुदान	0.00	0.00	0.00
	कुल : राजस्व खंड	11700.00	180964.00	192664.00
	पारित	11700.00	180960.00	192660.00
	भारित	0.00	4.00	4.00

(लाख रुपये में)

संशोधित अनुमान 1999-2000			बजट अनुमान 2000-2001		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
6	7	8	9	10	11
567.00	2014.00	2581.00	0.00	0.00	0.00
400.00	8771.00	9171.00	0.00	0.00	0.00
0.00	3406.00	3406.00	0.00	0.00	0.00
579.00	35203.00	35782.00	0.00	0.00	0.00
0.00	2676.00	2676.00	0.00	0.00	0.00
0.00	289.00	289.00	0.00	0.00	0.00
8.00	570.00	578.00	0.00	0.00	0.00
204.00	1404.00	1608.00	0.00	0.00	0.00
92.00	666.00	758.00	0.00	0.00	0.00
0.00	7050.00	7050.00	0.00	0.00	0.00
0.00	7500.00	7500.00	0.00	0.00	0.00
0.00	754.00	754.00	0.00	0.00	0.00
1850.00	70303.00	72153.00	0.00	0.00	0.00
1.00	1873.00	1874.00	0.00	0.00	0.00
1852.00	15775.00	17627.25	0.00	0.00	0.00
0.00	7565.00	7565.00	0.00	0.00	0.00
9528.00	33613.00	43141.00	0.00	0.00	0.00
1.00	158.00	159.00	0.00	0.00	0.00
0.00	9000.00	9000.00	0.00	0.00	0.00
0.00	41500.00	41500.00	0.00	0.00	0.00
0.00	1424.00	1424.00	0.00	0.00	0.00
11382.00	110908.00	122290.00	0.00	0.00	0.00
0.00	0.00	0.00	4300.00	92000.00	96300.00
13232.00	181211.00	194443.00	4300.00	92000.00	96300.00
13232.00	181209.00	194441.00	4300.00	92000.00	96300.00
0.00	2.00	2.00	0.00	0.00	0.00

[illegible]का नाम	बजट अनुमान 1999-2000		
[illegible]शीर्ष	योजना	गैर-योजना	योग
1 2	3	4	5
पूंजी खंड मुख्य शीर्ष '4221'			
आकाशवाणी			
1. मशीनें और उपकरण	51.00	0.00	51.00
2. स्टूडियो	2685.00	0.00	2685.00
3. ट्रांसमीटर	4027.00	0.00	4027.00
4. उचंत	0.00	450.00	450.00
5. अन्य व्यय (स्थापना तथा विविध निर्माण योजनाएं)	3237.00	0.00	3237.00
कुल : आकाशवाणी	10000.00	450.00	10450.00
पारित	9950.00	450.00	10400.00
भारित	50.00	0.00	50.00
दूरदर्शन			
1. मशीनें और उपकरण	65.00	0.00	65.00
2. स्टूडियो	8811.00	0.00	8811.00
3. ट्रांसमीटर	14551.00	0.00	14551.00
4. उचंत	0.00	560.00	560.00
5. अन्य व्यय (स्थापना तथा विविध निर्माण योजनाएं)	6225.00	0.00	6225.00
कुल : दूरदर्शन	29652.00	560.00	30212.00
पारित	29620.00	560.00	30180.00
भारित	32.00	0.00	32.00
1. प्रसार भारती को ऋण*	0.00	0.00	0.00
कुल : मुख्य शीर्ष '4221'	39652.00	1010.00	40662.00

* चूंकि 1.4.2000 से प्रसार भारती के खाते अलग कर दिए गए हैं इसलिए वर्ष 2000-2001 के लिए राजस्व खंड को शुद्ध आधार पर सहायता अनुदान तथा पूंजी खंड को प्रसार भारती को ऋण के रूप में दिखाया गया है।

संशोधित अनुमान 1999-2000			बजट अनुमान 2000-2001		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
6	7	8	9	10	11
34.00	0.00	34.00	0.00	0.00	0.00
2301.60	0.00	2301.60	0.00	0.00	0.00
3435.65	0.00	3435.65	0.00	0.00	0.00
0.00	450.00	450.00	0.00	0.00	0.00
3128.75	0.00	3128.75	0.00	0.00	0.00
8900.00	450.00	9350.00	0.00	0.00	0.00
8850.00	450.00	9300.00	0.00	0.00	0.00
50.00	0.00	50.00	0.00	0.00	0.00
50.00	0.00	50.00	0.00	0.00	0.00
7110.00	0.00	7110.00	0.00	0.00	0.00
14965.00	0.00	14965.00	0.00	0.00	0.00
0.00	560.00	560.00	0.00	0.00	0.00
6527.00	0.00	6527.00	0.00	0.00	0.00
28652.00	560.00	29212.00	0.00	0.00	0.00
28470.00	560.00	29030.00	0.00	0.00	0.00
182.00	0.00	182.00	0.00	0.00	0.00
0.00	0.00	0.00	17030.00	0.00	17030.00
37552.00	1010.00	38562.00	17030.00	0.00	17030.00